



॥ श्रीः ॥

अमरकोशः

श्रीमदमरसिंहविरचितः।

मुरादावादवास्तव्यश्रीयुतगौडवंशावतंसभोलानाथा-

त्मजपण्डितरामस्यरूपस्त्रतभाषाटीकया

शब्दानुक्रमणिकया च समेतः ।

सोऽयं

खेमराज श्रीकृष्णदासश्रेष्टिना

सुम्बय्यां

स्वकीये "श्रविङ्काटेश्वर्" स्टीम्-यन्त्रालये मुद्रियत्वा प्रकाशितः ।

पीप सबत् १९६२. राके १८२७.

'दुनर्मुद्रणादि सर्पाधिकार "श्रीबेष्ट्रङेखर" देसाप्यस्टे स्वाधील स्टब्स है.



		21.00(1.14(4)	- 1.0 m	21.1411		
	- "	क्षेत्र राष्	t the	श्रीर	शक्य	бa'
Ŧ	1 == 1	de tobush	908	30	612	1 203
	\$ = = .	A 54.64	ς ٠٠	4	100	1 202
A 100	€ €	" Gendina	40	3	अनुगत	59
A areas	3 3	you without	266	= 77	साना	2 9 %
٠	*~	Secure	14.7	44	लंजन	16
** ***	**	sumhte a	63	×	समगेसा	٧,
	4 " "	4. Landing	c	48	धननात्री।	१८
*		مسكفاء أأساء	4	₹ ₹	et निरु	13.1
	,	1 1	11.		टाजना	1-00
	3	t 9	1 . 33	30	1	1 = 19
		, , ****	9.9	134	खाउनी	4
-		, , , ,	24	la la	भागान	د'ه
	, ,	٠ ۽	19	311	अर्भ	Çs
~	•	. 1 7	, .	700	नगरम	436
		11-41	٠,	1 24	F()	\$ 5%
		ı 4 ₁ 7	12	119	,,,,,	•
		*	5:		ाणक १८५७	203
			-	۲ ६	, પાંચ	955
		4	5 ,	3 €	िगमन	ዓ ⁶ ጀ ዓ የ
		t	1	2 \$	अंगियम	
			9.7	5 1	30144	200
				€ -	13	\$ 9:0
			1 1 n	٧,	17	503
					-1 + 2 -1	
			* *	,		3 * "
		,	;	3 4	? ** #g	} ;;;
			Ł	101	To account	1 "
ı			,		1-1	* 4
		•	•	11	122 - P + 174	
			*]	m (-,	., -
		,		, ,	27-15ts	361

तिस्ति है। है। जीत है।		
ति है । हि है	हार हा के विमरकोशक	
ति है । हि है	्रीहरू	
रेण	िंद की दिखा विद्	
तिकार है। तिकार हिन्द है अपम है अपम हिन्द है अपम है अपम हिन्द है अपम है अपम हिन्द है अपम है अपम हिन्द है अपम है अपम हिन्द	रें रेप शितियोग रेप जो र	_
देश प्रमान है । जिस्सा है । ज	मा कि रे हिताहिया वर ३३ प्रा	
तिस्त के क्षित के के क्षित के	विवास १६४ ९४ अधम ।	
ति ।	र है । जिसी प्राचित वर्ष विभावनाम ५६ १७ विस्तार्थ (२०७	
विजय १९६ वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग	निर्देश मिल्ला १६ १६७ विनित्त २११ १६ अहर	
तिनहोतित् । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	-) विजय भेर प्रातिका १७५	
शतिन के कि	ीं वे १ ३३ विस्मानी है १ विस्मान	7
तिनाय है। है अत्यर्थ किया निर्मा किया किया किया किया किया किया किया किय	पतिन १५ ३४ विमासकः ४६	٦
तिनात	विकार है । जिसमें जिल्ला कर जिसम	٠,
भिनात है जिस्सार १५५ है जिस्सार १५५ है जिस्सार १५५ है जिस्सार १६८	१ १ वर्ष वर्ष १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	•
मिनात्र ६६ तथ व्यक्ति १४४ ६ तथ विद्यक्ति १४६ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष	र्भाषकाम १६ विधिकाम	,
मिन्ति । ज्या ।	र प्राप्त के जिल्ला कर जिल्ला है ।	
भागितिक उड़ अद्भाव अव अधिक १००० १९०० १९०० १९०० १९०० १९०० १९०० १९०	महिमक १६ वर्ष ३३ अधिकि १४४	
भानीर के अन्य कार्य कार	भी किल्ला १३ के १३ अधिलाक १३	
भारतिय । १६ १० अण् । अपनित्र १९६ ११ भारतिय । १६ १६ अण् । अपनित्र १६ १६ भारतिय । १६ १६ अण् । अपनित्र १६ १६ भारतिय । १६ १६ अण् । अपनित्र १६ १६ भारतिय । १६ १६ अण् । अपनित्र १६ १६ भारतिय । १६ भारतिय । १६ १६ भारतिय । १६ भारतिय	भागोर इं अन्तर के अधिव देखें	
भितिस के कि	मानेनक भारता १९८	
मितिन १६ ०० वर्ण अविद्या १०५ १० वर्ण अविद्या १०० वर्ण अवद्या १०० वर्ण वर्ण वर्ण वर्ण वर्ण वर्ण वर्ण वर्ण	110	
धानिसक्ति १६ ६० अन् न्या निर्मा १७५ ७ भिताय १६ ६० अन् न्या निर्मा १५५ १५ भिताय १६ ६० अन् न्या निर्मा १५५ १५ भिताय १६ ६० अन् न्या निर्मा १५६ १५ भिताय १६ १५ अस्ति १६० १६ भिताय १६६ १६६ १६० १६६ भितायक्ति १६६ १६६ १६६ १६६ १६६ १६६ १६६ १६६ १६६ १६	मिति दर १० ००० १० निविद्या १२१ १	
मिनिशय हिंद के जिल्ला के	नीनेसके	
भितास्त । १६ दिन । १	मिनिश्च । विस्ति अस्ति । विस्ति ।	
्राधिमा १०० । प्राप्त १४६ । प	عالم المعلق المع	
नित्तरहरू रेष्ट्र नित्तरहरू रेष्ट्र नित्तरहरू १९६ - च इंडिंग्स्ट्रिस् नित्तरहरू १९६ - च इंडिंग्स्ट्रिस् नित्तरहरू १९६ - च इंडिंग्स्ट्रिस्	1370-	
भी ने संस्था के कि के कि	C11-765-	
्र निह्मकादिन् । निर्मान १९७ १० निर्मान	म्यानिया १६० १८० १८० १८०	
४ १ विश्वन १९ अथानाव १६		
अधीनच	71.07	
***	े धीनुस्य	

	·	

390

299

306

18

अप्रगुण

अप्रत्यक्ष

अप्रधान

अप्रहत

७२

49

Ęo

4

अभिचर

अभिचार

अभिजन

अभिजान

भमरकोशशब्दानुक्रमणिका ।

•			अमरकाश्	शिद्धानु	क्रमाग	का ।			
शब्द.	ge.	श्लोक	্ গহরু	पृष्ठ	स्रो	ক. গ্ৰহ			
अपवाद	{ 583	93	अप्राय्य	₹°.		क. । शहर १९ अभिज	. पृत् १९		
अपवारण	{ 9 9 9 9 9 9	92	अप्सरस्	{ y:		१ अभिनम्	1.	9	
अपशब्द	3.5	१२५ २	-1 1163	5 6		७ अभिया	न ३		
भपष्टु	242	68	1 112	3 3	,	॰ अभि या		3	
अपसद	950	9 €	अवला	203	•	६ अभिनय		?	
अ पसर्पे अपसव्य	990	45	अवाध	१०४ २१२		२ अभिनव		1	
अपस्कर	२५२ १८३	۶۶	अब्ज	1 99	9.				
अपस्नात	999	५५ ५९	1	1 233		1 11 11 11 11 11	•		
अपहार	२२२	45	अञ्जयोनि	c	Ş	-11-11-1-4			
अपापति	४९	, z	अब्द .	र २७	२०	अभिनीत	्री १४७ १२४१		
भपाङ्ग	∫ १२३	98	जिल्द .	्रि४३ २४३	66	411414	240	ı	
	(२३१	39		J 89	१४६	अभिप्राय	२२३		20
अपान	94	£ 3	अस्थि	{ २४५	१ १०१	्रामन्ति	२०४		٠,
अपामाग	1998	७३	अञ्घिकफ	964	904	जाममर्	२६६	5,	
अपारत	८२ १९९	66	अन्रह्मण्य	89	98	अभिमान	{ x3	9:	33
अपासन	468	993	अभय	94	958	अभियोग	(२४७ २२१	1	7
अपि	ર્ષ્ક	288	अभया अभया	ડ ૭	49	अभिरूप	२५१	93	10
अपिधान	95		अभापण अभिक	१३८	şε	अभिलाव	२२४		14.
अपिनद्व	444		अभिक्रम	***	२४	अभिलाप	88		1.
अपूप अपोगड	408	86	अभिख्या	959	९६	अभिलापुक	२००	1	4
अपति	993	0.4	अभिम्ह	२५५	४५६	अभिवादक	२०१	•	1 1 m
आपित	94 98	÷ 4	अभिग्रहण	२२१ २२२	93	अभिवादन	938		174
अप्रकाण्ड	ές	46	अभिघातिन्	984	99	अभिव्याप्ति अभिशस्त	२१९		714
	7 -	2 5	अभिन्य	•	• • • 1	जामशस्त	308		

अभ्य

1

अस्वी

1

.

अभिशस्ति

अभिशाप

अभिपङ्ग

अभिषव

308

936

३५

२३१

988

989

90

99

9

900

८२

946

२२३

1933

रे २४६

२४२

- 1-

अमरकोश्राणव्यान	
अमरकोश्रभव्दातुकमणिका।	
्राभिषेणन १६१ राह्य- पा	(
भित्रस्थात २१७ ११० विष्यान्त ११६ ५८ वर भूते	T
नार मिसारिया १०६ १० जिल्याचा २०९ ६७ जमावस्या १४३	8
रिषट १६५ विस्तिमान १३० वामिन २५ ८	
नभीर देश ने विश्वास ने हैं है असून रेश हैं।	
्रान्त । ममीन्याम् रिष्पं व वान्त्रपासि २२१ वर्षे	
. । भर्मादिसत रिक्क ५३ टाइ रिक्क ४७ व्याप्त	
्ट के के कि के कि के कि के कि के कि	
१ द्वारा समाया ३१९ है असमातम ७३ ३० (३४० ७६	
हिल्ला समाहि हुई७ २१९ विस्ता १६ ४६ विस्ता १८ ४८	
१४ देश अस्ति १०९ ६७ असि १६ अस्ति। स्व	
ं स्था । अन्यक्ति । व द प्रस्ति । व द द प्रस्ति । व द प्रस	
विस्त्रीमिन्नीय १८१० प्रमान १५६ ३३ अस्त्रिशील (२६० १८०	t
्रिम्पूर "अध्यक्षे १५७ ७५ वामराननी ७ ७ विम्बुष्ट १८७	
् हिमारत । विस्तिक १४२ ६३ विसर्प	
१० शामिन्यापि रो विभ्यवस्थल्यम् १६३ १९० अमल २०२ ३२ जाम्या ४९	
प्रशासित १, वाम्यात्यान ३६ १११ असला ८९ १२७ वास्त ११ ३७	
१९ हम्भाग र निवास १६२ १०५ हमास १९३ २५० अस्तुक्या १९	
विकास हिता है। जिल्लासम् उरे हैं।	
99	

	:	भमस्कोश	शब्दानुका	मणिका	ı					
** ** * * * * *	- TE.	भारकोश धारा धारमेड धारमेड	पूछ, ५ ५ ६ ३ ३ ८ ८ १ ७ ५ १	की क. १३० १४० १४० १४४ १४४	शब्द. अर्जन अर्जन अर्जन वर्जनी	हुए. ८१ १७५ १७८ १७८ २३७	١,	14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 1	\$3. 9.3 7.4 7.4 7.4 7.4 9.0	
	1 3 1 4 4 4	Talker feet	11	\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$	अर्थस् अर्थन्यः अर्थन्यः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः अर्थनाः	\\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\	\$ 3 e & \$ 1	柳柳 我我们们们们的好好了一个一个人	12 c 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12	ا م ا کا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا
				,		(***	·		1 115	3/1: 11

	-
अमरको शाय	
्रोक, / शन्दः हु महर्	
१: विक्र अभिक्र १४ छोक.	९
°° िसं १०३ ३८ एट. स्ट्रीफ़	
5 1 2 5 1 2 5 1 2 5 1 2 5 1 2 1 1 1 1 1	ं श्लोव
	3 35
186	908
रेडे वास रिंग कर्म १०० ०० वर्षा वासमूच हुई	\$
16 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	४७
४४ / व्या विकास	e e
ac 1 भारत दे की प्रशासिक की दिवासी	२२७
१२ विष १ भर्मातः ५४ विक्रिन ३१ वितिन	3 5 c
४८ ११. वर्षान् १९७ १६ जालन् ६४	¥e.
ि हिंदित १६ विस्प	ነ :
्रिकाला विशिक्त	< n
हर विस्ता	:
प्र निर्मित है। धारित १०० है। धारिमारम प्र १०० विस्तिरण १००	
१०० विस्ति। १६३ विस्तिमा ३०८ ६३ अस्म इने ८०	
१६ विवयर १६ हिन्द्रातम	
्र विदेश भी द्वाराजी वहर वहर विविधाला है वे वेट विविध	
्रायुक्त प्राप्त ४८ - विविक्त ५५ विविक्त	
८० विषे हि लात्यारमा । १२ ४ विषयातीन ६८ ५ जिल्ला	
२७ सिर्पनहा स का ना १०४ ६६ विकालित की एड हिस्सान की	
lendard 4: 4 se letters	
३५ विषयात्र हरा तर १८० वह विद्यार विषय	
वह लिख हैं। द्राप्ता रेट्र प्रवाद रिक्रिया रेट्र प्रवाद रिक्र रिक्रिया रिक्र प्रवाद	
८५ वर्षाहरू १६६ १६६ १६५ १६६	
10 state 100 car 100 car 200	
the same and the s	
• • •	

असरकोशराज्यानुक्रमणिका ।

			अवर्याक	।राज्यानुः	रुमागन	7 1					
-				•							
शब्द.	রূম	खोक.	शब्द.	1 33	वर्ग-	या है.	-			_	
अवमानन	- 1	२३	अग्राक्युणं	-		- 1	Āri		Marie 1	7	
अवमानित	त २१७	905	स्वा ध	-	•		ي د ز	*,	,	3.6	
अवयव	996	U o	अग्राची	२१०		अगोक	. U:	-	A THE	354	
अवर्	940	४०	अवाच्य	ور ۾	•	अगोक्तरी	हेगी ८३	•	अन् न	<i>y</i> ,	
अवरज	493	83	1	3 1	२१	अस्मगर्भ	963	?	or particular	(ARI) .	
अवरति	२२ ६	30	अवार	40	6	अञ्चल	964	4	3 7570	2.,	
अवरवर्ण	160	9	अवासम्	२०४		अमन्	5 5		असि	1-	
अवरीण	318	58	अवि	306	•	अरमन्त्र	909		अधिक	305	
अवरोध	, £3	92	अविम	{ २६५	•	अस्मगु न्	66		अस्तिन	30	
अवरोध न	ÉŚ	99	आवेत आवेत	७९	દ્	अरमगी	995		न्योग्न	366	
अवरोह	ĘŖ	99	अविद्य	२१७	308	अश्मगार	968		असिनेनुस	1:0	
अवर्ण	3 €	93	अविनीत	39	G	अश्रान्त	9 5		ming 3	1:2	
अवलक्ष	35	93	अविरत	500	23	,अधि	950		अमृ	154	1
अवलम	92	७९	जावस्त	3.6	€ %	अधु		ŧ	व्यापा	3:5	,
अवलवित	38€	68	अविलम्बित	ا ا ا	54	गर्ड अश्वील	923 35		अनुर	,	4
अवलाुज	63	44	अविस्पष्ट	रे २१२	٤ ۶	अम्र		,	अन्ति	X3	
अववाद	980	२५	अवीचि	३्७	58	1	353		क्ष्या	n	
अवस्यम्	२७८	98	अवीरा	86	9	अचकर्णक	હું	3	ब्यु न्सम्	113	•
अवस्याय	२०	90	अवेक्षा	905	99	अचत्य	હ૧	3	And	19.	
अवष्टब्ध	₹४६	908	अन्यक्त	२२५	२८	असयुक्	२१	;	यम्बन्दर	303	•
अवसर	२२४	28	अञ्चक्तराग	२३८ ३२	६२	अश्ववडव	२८८	1	\$FF }		1
अवसान	33€	- 1	अन्यण्डा		94	গদ্বা	१५२)	?1 <u>?</u>	3
अवित्	रिश्प	30		ر دې	८६	अश्वाभरण	२३५		3.64	316	۷
*	रे २५७	906	अन्यया	१ ९२	५९ १४६	अश्वारोह	348	•	-4	115	1
. 115	199	ξu	अन्यय	२९५		आसिन्	3 5	4	व न्तु	रेड	1.
	र २५८	980	अव्यवहि ।	२०९	३४ ६८	अधिनी	२१	ą į	केंद्र	Pic.	13
• -	38		अशनाया	905	५४	अचिनीमृत	9 ર	ųį		147	63
્રા ર ફિત્યા	५३		अशनायित	200	50 20	अभीय	945	٧′	બ ન્યુ	ीर वैदेड	77
६ ^८ या. अव हेलन	४५		अशनि	93	४७	अपदर्क्षाण	१४७	₹₹	2.236	र १६ रे०'र्	ie
	د م کیم		अशि	२१८	999	अष्टापद	968	۸٠ ۲ ₄		\$0\$	\mathbf{q}
अवाक्	{१९८ १९८		अशिची	995	99	अष्टीवत् (अष्टीवत्	984	3 •	_		\$ 3
	(124	३३ ∣र	গগ্ৰুম	२९१	23	अधावत असङ्गत्	998		\$P\$ }	११७ १२३	:,
					. ,	1514	२७५		(:	3 t	25
										٠ ١	işê j

भोक U 229 59 94

	•
	27
	अभरकाश्राष्ट्राच्या ०
	अमरकोशरान्द्रानुकमणिका।
	48.
	- विवा
	106 30
	ं जायुन १९० असप
	्रास्ति १६ शिल १९ १०० थ्रीः स्रो
	1 1/42/14/14/14/14/14/14/14/14/14/14/14/14/14/
	्या । तार्ष है जिल्हा १६ अहिन १४६ ३३५
	भारत १६ विकास
	1 10 100
	" (14) (14) (14) (14) (14) (14) (14)
	नायत १६ विस्मान
	Might 15 8x Greats 105 60 MM XC
	ार्राधनका विद्यालया १२ आक्रम
	भासपन्त १२ व्यक्ति ५० । १०
	भिस १९ विहास्त १९ ३ । १९३
	अंदेवरिया व व अंदिनीविद्या व विकास भी छ।
	असुर १५ अहम्मान १०० राज्य
	2000 2
	भस्किण १ अस्पीन । आमीड १४३ ९०
	भन्या अहमुख ः आक्रोप ६७
	3727
	असीम्यस्य ३०३ अहाच अधारण ३६ १४
	ारा । ६ अपन्न । , गमापन , । ।
	121
	असम् वर्षाह्य १६
	अस्ति १८ ९.६ अन्तिका १६
	अस्ति १९ अस्तिकेच ११ आख १२ अस्तु १९ आहेमा ११ अस्ति १८
	ر المعالم المع
	निक्र विकास
	्राप्तर के अधिकाल का का किया है। जा किया के किया के किया किया किया किया किया किया किया किया
	अक्टर-
	Cyc. ST
	₹ € ~
J	्रे आम
•	6499 6
	the standard and the st
	ه د د می می می د د د د د د د د د د د د د
	1 10

• •				. •				
शब्द.	पृ ष्ठ -	लोक.	शस्द	पृष्ठ.	श्लोक.	शब्द.	वृ ष्ट	🦋 कृ
शा पहाचणी	२ १	२३	आणवीन	१६६	υ	आदन	२४२	माक्याम २०४
सार्	হ্ডহ	२३९	आतङ्क	२२९	90	आदेष्ट्र (घा)	923	भाषद ' १५८
श्गीतक	४२	9 €	आतचन	२४८	994	आद्य	२११	भारत २०४
सातिरस	29	28	आतताथिन्	२०५	४४	आद्यमाशक	963	आयगमना १०९
सानमन	936	3 €	חבווכ) २३	38	आयून	200	, भाषमित्यक १:६
सानाम	904	٧S	आतप -	रे २८९	२०	आयोत	२२८	आपन १९४
क्षाचार्य	933	v	आतपत्र	988	32	आधार	Eg Eg	अस्मैड ५३३
सानार्ग	900	38	आतर	49	33	आधि	1 88	अएगीन १७२
भागपनि	900	94	आतापि	900	२१	બાાવ	र् १४४	े नापित (१७१
रयस्तिक	363	60	आतियेय	१३८	33	आधू त	२१२	ँ { २२७
	199	93	आिभ्य	936	३३	आधोरण	948	^{अर} अगस १४५
817777A	1	994	आतुर	995	40	आध्यान	RR	र वान्त्र ४९
	£ 286	954	आनीय	34	4	भानक	{ 80	भागान २८८ .
भाग नार्थ हुन	•	3 4	आत्तगर्न	308	४०		े २२८	शामन्सम २२०
≈ा इत्तर	19.9	२३	आत्मगुप्ता	८२	८६	आनकदुन्दुवि		विवाद ५३८ ०
ध चड	1360	99	आत्मघोष	900	२०	आनत	290	भूजितान ००
יין די די בייני אין אין אין אין אין אין אין אין אין אי	3'*1	11	आत्मज	990	२७	आनद्	34	TIT
9- "-	1125	405	आत्मन्	₹ २९	२९	आनन	955	राप
gai Sig	1 - 33	35		1 280	909	आनन्द	२८	3. 124.3 85C .
*	9.4	3 3	आवामु	} 6	4 5	आनन्द्यु	26	, Fary
*	- 41	9:		1 3	२६	आनन्दन	२१९	हर अस्मापन ३- १२४ १०
**	* 6,3*		आत्मम्मरि आनेगी	२००	29	भागते	५२ ३३८	१ शासाम्स
	301		1 .	306	Śū	आनाय आनाग्य	136	21 25/1
	1	300		932	43	आनाह	994	६६ अति। अस्ति।
*	1	9 -	આદિ	211	980	आनुपूर्वी	936	भना।
	, 1		आदिमाण		20	आन्तरिक	9 29	३, अमार १०३ व
-			गहित्य	19		बानीक्षिकी		६ स्व
A			1	,	•	आपक	500	र समार्थ है।
¥		ء د	" यहिंग	₹;	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	आगगा	باط	के सम्ब
•			3	1 30	-6	आगण	€ ⊃	3 26
	**.	* .	a salam	550	53,		960	194
							• -	17. 11.

ामरकोशसःद्वातुक्रमणिका।	
नन्य प्राप्त ।	
	ł:
11 3/4 308 1 1 4.4. de 13-1	
भवद १५८ विस्तिक विस्ति ।	-
नापद्म २०४ शानलकी १९५ रेड शारका रेड	` ' ' ' ' ' ' ' '
2 2 4 marter 619 518 martille 2 2 12 12 12 13 13 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14	7.5
्रंपिमित्यक १९ १२ १९६ २३ आग ३८	2,3
जापान १९ ४ मार्थि ११४ ६३ विस्ता	3.8
गापीय ४२ मिलिसाक्रिक २२३ व्यासन	288
91-0	924
50 () 4 50 50 50 50 50	5
100	₹ ? ∈
" Villa	
, जाप्य १३ जामोदिन ५१ व्याम	₹ ₹
17: 51101100	₹४
. १ व्याप्ता १४८ ११५ मार्च र्राट्स हे व्यापीत (१३%	r, o
रेंडे० विशास	9 8
" दे विकास के दे के किया है। जा किया है। जा किया है।	हेट
ा अपदान १२६ ०६० विमितिक पर २७ जितितिक	c
भू विद्यालया विश्व	
राज्य वर्ष	
्रायको वट १० ६३ १० जादको १०५	
विभिरण १ वर्गायात १४४८ ३० वर्ग	
-: अभिप्रण ३ वाचा (१४० ७२) १९३३ १४	1
र ग्लाम १० गामस्वर । शिलाक १९ । गाम	1
नामीर १० आयुध १९७ विद्यावर्त १३७	t
्राम्या ११० व्यामीरक्या १ पुष व्यामक्ता १५८ ८३ व्यक्तिय ११	r
ं द्वाकार १० विकास १०	,
ं निर्म ।। व्यक्ति १०० वे व्यक्ति १०० वे व्यक्ति	
र नामी र आसीत है। ४ जिसी १९७ विस्त १९४	
्या द्वासायीय १३५ १३५ व्यासाय ११ ५	
भ द्यामन्त्र देर १६ व्यापन १६२ १०० द्यालस्य १९	
् वान्य ४) ३ ह्याच्या १८४ ९ वलान १,० १८	k
अर्थ रा द्यामाने पुरुष ध्रव जिल्लाम ४१	;
१६ हिला १५ है ।	,
१० विश्वासीते २२६ ३७ / जाति । ६० १४	
1	
6 6 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9	

-								na 1/41/4		
शब्द	वृष्ट.	श्लोक.	शब्द.	पृष्ट	ন্দীক	शस्य.	वेड-	म्हाम.	· ·	
आलिय	३९	4	गाशा	5 40	4	आमना	२६३	= 9		78, 13
आियन्द	६४	45		{१६७	२५६	आसन्दी	461	4,	£~~;	7 6
आली	२६३	986	आशितगर्वा	नि १७६	५९	आसम	२०९	€ €	€T1	٠,
शालीढ	449	64	आशीविप	४७	v	आसव	986	89	-,27	, i
भारत	५ ७५	३१	आशिस्	ર્દ્	२२८	आसादित	२१६	400	1	7
भालोक	२२८	ર	आ গ্র	5 94	£ 14	आसार	5 95	99	- गु	* ,
आलोकन	२२५	३१	1 3113	2385	94	1	} 959	९ इ	1	110
आवप न	१७२	33		94	દુર્	आयुरी	१६९	30	श्या	1
आवर्त	५०	Ę	आशुग	1945	८६ ५९	आयेचनक	२०७	63		") 6
धाविल	६७	8	2112226	्रि३ १		आस्कन्दन	965	901		1.5
शावसित	900	23	आशुर्वाहि	956	94	आस्क्रन्दित	145	86	177	C'4 ,
भावाप	44	28	आञ्चञ्जक्षि आश्चर्य	४१ म ४२	५५ १९	आस्त्र ण	944	४३	فالحو	
शावापक	926	9=6	आश्रम	१३२ १३२	8	आम्या	583	66	\$7	See
शावाल	44	३९	}	985	46	शास्यान	936	96	25.7	1.23
आविप्र	७९	દ્દછ	आश्रय	1229	99	आस्थाना	158	99	1 .	557
	∫ २१०	69	आश्रयाश	98	6,8	आस्पद	२४६	58	175%	3%
शाविद्व	्रि १३	60	}	€ 30	وم	आस्फोट	۷٩	60	15.21	** 5
আবিৰ	926	३६	आश्रव	} २००	२४	आस्फोरनी	953	३३	जिस्स	tos
धाविल	ų ર	98	1	(300	31	आस्कोटा	\ u\	v 0	T TOTAL	134
शाविय्	२७७	१२	अा श्रुत	२१०	406	STEET	2 64	908	स्त्रम	14.
आ वुक	४१	93	शाश्व	५,४४	.46	अस्य	.927	८९	ادع	234
भावुत	89	92	आश्वत्थ	60	46	अस्या	1,443	२ ९	1_	(16)
चारत ्	936	3 €	भाम्ययुज्	হ্ ৩	40	आसव	२२५	₹ ९	नः	۲ مورد ۲
शारत	243	50	आधिन	२७	90	भाइत	{ ३७ {२१३	₹9 ८८	1 22	trie "
थावेगी	59	१३७	आदिवनेय		49	आहितलक्ष	-	90	क्तेंग्रा की	\$ 15
आवेशन	Ę3	v	आरवीन	942	४७	आह्व	9 6 2	904	राज रीनेह	437
आवेशिक आवेशिक	१३८		आपाढ	्र २७	9 Ę	आह्वनीय	934	95	राम् राम्	900
आवासक भाशसिनृ	. २०५ २०५	३४ २ ७		{ 980	४५		-	45	इतिहास इत्रेष	34 37
भारतस्य भारासु	304		आसक्त	१९७	5	भाहार	908	25		1. 3
आराषु भाराय	२ २३		2	939	936	आहाव आहेय	80 48	5	रतनीम् रम	300
काशय काशर	7 7 7 9 4		आसन	4986	96	आह्य आहो	२७६		रम मि	E .
-11-17	. '3	7,	•	C 140	३९	ी त्यार्थ।	705	•		₹¥.• 13
								1		199

विमान के किया है।	
भमरकोशशब्दानुकमणिका। इन्हर्भ गृहद्व विकास	
ए जी पाद वृष्ट. खोक	•.
रः । विविधियो ६८० रिटः	?' *
१८४ ९ भारत १ १०० हिन्दीकर टेंड शिक हान	The second secon
१०९ १६ लाग ७ हिन्दीवर्ग पह ३७ हिन्दान	^{पृष्ट} श्लोव
१९४ ४१ व्यान्ति है हिन्द १०० हिम्मान	94 950
714 908 P 77 C 99 93 SDETH	38 99
	980
1969 6.	838 36
9:0 51	149
2 603	, · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
4 1, 1, 1, 1 6 6 1 1 2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	993 93
11 19	रिष देव
्याक्ष - १०० / जानमा व	0C 70
	9 9 9 9 m
) = = = = = = = = = = = = = = = = = = =	\$ 6
्रों न पर हिन्तापुष १० हिन्तापुष १० हिन्ता	5 kg
र छ। ४० ४, व्हायर ५ वस	÷ 60
7	**
	9 .
100	
१५० विस्ति १६०	•
रे किया है किय	,
स्य भ	
was the second of the second o	
Le de garage	
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•
आहित्लक्षण । १९ वर्ष	Ł
आर्व	
सहिन्ताय र उस्त १४ र र र	
आहार के कर के देखें	*
आर्व ६ म	t
आहेंग देन ६० १, भी १,० विस्त्राण्ड	:
१९ मही	
र प्राप्तिक राज्य	

Standing of a still state of the

٠.	er dag	* * *	**	#14	17	43.7	~11	4 4	· , ;
		٠,	1 k +	3 ~ 8	214	l milit	₹ × 9	**	1 .
				1534	1 ~ 3	े गाने	71	7.	
	12			4.1.	7 7	} *	2+1	5.5	1
		ŧ		4 - 8	7.7	६ ह-124.₹	2 5	pr 1 &	, ,
		*	٧	•	١,	# 1 4 3	1 40	3.6	
			ι ε	8 4 6			₹ - 4	° .	111
					1 -	2 1 2 m(t)	15 15	4.2 4	
				4	1.4	े प्रतस्य ह	1.5	1.	f.,
				1		, , ,	7 L	4	, });
						1 11	* 1	14	11
					1 1	્રિયા વિ	ŧ •	, 4	
						ļ , it	} '	ž .	3)
				1			į.	1 1	1
				•	,	11	1 10		
					•		110) ⁴	5 4
					,	* # # # \ {}		11,4	(1)
					1		, ,	i e	417
						1 17	1 7	, ,	11,
							1	j	114
				,		‡	į į	,	٠١,
							,	٠,	١
						٠	1 4	/	1.0
						1 11	į	,	F
						J 14	, *		
								7	1;
						,	6.	,	_
						,		,	· .
						-			. '

		***************************************	-		-					, -
	_ই ল সী	**	á2	शोक	रान्द	वृष्ट	श्लोक	राव्द.	पृष्ट	<u> </u>
. * *	***	उद्य	€ €	₹	उद्दाल	Ęv	38			
****	i I_{I}		330	បឋ	उदित	२१४	95	उन्मत	{	ชช
, ^ ,	, २ ०३ १९		325	25	उद्राव	958	399	उन्मय	458	£0
	\$1, _{\$5}	उदचितन	6.5	ጸ	उद् षे	38	\$ <	उन्मदिशु	700	444
	12 13	उदक्षित्	904	63	उद्दंव	85	3,5	उन्मनस्	986	२३
240	1 45 37	4.44	32	X	उद्यात	२२४	₹\$		\95X	ے ۔
annessed.	_	. (90	€3	उद्धान	909	= 5	उन्सा थ	3959	994 २ <u>६</u>
-	1 : 108	उदार	2320	6	उदार	988	8		88	
-	12		{२६२	365	उ द्धृत	₹9₹	50	उन्माइ	}=00	२ <i>६</i> २३
**	· F-		885	30	उद्भव	25	ξo	उन्मादवत्		50
بيشبور	9.3 3	उदात्तर उदिन	70	5	उदिज्ञ	२०इ	ષ્વ	उपरन्ठ	704	€ 13
	(15 '		२१७	900	उद्धिड्	२०६	2.9	उपकारिका	53	90
-₹4	- free - 26		43	á	उद्भिद	308	ų ģ	उपरार्चा	53	90
~t 4.5	दुइड ११	C41.22	1 60	U	उद्ञम	२२१	93		5 05	924
, ,	(11 1/		(66	325	ভবৰ	293	25	उपकुनिका	(902	3.3
~ 、	(17) "	<i>७डुम्पर</i>	\9<8	25	उ ज्जन	229	99	डपकुन्चा	20	3.8
	SAS II	Company of the last of the las		50	<u> उपान</u>	२४८	996		856	93
	38	<u> स्टब्स्ट</u> न्स) T 9 3 0	388	ड ग्रो न	294	33	उपम्म .	₹ == x	935
٦٢.	953	, marine	= 94	5,69	ভহ	4, \$	30		(=0=	939
73	249 24	Canalin	950	50	उद र्सन	936	929	उपलेश	3 5	93
	j 35 - 31	-		992		[985]	£ €	उपरान	=93	905
4	[4x]	-	9.8	εę	उत्तन	2596	6.3	उपगृतन	: : :	30
25	२८० ः	777	१३५ ३३६	9.5	उहासन	988	990	उपा-	98-	155
3,	44	डर् <u>द्</u> रीप	265	है उ	उद्गाह	980	ပ် နှ	উ पद्मान्द	۶ د	= 6
430	906	टहरी	* 4 3	35	ट देग	5 5€	955	डपाः	111	4
-4741	.	रहार -	712	28		(== 4	45	उपचारित	₹5.5	505
UK4	द्द्रु	टस	76	30	टन्दुर	* <	9=	डमचा ज	6 2 4	\$ p
द्रव	YS.	হলন	775	2 3	ट सन	205	20	उपनिन	* 5 -	6 3
। उसी	**	इत्संटन	872		टरानान् -	२०९	50	उपनि स	د ۔	¢ s
ত্বন	945	एस न	२२४ २२४	38	ट्य ट्य	482	C-4	डपडाप	S .	2.5
उरना	15	ट्इन	176	- 1	टाप्य डाप्य	228	4=	CASI	5:	50
इस्स	t)	-	2	7 - 1	C 14	226	4=	टपन्स्	* * *	* .
दर्शन			`							
									,	

73

943

305

J.

60

13

ے د

32

-3 | (1

130

33

117

311

19: 180

40

٠,

es 15, c> 65

10 6

٠,

2 38

114

ico

(;;

1 50

3

۷,

170

ţ

÷,

•

9c 3s

99

3%

. 8

910

उपनाप ११० ०१ उपन ६७ २ उपाध्याची $\begin{cases} 900 & 98 & 3 \\ 900 & 98 & 3 \end{cases}$ उपना १४८ २८ उपनाम १३९ ३८ उपानह ४९२ ३०						_				
उत्तराय १९० ० उपवत ६० २ उपाध्याची १०० १४ उ उपवता १४८ २८ उपवाम १३९ ३८ उपाव्याची १०० १४ उ उपया १३० १३ उपाय १३९ ३८ उपाय (चतुस्त्र)१४६ ३० इ उपया १३० १३ उपाय १४९ १९ उपाय (चतुस्त्र)१४६ ३० इ उपया १३० १३ उपाय १४० १९ उपायम १४८ १८ इ उपायम १३० १० उपाय १४० ३२ उपायम १६० ८८ इ उपायम १३० १० उपायम १३० १० उपायम १३८ १० इ उपायम १३० १० उपायम १३० १० उपायम १३८ १० इ उपायम १३० ४० उपायम १६० ८० इपायम १३८ १० इ उपायम १३० ४० उपायम १६० ८० इपायम १३८ १० इ उपायम १३० ४० उपायम १६० ८० इपायम १३८ १० इपायम १३८ १० इ उपायम १३० ४० उपायम १६० ६० इपायम १३८ १० इपायम १६० ८० इ उपायम १३० ४० उपायम १६० ६० इपायम १३८ १० इपायम १६० ८० इपायम १६० १० इपायम १६० ८० इपायम १६० १० इपायम १६० ७० इपायम १६० ३० इपायम १		अग्रेड	एछ	शब्द	श्लोक.	বৃদ্ধ	शब्द		_	गन्द.
जनका ६० ७ उपवर्तन ५९ ८ उपाम्य १४८ ३८ उपाम्य १३९ ३८ उपाम्य १४८ ३८ उपाम १३९ ३८ उपाम १४८ १८ उपाम १८० उपाम १			_		۶	€ ७	उपवन	હ વૃ	990	
स्ति १४८ २८ स्थिया ४४ १८ स्थानह १९२ ३० स्थानह १४८ १८ स्थिया ४४ ९८ स्थानह १९२ ३० स्थानह १३१ १३८ स्थानह १४८ १८ स्थानह १४० स्थानह १४८ १८ स्थानह १४८ स्थानह १४८ १८ स्थानह १४८ स्थानह १४८ १८ स्थानह १४८ १८ स्थानह १४८ १८ स्थानह १४८ १८ स्थानह १४८ स्थानह	3			उपाध्यायी		5,5	उपवर्त्तन	G	€ 0	
स्थान १३५ १३७ स्थ स्थान १४५ १६ स्थान १४८ १६ स्थान १३५ १३७ स्थान १३५ १३० स्थान १३५ १५० स्थान १३५ १५० स्थान १३५ १५० स्थान १३६ १५० स्थान १३६ १५० स्थान १३६ १६० स्थान १३६ १०० स्थान १४६ १४६ १४६ १४६ १४६ १४६ १४६ १४६ १४६ १४६	3		•	उपानद			उपवास	26	486	
उपनित	न्ह	-					उपविषा	२ ५	१४७	
उपनाह ४० ७ उपनाच्य ६७ २० उपाल्टम्म ३६ १४ छ उपनाह ४० ७ उपनाच्य २२५ ३२ उपाल्टम्म १६० ८८ छ उपनाच्य १२७ १० उपमाच्या १२० १० उपमाच्या १२० १० उपमाच्या १२० १० उपमाच्या १२० १० उपमाच्या १३८ ३० उपमाच्या १३५ ४० उपमाच्या १३६ २६ उपमाच्या १३५ ४० उपमाच्या १३६ २६ उपमाच्या १३५ ४० उपमाच्या १३६ २६ उपमाच्या १३५ ४० उपमाच्या १६३ १० उपमाच्या १०६ १० उपमाच्या १० ४० उपमाच्या १०६ १० उपमाच्या १०६ १० उपमाच्या १० उपमाच्या १०६ १० उपमाच्या १० उपमाच्या १० उपम						989	उपगीत	५३७	838	
उपनाह ४० ७ उपशाय २२५ ३२ उपायन १५२ ५० उपायन १६० ८८ उपायन १६० १८० उपायन १६० ८८ उपायन १६० ८० उपायन १६० १८० उपायन १६० ८० उपायन १६० ४० उपायन १६० ४० उपाय	7	•			-		उपशन्य	30	**	•
उपाना १८९ ८१							उपशाय	ঙ	४०	
जिलार ६१ १८ उपमस्यान १२७ ११७ उपासन १०० ८३ उर उपासना १३८ ३७ उपमस्या १६६ १६ उपासना १३८ ३७ उपार १६६ १६ १६ उपासना १३८ ३७ उपार १६६ १६ १६ उपासना १३८ ३७ उपार १३६ १६ १६ १७ उपार १३६ ३६ उपाया १३८ ३६ उपाया १४८ ३४ उपाया १४८ १४८ उपाया १४८ ३४ उपाया १४८ १४८ १४८ ४४० ४४८ उपाया १४८ १४८ १४८ ४४८ ४४८ ४४८ ४४८ ४४८ ४४८ ४४८	7	ەربا	•		٠, ١	-	1	64	१८५	
प्रभाग ६९ १८ उपगम्पन्न	37	66			1		_	6.3	≥ ₹3	
प्रभाग १६६ व उपमस्पन्न विश्व प्रथम १६६ वर्णातित १६६ १०१ वर्णातित १६६ वर्णातित १६६ १०१ वर्णाति १६६ १८१ वर्णाति १८१ वर	36	65			- 1			46	६५	
प्राप्तः १२१ १८७ उपमा १६३ १०९ उपहित्त हिष् १०१ १० उपमा १३६ २५ १० उपमा १३६ २५ उपमा १३६ ३५ उपमा १३६ ३५ उपमा १३६ ३५ उपमा १३६ ३५ उपमा १३६ ३६ उपमा १३६ ३६ उपमा १३८ १८६ ३३ उपमा १८८ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६		36					उपगम्पन्न	٩	3 7	
प्रशासित विश्व वि	-	903	246	उपामत		•	उपपर	5.64	199	
प्रसंग	-			उपाहित .			उपमर्ग	4३७	939	
प्राचन विश्व विश्		57	(२५४		. , ,		उपसर्जन	5%	435	
प्रात्ता (१९३ ३६ अपत्यंक २३ ३२ अपोद्धात ३५ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	7	२०	e					20	. 53	उ । सः
प्रमापृ २०१ ५३: उपस्य ५२० ७५ उसमयद्युस २७९ १९ ७ व्यासाता, ११३ ३० उपस्य ५२० ७५ उसमयद्युस २७९ १९ व्यासाता, ११३ ३० उपस्य ५२० ३६ उसा १६९ ३० उपहर २६१ ५८३ उसा १६९ ३० उपहर २६१ ५८३ उस्य १६९ १०० १८ उपारमण ५३९ ४० उरम्य १६६ १ उपारमण ५३९ ४० उरम्य १६६ १ उपारमण ५३९ ४० उरम्य १६० १०० १८ उपारमण ५३९ ३३ उम्म १०० ५०० १८ उपारमण ५३९ ३३ उम्म १०० ५०० १८ उपारमण १३९ ३४ उरम्य १८० ७० १८ उरमा १८० ७० १८ उपारमण १३० १८ उरमा १८० ७० १८ उरमा १८० ७८ उरमा १८० ४८ उरमा १८	-	943	62				_	3 €	1983	ممثلت
प्राप्ता, ११३ ३६ उपस्य १२० ७५ उसयद्युस २७९ २१ जा १२० १४२ १: उपहार १४० २८ उमापित १० ३१ ११० १४२ १: उपहार २६१ १८३ उमापित १० ३१ ११० १४३ २३ उम्य १६६ १ ११० १४१ उपाइस १३९ ४० उस्मापित १० ३१ ११० १४१ उपाइस १३९ ४० उस्मापित १० १०१ ११० १४१ उपाइस १३९ ४० उस्मापित १०० १०१ ११० १४१ उपाइस १३९ ३७ उस्माप्त १०० १०१ ११० १४१ उपाइस १३३ उस्माप्त १०० १०१ ११० १४१ उपाइस १३३ ७ उस्माप्त १०० १०१ ११० १४१ उपाइस १०० १८ उस्माप्त १०० १८	-53	3	34					2.0	(1-8	
प्राप्ता, प्रश्नि ३६ अपरार्था ५३८ ३६ अमा (१६९ ३० अमा १८० ४६ अमा १६९ ३० अमा १६० ४० ४० ४० अमा १६० ४० ४० ४० ४० ४० ४० ४० ४० ४० ४० ४० ४० ४०		۷	450						2 . 3	
प्राप्त । १८० वर्ष ।		24	३ ७९	ः भयशुस्				1	773	
जाहर २६१ १८३ उसापित १० ३१ जिल्ला १८० १८६ उसापात १३६ १८६ उसा १६६ उसामात १३६ १८ उसा १६६ उसामात १३६ १८ उसामात १६६ १८ उसामात १६ उसामात १६६ १८ उसामात १६ उसामात १६६ ४ उसामात १६६ ४ उसामात १६६ ४ उसामात १६६ ४ उसामात १६६					13			1	4 85	
उपान । १८० १३ । उपान १३० १३ । उपय १६६ । उपान १३० १०। उपान १३० १०। उपान १३० १०। उपान १३० ३०। उपान १३० ३०। उपान १३० ३०। उपान १३० ३०। उपान १८० १८। उपान १८। उपान १८० १८। उपान १८। उपान १८० १८		- 1						- 1	* 39	1-41
उपास्त्रण १३९ ४० उर मृत्रिमा १२० १०। उपास्त्रण १३९ ४० उर मृत्रिमा १२० १०। उपास्त्रण १३९ ३७ उर मृत्रिमा १८० १०। उपास्त्रण १३९ ३७ उर स्थाप १८० ७३ उपास्त्रण १८० ७३ उर पास्त्रण १८० ७३ उपास्त्रण १३० १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८		3.4			· - 1.	•		- 1	500	- 13 m
उपाण्य १३६ २५ उगा १७ १ । । । । । । । । । । । । । । । । ।	27.00	- 1							1-00	W # . W.ma
1:5 3 उपान्यय		01	•	-						
125 33 3412य 226 33 340 460 02 77 77 77 77 77 77 77	7	ı			22	_		9	٠,	
उपाधि	شئا.	= '	•			ζ	पान्यय	3.5		
उपाधि हिंद २८ उस्त्र १८० उ १९८ १२ उसी २७४ २५। उसी याय १३३ ७ उसी २७४ २५। उसी याय १३३ ७ उसीकत २५० १०८ उसी याया १०० १८ उसी	, ئس			•	- 1		नादान	.63 3		Ŧ.
्रिंग प्राचित्र प्रश्निक्त २५४ २५। जिल्ला प्राचित्र १३३ ५ उर्माकत २५४ ५०८ १८ उर्मा १०० ४८ उरम् ५२० ४८ उरम् ५२० ४८	•	- 1 '	•		,	r	£	1	11	
जिस याच १३३ ७ उर्मात्रन २५० ५०८ है। उस याचा ५०० ५८ उरम् ५२० ४८			_	£		4. 0		- "	- "	-
उपायाया ५०७ ५८ उसम् ५२० ४८ ।	7.7	` `		.t	1		पा याय	: 3		•
र्वे देश यायानी १०० का 😅	,	٦	•				। याया	= 3		
					- 1			- 1	F 0 8	

•		
	^{क्ष} मरकोशशब्दानुकमाणिका ।	
	म् वर्गश्राद्वातुकमाणिकः	
र संबंद्ध _{सारा}	The state of the s	
mm m m [157] \@2277	1 71-	१९
(110 5	इंग्रिक वृष्ट श्लोक जन्म	
न्यान १८ उस १५७ ७६	1 . 16/144	पुष्ट स्थोप
Menters	िजारा के जिससत	- 24.11
44	उच्चाप	२१० ७५
ं इस १५५	उरणोपमञ् रहट २२० ज्या	40 8
उरतमा उर्वेमा ५८ ४	उपमक्त ३७ वड जियर	3
उपापन १७० । उचा अहे ५३	1 50	
-ए.सर १०० चिंहर ५८ इ	इंच जिपवत्	٦.
उपसम ६०० अस्य ९४ १५५	उसा ६ दर जिमागम	. 4
***	~ ~ 1 GAP	12
100	जन का ∫ैं _ ३१	٥
/25.	नधन् २१६ १०१ म्हन्य ने	
ट्यारित । व्याप्ति ।	526 60 60	60
(१४ जिल्लाला २०)	760	ې د
्यन ६ ८० । ।	200	4 હ
ट्यांड्स ९४ १' उल्ला	" 5 cc	8
टपोहान ७ जन्मुन, २८४ ८ जन	-2 1 24116 EV	436
ट्रमहरू १.४ उत्त्व १७५ ३० जिला	१ क्याधका ८६	990
उभवत्त २०९ उन्नण १९२ ३८ जिला	ず 行 、	
ी रेर जाम रेरेन ८५ जिल	१०८ डिनीप	ą
7777	१४९ ५३ विज	35
(101 क्षानि - 2 -11	१६५ ५ रिज्रेताहित	35
144	7 440 SPM	90
्राच्या १९७ ४ दानस्य ६ । ज [्]		3
उर ग्राप्तका १०० । उन्हाह १० अन्यस्यत	र १७१ स्व १६ सन	3
Still to adult 1 to averthely	F (199	=
उरन्छद ५०० उपतुंध ८४ ९७ कर्णनाभ	34 / 2746 31	
्चल १६० उपस १४ ७४ जिली	14/20 7 76 9	:
- 8 - 1	१३६ ७० क्लिमी	
उत्सार १८० जामति ३७९ १८ जणायु	306	
	(188 400)	
294 66 275	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
, दरीहत भे पर	992 1 1.5	
1000	25 EL 256	
्रामिल १० ।	्र मियु	
१० डिमिश	९३० मिसिस ६०	
	100 1464	
	26 60	

						Managhina da a di kamada di Salah a sa sa		
	77:	~====	====	ter-	7,7		•	वोष
ज़्याने पु	4	20	एकाव	*17	٠,	211	*	4
•	(34	1	एसरमा -	= 1 1	٠ سے	1.17	1 -	3.9
सभ	٠٥ کي	175	एकाप से	72.	302	37 777	/11	- - \$
,	1330	100	الأواساء أ	63	19	1111	3	* \$
c.	Suc	¥2 12,	1,715,00	63	ď '+		(43	13
fi	9 40	A3	11.2	995	13	17	7 30	,
यमोका	3 62	0.0	4.2	760	15		1 15	3 \$
	(68	3 3	एउगन	4,3	٠,	निगत्त ।	1.	>
	T		Tr ### 7,	5.5	3 :	रे वीर इ	1 3	5 >
	662	65	एक क	55	Y	15.31	66	121
	4=95	63	ויָסן	46	40	रिन्दी	17	3.
	530	9 €	एउ	33	43	ऐपाम	93,	> *
<u>ক</u>	२१९	<>	एगाउँ	-60	2,3		ओ	
36	838	35	एउ	2 ₹	9.3	ओस्य	230	9 53
नान	२५१	७९	ए उस	€ €	93		6 50	3
ताल	३९	3	एग	220	40	भाग	2 303	35
न्त	99	36	एधिन	= 43	35		232	23
ग	350	23	एनस	ے د	= 3	जारार	38	¥
रु	906	ęυ	एग्ण्ड	૩ ૬	49	ओजग्	२३०	233
धुरावह	906	ęυ	एला	66	934	ओग्रयुप	60	02
घुरोण	900	દુષ્	एलापणी	9	950	ओतु	٧ پ	Ę
पदी	٤٩	ع در	एलाबालुङ	66	959	ओदन	१७५	86
पेज	9 €	€ 6		(= 35	240	ओम्	२७०	32
ેદ્દજા	354	908		>3€	•	ओप	२२०	\$
7	२११	60	एवम् .	300	45	ओपधी	5 50	Ę
ત્રન	906	52		२७८	94	(£ 1,0	१३५
4	२११	८२		् २७८	9 €	ऒपधीरा	२०	98
	{ २११	७९	एपणिका	863	35	ओष्ट	१२२	80
	{ २६२	380		ऐ			ओ	
24	533	Co	ऐकागारिक	959	२४	ओक्षक	900	ć o
गन्त	9 €	ęυ	ऍगुद	ەق	96	आँचिती	२९७	23
ब्दा	900	Ę۵	ऐण	86	6	आसिला	28.0	38

धमरकोशश _{लक}
पट्ट. युष्ट. श्रीह
होतानगरि रेड पर प्राप्त कर कर प्राप्त कर प्
्रा रहेत । बहुन्स १४५ ६४ बहुन्याम १४५ वह क्यांस्वा १४५ ४६ वह व्यक्ति १४५ ४६ वह वह व्यक्ति १४५ ४६ वह
\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$

कार रह पुर क्या । विकास । विक	***************************************	~~~~~	. 1	-	**** ********************************		سبد کوئون بریار شان سرسد	all of the		
करा १००० व वा १००० व व वा १००० व व व व व व व व व व व व व व व व व	वे रूप	****	7° +	dima	11 4	1 6-921	र्मुण म	**		700
भरता	31	表生	345	† ÷ * *,	1	1		1 1	}	ų :
करना पर पर पर क्या प क्या प कर्म पर पर कर्म पर पर पर क्या प क्या प कर्म पर पर पर क्या प क्या प कर्म पर पर क्या प	7-17	3.6	*	4-17	3		* # 1	11 L	•	
कर्र कर्या कर्य क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्	1771	\$3	70	2 ~4 £1 41 £	1	-		(1)		****
करा कर	4.4E.A	14.9	43	ज ॥	*}		FIÍ	A &		47
कर्ष () दे () क्यां () व्यां () व्यां () व्यां () व्यां ()	*****	1	₹14	4.1.	f	٠,		** }		
कर्मा कर्य कर्य क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्षम क्ष				本持	1 1	314	T#1	* 4	246	* *
क्रिंडिं विदे विशेष क्रिकेट विशेष व				व्यादन	1	- 3	\$,5310-	, ,		* ***
कराहित् च व व व व व व व व व व व व व व व व व व	of Thes		- {		* 4	7 .	7गर	•	, *	
कराहित् २०% व क्षिण १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	44,25		,	3.11. 5	557	٠.		1 "		,
कर्षा ३३ १६ क्षिक व्याप्त विशेष विश		_					721 5		414	11
कार 33 15 कि	-		1					{		\$ 45 m
सहार २०३ ३० स्थित । १ ११ विशेष १८ ११ विशेष १८ ११ विशेष १८ १८ १८ विशेष १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८					6 -		}			ata
कन का यहा १४४ ७ विशेष ३३ १६ विशेष १४४ ७ विशेष १४४ १९ विशेष १४४ १८४ १८४ १८४ १८४ १८४ १८४ १८४ १८४ १८४	-		•		- 3	23				
कलका यश १ ४४ ७ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १				क्रिक्ड	3.1	-		17,		
कन्नमान्य ८९ ३० प्रशिक्ष					C 30		ł	١٠		
किनार	•			मधिता	1		1	,	- 1	
किनिय	क्नकानुय	64	30		60	900	}	•		
किनिष्ठा १२१ ८२ क्योंनन	~~~	[993	43	क्षियणी	61	و ٧	1		41.	
किनिष्ठा १२१ ८२ कर्नाविका १२३ ९२ कर्नाविका १२३ ९२ कर्नाविका १२३ ९२ कर्नाविका १२३ ९२ कर्नाविका १२३ ९२ कर्मातिका १२५ १२ कर्मातिका १४ १४ कर्मातिका १४९ १४	कावड	ૄે ૨૩૪	49	कपिश	3.3	15	कम्बरङ	('		1
कनीनिका १२३ ९२ कपीनन	कनिष्ठा	929	८२		6 05	20	कार्यास्त्रात		1	4 451
कर्नायस्	कनीनिका	353	4 2	कपीतन	₹ 350		•			71.00
निवास किया करें क्यांत रंग प्रति क्यांत रंग प्रति क्यांत रंग प्रति क्यांत रंग प्रति क्यांतपालिका इन प्यांतपालिका इन प्रति क्यांतपालिका इन प्यांतपालिका इन प्रति क्यांतपालिका इन प्यांतपालिका इन प्रति क्यांतपालिका इन प्रति	अर्जीवरम	∫२०८	६२		20	\$3				\$14g.
२८४ ९ कपोतपालिका ६४ १६ कम्युपीसा १३२ ८८ वर्ग स्थाताक्रिका १३२ ६२ कम्युपीसा १३२ ८८ वर्ग स्थाताक्रिका १३२ ६३ कम्युपीसा १३२ ८८ वर्ग स्थाताक्रिका १३२ ६३ वर्ग स्थाताक्रिका १३३ ६३ वर्ग स्थाताक्रिका १३३ वर्ग स्थाताक्रिका १३४ वर्ग स्थाताक्रिका १३८ वर्ग स्थाताक्रिका १४८ वर्ग स्थाताक्रिका १३८ वर्ग स्थाताक्रिका १३८ वर्ग स्थाताक्रिका १३८ वर्ग स्थाताक्रिका १४८ वर्ग स्थाताक्रिका १४८ वर्ग स्थाताक्रिका १४८ वर्ग स्थाताक्रिका १४८ वर्ग स्थाताक्र स	भाषाभयू	र्रिए१	२३५	कपोत	ય ય	4 1	कस्यु		, ,	المساري
पर ६६ ६ कपोल १०२ १० कम १९७ ६२ कर ११८ ०३ है। कर्षाल १०२ ६२ कर १९७ ६२ कर १९७ ६२ कर १९७ ६२ कर्पे ९ २५ करोणि १०० ६० करक १९७ ६३ कर १९७ ६३ करके १९७ ६० करके १९७ ६२ है। कर्पेण १०० ६० करके १०८ ६४ करके १०० ६० करके १०८ ६४ करके १०८ ६४ करके १०० ६० करके १०८ ६४ करके १०० ६० वरके १०० वरके १०० वरके		२८४	\$	कपोतपाठि	का ६४	գե	कड्यपीस			के नाम
पर ६६ ६ कपोल १२२ ९० राल १५२ २९ ७५ ४३ कफा १९७ ६० कन्दर्भ ९ २५ कफोणि १२० ८० कन्दर्भ ९ २५ कफोणि १२० ८० कन्दर्भ ९ ९ ९	4	8 6	940	क्योतात्रि	૮૧	433	1			477
रताल { ७२ २९ कफ १९० ६२ कर १९८ ३३ कर कन्देप ९ २५ कफोणि १२० ८० करक { २२८ ६ कन्देप ९८ ९ कफोणि १२० ८० करक { २२८ ६	પુર	ĘĘ	Ę	कपोल	425	Q o	1	_		*सन्
कन्दर्भ ९ २५ कफोणि १२० ८० विस्त १३८ ६१ क कन्दर्भ ९ २५ कफोणि १२० ८० वस्क १२८ ६१ स	∢√ાછ				993	६२	कर			\$17.75
कन्दिलिन् ९८ ९ हिन्स १४९ ४ करक १२२८ ६		-	•	,	990	Ęo		540		تسدوانج
कन्दालन् ९८ ९ हिन्दा ४९ ४ "" रि२८ १	-		• •	कफोणि	920	٥٥	करक	₹ .		21.2
कन्दु १७१ ३० । " (१६५ ११८ वसका १५) ।		_		क्वन्ध	,		1	C.,		l
	कन्दु	909	30	1 00.4	[१६५	996	करका	94	71	لمرتق

अमरकोशशब्दानुक्रमणिका ।

		१.७वलावर	H 1		
क्लरव क्लरव क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लाइ क्लाइ क्लाइ क्लाइ क्लाम क्लाय क्लर्स क्लाय क्लर्स क्लर्स क्लाय क्लर्स क्लर्स क्लाय क्लर्स क्लर्स क्लाय क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लाय क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लाय क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर क्लर्स क्लर क्लरर क्लर्स क्लर क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर क्लर क्लरर क्लर्स क्लर्स क्लर्स क्लर क	दे १५७ कम्पान कम्पयस कम्पान कम्पय कम्पाप कम	रूप प्रमुख्य के स्थाप प्रमुख्य के स्याप प्रमुख्य के स्थाप प्रमुख्य के स्थाप प्रमुख्य के स्थाप प्रमुख्य के स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्याप स्या	करन्ती करन्ति कर्ति करन्ति कर	2 4 4 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	

असर केशिशहरानुक्रमणिका।

	19411						
			क्षा क				
			/4919	शशन्दानुकम	रिकिट्ट .		
	र दाः हरा	7			तनका ।		
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	द वृष्ट ५	ोक. शब्द.			;	२७
		<i>چ</i> د	= q \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	वृष्ट.	धोक. शह		
	िल । विशेष्ट	•		∫ € c			_
	20	1 ~ ~ ~	, u	1902	५ उत्प	50. 10	कि.
	· Mar	e	1 4 41		2 4 1		3 3
,	विराप्त । भारति		३ बुद्रन	365	33 33	e	
	। भोलाउ	188	: /	45	६६ अन्हल	٧	3
•	, सीरेन	(1 £ 8 2"°	वृद्धसद	1 00	المتحدد	88 3	9
•	किंग् कींश	308 80	1) .	43/-2	3 € 9 3	9
•	. प्राच्य	9.9	अहिल	30		२०७ ५४	
	'स्स सु	16-	इन्हों	, ,	१ प्रथ	. 58 000	
•		3		ξą	ş _	1920	
	न्या नुका	19 × 3 × 5	इड्न्ट्रलापृन	1770	८ । अहात		
•	भुक्ति भुक्ति ।	, Y	4 - 12	998 99	कुनर्दा	7	
	वाकुल	999	المسيرة المسيرة	906	कुनासक	968 306	
7	न्य । इ.स.		2 TI	E _	3-	<\$ 88	
2	-			, ,	3	960 63	
*	गर्न	4~	- T	60	13	9.5.5	
-	- PJ. 1	, , ,		3 2	72 S	17	
7		,,	~	, (=	14	9.5	
	राक्षि (, ,		7 30	7 -; (3	1 - 4	
•	3-622-57-4	· ,		٠ ,		<< <-	
7.	१२म		4	•	المعود	1 * 7	
	3 4	` .			•	424	
	Para.	• .		3		*1	
, - <i>;</i>			1.		•	< 9	
	रे चर		ı	,	, ,		
•	ी चं ध	,	,		(*.	, ,	
2.00	3 32					•	
	1.7		•		ي د		
3 _	12 1	•				4 4	
r ⁷ r		7	1			8 C	
y a r	(4			***	ž s	
F"	7 mg 1 mg 1			•		5 \$	
**	1.	* 1			ડ ૄ	÷ 5	
	A 30 20			•	1 60		
	12,				() e_	3 7	
				**	1 40	<i>c</i>	
				1200	1 48	3	
						•	
					•		

अमरकोशशब्दानुकमणिका ।

		परारा-दृश्युक्तः	भागका	ŧ			
# E4. 4	भोर, शस्त्र	€ -	श्लोक.	सन्दे.	29.	762	
5.2.21. 95	१३ रुल्म	* 7 1	ર	इ सुम	٠		सु
35	४० जिल्ही	905	હ	उ तुन इसुनां जन		Terry.	रर
mystymt to \$	३९ जिलाम	903	३७	<u> उजुनाजन</u> कुमुमेपु	964	इस्टेंडर १	रेक
*4	९ उलान	966	9	3/343	()	873	ሃ ξ
and the second s	३८ कुराली	964	902	उ गुन्भ	{ 16: { 269 9	1 2	
33.4	१८ उदिस	93	1	<u> इ</u> मृति	44 [4-1	יכולל	\$1
	इन उनी	۶>	1			J. Print	4
73.00	३ । उलीन	932	- 1	उखन्तुरू उह्ना	9.03	5	13 13
(**)	वर्ष उन्तर	چ			383	A A real and	* } t -
4.28	६ र माप		- 1	कुट्र इह	85	2 months) Ly
4 %	30	1560	50 1		२७ १९८ १	Same and a second	
14	३८ र मापा	भिष्ठा १७३	39	रुउद	1.1.	23200	
§ ;	10 17	996		ह्य -	∫εε '	15	
, ~	३ रेगा	يوا چا	38		} }3 ₹ 1	1-1	
* :	773	1 00		दयन्त्र	949 3	{ * },	•
,		1300		टगाव्मकि	uş Y		*
<i>t</i>	30 177-7	الم الم	. 1	उस्थ	290		
f ×	इ. रिसर्	303	30 2		us i	1950	,
~ *	7	966	€		40 1	: *1:	103
	7171	** a	98 T	पक {	69 5	1/2	
	11		S 5 7	T2	928 41	30	' :
•	* !		46		423 "	34	-1
		110	35	र रेगीर्थ	ار په ج ان په ج	1	146
,				*	930 1	7. *21	120
	41 1 %		10 E3		10 11	1- 34-	\$41
1 1	100		12 हिंग		***	T+. 17	10
	* Y "T/	4	10 77		26 1	1.	10
		f c. 1.		-	93	r	35
	7	1990 1	1 73			* 100	33
		1000	1 -		18 4	* 3.	43
		'1 .	1 550		,, 1	* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	1
	- \$	1.5	· 77		11 81	1.32	13 .

समस्तोशशब्दानुकमणिका। इस्टर्
्राह्म १९९ १७ व्यक्ति १९९ १२६ व्यह व्यक्ति १९९ १२६ व्यह व्यक्ति व्यक्ति १९९ १२६ व्यक्ति व्यक्
हत रिश्व एउ विस्ताल १० १३ केंग्रिस १६७ ११ हतात १४५ एउ विस्ताल १० १३ केंग्रिस १९ ११ हतात १४५ ६८ विस्ताल १० १३ केंग्रिस ११ ११ केंग्रिस
हतस्य १९४ १० हिंचीवल १६६ ६ विस १२६ ९५ हतास्य १५५ ६८ होंटे १६८ १३ विसंपनी १२४ ९५
्रास्त कृतिम् १९३ । रास्त कृतिम् १९६ ६४ वृद्धः १९ वृद्धः १९९ वृद्धः १९
्रा करते १९६ १०३ विस्तान ४६ ६६ विस्ता १९३ ४५ (कर्मवासन् १०० ६६ विस्तानि ६३ ८६ विस्तानि १९३ ४५
्राह्म क्या १०६ ६८ हमा ४० ४० किया १० ६४ १० हिंद हिंदी क्या १०६ ६८ हमा ४० ७० क्या क्या १० ६४ १० हमा १०६ ६४ हमा १०६ १० हमा १० हम
त्र हिंदी कर्म कर के किस्ते कर के किस्ति कर के
$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$
•

अमरकोशशच्दानुकमणिका।

शब्द.	पृष्ट.	श्होक.	शब्द.	9y.	∕सोक.	शब्द.	<u> নিম্ন</u>		₩Ş,	98.	
<u>केवत्य</u>	39	٤		1 93	933		1909	a	বা	[290	
केशिक	923	९६	कोलक) १२ १५७२	35	कौलटेय	1990		adi	३५५	
कस्य	453	٥, ﴿	कोलदल	68	430	कालडेर	908	f	न्याव न्	999	
	1 66		कोलम्बक	80	٠ ٠ ٠	कालडर कोलीन	4 "	3	बेंड]	1 84	
मोक	1900	22	कोलवही	۲۷	९७		२४८		•	74	
योकनद	. ૫૭	४२	कोला कोला	د د د د	•	कोलेयक	-959		14	100	
कोकनदच्छि		9 ધ્	कोलाहल	٠ ٠ ٤ ٤	90	कें।शिक	्र ७३		₹ ₹	83	
नोक्तिल	900	99	कोली कोली	५८ ७४	२५	ł	र २२९		रुष्	Νį	
कोकिलाक्ष	دام	908	कोविद	-	३६	काँशेय	ू १२६	911		Ro:	
मोटर	६९	93	कोविदार	433	4	कोस्तुम	40	7	क्र	3790	
कोटनी	406	90	नगानपार	60	25	<u>ক্ষকন্দ্</u>	953	,1	2	(२६२	98
	(449	66	वोश	1903	३७		5 69		वेत्य हे-	469	c
मोडि	3950	63	कोशफल	१२६८	२२५	क्रकर	900	11	केंद्र	969	ć
	(234	३८	जैनातकी	330	930	<u> সন্ত</u>	838	11	भार	1 90	
योदिसमी	۹, 🖦	433	कोप	२२९ ४८३	۷ .	कतुष्वसिन्	90	36	****	1970	v
ગોડિય	५६७	45	मेंछ	•	89	कनुभुज्	ų	- 5	भीत	83	ą.
र्ग (द्राव	२८९	46	कोण्य	238	80	ऋथन	458		भाग	303	35
वाड	995	12 %	काम्टिक	२३ २३०	\$ ³ 4		1983	901	में (रायुग	ę٩	16
117	1 10	٤	कंक्षेयक	450	90	कन्द न	288	931	कार्	30	
	1450	6.3	मारतक	966	<i>د</i> ع و	कन्दित	84	36	गर्वित्रा	63	4
11373	400	63	कंदिक	969		क म	434	31	A PA	<:	6.5
मंत्रप	456	98	क्रीणप	૧૯ ૫	98	नाग	608	ď	311	٤.	990
177	/3	25	कंग्नुक	66	६९	क्रमुक -	2 04	d)	क्रीनद्रारण	44	44
ાળના વિન	404	6	रानुहरू	66	३ 9	40.74	९६	94'	In	234	10
ारत सम्बद्ध	229	32	माहबीण	960	३१ ८	क्रमेलक	960	a,	हैं मथ	779	90
مريتان ع	403	ع ر ما پ	र्गन्ता	44	१२०	कयीवक्रयिक	960	u/	मिन	773	10
FIT	50	34	र्गान्तक	40,4	30	कथिक	969	3,0	[E] 7	ጎጎና	904
के पत्र <u>वी</u> ष्ट	۲۹,	15%	र्भापीन	3 /9	933	क्रय	969	69	विभिन	794	60
इ.च.ट्र व	956	9 €	नंगार्ग	99	36	भव्य	990	41	FET	1 :5	10
	5 % 1	93	मीमुदा	30	38	कय्यान्	94	: y¢		1 254	99
कें प्र	4 ~	30	वीमीदरी	40	26	कच्याद	94	* 94	177		36
	(,	5	के रिटनेय	990	ર્હ	कायिक	969	5	14,00	¢;	300
										•	32
İ									•		

H**411
अमरकोशराब्दानुकमणिका।
ं भारतिहर्ग्निमाणिकः
3.6
१:० हिन्हीं । अत्रावत १९६ १५७ किंव (च) १११२ ३६ । हाइर.
1 30 0 1
عاد المعالية
्रितिक शिच्च ६,६५ ३५ / समिन् १९ ८० ८ १९ ५०
100
प्रिक्त रे
हर्ष करन । हिन्द १९५ प्राण देश ९५ हमन्ति ३१५ ९७
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
न्दर्भ क्लिं क्लिं
150
र हिल्हा के रेप है हिला रहे हैं। रहे हिल्हा रहे हैं।
९५ मिर् नाम के ५० ८५ हिमारत
V. 1238 Firm 64 Believ 187 1-
1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
1631
र हिन्द्रत अस्ति ८३ ८३ हिन्तु विषय ७० हिन्तु
्रिक्ष प्रदेश विद्या प्रदेश विद्या ।
रेड हैं है
७८ । अस्पित्रम १० हिम्मू १० । १० ।
३१ विसं
३१ मिस १० सिल्या १० १३
्र विमरन भी विभ
The state of filters and the statement of the state of th
The state of the s
de health i had fell as leading
the state of the s
The state of the s
देश । सामय

designation and resident and produce and the second second second seconds.	÷ 1	
promise game y free morning		
13 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	man na digital	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
er frank fie fi	*4 *	The grant water
सुद्र रिकड ४३ -	2,4 2,2	*
1340	4 , , , ,	. · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
धुन्यदिया १२६ ११ व	4,	** No. **
क्षप्रणा ५३ ५३	* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	4 5
धुद्रा { ८३ १,४ १,११		A STATE OF THE STA
25.5 333		3 . "
ख्या १०६ ७० है।	313 3	~ \$ 12 m
हरित	1 may	1 .7
F15	17:2 4.	1 ' =
हामा ६८०	13.	171
हार रिष् १००	344	333 1
1949	77 /12/21	
धुरक सरम	1 30 3 771	·
10, 20	(23) 16 Tray	63 171
10	900 30 177	430
अङ्ग्र	3-4 6: 200	101
रि०८ हुन निहार	(239 99 Frije	(350 C)
क्षेत्र (१६७ ६० सनारा	१० २९ गर्गा	40 A
१२६० ५८० विज	932 35 717	193
বল { হৎ হং অলন		1306
अर्थाव		356 3 13 11
पण २२५ ६ विट	२८८ १५ सिन्स् २८८ १५ सिन्सि	25.3 A 1.20 13
संपणी ७० विस्ता	१३१ १३८ गतीन	965 21 50 17
क्षिपेष्ट ११८ ११३ चित्र	९७ ८ सउ	200 200 200
केन १९ २६ चिहिन	६० ८९ सन्दार	956 5
) cs 45c -	९७ ४ समा	223 7 1 1 1 1 1 1
	15 507	13 C.
	७ ३२ स्वादिन १० ३१ स्वारी	2 11
	4 . [4414]	155 6 5
		3
		I

ţ. 43 ٤, 10

n('47)	
भगरकोशरान्द्रानुकमाणिका।	
ारकाशिहास्यान्य । संस्थानायाः	
ें रिहर ध्रम् क्रिया	
१६ । । तारीक एकि ।	ą 3
	τ•
TEG TIME	District of the local division in which the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division in the local division is not to the local division in the local division is not to the local division in the local division in the local division is not to the local division in t
المراجعة الم	सोक
1/4/4/1/4/1/4/1/4/1/4/1/4/1/4/1/4/1/4/1	
११: रिका	208
्रे हिंदी हैं है	33
	4.5
राष्ट्र १५ वार्यमा १८० ।	33
	88
१ तिस्य ५५ २९ गणिकारिका ७९ ६६ गन्धवहत्ताक ७६	\$ 3
्रिसीउ ४५ ३३ / गुरुप २०८ ६३ / गुरुपेसि	10
३०० थिए । भागान ११४ ४६ । यास ५०० ६४ , स्विता	ź
४: जिल्ला ११ जिल्ला १९७ विक विकास १९४ विकास १९४	?
देश हिल्ला (क्षेत्राच्या १९४ ०) है। , ६० विस्तान १३ ६३	}
रहे । १८० । १८० वर्षा वर्षा कर्	
िया मान्य वी जिल्ला है विस्थित १००	
ور م م م المنظم المنظمة المنظم	
ि । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	
दे । वहीं कि के देश मिला है। वहीं है ।	
हुई (राहुर) विस्तु वर्ष देश दिस्त कर वर्ष विस्तु	
38/5	
- W A A A A A A A A A	
४८ । शनान्त १२३ १९४	
ा विल मिला विकास के	
वर्ष सिंहर " गाउवा है है	
्र सिलिया गान परि ११० ।	
विहोत भारत देवद १०० विकास	
18 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	
والمراج المراج ا	
2 dec la fille de	
is since of the feetings of sight failer	
यर खादि । सुन्द्रम १४ व्यापारी ०८ ६४ व्यट	
Extension & Constitution of the second	
of the factorial of the state o	
••	

- :

		and the state of t	1 1	
गह्या २२७	गतानी नियम मिर्ग के प्राप्त के प		ि प्रश्न के कि के कि के कि	第300 g a g g g g g g g g g g g g g g g g g
गलोद्देश १५२ गस्या १२७ गवय ९८	४८ गार्भिण	458 48 308 55 308 55	१५९	12.00

• ••
ATTI
जनस्कारास्ट्राच्य
समरकोशरान्द्रानुकमाणिका।
अप्ति विस्त
719
- 133 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101 - 101
, वर्ष विद्यान है जिल्ला है जिल्ला है ।
1. 186
1 155 - 100 113(4)
उन्मा १ ७७ ६६ हिल बार १ निवर
(९५ १ = हिस्सी है । ११ मिलिए ११
) = 0
ं उसवाद ूर्व १०६ कि । याउ
illy 1/2 8 6 6.6 4 5. 8 1 1, 2) de
1 2 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2 1 2
३३० जिल्लीका ८०१ २३८ । य ४१३२
· 16) / 50 / (1272)
1 1 6 6 6 1 6 1 6 1 6 1 6 1 6 1 6 1 6 1
्रं क्षा प्राप्त १३० विस्पत्त १७ गिल्ला
1961 1861 1861 1961 1961 2
9.6
2 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5
- 304) 395 (till) - 35 (tild)
रिष्ट ८० जिल्ले वर्षे
रिवर्ड कर्ल हैं कि है। विकास
1 29165
न मान १६ वट्ट (गाउँको 🛴 १६ (गाउँको)
ं विता विता विता विता विता विता विता विता
्रात्य शहर १६ ही होति ६२ ४ होति १६९ १८
ं है। विस्ति है।
The state of the s
४८ ्रियो प्राप्तिस्तर वह ही ती (ती) रिवय ही विषय विषय विषय
21 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
10 1000
1 11 2000 104 6 14166 16 141846
विषय रिवर्ष कि विकास के विष
१ जिल्हा
4 44
εξ 55- · ·
1

3.8	277.07 2	ا - ها من الماهدة الم
में पुर गोना गोना गोना गोना गोना गोना गोना गोना		\$50 \$5 \$1 \$1 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2 \$2
गोसंख्य	२४४ ९४ श्रामणी १७६ ५७ प्रामतहा १२५ १०५ प्रामता ८५ १०७ प्रामाधीन ६० •१३ प्रामान्त	२३६ ४२ १८८ ९ २२७ ४२ १८८ ९ चन
गौधार	८ १५ प्रामीणा ९७ ६ प्राम्य	टरे ९४ रेण १९ घनरस ४९ १ है।

TO HELD
अमरकोशश ञ ्चानुकर्मणिका।
प्रार्थिश इतिकासिक
्रं हे हैं है.
75.
भूग रिक मिला है जिस ।
160 60 1 194
An [1414]
1 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2
१ ८ । हेन्स १९२ ८८ । रेट्स स्टिंग १८
् १ किंग १ वहाराम १९० ५ विस्तारिक
165 20 July 186 660
101/2, 12 (20)
7 151/20
६ १९० / प्रस्ता र
ं १६७ । १६७ । १६७ । १६८ विद्यान र १६८
966 05 66 TITE 55 39
12 /2 /2 /2 /2 /2 /2 /2 /2 /2 /2 /2 /2 /2
A 30 15th 14 " 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15
والمرابع المرابع المرا
व देश कि मा हिंद व विश्वाणि १९७ विस्ताल १९७
र १९६ । रिक्सिट्स २० । १९८७ ।
म र्रेड्ड ५५ विस्तान १४८ विस्तान
1 2 2 2 2 April 12 60 12 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2
e land
रें हैं। विद्याल
\$ 00 'c
و م الله الله الله الله الله الله الله ال
T
विद्यार हिन् पेटर पित्रसह १९८ विश्वत
7 7 157
E AC (2016) 50 (22/6) 56 (2005) 5 5 50
156 April 25 SE 285
The state of the s
1 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4
5 5 m
ex to the loss of the second to the
1 10 1000
1. 1255
is a fact fact to
(***

ب يومنسون	Belfragendrumpa.ne.	th- minteds or 9.3.5	and the special states	year on m	-		-	
	**	No. 164	~ ~~~	4	- •			***
	, 4,		**	,		,		
	* • •	4 .	4		•		,	
	{ * = +	• •					_	
-z -	* *	* "	1 *** ~	• •				
2 41	*4	•	F	٠; -	•			*
# · · · ·	* *	* *	~ -			A + W	•	
**	*	76 K				** -		Mp. m.
m anymay	٦.	: -		1	•	•		44.
and the same	1:-	• •	\$		•	+ 1		*1 1/4
7-7	764	•	1 3 7-4			ť	1	***
40,000	9.10	T	i and i	,	,			
	(1	4 .	1 7 7 7	4 /		i my	•	S
स्पृत्	77-6	* *		7		1	*	
	63	× *	} ,	7		2 44 44		1.
*******	1 90		1		: •			
	1 28	•		/ b-	•	1		
सं, र	353		!	} 1 2	• 1	1 mg / g		1 -
स्याद	• 6	3	-		_	14 -	•	
23.13.	*3	. "	4 -	1 -	7 .	1	* * *	
न्दरस्य	ક શ્		37.	1	4		(11.	
महाग्रहर	366	9 6		* 7	* *		{	
चमृ	1940	10	43 45	* 1		1,74	4 3 5	
-	1740	67	ਜ੍ ^ਦ ਾ⊲	(3)	•	7 '	• •	
1.	* 4	•		177	7	, -	6 .	-
*41	5 €	\$ \$	क्रीसर	61	• 6	۲, ۲	7	i '
, 7	∫ €2	;	वन्द	41	• 4	⊒7 ~+	41	
t	[103	30	नपक	40.	1.	6	3 7 4	
चर	8984	97	चपुण्य	95%	10	55	1	41
	{ 540	38	चर्-उ	151	4.5	वित्त	24	
चाक	२९६	₹ ₹	चोत्री	* 1	9-6	रेक ् रिसम	4 "	1
चरण	994	90	वादरर	900	14	विन गणि	43	The state of
चरणायुध	55	30	चाम्झाट	150	रेक	হিলানীয	3 0	

erer.	À.t.	नाः	द्रारम्.	ilsa	11:	7,4%	178	ત્યું શ	1 1
र्देश	7 1	\$ 10	उद्यान	7 "	,	بدراك م	2 4	יל ז	
रं गाम्य	• <	٠		(2)	70	1 - 11/7	2 3		
	ਤ		31	4 5 (4.)					
उ	३७९	05		(3103	4.	7 777	ۇ يارىڭ رىرى		
उक्त	210	100	उनात	3,23	1,		\$ 45		,
उत्ति	3 \$	'1	उत्क	18,11	, ,	- (5	103	324	1
उग्ग	,563	30	उत्तर	5 %,00	1 3 n	77500		972	1,000
उदान्	200	45	3/11/2	7:00	2.3	1	111	105	
उरग	404	23	उत्तरम	4.4	3 ક્		45	, ,	1 '7
उ ग्य	904	X'4	उर्गाउ	105			* 2	3	
उम	Jo	32	उतारी	221	11	क्रमार्थन	723	3 5	
9 21	1920	ર્વ	उस्तिम	11		1	1 15	36	1
	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	905	उत्सर	२३६	3 \$	3717	{ > < ;	्रव इन्द	~~
उभगन्भा	{ 53	9 414	उत्कोश	309	33	उग्गार्न	326	923	
	२०९	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	उत्त	210	ي در ا در د	1	(Yr	24	- :
	94	950	उसम	259	250	उ गाह	{135	95	
•	., २१२	63	उत्तप्त	993	\$3	उत्मादन	316	994	1
Ιť	496	Ęo	उत्तम	200	وپا	उत्सा हार्यन	1 45	96	77.5
* 44	२१२	٢	उत्तमर्ण	955	4	उत्मुह	990	5	7
~ 516 Air La	93	8'4	उत्तमा	904	Α,	उत्गृष्ट	२३७	900	~ ·
र्गःश्रवस्	રૂપ	42	उत्तमाग	923	94	उत्मेध	5 59	10	→ ;
	२७८	90	- Table	5 34	90		1355	5\$	30
	६९	90	उत्तर	{२६२	980	उदह्	२८०	23	7
	દ્	40	उत्तरा	90	3	उदक	88	Y	777 1
	∫ २०९	U o	उत्तरासग	926	าาง	उदस्या	906 -	२१	~ " · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	{૨૪૨		उत्तरीय	926	110	उद्भ	२०९	y.	34 1
	१६४		उत्तरेगुर्	२७९	- 1	उद्ज	२२७	33	70 11
,	४२	_ [उत्तान उत्तान		२०	उद्धि	४९	9	7
-41	६२		उतान उत्तानशय	५२	94	उदन्त	३५	v	रें रे
77.5	₹ 9		उत्पानसम् उत्पान	997		उदन्गा	१७६	44	J
दु ग	49		उत्यान उत्थित	986		उदन्वत्	४९	9	18 3 C 3
	• •	11 ()	-16461	585	c4	उद्पान	48	2.2	रेने **
									10-

۶٠

श्लोक.

956

ξ

۶۶

36

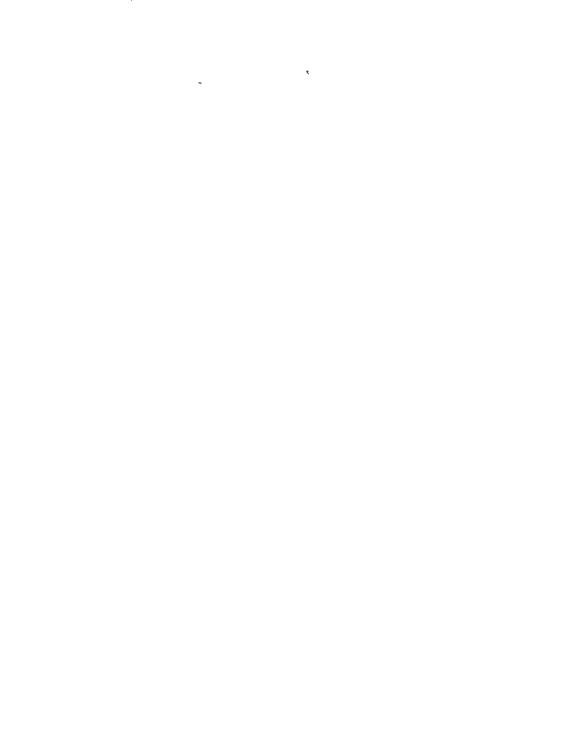
अमरकोशशब्दानुक्र**मणिका** ।

		- • ૮નમના	शब्दानुकम	ाणिका ।			
 जगत् जगत् जगत् जगता र	१६० ४३ १०४ ४३ १९९ ५१ ४९ ६० जतु ५९ ६२ जतु ५९ ६२ जतु ५९ ६४ जतु ५९ ६४ जतु ५९ ६४ जतु	त हा स्टिंग जा में तर जिया जिया जे पाल जिया जे पाल जिया जिया जिया जिया जिया जिया जिया जिया		श्लोक. शब्द जनश्लीत जनार्दन जनाश्चय जिन ११ ११ जन्म जन्म जन्म जन्म जन्म जन्म जन्म जन्म		कार्याः कार्याः कार्याः कार्याः कार्याः कार्याः	کا کار میں جاتا ہے جات کا کار میں جاتا ہے ج

								-		
शब्द.	पृष्ठ.	खोक.	হান্তঃ	वृष्ट.	कोक	হান্য	মূত্র	भोक	, 70	799
जीव	5 २१	28.	जोगक	१२९	306		झ		इंदुम	3
जाव	र् १९५	998	जोत्मी	60	996	अदा	٤5	920	. इने	٠, ١
जीवक	€ نام	88	जोपम्	२७४	264	मरि नि	२७५	2		75
	₹ 53	385	গ	833	٧,	झर	€ €	فه	<u>কো</u>	**
जीवजीव	903	30	ज्ञा पित	294	96	झझर	४०	6		
जीवन	{ 88	3	র ম	२१५	96	संस्थ	२८४	90		7
	र् १६५	9	इप्ति	२९	9	झप	५२	90		3 > +
जीवनी	99	१४२	ज्ञातसिद्रान	त १४५	94	झपा	60	990	त्यक	224
जीवनीया	९५	385	जाति	999	38	झाटल	७४	34	तम्	300
जीवनौपध	१६५	320	त्रातृ	२०२	३०	झाटालि	२९७	36	तह	54
जीवन्तिका	\	८२	जातेय	999	३५	झाबुक	98	80	तरिनी	5,
	े ८२	52	ज्ञान	30	5	11.3	í co	৬४	गडाग	57
जीवन्ती -^	59	१४२	ज्ञानिन्	984	98	[मरी	}	७५	निन्	11
जीवा	99	१४२		5 40	3	झिट्टिका	905	२८	गडिनान्	17
जीवातु _^	१६५	१२०	ज्या	1948	64	झीरुका	902	26	200	3¢.
जीवातक	१८९	98	ज्याघातवा	रण १५९	68	4114111	101	(-	कुन्तुन	
जीविका	દ્ધ	٩	ज्यानि	330	9	दक	993	ą¥,	لمششئ	6'- 9
जीवितकार		920		1993	83	टिट्टिभक	403 174	34	,,	1 gs 3
जुगुप्सा	3 €	9 3	ज्यायस्	े २७१	234	टीका	•	۷,	त्न	33
<u>নুদ্</u>	89	१३७	ज्येष्ठ	∫ २६	9 \$	1	२८३	ધ્	777	(335
जुहू जुटि	१३ ६ २२६	२५ ३८		रे २३४	४१	दुइक	৩৩	,,	त्युन	₹ ७५
जूँति जूति जूति	२२ ६	₹° ३ ८	ज्योतिरिङ्ग		२८		ड		तन्त्र	ीरद ,
जूरा जूम्भ	४५	34	ज्यातिपिक		१४	उमर	२२२	98	75	f>
ज ुम्भण	४५	<i>34</i>	ज्योतिष्मर्त	ो ९३	440	डमह	४०	c	तया	१९ ३
	∫१५७	र ७ ७४	ज्योतिस्	२७०	२३०	डयन	१५३	५३	तथान्त	२०:
जेतृ	{940		ज्योत्ह्या	२७	9 5	ड हु	96	€ 0	तथ	٠,
जेमन	908	५६	ज्योत्स्री	८७	996	डिडिम	४०	۷	तेड्	_ ₹3 g
जेय	940	71	ज्यौत्स्री	२४	ч	डिडीर	१८५	904	तक्या	₹७५
নী স	940		ज्वर	5995	५ इ	डिम्ब	२२२	34	तना	ادع د
	(98	98	1346	र् २२६	36	ETT.	5 903	34	विस्ति	₹<0 >
जैवातृक	7990	ε	ज्वलन	98	५३	डिम्भ	्रि २५१	8 52	विस्तिम्	986
	(२२९	99	ज्वाल	98	५७	डिम्भा	992	ΥÌ	वेन र	२८०

अमरकोशराज्यानुक्रमाणेका ।
85
1 200 AX 28 1202 120 E. 1302
्ट्या ३६ ६) ३०९ ६६ ग्लाल । ५६
१९ १ तक ति विद्या १०० हरू तिमालयन ११८० ३३
तहक २०८ ४ त्युहत २१० ६ तामिल ४६
ं तह १० १० विस्ता १९०३ विसी रूप ४
तजान देश हैं। तिना रिश्व देश देश तिनापर देश
वादित १९ ९ विल्याम १६९ १७ विस्त
्रा तरहल इद्धा हुई तिल देव भारता पुरुष हुई तिल देव
तर्वाच ८० १०६ तिहेला १२७ ११२ विशेष १०
ं तत्व रिशेर हा तिस्ती रिश्च विस्त रिशेष १९
त्या १४८ ३ तप ३७ १८ तरला १४७ ७५
तत्पर ४० ९ जिस्स
ं तथावत ६०६ ९ विस्तिय १८३ ९४ विस्तिय ११७ ६३
तद् रूप्य रूर् तपत्य रिय० रहेर तारे रिय० १२८
तदा १८० ट्र तस्तिन्त् १३९ ४२ तस्य ६८ ७
तदानीम् ३८० रे९ तम ३३४ तस्ती १०६ ८
ें। पन्य १९० रेड विस्ता है है । अह है विस्ता है ए
१२१ ८३ विस्ती १२१ ८१
~

शब्द.	पृष्ठ	<i>र</i> होक	गन्द.	<u>वृष्ठ</u>	श्होक.	शब्द	মূত্র.	अनुष	#P?	38
तर्णक	900	६१	ताग्कजित्	35	४०	निनिडी	رياون	A\$		
तर्दू	१७२	३४	तारका	∫ २१	२१	तिनि जीक	900	34	, तीक	- {34.
तर्पण	9 ई४	98		₹ 453	35	तिन्दुक	७ इ	36	-	127"
તપળ	₹ 9७६ ₹ 9९	५६ ४	नारा	२१	58	निदुकी	२८४		र्गः का जन्म	44 33
तर्मन्	934	98	तारुण्य	११२	४०	निमि	43	75	नीर	29
•	(88)	? C	ताक्यं	∫ 90	२९	निर्मिगिल	43	2.	तार्य	- Stri
तर्प	\ 9 v \ \	ા	तार्स्यशैल	(२५३	984	निमिन	२ 9 <i>5</i>	904	শীর	6,45
	1949	۲۲	ताद्यराल	924	१९२	तिमिर	85	3	र तदन्त्र र तदन्त्र	3.
तल	र् २६४	२०२		1 80	9		_	-	4 43° H	_ ' '
तिलन	२५०	१२७	ताल -	े ९६ } १२१	53 P 55	तिरम्	{२७५ }२७६	२५६ इ	7.	232
तल्प	२५०	939		1964	903	तिरस्करिण			3	7.36
तद्रज	56	२७	तालपत्र	924	903	तिरस्क्रिया		920	_	(3)
तष्ट	२५५	९९	तालपर्णी	66	423		£8	23 5 3	ींड	325
तस्कर	989	२४	नालमूलिका	وا ح	995	तिरीट	१ ५३	34 24 24	' तुझी	189
ताडव	₹ 80	90	तालग्रन्तक	१३२	980	तिरोधान	99	93	রুন্ত	₹0.3
	{२९५	źĸ	तालाइ	9	२४	तिरोहित	358	992	तुइ	175
तात तात्रिक	११० १४५	२८ १५	ताली	5 68	१२७	तिर्यच्	203	34	हुँडिका,	ده ک
तापस	336	•		े ९६	900		80	٧°	• ,	{ 59
तापसत्र	કરૂ હધ	४२ ४६	ताछ	922	59		1998	85	नुष	965
तापिच्छ	હર	ĘG	तावत् तिक्त	३७३	२४६	तिलक	7996	54	हुए।	1 03
तामग्स	ي و	80	10 dt	₹ 9	9		१२९	१२३	7	1 63
तामलकी	૯૬	920	तिक्तक	38	944		(903	४२	ीुपान्त ===	964
तामसी	२४	ų	तिकशाख	(20.15	तिलकालक तिलपणीं	998	85	75₹ 75₹**	130
ताम्बूलवही	66	920	तिग्म	२३	غ م	तिलपणा तिलपिं ज	930	१३२ १९	वुन्दर्भस्य वुन्दिन्	1980
• _ ઁલ્ફા	66	920	तिङ्सुवन्तच		₹7 2	तिलपेज	१६९	98	•	99.
वाम्रक	१८४	50	तितउ		٠ ٦ ٠	तिलित्स विलित्स	955 80	,, ,	वुन्दिम	{ห:
ताम्रकर्णी	3 6	وع	तितिक्षा	४३	२४	तिल्य	-	נ	£r.	(19)
ताम्रकुटक	966	6	तितिश्च	२०२	3 9	तिल्व विल्व	4 E E	₹₹	युन्हिल	{99:
ताम्रचूड	99	१७	तितिरि	902	بر عرب	TOTAL STATE OF THE PARTY OF THE	५३	२२ २२	ने र्न	(993
त्तीर	₹ ₹ \$	2	तिथि	38	4.2	तिष्य	२१ २५४	989	विवास	८९
-	₹२५७	966	तिनिश	હર	२६	तिष्यफला	00		इंदि (व) हि	166



4.24	41	य मी-इ	7 -	ipr	म्ने,च				
គឺ "ប្រែង	ት ካተን	28	11277	\$		Į	at 1 m	767	
£1 - \$1 mg	2003	*	F11 =	1	173	1,		, 48	
ते दि	355	r	Fin	14.3	* ' ' }		ĺ.	100	
सैप	2 \$	1'1	1:		,			346	
साम	ጎጎ።	24	First			₹~·;) ' ' '		
नो गफ	*,*	ት ፣	117:4		* ;	157 =		Luder	
रोग	730	11		,	13	11	, , ,	سيها	
सोऽफ	33.4	3 -	Fire	3 1 2		1	ŧ •.	1 ~	
मीप	17:50	1)	f-re-ir	~ 4	- 1	177	ा । स्त्रे १३	* ^~;	
	1950	10	िंग स	, ,	13		•	* - 4	
सीउन	150	15	निर्मान १	*	•	- Isleir	4 ^ 1	38	
स्रोमर	350	3.3	fries	*	t t	1	- 7	70	
सीय	43	ď	िर्गिरोस	ŝ	ኔ	रम्याय	30	44° W 44	
तोयिपपरी	रे ८६	111		14	19	dia.	4 14	1 7	
तीरण	5 8	95	ितप्रथमा	1010	3	12411	*4	3:	,
तीयीत्र ह	10	90	विषय	3 64	310	14.5	1		à
त्यक्त	२१७	900	5-	1 6.	35.		(33,		
स्याग	430	5 9,	निपुगन्त <u>क</u>	. 7 "		111	SP #4	1	*
घ्रपा	83	2.3	विभाग	963	111	• शिवगाव	* *	14	
স पु	966	904	तिगद्य	C'a	916	ारा	1,27	1	
त्रयी	₹ ३३	3	त्रियामा	२४	1	लोग	₹ 34 -	7-71	
	} ३४	3	रिशेवन	90	20	11 1 1 1 5 m m	19.5	Physic	•
न्स	590	७४	तित्रमी	§943 €	3.2	सार ग्री रा स्थार		E SHOW T	
नमर	558	२ ४	1	1945	90	. 1 -	595	₹***	
त्रस्त	२०५	२६	त्रिपिकम ००	4	50	নেতু	1966		9
সা ण	{२ ९७	904	ति। । १२	Ę	Ę		1 33	777	,
	₹25•	۷	वियुत् (64	106	तिः (प्)	1756	المشر لتوق	1
त्रात जन्म-	, २५७	905	त्रिपृता	64	308	ियाम्पी ।	2	المملية ا	11
त्रायती त्रायमाणा	53	9'00	त्रिम च	२८	1	त्राद	9 40 '		
नायमाणा त्रास	4 5	940	त्रिमीत्य	1 ६७	۹.	. 14	द	Time	**
	४२		त्रियोतम्	فإنب	39	दश	909 1	द्धा	ì.,
त्रेक	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \		त्रिहत्य	9 ६ ७		दंशन	944 F	2.2	ŧ
	(130	હદ્	त्रिहायजी	900	Ec	शिन	944 35	المؤشرة	٠, د

				1								
	शब्द.	রূত্ত-	भोक	शर	dd	भंग	77-1.	, f	זפין			
	दानव	G	дá	दागर	340	, ,	ł	7		रूने इने	**	
	दानवारि	U	9	दिगम्बर	201		. (33	Sapa-	* ,	
	दानशोंउ	१९७	S	दिग्गज	10		1 20 21 7	3	۶ ۴	**	•	
	दांत	8980	3,5	E STORES OF	19cm		1 311 11 4		3	- A	ŧ	
	दांति	्रे ३१५	9,0		ी २१३	₹, 0	वान 🌲	3.		्री सम् । भूगान	٠,١	
	दापित	२१९ २०४	3		२१६	de 3	रीप दीपाः	1:		हुन'	12.5	
	दामन्	५०० १७९	४०	ितिगुत	v	45	दामि	Ś ɔ		242	} 1	
	दामनी	१७९	63	रिनियु	308	23	याम याच		3	تدرئ	4+,	
	दामोदर	6	96	विधिपू विन	305	5 3	यान		5 1	-	ŧ	
	दास्भिक	२३०	90	1	58	3	रीर्प होडि	व्या विकास	-	Print.	47.	
	दायाद	२४३	69	दिनान्त	58	₹	वीर्षद्रशि		۲ •	\$12 3 J.J.	1	3
	दारद	86	99	दिव	} 5 90	Ş	दीगपुष्ठ	र् ५ १३ ४		2	112	
	दारा	904	Ę	दिनस	1 8	۹ ع	वायम्य	٠ اوا			1, ,	
	दारित	२१६	900	दिनस्पति	92	۲ ۲۹	र्दापंगूत	950			34.	ī
	टाह	{ ६ ९	93	दिया	२७६	ε	दाधिंग	લ્લ		277	100	٠
	दारुण	(00	63	दिवाकर	22	36		1 65		حرر	•,	,
	दाहहारेडा	४२	२०	दिवाकीर्ति	Sicc	90	हुग	1 29		के जिल्ला कर के किए के किए	300	ł
	दारुहस्तक	८४ १७२	905	1	(१९०	98	दुप्प्रपर्विणी	1 65	995	37	35	"
	दार्वाघाट	९९	3.8	दिविषद्	G	۷	दु पमम्	२७८	11	77		* 1
		5 66	90	दिवाकम्	{ ७	3	दु स्पर्श	٤٤	41	377		4+
	दार्विका	1924	999 909		{ २६९	३२६	दु स्पर्गा	63	\$1	ليرو	112	11
	दार्वी	68	905	दिव्यगायन	- 50 q	433	दुक्ल	१२७	91	নু	112 14	**
	दाव	२६५	२०६	दिव्योपपादुः दिश्		40	दुग्ध	904	भौ	ता स्त्र	120	1
	दाविक	५६	3 €	दिस्य विस्य	90	٩	दुग्धिका	८४	1	~् _र हेन	10	١,
	दाश	45	94		90	3	दुहुम	९२	, ,		33	١,,
	रा शपुर	90	939	दिष्ट -	{ २४ २९	9	दुन्दुभि	\{ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	1	रेट्यांग्स्	gas 	i
	रास (ासी	१९०	90		(133	२८ ३५		{२५१	,	ना निर्म् जो	177	. 4
	ासासभ	ره 20 م		दिप्रान्त			दुरघ्व सम्बर्भ	ę٩		ींश	16 4	:
	 ासेय	२९२ १९०		दिष्टया	२७७		दुरालमा दुरित	८३ २८	₹ ₹	घ	1}c ,	1
•	•	120	90	दीक्षान्त	૧ રૂ હ		_{उप्सा} दुरोदर	२५८	931	, ,,	ارد 15.	ž I
								V 1-		â I	43 X3	- !
										•		ŧ

विमरको ४५०-
भमरकोशशब्दानुकमणिका। शद् ह शब्द
७ दिस्ति १, हुँगे १४६
े दिर्गिदिन १ वर्गन २०६ ४६ हम १९६ ६०
र सिंग रहे हैं है
र हिंग्य के दिल्ला है। उसी हिंग्य रविक एक हिंग्य विकास विवास
र होति । लिखा ३०० ४०० होता ३९३ ८६ जिल्ला १८९ १९
्रे होत्य (ज्वांभर १९ १२ ट्युट् १३ ट्विस्सा १३ १५ विस्तासा १३ ८५
व दिविकोशिका भीका १ के १
ह दिस्ति । देशां १ ४०० ४४० ४४० १ दिस्य ११६ ८ दिसे १४० १३
र विधित्त अर्थना है
६ सीपिना मान महिल्ला है
१८ इस रिंग करन के कि किस १४० वर्ष के किस
१९ द्वाप्यमि । ना दर दूर्ण देवरानाम् ८ ०० दिर
ु द्वापर्य () विकास वित
ररह दिस्सी १००० के विकास
पर दिस
१ डिगियस
8 83 H
24 254
998 (3000
१० । द्वीरा २७ । द्वीरा
•

च्याकोलक्ष्मान्यम् **अस्तिकः** ।

			-14 C - 1464	*		
array High-Applicates introductional for seconds. Becombing international	Ma dominantification					
	ga - mg	277	42 ×	Mile	78 .	* 3
* 4	٠ .	*	¥4 +	A state &	744	Y
•		3	* 1	7771	***	22,
**	*	4		हिंगिर		41
		v2		411) (102)		**
		ţ .		51 141	15 x	* 11
		ħ			(10)	*
		1	1 .		1 4 4 4	alle de la constante de la con
		5		1 454 2		***************************************
					ŧ.	**************************************
		, 3	• · ·	1 15	130	2000
				15.4.4	t _{d.3} (11
		*		' । म	I 2 14	el.
				1 (111)	* t *	
		ŧ	,	1.	1 ,	
		ŧ	}	, (+	1	4.0
			'	1 * 4	1 €*	11:
			1 }	1 7 3	3	3 30.2
			, ,	£" † 1:	1 4	· ·
			T-white t	. 1	\$ 1.3	
			1 }		7 4	in the second
			j s	111	1 1	1.
		,	1 1	****	3 * *	
			1		} *	1,0
			•	· } :		3 4 4 4
				af	,	5
			1			
				f	1	
			,			<i>+</i> *
					,	1 " "
			-	9 %	٠,	4,
			5 +	-	/ · /	* 134
						8,

जमरकाशराह्यानुक्रमणिका।	
	\$ 7
सहस्र सहस्र	
मिला मा	कि.
विकास कर्मा विकास करता है। विकास करता विकास	3
विकास मान्य देव	, .
व विकास के व	۶.
के लियाहर ।	
िन्न " जनानी " ६६ विमसाहना ३५ विषय ३५० ५	
१३८ सिंगा	
143012	-
The prime	
६० हिल्लि ।। देव	
८५ हितीया । धनुष्पद ७३ - १० क्यांन	
१७ हितीबाहत । यहपेर १००	
वर्ष दिव अध्यामाम व्यव हुई भारते ८८ वर विका	
८८ हिराय भाषा १५६	
४१ हिरह गा करन १९६ - मिल	
१९ हिरेस अर्थन १४९ ८० धालामिक्स	
पर कियाँ भेजनी ५० ५ छन्।	
पर सिंह	
भी निर्देश स्थान	
९७ हिस्तिय प्रकार	
A Been proof the co Man	
do lettrain de la fait de la fait de	
दे हिंग भूत	
The state of the s	
Ax land	
SC SA COLOR OF THE STATE OF THE	
The state of the s	
86 1822	
16 14	

A STATE OF THE PERSON OF THE P
2 Maring St.
مستد ا
भारती है
36 22 22
47 Jen 19 19 19 19 1
The state of the s
298
मिल १०६ दर्भ भारत है। है। जारी
विति । विशेष
28 1972
Ville-
alman and the second
the same of the sa
77 144 7 3 344
धनम १९०० विकास १९०० व
धिनामः रिहे० वृद्ध निर्मा
धनस्याः १९।
मंत्रम १७७ ७३ निराम २१ ३५ / ११/१ ३० १० हिन
990
नात्र महिल्ला १०० विकास १००० ।
धीविता १५२ ।
المسترين الم
10 72 Rym
المراجعة الم
Cd 45, 50
रें ३० निर्मित्स १९ व विर्मानिस
1977 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
) 50 5 1 10 5 7 7 995 (18
७३ नियान १० १० ।
419
सुवा ८७ ६० विधिया (१०० विभाग ११० विभाग ११
विश्व १९५ विस्ता १०६ ८ विस्ता १०६
स्वा १९ १५ (१०८ १५) रिक ३३७ विक्
क्रिके १६६ वर्ष विद्या
Motal 30 3 3 5 3 3 5 3 3 5 3 3 5 3 3 5 3 3 5 3 3 3 5 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3
चिति । ७८ जन्म (१८९ वर्ग पंगस्त । भी
*36
८९ १२९ नम्मि
निमासंत
र अभिता देव वर्ग है है।

भन्द.	वृत्रः	. च्येत्ह	शहर,	977.	• គំរ	S DIAP	98	-	牌
नाविक	4	د و	निकृम्भ	•			f 2		7
नाव्य	وأو	9 19	निक्रम		•	ान राय	1 1		
नाग	954	995	2	(200	, ,,	feren r	\$4,	See.	•
नागत्य	93	. હતુ	निक्य	{5 n'		'	•	Asset	
नामा	\(\xi		निर्गत	74	3:	, lara	क्षा ८३	and	
	(१२२	6	निम्प्र	טחכ	Pa ,	الدينا ا	(110	Fix	,
नासिका	955	65	निकेतन	દુર્	,		(250	,	()
नास्तिकता	30	*	निरोचक	دو :	३ ९	निज्ञा	5:	^{कर्} ब	1 1,5
नि गलाक	980	25	निक्रण	3 6	7 5	निदाण	243		111
नि.शेव	२०९	£ to	निकाण	3 6	₹ ₹	निद्रान्	202	علشمخا	47
नि शोध्य निःश्रेणि	२०७	ي با	निसिल	२०९	5%	चि ।न	1	र हैं।	4.3
ानःश्राण निःश्रेयस	દ્ધ	9 <	निगउ	3.0	19	1	* (*	। मेर्	1
	ś۵	\$	निगद	258	92	निनि	•	المراجع المهر	· ,
नि पमम्	२७८	98		وءَ ∫	9	निरान	137	भी जिल्ला जिल्ला	3,,
नि सरण नि स्व	Ęų	3 9	निगम	4960	૭૮	नियान	•	भे जिल्ला	\$41
ाग स्व निकट	२०६	४९		(500	9 50	निनद्	•	ी निय	10
निकर निकर	२०९	\$ \$	निगाद निगार	229	95	निगद	3 €	निहन् केल	11,
निकर्पण	२०३	ફ્લ	निगाँल निगाँल	356	30	निन्दा	<i>\$</i> \$	শাধ্য	* 1
निकप	હહ	98	निम्रह	902	86	निप	१७२ १	1"	323
•	983	\$5	निध	२२१	8.5	निपट	रुव्य	14.224	*** ***
निकपा	{२७ <i>६</i> {२७९	y	निघम -	335	3 €	निपाठ निपातन	***		,),
निकपात्मज	१५०५	1.5	निन्न	૧ હદ્	PÉ	निपान निपान	२२४ ^१		10 12
निकाम	905	20:1	निचुल	999	95	निपुण	955	1.	334 65
निकाय	908		निचोल निचोल	५८ ७२१	69	निवन्ध	994 31	निस ् न	** },
निकाय्य	६२	37	निज	777	995	निवन्धन	80		`a,
निकार	∫२२२	L	नेतम्ब	∫ ६६		नियर्हण	958 981	1	les hi
	{ २२	30		1995		निभ	998 1	(गर्भान्त्र	3, 7
निकारण	958	000	नेतम्बिनी	906		निमृत	200 8k	निरंग	19: 1 _{4.6} 1
निकुचक	9 < 2	CC	नेतान्त	95		निमय	969 6		1.2 13
निकुज	çıs	ا کے	नत्य	र्व १६		नेमित्त	२४१ भ	THE !	Ye ?
		-		[२१०	७२	नेमेप	ეს ¹¹	1	उर °८ ;
									· 3, j

1
अमरकोराशस्त्रानुकमाणका
्रिक्
o विस्ता भी किंद्राचा रहे कि
४१ निरान , विकास के किया के किया किया किया किया है। के निर्मा
: निरिष्य १। निम्पनक ^{६२} निर्देश ३८ २३ निर्देश ४६ २
३० निरीयहा । गणीन इ. १६ निन्निन्त्रिया है। ७ निर्ने २३६
1444
र निर्म कि
१७ विस्ता विश्व विश्वास्त विस्तास्त
In light 88 1
عدد القلام المعالم الم
्रियम के प्राप्त वर्ष के वर्ष है।
के निधि क्षित्र करण के निसंद किया के किया किया किया किया के किया किया किया किया किया किया किया किया
िन्द्रित ११ कि ३४ है। निस्ति १६ किइन
वर विस्ता सिंग्य ३०८ हह जिल्ला
१४० मिल्द निर्माट ४८ व जिल्ला १५० मिल्या
Comment of the contract of the line of the
्रिया विश्वास
बट निपठ , शिर्म के के कियान
1 1970 m + 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
०६ विस्तावन
१६ विसन
in the second se
१९६ निस्त्य । विश्वको १९५- ७ विद्याद
The factor bearing the same th
les "lien " lien " lien to le
A PART TO THE PART OF THE PART
المراجع المراج
ee Prat
पेर विमेर

সহত্	ह्य.	भोक.	गन्द.	μī	শীক	3124		_	
निष्कला	30	९ २१	निहनन	984		1		**	77
नि मसित	२०४		निहास	43		1	3.		10
नि कुट	ęυ	•	निरियन	73 358	•	7	2 m3	•	1
निग्रुटि		-	निहोन			1	314	•	{ ,
निक्इ	६९	* * 3	1	350		स्य	>13		1 2
निष्कम	२२४		निस्व	3 8	90	ন্স	243		,
निष्ठा	1 89	94	नीराश	(२६५	२०८	न्तन	299	-	* \$
(मध्र	1 238	7 % 89	l	958	33	रूम	293		3.
निष्टान	1908	88	नीच	1950	9.5	ननम्	1201	* *	53,
	1286	995	नं।चैस्	1306	Vo	1,1,14	300	*	
निष्टोवन	२२६	36	गायस् नीउ	२७८	30	नृगुर	350	ر براهم	, .,
-	1 36		नाउँ नाउँद्भव	903	३७	7	901	فعية	• ,
निष्टुर	990	9 g		902	źż	नृत्य	10	न्दस्	*1
निष्ठयूत	293		नीत्र -^-	€8	3.8	तृ प	943	3	4 * 2
निष्टयूति	२२ ६	- 1	नीप	95	४२	नुपलस्मन्		1	1 11
निष्ठेव	225	- 1	नीर	88	8	चुपगम	-	1 3	1000
निष्ठेवन	२२६		नोल	3 ?	98	नृपायन		1 -32-	1
निष्णात	१५६ १९६	36	नीलक्फ	103	30	हुगाग हुगम	136	73	326
निष्यक		1		{ 338		हुगा नृसेन	260 Y	-	
निष्पतिसुता	२१४		नीलगु			रुपन नेतृ	996		t,
निष्पन्न	306		नीललोहित	90	22	_	\d23 ;	ı	1.
निस्पाव	२१६		नीला	909	२६	नेन्न	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\		13.
निष्प्रभ	२२४	२४ =	नीलाम्बर	\$		नेत्राम्यु	453 (14.4	100
निष्प्रवाणिन्	२१६	300 =	र्गालाम्युजन्म	न् स् ५६	30	निदिष्ट	205 1		in.
निसर्ग 	१२७	995 4	गीलिका	७९		गपड नेपथ्य	303	ı	15.
निस्रष्ट	ςέ	-	गीलिनी	< 3		1444		न्यस्	
्यक १५५८	265		 බින්	63	Su =	ोमि		13 2	141
	२०९	- 1	नेवाक	२२४	88		1 443	न्द्रेन	393
निस्तर्हण निस्त्रिंश			 वार	9 00 0		र्नो	७२ रे	Part.	366
^{।नास्त्ररा} निह्मा व	950	دوا			- 1	क्रमेट	285 9	4.	÷.,
	<i>९७५</i>	४९ नी	विं {	∫१८१ {२६६ ३	८० म	गम 🔩	} 9 €0 94°		4 ,
निखन	३८	२३ नी	रुन्	५९ ५९				12.	54
निस्वान	३८		शार		८ ना	चिकी	305	1	
				140 1	१८ निष	गली	356 30t	₹	रिश्वप्र रिश्वप्र

८ मृतन । तिक्र १४४ ७ प्रस्त १६५ ८८ प्राप्त १६४ ७ प्रस्त १८६ ५ प्राप्त १८६ ७ प्रस्त १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६	त्रात्त । प्रिक्तिः १०६ ७ प्रतात ६४ १४ पट १३० १३० १ १० तृप्त । प्रिक्तिः १०६ ७ प्रतात ६४ १४ पट १३० १ १० तृप्त । प्रिक्तिः १०६ १० प्रतात ६४ १४ पट १३० १ १० तृप्त । प्रतात १०० १० प्रतात ६४ १ प्रतात १०० १ १० तृप्त । प्रतात १०० १० प्रतात ६४ १ प्रतात ६४ १ १० तृप्त । प्रतात १०० १० प्रतात ६४ १ प्रतात १०० १ १० तृप्त । प्रतात १०० १० प्रतात १०० प्रता १०० प्रतात १०० प्रता १०० प्रतात १००	96 14 9
ase	72	

No.	टुट	श्लोक	दाब्द.	पृष्ट.	स्रोक.	গ্রহর,	-		
4.2	4 4 5 5	25		(58	98		٠, ٢	-	2.
गेराह	933	5	पत्र	903	36	चचना पद्मनाभ			•••
	969	دې	14	J 308	40	पश्चिनी	•		733
प्राचनान्त्रक				(२६०	905	पद्मनञ	68	•	135
		2	पत्रारः	863	35	पद्मगन	45	-	
1 1	€ 3	ده لو ق	पनपास्या	१२५	803	13000	143	district.	136
م ایسانسان	950	36	पत्रस	305	₹3	पद्मा	5 3	न्द्र	115
Al south "wife	303	30	पत्रतेखा	356	9 २ २	'"	₹ 41	*3	1:•
4 5 20	(900	3,0	पत्रात	१३७	935	पद्माकर	6.8	गंजव	3.0
	\$ 236	20		११८६	999	पद्माट	•	THE STATE OF THE S	760
er je	9-1	د =	पत्रागुठि	926	922	प्रमाल्या	4 5	7.	Star
T [दंश है	:3		58	۾ ب	पश्चिन्	4 % c	хb	(*55
	103	.:	पतिन्	7 905	33	पद्य	586 34,	10 } 20 21	5 30
	403	2.3		1 969	৫৩	पद्या	5 ° °		(:31
•	4 22 -	2.3		586	306	पनस्	96	17.73	7.5
,	() ; ;		पत्रो वं	00	4 9	पनायित		101	310
	(3,5	-3	प्रीतक	•	443	पनित	4.4.	1.4.5	3.3
	~ 4	- 5	भारत भारत	4 4 5	96	पन	, -		100
7	1	' '	भ या प्रया	٤ ٦ د ی	96	पन्नग	63	4	Ye
·	•	27 1	 रन्द	990	હ હ	वनगाशन	90	قسر .	Ste
	* 3	- •	13	248	6.3		(83	7.7	300
		30	ाडम । 	900	88	पयम्	400	11	Mr.
	1	9 ,	दर्वा	 	9%		200 3	33	375
	-,		रदर्भच	900		पयम्य	137	لسند ا	रेक्
	,	: 15	ल लि	900		पयो रर	26.5	خشد	£23
		. 13	িয়াল বিষ	900	2.0	पर	1347	Trap .	1:/
	7300		7	900	50	44	(=== 1	المحرية ومدر	1.5
•	* * 5	20 10	7 - 2	6.1	- 1	परजान	geo :	2137	icj is,
•	· .	-	7	1 40	'39 '	परनन्त्र	9 2 5 "	7.5	
	7	1		1 45	. , ,	संभिण्डाद	200	7.72	17c 1
	1 -	* ?	6 %	9:0	- 1	रम्न	900 '	1	*** ** ₃

•	100 -	_		1.9.	यमाणका ।		
, ८ । ९ १	चित्रवास्ति (स् प्रान्तम् शस्य प्रोप्तन् शस्य प्राप्तन् शस्य प्राप्तन् शस्य (स्टब्स् (स्टब्स् स्टब्स् स्टब्स् स्टब्स् स्टब्स्	सम् २०७ सम १३६ हिन् ८ सिक १३६ १६० १६० १६० १६२ १	१९ परिष १६ परिषा १६ परिषा १६ परिषा १६ परिषा १३ परिषा १३ परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिचय परिच परिच परिच परिच परिच परिच परिच परिच	दिस २ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	होकः । पारम १९ परिम्ह १९ परिम्ह १९ परिस्म १९ परिवर्धः ११ परिवर्धः ११ परिवर्धः ११ परिवर्धः ११ परिवर्धः ११ परिवर्धः ११ परिवर्धः १९ परिवर्धः	368 438 1 368 439 2 56 43 2 66 63 2 66 63 2 66 63 3 66 64 3 66 64 3 66 64 4	£ &
• •			•				

-		-	-		نبياب كماد والهزارية بناوا	بربيتها كمي فالتحمين	Later 4		
Marrie A	1,00		of g as the	1300		p 4	j**	***	
n 1777	* -	7 2	प्रमान्त	٠,٠	,	21 \$	ş •		
प्रमेच र	2350	12-	יו וויוי	13	, ,		1 *		
पराचार	346	764		1, 0	1 f	Gt ror	1 1 .	•	
सरीवण्ड	+4 40	7.	441747		* 4		1 , ,		
धरानि	774	33	पर्न-पन	7 < 4		Tel Th	4.4		
प्रीमार	223	34	पानणा परेर	1500	2.	ן וויילוי	7 (
धाराम	8%	43	1 1 1 1	3.	1	प गोर्ग	٠,		
dr.7	5 98	10 60	परन्	3 40	3 , 1	19013 11 4	to g d		
पहच	3 +	J. 4.	บร์ร่าร	1 " "	ין ני	प्रता १	* *	**	
the state	4,14	753	पन्ता	336	ş <i>a</i>	તત્તા-કાત	1.		
परेत	154	99 *	311			ર્વા 'ન	177		٦
पॅरनगञ्	11	100	47.5	1300	103	પ િમ્મ	3 .		
पंरचित	२७५	5)	d 2110-	•	٠	पा-कॉ न्	+4 0	1 /	
प्रयुग	100	120	य द्वा	916	• 6	ar a	s,	1	
पंगीया	ን ጜ ፡፡	16	das2	997	53	पहेंद्र भ	10"	***	
परैएगी	303	26	वस्थान=	*3	3 40	वाद्य	979	t	
पाँडिन	23	3 >	परगढ	902	55	414.4	1100	-	
पर्जनी	68	105		(.*	9 1	वाक	\$ 550		4
पर्जन्य	243	3 48	पठाश	7 ;	24	qiF:	60	72	1
	\$ 64	16		0 ;	948	गा । शामन	3.5	13 700	(
i.,	7 240	> 4	पश्रादीन्	:6	*4,	या स्थामनि	4.3	*	,
•			पिछक्ती	103	95	पारहतान	frit	77 77	ļ
પંચા <u>1</u> પૌત	€3	\$	पिलन	139	4 9	पास्य	1903	1	4
पर्यद्व	620	96	पयइ	125	136		1968	9.07	
पर्यटन	१३८ १३८	936	d-d	90	91	dista.	9 60	5" 5"	
पर्यन्तभू	60	34 9 d	पचल	46	36	पानजन्य	90	25 5.27	
	_		पव	223	२४	पात्राविस	463	لين ، د	
पर्यय	१३ ९ २२६	33	पत्रनाशन	/3	c	वाद	२७६	3.	j
पर्यवस्था	२ २३	59	पत्रन	337	\$ 3	पाटधर	949	95	₹
पर्याप्त	906	بره	पत्रमान	95	₹¥ ६ ३	पाटल	{ }2°	94	i
					- •		-		

शोक.

9.9

92

290

60

84

38

?

98

9

940

30

89

85

40

७५

79

69

3

3 ₹ €

34

900

90

98

٩

30

39

90

88

Yo

€ 5

1920

(२२ 0

940

110

पार्द

पार्चाहित

52

۵5

<

903

91

908

338

२६६

948

949

909

55

53

89

939

156

389

cs ! 975

4 9

ŧγ

Ęŧ

पारत

erfire-	पृष्ठ.	श्लोक	गन्द	पुष्ट	<i>न</i> ्छो ब	5 		-		
परीवाद	źć	93	पर्याप्ति	2 d c		1102	60		源	
परीवाप	२५०	૧૨૬	पर्याय	} १३३			3:	3	\ \{\gamma_9\}	ł
परीवार	२५८	988	1	२५३	\$ 989				į 33	÷
परीवाह	ه ره	90	पर्यायशः		; 2:	१	7 980		,	•
पराष्टि	१३७	37	पर्युदबन	955			(२०७	-	\93×	4
परीसार	२२३	२१	पर्येपणा	930	, , ,	पशुपति			(350	,
पराहास	४५	32	पर्वत	<i>ډ</i> دړ	9	पशुप्रेरण	, -	•	63	¢
पस्त्	२७९	२०	पर्वन्	्री ९५	१६२	पशरज्ञ	, -		61	ረን
परुष	30	98	पर्वसिध	{ २४९	353	पश्चात्	9 ७९ २७२	•	43	30
परुन्	९५	१६२	पर्शका पर्शुका	२५	ঙ	पश्चात्ताप		Mar Mar	17,1	43
परेत	१६४	990	ન શુકા	996	ę٩	पश्चिम	* ₹ ₹ 99	14	1 105	5
परेतराज्	38	40	पल	∮१८२	35	पश्चिमा	711 90	ក (1)ទីក	रेटर रुक	12
परेद्यवि	२७९	59	पलगण्ड	२६४	. २०२	पश्चिमोत्त		x, -	125	4.
परेष्टुका पॅरोधित	965	90	पलङ्कपा	926	Ş	पस्त्य	र <i>५</i> ९ ६२	are.	164	1:
पराच्या पराच्या	150		पलल पलल	85	30	पाशुला	905	11/2	₹÷ •₹	3-
पर्कटिन्	909	7 5	पलाण्डु	११७ ९२	Ę 3	पाशु		3500	(94:	13
पर्जनी	७३ ४১	37 1	पलाल	१७९	980	1.13	959		÷₹	ار با ا
पर्जन्य	२५३	905		(58	२२	पाक) १०३ } २२०	1 75	३९०	1:
	_	386	लाश	ر مرا	98 २ ९	पाक्ल	(\ \ < \$	97: 23	S es	- 3
,	₹ υ ₹	98		1. 53	948	पाकशासन	_	J.	130 .	٩
	(२९०	22 4	ालाशिन्	ş۷	4	पाकशासनि		42 E.	3	50
पणिशाला	£ >	9	लिक्नी	900	92	पाकस्थान	างจ	7.9	40	- 3
पर्णाम	د ٩	4	लित	995	89	पाक्य	∫ १७३	¥ 174	1:5	3
4 *	4 3 a	93/ 14	ल्यङ्क	939	356	गारप		•1	ริชรุ	11
पर्यटन	936	21.	इव खल	ه ق		पाखण्ड	• •	1141		Üŧ
पर्यन्तभू	ۥ	38 de		५४		पांचजन्य	-	र्भ गरीव	38e	85
पर्यय	र् १३९		र श्नाशन	२२४ ४७		पाचालिका	124	भेरत	17.	74
पर्यवस्था	र २२६	33		१ १ ५ }		पाट्	रुष्ट्	. (इड इड	Y
पर्यास पर्याप्त	२२३	२५ पिव	ान .	२२४	₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹ ₹	गटचर	989 3	1.4	998	0
1)11.	906	५७ प्व	मान	94		ा टल	\{ \qua		ຳເວຼ '	37
				-	17.1		(14-	(3	₹ 8 3	3 .

अमरकोशशब्दानुकमाणिका।
िनिया (१०) दिल्युः वर्ष
रें प्राप्त हैं प्राप्त हैं स्वाप्त कर रही है।
्रा प्राप्त ७७ विस्तर्ण के ११० पारव
्राह्म विद्यु भीति है । वार्य
, १९ ६ (१२६ इट विस्तिम १६८) पारसम्
१० वर्षे वर्षे वर्षे रेवे
्र वारमीक भेरे ७०
विश्व कि प्राप्ति । विश्व विश्व । विश्व वि
विर्मित १२१ ८१ पास १२६ १०६ पाराचण २१६
Times I Direct 134 o. 1 114 o.
166 60 1000 1000 1000 1000
ि गिलिक १ ५६ मिल १, ३० मिरीवीर) ४९
विस् १३ पिट्कन् ३० पिराशारित
15 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19
्र प्राचीहरू । प्राचीहरू । प्राचीहरू ।
Au
24) 25 3= man 2 82 82 man 3 2 8 2 2 2
१४ । गतिल १४६ । प्राप्त ६३ ७ प्राप्त ३१० एक
प्राचनाच्य । तिक २०२ १० पानिस्ता १५ २६
् पारमान्ति १ १३ । वारमान्य ५३
्राहम्मान प्र'n= पुरु ८ पापवली ⁸³ पारियात्रिक ो १२६
ी रेंदर देश मानम् च विरायस रहे
रिहरू देवे नार्य विश्व विश्व देवे
१४ प्राचित । महीत १९८ ४३ पाल १९६ ६८ प्राची
ः प्राच्य सम्ब १९६ ३६ प्राच्य १९६ १६ एक्टर है इ
: ४ विश्वाद्य
८ पार पार हिंह ज मिलत
1 1 13
SA
ं (१ १० ४० व्यक्तिक १० ४० व्यक्तिक १० ४०
८ विम्हांसिय ११८ ६९
••

परीवाप २५० १२६ पर्याप्त १६८ ३७ प्रांचाप २५० १६६ पर्याच्य १६८ ३७ पर्याच्य १६८ ३७ पर्याच्य १६८ १६ १६ पर्याच्य १६८ १६ पर्याच १६८ १६ पर्य १६८ १६ पर्याच १६८ १६ पर्याच १६८ १६ पर्याच १६८ १६ पर्याच १६८ १६ १६ पर्याच १६८ १६८ १६८ १६ पर्याच १६८ १६ पर्याच १६८ १६८ १६ पर्याच १६८ १६ पर्याच १६८ १६८ १६८	शब्द.	पृष्ठ.	श्लोक	शब्द	ঘূত	खोक	गञ्द	_	_	R . 9	_
परीवाप २५० १२९ पर्याय	,परीवाद	ξ¢	, ૧રૂ	पर्याप्ति	290	ζ (20	,	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3
परीवार २५८ १६९ पर्यायश्यक २२५ ३२ प्रावित्र ५० १० प्रावित्र ५० १० प्रावित्र १६० १६० १० प्रावित्र १६० १६० १६० प्रावित्र १६० १८० प्रावित्र १६० १६० १८० प्रावित्र १६० १८० १८० १८० १८० १८० १८० १८० १८० १८० १८		२५०		Traffing.	_			9	3	\ \{\ \	39
परीवाह ५० १० पुंदिश्वन १६६ १ पुंदिश्वन १६५ १ पुंदिश्वन १६६ १	परीवार	२५८	१६९	1	ી રૂધ્ય			(3	ę,	. ('	3; ;
परिक्षित	परीवाह		4		यन २२६		1 4143	1		_	
पर्रोहास ४५ ३२ पर्वत ६५ १ पर्छापत १२० १२ पर्छापत १०० ८२ पर्छापत १४० १२ पर्वत ६५ १ पर्छापत १०० ८२ पर्वत १६४ ११० पर्छा १०० १२ पर्छा १२ १०० १२ १२ १०० १२ १२ १२ १०० १२ १२ १२ १२ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८	पराष्टि				989					•	•
पराहास ४५ ३२ पर्वत ६५ १ पर्वत ६५ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	परीसार		•		१३७		11777	وم	ર્	(33	· ;
पहरूप ३७९ २० पर्वत्त	पराहास	-		पर्वत	٤٧		नजीताय		•	6	2
पहल ३७ १९ पर्वसिधि २५ ७ प्रवंसिधि २५ १०० परंतराज्ञ १४ ५८ परंदिवि २७६ २१ परंदिवि २०६ २२ ४ ४ परंदिवि २०६ २४ २४ २४ २४ २४ परंदिवि २०६ २४ २४ २४ २४ २४ २४ ४ परंदिवि २०६ २४ २४ २४ २४ २४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४				ນລິສ	1 94	952	,			4 c	1 60
परंत १६४ १९७ परंत १६४ १९० पर्छका १९८ ६९ परंता १६४ १९० परंता १६४ १९० परंता १६४ १९० परंता १६४ १९० परंता १६० १८ परंता १८० १८० १८० १८० १८० १८० १८० १८० १८० १८०	परुप				•			909	\$ _	· 5;	
परंता १६४ १९७ पर्छका १९८ ६९ प्रियम २११ प्रियम २११ प्रियम २११ प्रियम २११ प्रियम १९१ प्रियम १९० पर्छम १८८ ६ प्रियम १९० १८ प्रियम १९३ १८६ प्रियम १९३ १९४ प्रियम १९३ १८६ प्रियम १९३ १९४ प्रियम १९३ १८६ प्रियम १९३ १९४ प्रियम १९३ १९४ प्रियम १९३ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६ १८६	परुस्				२५			२७२	7 7	145	
परेतराज् १४ ५८ पर पेरं यांवि २७९ २१ पर्छ रिहर २०२ परिश्वत १९० १० परिष्ठत १९० १८ एक ११ पर्छ १८८ ६ पर्छ पार्थका १९० १८ पर्छ पार्थका १८४ १८ पर्छ पार्थका १८४ १८ पर्छ पार्थका १८५ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८			1	पर्शुका	996	ę٩	1	& કે)*.	-c31 905	
परंशिव २७९ २१ पलगण्ड १८८ ६ पश्चिमोत्तर ५९ पश्चिम १३ परंशिक १८० परंगियत १९० १८ पल्क १९० परंगियत १९० १८ पल्क १९० एवल १९० ६३ पश्चिमोत्तर ५९ पश्	परेनराज		İ	TEX	_		,	२११	114	909	
परेष्टुक्ता १७९ ७० पंत्रीयत १९० १८ पळ्डूपा ८४ ९८ पळ्ळूपा ८४ ९८ पळळ १०७ ६३ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड ९२ १४७ पछाण्ड १४० १४० पछाण्ड १४० १४० पछाण्ड १४० १४० पछाण्ड १४० १४० पछाण्ड १४० १४० पछाण्ड १४० १४० पछाणाण्ड १४० १४० पछाणाच्याच्याच १०० १४० पछाणाण्ड १४० १४० पछाणाच्याच १०० १४० पछाणाच्याच १०० १४० पछाणाच्याच १०० १४० पछाणाच्याच १४० १४० १४० पछाणाच्याच १४० १४० १४० १४० पछाणाच्याच १४० १४० १४० १४० पछाणाच्याच १४० १४० १४० १४० १४० १४० १४० १४० १४० १४०	परदावि		- 1	पल	•		1		Α.	189	4:
पर्यापत १९० १८ पळ्डमा ८४ १८ पस्त्य ६२ भू पछल १०० १३ पछल १०० ६३ पछल १०० १८ पछल १०० १८ पछल १०० १८ पछल १०० १८ पछल १०० १८ पछल १०० १८ पछल १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८ १८	परेष्ट्रका			पलगण्ड	966		पश्चिमोत्तर	५९	119		•
परोणी १०१ २६ पछल ११७ ६३ पछला १०६ १३ पछला १०६ १३ पछला १८४ १०३ पछला १७६ १३ पछला १८४ १०३ पछला १७६ १३ पछला १८४ १०३ पछला १८४ १४४ पछला १८६ १४४ पछला १८६ १४४ पछला १८६ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ पछला १८५ १४४ १४४ पछला १८५ १४४ १४४ पछला १८५ १४४ १४४ पछला १८५ १४४ १४४ पछला १८५ १४४ १४४ पछला १८५ १४४ १४४ पछला १८५ १४४ १४४ १४४ १४४ १४४ १४४ १४४ १४४ १४४ १४	पॅरेधित		- 1	पलङ्कपा			पस्त्य	દર	4	77	35 15
पर्जानी ८४ १०२ पालाल १०९ २२ पाल १००३ १०० पालाल १००९ २२ पालाल १००९ २२ पालाल १००९ २२ पालाल १००९ २२ पालाल १००० १२ पालाला १२० पालाला १२० पालाला १२० पालाला १२० पालाला १२० पालाला १२० पालालाला ा १२० पालालाला १२० पालालाला १२० पालालालाला १२० पालालालाला १२० पालालालालालालालालालालालालालालालालालालाल				पलल			पाञ्चला	905	4 .	25	71
पर्जनी ८४ १०२ पिलाल १७९ २२ पाक १०३ । रहे १ १ १ पर्जन्य २५३ १४६ पलाश ६९ ९९ १४ पाकशासन १२ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १				पलाण्डु	९२		দাগ্র	959	13399	हिन् १५३	ų,
पर्जन्य २५३ १४६ पलाश		-	11	पलाल	१७९	i		_	•	17	12 :
चित्र व क्ष प्रणाशा चित्र व क्ष प्रणाशा चित्र व क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष प्रणाशाला च क्ष क्ष प्रणाशाला च क्ष क्ष प्रणाशाला च क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष	पर्जन्य		1		(58		पाक		15		* 1
पणेशाला ६२ प्राणित १०० १२ पाकशासन १२ हि. १०० १२ पाकशासन १२ पाकशासन १२ पणेशाला ६२ प्राणित १९२ ४१ पाकशासन १०० १२ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १२ हि. १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १०० १ पाकशासन १ पाकशासन १ पाकशासन १ पाकशासन १ पाकशासन १ पाकशासन १ पाकशासन १ पाकशासन १ पाकशासन १ पाक		_	1	पलाश		- 1	पाकल	•	92 73	Sv:	
पर्णशाला ६२ ६ पिल्किनी १०७ १२ पाकसासनि ६३ १ ३३ १०१ १ पाकसाला १७७ १ पाकस्थान १७७ १ पाकस्थान १७७ १ १ पाकस्थान १७७ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १		,	50		1, 83		पाकशासन	•		(२-४	₹03
पणिशाला ६२ ६ पालिसनी १०७ १२ पाकस्थान १७१ १ १३३ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पालेस १४ १ पाल		(२९०	ا دد		ŞC	4	पाकशासनि		1 42	508	ĺ
प्रयोग ८१ ७० पर्यक्ष १३० १३८ पर्यक्ष १३० १३८ पर्यक्ष १३० १३८ पर्यक्ष १३८ १४ पर्यक्ष १३८ १४ पर्यक्ष १३८ १४ पर्यक्ष १३८ १४ पर्यक्ष १४ २८ पर्यक्ष १३० १४ १८ पर्यक्ष १३० १४ १८ पर्यक्ष १३० १४ १८ पर्यक्ष १३० ३७ पर्यक्ष १४ १८ पर्यक्ष १९२ १ प्रिमे १९८ १९ पर्यक्ष १९२ १ प्रयोग १९६ १९ पर्यक्ष १९२ १ प्रयोग १९६ १९ पर्यक्ष १९२ १ प्रयोग १९६ १९ पर्यक्ष १९२ १ प्रयोग १९६ १९० पर्यक्ष १९२ १ प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० प्रयोग १९६ १९० १९० १९० १९० १९० १९० १९० १९० १९० १९०		£ 5	. 9		900	92	पाकस्थान	_	•		33
पर्यंद्रम १३८ ३५ पर्यंद्रम १३८ ३५ पर्यंद्रम १३८ ३५ पर्यंद्रम १३८ ३५ पर्यंद्रम १३८ ३५ पर्यंद्रम १३८ ३५ पर्यंद्रम १३८ ३५ पर्यंद्रम १३८ ३५ पर्यंद्रम १३८ ३७ पर्यंद्रम १३८ ३३ पर्यंद्रमधा २२३ २५ पद्रम १५५ ६३ २४ पर्यंद्रमधा २२३ २५ पद्रमान १५५ ६३ १५ ६३ १६३ १५ प्रायंद्रमधा २२३ २५ पद्रमान १५५ ६३ १५ ६३ १६३ १५ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३		•	100		995	89	ma -v	1903	y 1	7,855	3
पर्यटन १३८ ३५ पहिल १४ पर्या १३८ ३५ पर्या १३८ ३५ पर्या १३८ ३५ पर्या १३८ ३५ पर्या १३८ १४ पर्या १३८ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ ३५ पर्या १३३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १५ १६३ १६३ १५ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३ १६३		939	43/ 14		351	936	भाक्य	< ·	9.	ใใบจ	3,8
पर्यन्तम् ६० १४ पत्वस्य १० १ भीत १९८ ४: पर्यय			31. 4		90	98	पाखण्ड	980	• 44		109
पर्यंय	पर्यन्नभू	٤٠	9~		48	26 1	गचजन्य	90			- 1
पर्यवस्था २२३ २५ पवना	पर्यंय	∫९३९	4		२२४			952	३१ मिल		34
पर्यवस्था २२३ २५ पवन { १५ ६३ पाटखर १९१ १ हु । पर्याप्त १७६ ५७ पवमान १७ ६३ पाटल { ३२ १ . १९९ ७१	. ,	1	1,	श्नाशन		c 9	li _{र्}	२७६		•	8
पयात १७६ ५७ पवमान १५ ६३ पाटल रिर १ १ १६३	पर्यवस्था	२२३	1 775	ान .		६३ व		959	₹' <u>1</u> 72		6
19 63 1 10 1 10 1 10 1 10 1	पयांत	9 to E	- 1	मान	-	- 1 -	ारळ .) (` .		7 139	49
(4,8)			17	******	74	£\$ 14	1	११६८ १	7	(33)	< 9 4



-	-					,				
शब्द.	पृष्ठ.	শ্জীক,	गच्द.	पृष्ठ.	खोक	शब्द.	5g. '	\$177.	9 2.	
पारिंग	999	ডঽ	पिच्छ	8905	₹9	पितृयन	-	t ring	•	
पाणिष्राह	5,8%	90	1400	1368	30	पिनृब्य	990		د ن ۲	
पालन	९६	950	पिच्छा	5 64	४७	पिनृरान्निभ	986	T	300	
पारकी	66	929	1	{२८४	9	पित	990		(6%	9
पाश्चा	३२	98	पिच्छिल	901	४६	पित्र्य	989	। सम्ब	्रिश् -{ १३९	
पालि	1950	65	पिन्छिला	5 04	яÉ	पिरसत्	405		169	9
.4114.5	(२६३	950		100	ई२	गि थान	9 %	117717		y.
पाजिली	68	308	पित	958	994	पिनद्		, यम	193	
पारक	9 =	48	पित्रग	(१८५	903			क्षाच्या	6	
	•	,	1प गल	(268	3 8	पिना क	{ 2 3 0	शन	306	٩ ٤
पाः	9324	9 6	Mr	9 \$ 2	5,9	पिनाकिन्	90	لمدار	190	ų.
गाः । र	,,		j	ه و و د و و	2 5	पियामा	90g '	del H	431	ŭ,
पहुर । व		1	for a	. 195	7.3	विपालिका	266	पंतूप	§ 93	16
(P**)				(1/1	31	पिप्पल	99 ¹¹	165	(93"	10
tr 1 '	,	1	115	1	1/6	વિવસા	CX 11	77	\ u:	36
1.				l 1	· , ·	ंप 'पठीमूल	966 11		13:3	1()
1			1	1		वान्द	991 "	1111	(0)	61
				,	1/	पित्र	996 1	वान	(4)	1.4
		·	ŧ ţ	1 '	100	पिश्रम	33 1	4.44	305	\$ 9
			tt f	1	1	ापञाच	9 1	ी प्रमूत	306	€ 5
			t #			ণিগিন	990 (Por	338	34
			111	· , ,	,	İ	(924 1)	Tra	990 980	10
			, ,			पिष्णुन 🔫	204 1	\$1	366	50
* 21			111	1	,		266 83	ीता	ع ه و ع م	15
			, ,	1		ીગ્રુના	90 1	لمل	143	26
¥				1	. 3	ાં જાગે	944 (TA	100	70
			f f			पिष्टपचन	4195 }	Par.	***	14
			र्गतन	1 ,		गि ष्टान	932 11	रिमरन	ĘŊ	3
			F*1 =	• /		र्शिड	935 5	थ	*16	٩
			,411	1 1 4	1	शे ड न	1 * *	40,	150	65
•			of the	1 1	33 1	ीडा	44	Jalia?	<i>j</i> , , ,	3

वसरकोशहरू २
वार्ष्य क्रिमार्गका ।
शहर द्वार प्राप्त । पित्र । पान प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प
े पियासा १ वर्ष १५९ १५ प्रतिवार १३ ३ १००० ६९
१९ मिपालका सम्बुप रेड ४८ पुत्र १९० हैं पुरीप १९८ हैं ।
रे पियली भीत पर २८ प्रता १९० = प्रत
् पिपलिम् ।
००४ मिल में बादन (८५ ५ -८ जुन पुनर १७०० १ विषय पुरस ने १०४
विश्वाम । पावर है । पुनर रेड र र र र र र र र र र र र र र र र र
५६ पिशाच पुरिशा १७९ ७५ प्रतासा ९६ १८ पुरान
संड / विस्ता रेड के विस्तर्भ के विस्तर्भ के विस्तर्भ के विस्तर्भ के विस्तर्भ के विस्तर्भ के विस्तर्भ के विस्तर
हरे पिश्चन रे प्राप्त ३८८ १७ विमान ३०६
30 July 12-0 06 32 405 405 60 605 60
46 Lase des 20 80 80 Bit 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Colored 18 Color
१८ पिष्टपवन प्राभीदम । प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त
वर विद्यात । यदा हर के प्रतिस्त हर । प्रतिस्त
र विद्या प्रदर्शन के है विद्यार
35 / 9121
इ. विक
the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s

-		-	1		C and the state of the state of	egiunnelinende age È	м.	S Maria	
=T- ţ.	fi.e.	नीक.	भारत	11	* . *	11.7	,100		
	() :	٦	4.4	\$453	74	12 * *	1 100		
	14	4] - '	("14 "	3 .		1. "	1	
4.11	4 .	43	İ	(71.	4.4	717	۶ ۶	1	
	4,3	311	7,	37	\$ 3	TI T	- 7	•	
	(253	308		1343	** **		5	•	
पा स्वाप	3 " "	ל ל	म ।ना	19.9	In Z	वनमा । ।	11:	•	
पुर हारवी	11.8	210	प्रिक	16.3	10		6 380		
det:2	হ্ন ৬	10	पश्चिम	19.7	19	प्राप्त	(1)	1 ,	
A.i	ې لو د	4,19	परिकाय	5	1454	Title	111	f ,	
	(Un	30	Į.	1 3-	8.	ni ric	140	f	
गुग्र	4900	27	पूरिमानि इ	3 >	3 -		(100		
	(363	2.3	प्रिकार	<3	a *	71	390	-	
P10-T	1 9:	90	प्र	1 11	40	1	(100	137 35	
पुषक	ी १८५	903	da.	2 - 4	a.	1	(11		
पुषरेतु	964	103	वग्ना	,	۲,	dir	433	1 .	
पुष्यक्त	16	4	tiv t	- 1	4 4		(4,7	.k- 1	
पुष्पपन्यन	٠ و	٠,	पुरव	9 1	1	ंग स्थेस र	45	1	
पुष्पश्चियक	ې د	**		1		latt	2116		
पुष्पफल	<u> ر</u> د	29	in.	(- 1	14	1	3.1	1 , (, '	
पुष्परथ	9 + 3	5 9	वगरम्भ	1	3 -	તંત્વા	1103	**	
पुष्परम्	ى د	9 5	पाणमा		,		~	11.	
पुष्पिलह	900	રવ	9-1	1	٠.	તેનામ	66	3	
पुष्पवता	900	2 0	{ ' '			तंत्रा र	20	12.00	
पुष्पवन्ता	કહ્	90	9्र	\{ > 11 \} > 11	40	વાય	995	1.17	
णपसमय	7 9	96	परन	993	1.1	र्वाभयणा	63		ı
	1 24	२२	प्रनंदन	ن	4 3	पृपनः	te a		
2-4	{=48	988	पर्वपत्रन		43	वृ यन	{ 40	11 1	
पुस्त	१९२	3.6	पूर्व	କ୍କ ବଳ		} -	} ९८	2 1	
	∫ ९६	958	4 '	9 0	9	पृत्रहरू	१५९	1 100	۲,
प्रा	239	30	पृवंद्युम्	₹ 3	२ १	पृपद्ध	94	- 11 · 11	
पूजा	936		वृपन्	२२	२९	पृथराज्य	935	1	
पूजित	7 7 °C 7 9 '4	રે જ	पृत्ति	२२०	٩	पृष्ठ	970	a. 1, mg 1, 1	٠,
\$1.41/1	7.17	۹ د	१इडा	३५	90	प्ट णवशाधर	930	1+1	
								4	

गब्द.	កិន	श्लोक	যাহর	पृष्ट.	श्चोक	গভর	पृष्ठ	सु 🕽
	1936	20	प्रतिबन्ध	२२४	২ ৩	प्र नीत	1990	{÷11 €
प्रणीत	1908	84	प्रतिविम्य	983	36	3,11(1	है २४२	(32. 34
प्र णुन	२५७	५०९	प्रतिभय	४२	ځ٥	अनोपड िंग्नी	Yop	7,50
प्रगेय	२००	દધ્	प्रातेभान्वित	209	ર્ષ	प्रनीर	5 a	. ५९३
प्रान	२ १ ५	৬৬	प्रतिभू	994	88		83	1 773 12
	5929	52	प्रानिमा	१९३	30,	प्रतीहार -	4 388	¹³ 13 13
प्रनल	939	6.2		5940	38		(30,0	: " " 1
प्रताप	. १४६	२०	प्रतिमान	1983	34	प्रगोलो	59	7 116 s
प्रनापम	´ 29	69	प्रतिमुक्त	944	Ęv	प्रञ	२११	TE TE . C
प्रति	203	२४५	प्रतिरोधिन्	989	ર્ષ	प्रत्यक्	- २८०	1 77 5
प्रतिक्मेन्	१२४	99	प्रतियन	२४६	900	प्रत्यक्पणी	62	47 9 35
प्रतिकूल	292	68	प्रतियातना	983	३६	प्रत्यक्श्रेणि	5 60	· 14 111
স্ রিকুরি	993	3 5	प्रतिवाक्य	રૂષ	90	ł	ر ده	1 " 1:2 402
प्रतिङ्घ	२०७	68	प्रनिविपा	82	S S	प्रत्यक्ष	299	िवर वर
प्रतिक्षिप्त	२०४	82	प्रतिशासन	२२६	₹ <i>8</i>	प्रत्यप्र	299	- 78m "
प्रित्यानि	રૂ રૂ ધ્	२८	प्रतिस्थाय	994	ર ધ્વ	प्रत्यन्त	હર	-03
प्रीतेष्रह	946	৬९	1			प्रत्यन्तपर्वत		(346 122 1 24
प्रतिप्राह	१३२	939	प्रतिश्रय प्रतिश्रय	ર્ષણ	942	प्रत्यय	३५४	100 100
মনিঘা	४३	२६		३०	ب	प्रत्ययित	48,4	35 FE 36
স্বিঘাবন	958	996	प्रतिथुन् प्रतिष्टम्भ	35	२६	प्रत्यर्थिन्	984	1 27 178 37
प्रतिच्छाय।	५९३	\$ 0,	प्रातयर प्रतिसर	२२४	२७	प्रत्यवसित	296	· Fr :3 .
प्रतिजागर	३ २५	२८	त्रातमर प्रतिसीरा	२५९	948	प्रत्याख्यात	२०४	\$ 15 M
ম নিরান	२१७	906	त्रानसारा प्रतिहत	926	१२०	प्रत्याख्यान	२२५	74X->
ম্বিল্লান	3 0	وم	प्रतिहारक प्रतिहारक	२०४	४१	प्रत्यादिष्ट	२०४	100
प्रतिदान	१८५	۷ ۹	त्रातहारक प्रतिहास	968	99	प्रत्यादेश	256	المتين والمتابع
प्रति पान	3 4		नाराहान	. ۲۹	७६	प्रन्यालीट	950	* 16 m
ম নিনিঝি	443	3 5	प्रतीक	1996	y o	प्रन्यासार	946	77.75
प्रतिपन्	\{ = 0	1		1 338	(9	प्रन्याहार	523	فالحارب للشيور
अतिपत	\	•	प्रतीकार	9 € 3	990	प्रन्युत्क्रम	३१ ३१	13 ° 65
नात्त्रन प्रतिपादन	593		। प्रतीसाश सर्वास्थ्य	458		प्रन्युपस्	4 4	75 PS 750
त्राचनाइन प्रति बद्ध	130	•		455	t ,	प्रत्यूप	2,5 {	75 E 37
ના ત્યા	ર•≀	r *4	प्रतीची	৭ ৩	9	प्रत्यूह	4-4	रेरे २८

अमरकोशशब्दानुक्रमाणिका ।

शब्द	पृष्ठ	खोक.	गञ्द,	্ বৃষ্ট.	<i>'</i> छोक	गद	पुष्ठ	पुष ्ठ
प्रश्रित	२०	० २५	Ω <i>υ=</i> :	وى ∫		आग्दक्षिण		-
সন্ত	م در	६७ ३	प्रसून	ર્ફ ૨૪૬	-	प्राग्वश प्राग्वश		15
प्रष्टवाह	ণ ও ং	£3 ¢	प्रसूजना	येतारा ११२	ટ્રેછ	प्राप्तर प्राप्तहर	934	41 923
प्रष्टौही	950	3 00	प्रमृत	593		यायदर प्राय्य	२०७	५ २७०
प्रसन	والم	१ १४	प्रन्ता	998		त्राचार प्राचार	200	1 \$1
प्रसन्नता	ર્		प्रसृति	929	ون ع	त्रावार प्रार्वेणक	२२१	् {२१३
प्रसन्ना	988	. 30	प्रसेव	900	₹	यावुर्णिक प्रावृणिक	136	1=9=
प्रसभ	953	7 * 1	प्रसेवक	४०	- 1	प्राचिका	१३८	12.V
प्रसर	?? ४		प्रस्तर	۶۶ ک	- 1	नावना प्राची	२८ <i>८</i> १७	1 341
प्रसरण	959	0.0		{२५७	0.00	त्राचीन	£3	, } 11
प्रसव	∫ २२ १	90	प्रस्ताव	२२४	73.4	याचीना प्राचीना		(२३५
477	२६५		ास्थ	∫ \$ \$		गवाना गर्चानार्वान	८२ .	1 394
प्रपववन्धन		941	164	7 965	68 1	गचानाञ्जन राच्य	989	1 986
प्रसन्य	२१२	- 1	Z31011	(२४३	66	। । उन	950	∫is:
प्रसञ	२७७	1	स्थपुष्म स्थमान	۶۹	७९ व	। ाजितृ	968	(२५६ . २३८
-	J ₹0		त्यमान स्थान	365	24 1	ন ন	453 ,	- 32 - 736
प्रमाद	283	,	त्यान स्फोटन	१६१	3,4	ना	900	120
प्रमापन	928		त्रवण त्रवण	900	२६ प्रा	न्य ज्ञी	-	131
प्रमाधनी	335		त्राव	33	٩ ا عاد		२०८	
प्रसाधित	928	900 176		996	इस वर्ष	_	988	122
प्रसारिणी	93		रण	२५ १५८		٠. ر	94	45.
स्म _{ारिन्}	२०२	३१ मह		929	८२ प्राप	, },	 3	5.
गिन	386	९ प्रहि		48	- 1	} 9	154 1	₹3 .
गिति	२२२		लेंग	₹& .'°	२६		64 1 14	1 62
मि <u>द</u> ्	२४६	१०४ प्रहा			६ प्राणि ०३ प्राणि		२९	120
편 {	990	२९ प्राश्	•	5 .	1		۶ <u>۹</u> ا	162 P
- (२६९	२२९		r _	34/11		ያ ና ' ተ	10, \$
रृता	906	१६ प्राक्	{		१६ प्राथः १३	रकल्पिक १३		*:
দূরি -	२२ १	१० शक्र	म्य		ं । प्राटस	, {२७ १ ३७	•	340
हिन् <u>य</u>	906	१६ प्राका	7	६२	\$\$ \			1.
<u>र्</u> तिज	13	३ प्राकृत	₹	• •	३ ९ ६ थाम्य	।-(प्रापॄर्णिक त्थान तु गोर	11	{ in };



अमरकोशशब्दानुक्रमणिका ।

शब्द.	पृष्ठ.	श्चोक.	गञ्द.	মূছ.	<i>श</i> ोक	. গহর	92	ŗ	ŢĮ
फलाभ्यक्ष	७५	४५		1 20	999	- 1			
फालिन्	56	b	वद्रा	83	969		95	S '	119
फिलन	56	b	बद्धी	৬১	35	1	- √ 9 € :		:/
फलिनी	وه ک	فإنع	Ì	800		1	25		-14
	र ९०	938	बद्ध	{298	४२ ९५		(३९०	•	- 16
फली	७७	७, ७,	वविर	998		वलदेव	- 9	, 2,1	: 02
फलेशहि	۶۶	ε	वदिन्	959	४८	वलभर	-		
फलेहहा	७७	68	वन्दी	१६५	९७	्रवलभाविक	T 33	5' 4'	•
फल्गु	1 00	ę٩	वन्धकी	905	998	1	∫973	्। ह् दुनह	
	{२०७	ષદ			9 c	वलवत्	300	্রশ্	153
फाणित	१७३	83	वन्धन	ी १४८ २२२	ર્દ	वलविन्या	म १५७	ुर्द इत्स	12,3
फाट	398	88	बन्धु		१४	वला	64	٠,	भिर
फाल	∫१२६	999	वन्धु जीवक	999	ई४	वलाका	909	37	٥٥٠ [
140	238	93	वन्धुता	60	€ €'	वलान्कार	•	ly .	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\
फाल्गुन	२६	94		999	30	वलाराति	90-	ુસ	۷۵
फाल्गुनिक	₹ €	94	वन्धुर	२०९	٤3	वलाहक	96	3,27	ริง
फान्गुर्ना	२८३	ε	वन्धुल वस्त्रक	908	२६		1 9 3 4	J112	13
फु इ	\$ 6	6	वन्धुक वन्ध्क	60	60	विल	986	34	39/
फेन	1964	904	वधूक	۵٥	€ 0		र ३३	· factors	53
	१ २८९	98	वभ्रु	ره دم	88	विष्विसन्		أفتترو	< 3
पे निल	∫ υҙ	39	ाउ वर्बर	२५८	950	वलिन	993	7357	ौस्
•	108	३६	वर्वरा	63	90	बलिपुष्ट	900	1371	¢;
फरव	50	4		69	8 5 8	विलभ	3 4 3	13	1 32
फेरु फेला	९७	4	वर्ह	} 902 } 902	39	वलिभुज	300		\[\bar{\bar{\bar{\bar{\bar{\bar{\bar{
Audi .	905	66	वर्हपुग्प	-	२३६	वलिर	998	वा	√14€
	च		वर्हि	90	435	वलिमग्रन्	A:	>	{ 1 1 2 2 2
वक.	900	२२	वहिंण	98	68	वलीवर्द	903	22-1 11.12	Co.
बकुर र	36	83	वहिन्	१०२ १०२	ξο	बद्रव	∫901 }93:	रहर राग	1::
विदेश जन्म	હર્	95	वहिंपुप	९० १०	30			111 11127	४१
बन क्या	२७३	२४	विशेष्ट्रीस	20	355	वल्वज कार ीर्लं	د عرو	1.12 1.13.51	308
बदा	40	30	वहिंग्र	66	9	बष्कयिणी		- 11 - 건	111
					१२२	वस्त	,-	.,	50

नेमस्कोशशन्दानुकमाणिका।	
ं स्टब्स् पार्टिक्सिमाणिका।	
रह सक । सहर	ড:
्रिक ९७ र भागिनी १०० राह्य.	_
1	
्रास्त (१६५ २०६) भारती ५८ ६ हिस्स १३	به ۲ ۰
्र विकास के अस्ति है विकास कर विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के	
्रें विक २८ ३६ मारविष्टि १९३ ११६ मिन १११२ ८३	
रें रें रें रें रें रें रें रें रें रें	1
. च्य इंड मार्गन १८० १५ किना १७५	
ं पक १८६ मार्गवी हुई इंप अस्ति १८५	
्ता १९३ ३३ भागा १९३ ३३ भागा ८३ ६६	
ः । स्मार्था ८८ १३० भागांका १०५ ६ भीम ।	
(85 3° (85 4°)	
वटडे दह साब ने के साह है ने ने ने	
र नामिय रे २९ २८ रिड ५ २०७ मिस्क २६	
्रीमिनेय १०० रे भावित १११० १३४ मिछन २००	
र १ दिन के भीवा ४५ ६०	
विकास कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि	
्रिंग भाजन १६६ ७ भाषित । ३३ । विका २१८ १९०	
८ । १९० १३ विकास (२१० १०४ विकास १२१० ४९ .	
रिहेर हे आस् वर्ष हे सुन	
्राहर भाद्र १४ माह्य १४ माह्य १३ ३४ <u>स्थान</u> ४७ ६ भारतन भाद्रपद १७ भारतन १२ २८ सुन्न ४७ ६	
्र विकास के का किया है के कि सिकास के किया है कि किया है कि किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है कि	
ि रें रें रें स्थानियम	
विष्य के किया है किया है है किया है है है किया है है है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया है किया ह	
िन्स १०० मिति २० १६ खिलातर १२० ७८	
· / હા - હા - ૧૯૦	
ی۶	

अमरकोशशब्दानुक्रमणिका।

अमरकोशशब्दानुक्रमणिका ।

		_		•			
	ष्ट. श्लोक शब्द ४६ १ भूहडी	বৃহ্ন ৬९		গভর.	पृष्ठ	₹₹,	₹ <u>₹</u>
(,	१९ ३ भूर्ज १९ ६ भूपण	, ૧૨૪	86	मोगिनी भोजन	१०५ १७६	সূম	{रे३६ ११२
<u> </u>	७ ११ भिषत	१२४	900	भोम् भाम	ર્ષ્દ	श्रेष	(२५१ १४७
भ्न ८ २१	५ ५०४ भूम्तृण	२०१ ९६	२९ १६७	गाम भारिक	१४४ २२	मङ्ग	म ५३
भ्तकेश ५८ भ्तवेशी ७	عدد و ه	ξε ∫ ९ 0	8 88	भ्रग भकुस	970 80	मक्र दब मक्रन्द	,
तात्मन् २४। भ्रावाम ७।	9 66	7 99	9 E 2 S	भ्रकुटि	¥\$.	महुत्रक सङ्क	102 82
भिति १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	६९ मिहार	986 63	३२	श्रम	\(\frac{\pi_0}{\pi_0}\) \(\frac{\pi_0}{\pi_0}\)	मतिका मख	909 922
भ्तिक २२९ भ्तेश १०	े ८ स्तक ३१ मनि	१०२ १८९	94 3	त्रमर त्रमरक	902 (मान " मनवन्	1:9 17
भूदार ९७ भुदेव १३२ भृतिम्ब १३	२ ४ मृतिभुज् भृत्या	9 9 8	१८ ¥	रमि 12	२० ° २१६ °१°	सम्बु , सगद	१७५ १८
भूष ५४३	१४३ मृत्य १ मृशम्	998 990 95	१७ अ	प्टयव 1जिष्णु	928 909	मगचक मगचा 	१६८ १२९
भ्रमम् २७८	५० भिक ६१ भिका	48 48	२४ आ	ातरी तृज	999 1	मर्जाचका मञ्जू स्व	२८ ६९
भीम ७८	१७ भेद	{ १४६ १४७	२० श्रा	ृ तृजाया तृभगिन्यो	990 "	नन मनार मनिया	939 .
मिनम्बुक्ता र ७४ (८७ *हाः १६७	३८ मेदित ११८ मेरी १ मेपज	४०	०० आह	ट्टूच्य ज्ञाय	२५३ ^{१४}	मनीर मनीर मनु	् १२६ .
भुवस् २०८ भुविष्ठ २०८	५ भेपज ६३ भेक्ष ६३ भैरव	994 980	५० आहि ४६ आष्ट्र	न्ते	₹° ′	1	30 ; 130 ;
भार्र {२०८ २६० भारिनेना ९३	६३ सेपज्य १८२ भोग	994	१९ भुक् ५० भुक्	म	48 31	मुठ मुठ	१९२ ६३
मुश्तिमा ९२ भनेमाय ९७	१४३ भोगवती भोगिन्	2 7 0	१३ भू भू	न	१२३ ^{११} ४१ ^१	मिन	70 10 103
	•		८ ी भर्जा	टे 	12 3,		163

शब्द पूष्ट	खोक शन्द	āā.	भीक जिल्ह	·	
म <u>ध</u> र { ^{३ ५}	९ मनस्यार	30	,	* ·	101 10
(२६२	१९१ मनाक	>७€	८ सन्दार	93 ,	इस्ट्र
मयुरक ९१	१४२ मनिन	290	306	(3)	-1543 2
मधुरमा ८२	८३ मनीया	25		1 50	mar ,
(64	१०५ मनांपिन	333	⁹ मन्दिर	257 701	सम्बद्ध 🗇
मधुरा ०३	१५२ मनु	244	३८ सन्दर्भ	23 s	1 2"
मद्यारका ८५	१०५ मनुज		XI arriver	-	~ 두
मधुरिषु ८	३० मनुष्य	108	4 1124	23 3.	लेख
१० १०२	5 P !	908	9 100	34 .	### ()
उपार ५९४	४० मनुष्य उर्मन		६८ मन्मण	8 24	(42
सुमत ५०२	२९ मनोनुमा		०८ मन्त्रा		FT to
લુગિલ હર્	३५ मनोजवम्		33	110	(د-
्रश्रेणी ८२	८४ मनोज्ञ	२०६	५० मिन्यु	₹3 ?* }>५५ १ ?',	E-23
લુકોજ હરૂ	२८ मनोग्थ	88	२७ मन्यन्तर	36 34	मन्त् अरू
उना ९१ ५	भनागम	305	^{७२} मय	960 11	F-7 }:
मध्क ७२	३ । ननाहन	208 1	र ३ मियु		21:
मध्सिछ्ट १८६ ५	०७ मनोह्या	965 90	१८ मयुष्टक	•	111
मध्लक ७०	२८ मन्तु	986 5	इ जिड्ड		= 111:
37 -7	८४ मत्र	२५८ १६	1	} 230 96	1
मध्य ∫१२० ।		⁹ 85	8		المناسبة المناسبة
}ર્⊍દ વડ		{ રદર્ષ ૨૦	1 77777	1907 30	*****
⁷ યવેગ હર	७ मन्थ	960 0	1		12 35 ·
ि ३८	भन्थदडक	960 67	मगरक) • `	
₹ 4'9	ु मन्थन्	960 07	i	£	المراجعة
(१२० ७	९ मन्थनी	960 38			7 7000
1 }90€	८ मन्थर	9 ⁴ ⊊ ৬২	1 -	0.00	परमुखे ।
1939		960 68		£ 519	
भ वाह २४			ागसाच र		7.3
मध्वासव १९४ ४९	1 44.6	५४४ <i>६५</i> ५८० ५८	1 		17 6
मन शिला १८६ १०८	I ^	•	1 0		· 514
मनस् २९ ३१		•	मह {	२५७ १६३	ा स
मनसिज ९ २६	1	93 88	मरुत् {	79 1	·41
		४३ ५३	1 {	૧૭ ર '	हरें हैं।

· · · · WHITE WATER

मार्गेंगः ।
भारकोश्यन्दानुकमणिका। भार
प्यार्शिन्दानुक्रमारिकः
भार. राह्य पुरुष्ट भीक
्रा ।
भिया भिया १३ विश्वतिक प्रीक
1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil 1 mil
ما المنظم المنا المنظم المنا المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم المنظم ا
المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المرابع المراب
१८ वर्षा १४७ वर्षा
१८ व्यापा १४५ । । । । । । । । । । ।
भूदर . १८
المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع المراجع
11 32 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
9011 1
१०४ कि । १९८ विस्ता १४ ५८ हि
१५ कि हिंदी सम्मान्त्रक ३० कि १६६
1 2 44 AT & AN 10 100 100 100 100 100 100 100 100 100
मिनीवर दान देखा १ हर । यन १०० १६ -
७६ मही समित १३० १३३ वित्रका १६८ १५ विक्या
عدم المنافرين أن ع ع المنافر المنافر المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة المنافرة ال
900 1 1907 18 60 17-11-166 6 17-1
, ५० मिए जनान गो ५० चर्च ५५ १६५ - १८० १८
क्रिक प्रदेश द विकास प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रदेश के प्रद
in the state of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of
62 40 (1.2) Ad 25 (2004)
, १५५ मार्च भूप १६७ है। जिल्ला
८ सोघा
् मिन्दर परम
13 and 1 late date
सावा हिन् १४०
2 da sala falla fall de la la la la la la la la la la la la la
7 66 1 7
04 Lates 12 1 1 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2
8 84 HIC 3 2 2 2
10 EX / FIRST
20 / 5/8

अमरकोशशब्दानुक्रमणिका।

						मा शक्ती	i i			
	शस्द.	দুষ্ট.	श्चोक.	शब्द.	ঘূছ.	खोक.	गन्द.	पूर	, 5	= ;
	युगन्बर	१९५ ४	ى د	योघ	948	59	रजक	=	77	34
	******	े २९६	34	योधसराव	953	900	1 -1 -1	968	7.	
	युगपन्	260	25	योनि	१२०	ড≘	रजन	5968		
	युगपत्रक	७९	२२	योपा	905	3	1	[२४५	र्दिः	ī
	युगपा चंग		€3	योपिन्	90%		र जनी	∫ ₹%		
	युगुल	803	36	र्यातक	916	ې د د	l	{ ⟨ ⟨ 3	, रीक	
	युगायुग	948	0.0	योतव	१८२		रजनीमुख	73	12	
	युग्म	203	35	योवन	306	62		(२९	· 74	
	युग्य	Syon		योवन		२२	उ .स.स	1906	13	
		દે ૧૯૭	5-		११२ र	10	रजम्	7 9 5 9	5	
	युज	950	903	रहम		i		(२७० १	177	
	सुध्	955	905	•	9.	50	रजन्दला	906	17.	~
	युवित	305	6		35	90	र उजु	9 < 9	Ty.) T
	युत्रन	193		^{7≑} ₹	ا ۱۹۹۶	5-1	रजन	439 1		
	युगग व	11	95		(254 , 321	3=-	रजना	63 1	127	
	सृय	1.0	11 1	ल क	-	40		(957 11	1	
	स्यमा ४	1 11				-3 ;	দে -	₹ २२०	7.0	
	7,44	1 **	1	र्गन् स		٩.٥,		235	77	
	र्यो ४ स		91 4:	ا <u>ل ب</u> ـــ	(12	117 ,	ग् डा	` cq '	7-5	ſ
	77	1 .		िस चिक्य	* -	÷ .	7	9 /2		1
		1	1	नगय∓	1 7	- 3	निपर्न	ં ૬	£4	,
	यार			चित्र क्र± चित्रक		- I		(963 1	7	
	यक्त द्रश	1.		利定	,	11 T	न	(255 1	13	i
	inits.	* * 4		F193	- 3	1 8	नगा-	93 4	-	
	नगात्र	431		[47.4]	,		ग∓र			1
	27.1	5.4		, ,,	•	1 1		1.2	**************************************	{
		; :	1	4	•	1 1		,, ,		(:
	20	2 - 1	in-	रत्य	1 -	1.1				
	5 T	150 9	- 16-	विस	-1- 1	1,) 11 - 3	1.7	***	1
	2.77	6 3	9 - 150		1//		,	962		۲
	रू नव		17		* .	c 141	Ffa	166		19
:	र्गुप्पया है	-	17	- min	* C 9	111	•	, 3 ′	F-74	(;
	なび		- I - I		* 9.	- 41	, 1		lr.	î
;	चे <u>च</u>	r	,			•	. <u></u>		۲7 ₂₇ ,	\$:
		1			١.	- 13 AL		-3 '	72,20	1:

13



*** **				4.6.9.		•			
Age towards	ţ.	42° 7	सन्द	âù.	∾ो क.	शब्द	ก็แ	* # 77,	93.
ž	2 ~ *	*15	F5	90	90	गे गम्	المامة	at y	1 50
•	η	÷ n	राती	३७	96	रोप	949	•	{१५९
	* +	\$, रप	×3	२६	गेमन्	954	2)1 à	363
	* .	3.5	2-1	38	946	गेमन्थ	३८९	1 51	33
	• •	• •	151	३१	U	रोगहर्पण	Y'1	1 717 6	134
	-	•	स्यानाम	900	98	रामान	8'4	्र प्रकार	11
		* *	-	(963	59	रोप	કર્ય	1	194
	1	12	157	4 468	95	राहिणा	901	1 19	₹ 40
	K3 1	٠,	1	1245	950		(३१	1	153.
	ě.	-	F 1, 198	988		रेर्गटत	7 63	717	34
		1 1	THE	7,43	69	1	1 42	Ŧ	363
	* /	**	, 47 4 7	9'42	86	गिहित्ता	v;	, (F)	Ŷ,n
			+ 1	9:9	9,6	सेटिताश	9 4	, ,	٧3
			1 73	61	440	सिन्	u,	17 735	*09
	,	, ,	, ,	112	43	in.	5 0	As La	=11
			,	1	43	111	12	31	344
	•	1	•	1 -119	435	सम्रह	9 43	1	1:
		•	* 11141			समा	16	1	41
					*	गरिणय	5 4	7	ود ني
		ŧ			3 ર	सार्यस	(12	, ;	
			1 113) 1 3	10	મીવ	} 1		1 * 1
		•	(,	(* * *)	\$	A111	1 30	1	(*3
		*	4.66	*	9		77,	* 4	433
			र अस	11*	49	77	36	**	(.
			1	1 1	1/4	व्य	4 . *	(*)	} }; -{*9*
		,		,	43	wiat	5 0	1	49
				4 4 .	306	र मण	31/		•
						ल भगा	303		173
			,	, , ,	109	ं सन	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	.,1	934
			.,				1111	,	\$ e .
		,	**			et 2.1	1	4	3 • 4
	,					cc +1,	1411	\$2 P.	11

** 555 \$ 5 196 7.0 2 22 *** \$37 [7] [7] M. Solin P 44 . 1 -1 7 4 ...

7 y , ٠,

- Mari 1 Talan

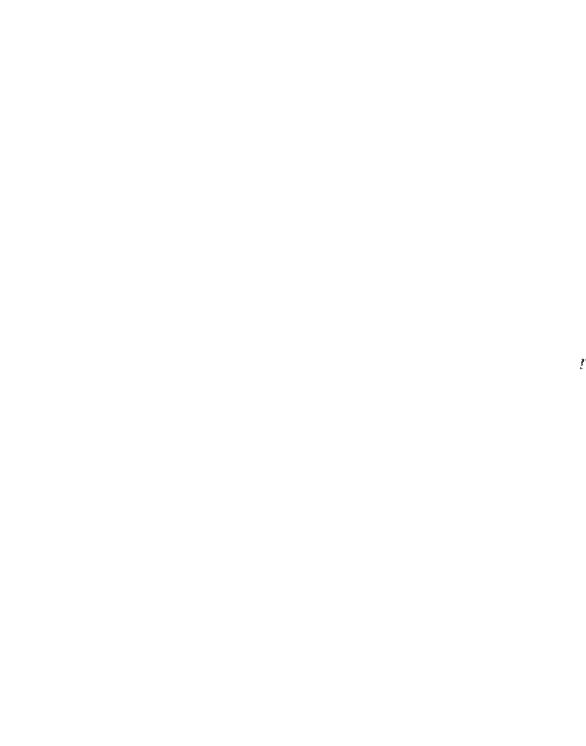
अमरकोशराज्दानुक्रमणिका ।

रन्तः पुगः	न्धेक	शन्द	দূত্ত	श्लोक	शब्द.	99,	M	822
ح کیری	33	वगरोचन	1 965	908	वटक	141		· v
غزدية غزدره	3 2	नसक	928	१२६	1 '-"	(13-	, i,	£4
harden harden	ź	उक्तव्य	२७९	943	वत्स	7900	Series M	444
	98	वकृ	ج ۽ خ	34	360	288		Jac
32. 20 825	4.3	वत्क	9 २ २	69	वत्सक	644	र्गातम्	1750
win h	333	यक	290	09	1	•	नंगेपह	50"
and the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of t	3 3	वजग	970	96	नत्सतर	900	42,54	
1	₹ ==	यक्षण	999	७३	वत्सनाभ	38	17	49
4 2 4 2 4	3,14	वेग	964	9 o S	वत्सर	₹	7 (115	લર
3.4 4.24	6 5	यनन	33	9		} ₹±	7 7	२०१
٠ n	334	नन ोहिपत	7 T	- 5.8. 1	वत्सठ	१९८ ८२		ţı
	18 8	ग ाग	₹ ₹	9	वरसादनी		111	145
	2 19 %	वचा	< 1 < 1 < 1	905	वद	44	7;7	(170
,	3,5		(43	80	वदन	922	141	195
* *	25	1 व	7 2	904	वदान्य	{q < 0 }		F P
	3.5		259	968		{ 24: 1	i	7142
, ,	13	वज्ञनिष्याय	1.	90	वदानद	454 J	l	(366 8
9 1	33	7 79 1	60		वभ	14.	भी।	{ 99 g
<i>y</i> 3 (11	र्गा क	1 -	97	वध्य	204 1	1.1	1140 3
1 .			1	1,	वस्य	92	177	19; ų
		111	13,	30	वन् या	100		*90 33
•	1 1	र्म का	463	13	7.11	933	7 71	193 ,
	٠, ١			1		, "		1 39 93
7 4 4	, ,	115	٠,٠	3 10	यत्र -	901	(717	34
	1		15	3.4	•	284 1	1/17	§113
115.	, 1	11	4.	3 -		6	क्षा क	(100
	. 1	1/+	*66	10	रन -	<i>j</i> .,		(10)
- t	400	7×1	1 * 1		144	340 "	1	135 35
* /		1350	1	10	वनविक्ति स	6'4		\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\
f	ŧ	17800	1/	1	यनश्रिय	9",	r# z	7 13
•	{ 	1.7	114	F9	नग <i>ित्र</i> ।	9-1		1909 31
r	Ì	.	3-	1	યનમાન્યિ	4 '	1	1 121 3
,	1	# 44	- 3		रनमुह	956		<i>₹ •</i>
	• , '	1 +	9 - 1	- 1	T 42,715	6'	′ >	31

शब्द,	<u> বি</u> ন্ত	श्लोक.	गब्द.	বিষ্ট	स्टोक.	शब्द.	yø.	सन्द.	श ु
लोकजित्	c	35	वंगरोचना	965	909	वरक	963	वनप्रमृह	£ J
लोकॉयत	३९५	32	वशक	928	१२६		(930	ហិ	\$6
लोकालोक	ويع	2	वक्तव्य	ગ્રહ્	१५३	वत्स	2900	-	<i>۾</i> ڊ ۽
लोकेश	c	95	वक्त	२०३	30		रिइड	र्वन्ता	1905
लोचन	853	९३	वत्क	922	68	वत्सक	45		1500
लोचमस्तक	65	499	वक	२१०	ত গু	वत्सतर	900	बनीयक	700
लोध	६ र	3.3	वक्षस्	१२०	96	वत्सनाभ	86	वनीक्स्	₹ '\$
लोपामुद्रा	58	२०	वक्षण	998	ড ३	,,,,,	{ २६	वन्दा	द
लोप्त्र	989	- 24	वंग	966	905	वत्सर	र २७	वन्दारु	२०३
लोमन्	. 358	99	वचन	३३	9	वत्सल	996	, क्या	٤u
लोमगा	९०	138	वचनेस्थित	२००	२४	वत्सादनी	८२	न्त] x:
सोल	{२ ५०	80	वचम्	3 3	9	वद	203	_	1990
	{२६५	304	वचा	68	१०२	वदन	१२२	४ रेड्स	114
लोलुप	200	22		(93	४७		ु १९७		(\$5
ਲੀਤੁਸ ਲੀੲ	२००	२२	वञ्र	7 24	904	वदान्य	ૄે રૂષ્	11	₹9:3 ·
लाट लोप्टभेदन	950	92		(२६१	968	वदावद	203	•	(369 3
लाडमद्रम	950	93	वज्रनिर्घाय	95	90	वध	958	११ वस्य	₹998 6
_	959	१२६ ९८	वज्रपुष्प	<0	હ દ	वध्य	२०५	र्भ रीन	1940 3
खो <i>ह</i>	7 968	99	विज्ञन्	33	A3	वनध्य	56	ः देख	198 6
	1299	3 3	विचक	(90	Eq.	वन्या	946	•	२७० २३
लोहकारक	966	v		205	४७	वर्ज्ञा	953	ः विकास	20 0
खोह्प्रुप्र	e e	95	ववित	208	ઠ ૧		(50	कः वया	-j 89 93
लोहल	२०३	३७		دو ک	20	वधू	7 908	-	(38 85
लोहाभिमा	959	96	वजुल	حور <u>۲</u>	30	पञ्च	J 40 £	भ	₹93 \$500 s
लाहिन		96		50)	€ &		्रि४५ (४९	वसमा	(184 1
	्रे ११७	5 8	वट	५ ३	32	1) EU		god d
खोहितक	963	५ ३	वटक	> < <	30	वन	7 240	92 37	₹ 934 931
<i>सेहितवन</i>	-	338	वर्धा	999	5 0		-	t.	٢ ٠٠٠ عاده (عاده عاده
खोहिताज्ञ	_	२०	वडवा	9 - 2	88	वनतिकि	900	• क्य	{904 go
च	व. २७३		वड्यानल बड्ड	98	<i>د</i> ج	वनप्रिय वनमक्षिव		•	1909
•	्र (१%	,	वणिज्	२०८ १८०	٤٩	वनमाल	•	ं केन	.
ત	4 93:	120	विणिक्स्य		७८ ५२	वनमाल	र १६८	1	{ ττ ζυς .
•	256			9 : 9	33 38	वनश्का		هززو ا	२८९
		.,,	31-14-41		37	ित्रमान	•		```

			1					
सम्द	विव	ररोक.	গ্রহ	वृष्ट.	भोक.	गब्द.	पृष्ठ	सु
द्योभ्यो	6 %	२४	वपर्कत	930	ঽৢ৻৽	वागुरिक	9 < 9	že.
वर्षयम्	993	73	वस्ति	238	€ 0	1 ~	÷03	
नरोपल	30	35	वसन	920	994	1	-	
नमन्	1948	V o	वसन्त	ર ૭	96	वाङ्मुरा वाच	૩५ 33	1 G
1 41.7	रे ३ ६९	453	वसा	490	58			र्था २८ रिन्स् १६
77.3	3.5	93		6	90	वाचयम	9 60	ार्च 19. सन
नन	533	3 4		29	62	वाचक	33	
11-1	5 € €	34	ासु	7 963	80	वाचस्यति	21	1
न-भा	5.8	94		(२६९	२२८	वाचाट	२०३	* - 91
777	400	900		1 61		वाचाल	503	: 15
य प्रा	5 6 3	0 9	नगुः,	1903	60	वाचिक	30	76 143
	€ 4	93	वसुदेव	9	४२	वाचोयुक्ति		٠, ١
1 ,42 1	٠,5	3	वसुना	99	२२	वाज	१७९	₹ .₹ .
1, 1	६ १	95	वगुर्न्यस	1. C	3	वाजपेय	541	30
~ , ~	€ 4	97	ागुमती	20	3	वाजिदन्तव		The Can
र प्रस्	9.00	16	वस्तु		3		1 '-'	11 11 12
	57.5	911	विस्त	२८६ ५२७	43	वाजिन्	7 949	* 1
a 1 a	7.4	18	7छ		998		6400	3: 7:
Ĭ	3 3	3	वस्त्रयोगि	959	995	वाजिशाला	ĉ 3	3.
~ *1	1	و دا	न्यवे यान	१२६	990	वाञ्छा	65	4 40 4.4
	1200	933	1		450	वार्श	516	% F.
	€ *	3 3	777	969	ي و	वाञालम	ا دی	* 14
, , - ,	€ €	ą	वसमा	ነነረ	\$ \$		(48	10 150
~;	99 -	: 3	47	900	€ ३	वाडव -	7 435	1 mg 1 mg
3 721	200	-	नीं 🗷	11	6.3	1	(943	1 112
	- 44	1	-6	(43	9	वाउवानल	41	1499
i	1322	# 7	र्नाडमजरू	61	60	वाडब्य	237	37- 49
	136	* 4	र्नार्शनम	465	905	वाणि	463	77 10%
		-13		(2.3	3/2	नाणिज	960	in the
		•	ग	4 2 35	3	नाणि य	1956	10.
	1 2	\$:		(3.10	95		1363	177
•	1 . 3 :	° ,	संयपनि राजग	403	3.0	વાળિની	282	100 30
•	.,,		वाक्य	3.5	2	वाणी	33	, ' **
	• • • •	٠.,	वाना ः। चनम्	203	30	वान	97	13 300
	-	-3	al a f	203	2 €	वानक	43	1 · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
								1//

		nderestrike, begander	b		*	_		
****	**	1	वपूं क	ŧ	ž i	} 1 ***	•	**
2 J 11/2	3	-		1	•			
†	3	• •	1320 -	3 2		· }	4,40	
स्य गाँच	, 1	•		1		, ,	•	
F11,#*	٠	à	1311	1 2 4		1 1	- +	
17 17		¥	[-y-4	, ,	*	1		
13774	• •		विग्यन	1.7		1 1	, •	
रेक्क देव	11.		117114	•				
193,-25	**		11711				,	
विक्ताः	7	• •	विन्त्री वना	+ 1 *			ţ	
[11]-1*	× *		11.41.41			-	f +	1
विकास	3	•	1 turi	* 1	4	11-	<i>i</i>	
विकार	* * *	\$	14/4/1/3				1)	
farint.	• •	•	115-77		+ 1	. !	1	1
वितित <i>ं</i>	3, 4		13-41	,	*	11-		,
nifeej	1		17.71	1170		13-21-1		
विक्तीम	3 ×			(4		} } { { } ** { } **	{ *	
विक्र	5 00	3 *	1371	1	1.1	i	" ()	,
	1115	*4 /	11111	1 * *		13-11-1	11 11	
विक्रीत	371	3 *	fan	1		1363	, 217	~ ,
क्तिम	8345	3 -	14311	1.		î ii = 1	1	,
	{3,+3	111		1111	,	11-	1 * *	i s
বিক্য কিল্	ጎሩነ	4	lit,	, 1	9	ţ	()	* *
वित्र <u>विक</u>	966	3 *	fa:		1 /	1300	13.11	,
विभाग विभिन्ना	9.4.9	3 3	1424	18	1 *	13***	` ` `	
विकया विकेन्	55	14	6	("	1	í7:	+3+	1, 1
14कपू विकेय	964	3.8	विस्प	(+4+	4 1	विद्या भा	6	:3 (,
ने इ.स. ने इ.स.	1<1	૮ર	ใหม่าล		4	(रक्षा	,	THE .
विज्ञा	२०० २२६	₹ <i>₹</i> 3.5	विस्मादिर	(a "	Fer	[र्यम्	1 ⁴ 11	· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
निगन	२ १६	900	विद्वर	911	5 -	विद्या		' (
विगनानीया	904	100 29	ir:	900	/3	रिदन	1-1	, ,,
निम	114	रा ४३	विद्या वित्रश	24) (E	विद्रुत विद्रम	9-	3
		* *	114.1-1	364	•	। स्युम	•	*

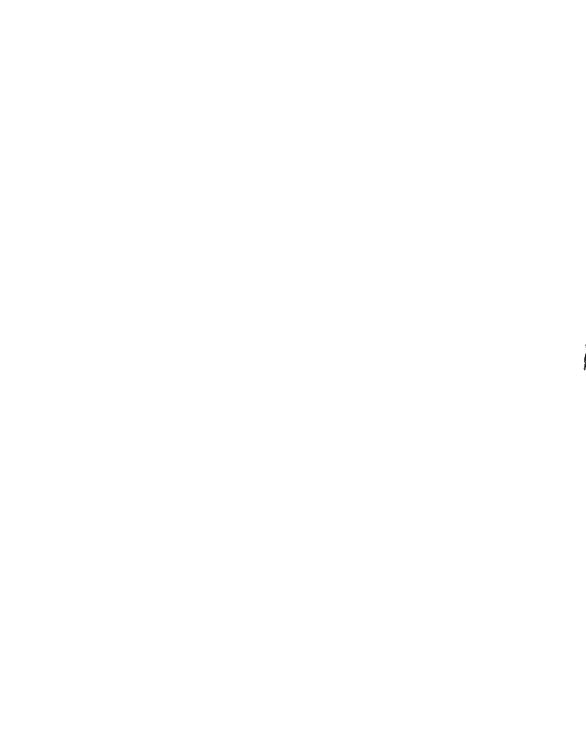




+ _+	•	-	ı	, ,	= W =#	煮		•	
<u>-</u>	. 1								
, : 7	~ 3	مد ق سه			, .	•			
17	*	•		,					
दि क्स			•	1	ſ			3	
1: 17	• •	, 1-	,	• 1	1111				
fi i	1 .	,] 1		4					
1000	1 4	1 1 1 1	£	1	~		,		
F3 71) 3 3 7 2	1	1	4 *	; + 4	,	•		
Fr 11	3.14		1 2		1 1 1	4			
îii	254	, , , ,			1			1	
1111	17	1 1111	4		1.	,			
53.40	441	g a second	i	1	1 (,	
ित्र	* * *	44 111	,		1 1		2		
frees	1	2 - 113 3-			í 1	,	•		
វែក៖		1 74	f	1	1				
FTH*	111	1 11				† i		`	
विदिन	1900	4 14	1 1	-	,	(*	*		
	, 500	1 4/			1111	12		•	
विभिन्न	144	1 3425.411	1		11 "	,			
विदेश	13+	14 1		1 4	14.	. 3		٠,	
नि ना र	14	44.14	1	1.1	1 175		*	١,	
विश	ч.	1471	/		16.12	3 (1	
নিল্বত	506	1 4 74 71	1 * *	*	12 , अव	٤	•	t in	
निशद	: 5	1 1144	11-	4	1447	,1	f	() (
विशर	914	44 - 114	1 -		19 47 764	t		***	
	(40	۷.	1 - 2	-1-	17.00	'			•
विश या	٦ ٠٠	13: 1994	(-	1्रिमर	3.			,
	j :	१५० । विश्वमन	7.		विमर्नन	433		7,1	+54
विश्वगन	952	554	,	7.3	विसपम	2.1		* .	
विशास	95	40	31	٠	विमार	4	;	. t	1
विशासा	૨૧	३३ विषय	7	6	निमामन	30	•	10	1
विशाय	२ २ ७	÷ =	208	११ १५३	विनृत	द्रश्		f^{if}	٠,
			•	-	•				,



	week beneficialistic	of other manages, but appropries	-	 . (,)	 11 1		
					सन्दः स्मान्यः स्मान्यः स्मान्यः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः स्मानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समानः समा		



शब्द	वृष्ट	भोक	शहर्	ग्रेय	चाह.	शाह.	টুয়	**	;	
गालपर्णा	25	995	जिसायम्	3.7	1010	िंग ी	45	* *	,	
যালা	€5	Ę	गिमान्	900	30	जिलाम्ब	\$ <u>\$</u> a	,	}	
ગાલા	र् ६९	99	गिगिप्राप	964	919	जिलोगन	- 54		111	
शालामुक	>36	92	शिरान्	Syns	30	Bra	423	•	[*	ŧ
यालि	900	२४	। नारानू	{२/६	905	1 ' '	963	-, 4	1 "	
गालीन	२०१	ခင္	शिरियाहन	95	∢α	जिं। पन्			(14)	,
गालक	ં ધ્લુ	36	\ <u></u>	1 03	3 1	शि प्रशास		A	*	
गालर	48	२४	शिमु	500	3.4	ि।र	30	4	+ +	,
वालेय	5 64	900	গিয়ৰ	165	990		ŧ	(4>	1.	,
ગાલવ	र्विश्व	ξ	र्गिनन	3 6	2 4	शिक	9.15	14 54	9.4	į
गात्मिल	ماوا	85	शिनिमा	900	6.	िनगरी	21	ात	11 5	,
शान्मर्लावेष्ट	40	13		1:6	3 4		(11	19	(3)	
शावक	903	36	গিনি	- 45	63		1 2	5	(,,	
शाबर	23	13	शितिस्य	10	3 -	शिया	٠,٥ ٢	1	· .	د د مد
গাশ্বর	340	33	शितिसारङ	9-	3 6		1 41	,	1 13	,
ञा ष्क्रिक	२ ४७	70	গিণিনিত	- 1	3 <	1	र् २:		(100	Ċ
गासन	383	5.4	शिक्ष	. *	13		(30	>≠ 1	رد	·
शास्तृ	6	٩ -	निमाम <i>न</i> द		~3	ं।शशिर	} 21	7	* /3	
গান্ত	250	9 52	शिविस	1 - 3	43	form.	903	-	S +3	1
शास्त्रविद	996	•	शिवर	1 ′	. 3	গিয় গিয়ক	ંધ્ર		1 00	4
शिक्य	995	: 0	शिम्बा	7.5	> 3	গিগুন	933		() to	`
विक्यित	= 93	૮૨	शिरम	95	× *	शिशुमार शिशुमार	હરૂ	*	د. دو ر	
शिक्षा	38	,	গিন্দ	1 -	\$ 5	शिक्ष	920			·
शिक्षित	१२६	4	, शिरम्य	123	26	शिश्वदान	२०५		(17:	
<u> গি</u> দ্মণ্ড	805	3 9	शिरा	775	\$4	 विष्ट्री	980	~ n	916	,
शिसण्डक	803	\ €	शिगाय	3 🗧	= 3	গিম্ম	832	ندا الخ	3	j
शिखर	∫ ε ξ	3	। शिरोप्र	7.	4 -	ज्ञाकर	95	رځ	\ ;	
	ે દેલ	9 २	किसोधि	१२२	66	গাম	94	~	(:	÷
शिखारन	إ € ف	9	िंगिरोरत्न	450	300		(30	-4,	4	:
	1285	90€	ं शिरोहह	790	ય ત		२०		(1	ť
	1 38	•	शिल	95.	-	, ज्ञात	لا برا د ما	उनि	1 3	
शिया	7,00		गिला	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	43	1	् ७३ { २९१		7 3	
	1220	•	1	\ -=	6	1	820 £42,		Y	
	(२३१	98	शिलाजतु	960	808	शातक	1),		रिन्देः	₹

अमरकोशशब्दानुक्रमणिका ।

57 *****			1					
भ =द. शैल	पृष्ट.	<i>শ্</i> তীক	शब्द.	वृष्ठ	श्लोक	शब्द.		9 7
	દ્ધ	9	शौर्य	95:	१ १०२	श्रीघन		953
रालातिन	,	9 3	शौल्विक	960		श्रीद	16	333
शैद्धा	چى <u>ا</u>	३२	शौष्कुल	१९९		श्रीपति	6	३७:
शैलेय	1969	93	श्योत	२२१		श्रीपणी	∫ 9t	300
शेंवत	८९ ५६	9	इमशान इसश	१६५		त्रापण	्रिवृद्धः _ग	229
शेत्रलिनी	પ ુષ્	₹° ₹°	रमश्रु	१२४		श्रीपर्णिका	UY	99.0
शेसक	992	४०	स्याम	्र ३२ २२	98	श्रीवर्णी	אט '	173
शोक	83	ર્ષ	स्यामल	(२५३	183	श्रीफल	ড র্ পুর	11: 5:
शोनिपं:	म १४	48	. ******	35	98	श्रीफली	63 %	355
श्यानिस	२३	38	2711710	وه ا		श्रीमत्	११९ ग्राम	* 46 36
दोश्य	35	94	^३ यामा	7 25		श्रीमन्	31	41-
#IImi#	1 44	38		(२५३	9345	श्रील **	956	151 5 58 6
रो परच	१८३ १८३		र्या ल	992		श्रीवत्सलाछन श्रीवास	9.21	3819
आि ।	440	1	याव	3 3		नानारा नीवेष्ट	924	910 ;
शोप	994		येत येन	₹ २		गेस ज्ञ	926 7	\
इतिया	५३	,	^{यम} येनपाता	99		गिहस्तिनी	us	1380 F-
हा स्ना	\$ 14		रामता द्वा	२८३ २४५	§ 2	ात	531 4	(390 33
* 1177	1958	15		१०५ ∫१०९	905	_ ([33 . T	9 12 43
~,,	(50.9	7	द्वान्ड	606	२१ श्रु	ति 🕇	१२३ . २४० :	44
- +1+1	710	,	यग	ેંગ્રવું	१२ थ्री	-		99. 23
• 1	50		वण	१२३	36		4" 7 -3 1	343 348 113 348
· · , * ;	5 3	१७ अ	ाम बिष्ठा	3 2 3	९४ थे	मे {	166 17	110
* 1	93%	'१३ थ्रा		29	२२	Ċ	36 .	333
	908	१३ श्रा		9 3 4 9 3 4	७० थ्रिय	म् ≺ं	33	360 33
** ## ** #	66		दिव	98	39	•	0)	114 59
	992	४ । आर	τ		49	ı	11 'TT 61 3	े । १,
7 5*	9 - 2	ं । या		•	१२ श्रेया १६	11 7	6 6	33.
بي. ي		१० श्राप	गिक	_	१६ विष्ट	٠, ٢	,, .	33
i na gin		र्था थी	Ş	\$:	्र धोण	39	ır i	127 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12
\$ v		१ आइ			^२ श्रोणि			99
	·	1 -11 2		30 3	> श्रीणि	क्लर ११	5	3.3 53 \
								,

अमरकोशशब्दानुकमाणिका ।

पूर्ण चीह. वाहर पूष्ठ छोत. सहर. पूष्ठ छोत. वाहर पूष्ठ छोत. सहर. पूष्ठ छोत. वाहर पूष्ठ यहन देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश सहराम देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश देश			राजनामाणका ।
1 / 1 / 1	3 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4	२० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम २० समम	पृष्ठ च्हेक. शब्द. ज हुए २२५ २९ सत्ता
			1 11 11 200 03"

	श्लोक	-	TT.	8 0	चीन	बाद.	āū	भोक	शस्द	वैड	च्चेक
â.		`	^३ त	== }	99	नुमनस	ษ	ษ	सुवानिर्म,	905	5
6:	5:	2	*4	1 00	459	नुमगर्	30	90	संजना	و ناو	39
456	۶ ۶	,	ুন সা	900	٤	रमना	60	45	<u>चुपन</u>	\$ e €	ધ્:
964	10		स्य	१० ४	395	रमनोरङ्	Ųε	93	सुरमा	20	, १७
9 1	- 9	F.		1990	= 3	- निर	93	85	<u></u>	5	955
64	900			1::0	£ n	गुर	3	3	नुम्म	3 9 3 5	13
	900	Fr.	. भे	6:	66	गासा	= 6 4	C	সূৰি	88	
\ 24	994	FEE	ामजा	990	55	संसद्भेष्ट	c	3 5	-	(3*	*
35	1,	F	EI .	979	70	मरप्राधिया	9:	84	} , गृधिन	7 YE	
580		=	Herek	9 =	72	रुक्षिय	હ	75	1	7 .:	:
U o	?	#4	4.1	937	g n	रर्गना	66	: 4	, , =िन्म	25	958
ę o	99	F. 7	1814	90	5 6	गुरपि:	9.5	1	27 727	3.0	4 c
965	100	मेनर्	17	916	• 6		5 5 7	90	1	• • •	
(33	٩	-:-	***	⊅ o €	65	सर्गभ	₹ : 5	55	1.	`	€ 3
, २१४	, 4		वसा	53	76		(:0.	5 ° 3	1	· .	460
م و د ا		1	दे।	5 43	YC	सरभी समीद	<i>((</i>	511	•		7
(२४१	٥٥	Fi	41	Sexu	905	रागान	٦ ٤	۶.	1		•
	9 6 6		31	9 6	94	मन्द्र संद्	* 0	۾	17 537	•	, .
1 05	9	27	2.	5.7.7	ų	2,77,1		ا م		*	*
900	٧	FFF	F (4	5*	18	1731	و د ډ			•	
۹ ۵	4	2	11 477,8	*	374	क्रादा ।	, ·	5.7	4	6	
ي يا	ıi	_	•य्र	* *	6.5	* -1870-	56,			1	ā
	49		•~•1	5 x ta	*	-1,	*			•	•
} = 9 -	900	m 2 4	447	1. 1		1				*	
	1	£-	4,0	4 6	4	1		× 4		*	
	٩٠	FI	4 ' 7	•	"	1 .	1 4 2	e			
9.	99"	سبساء	4 4 4	101	ь	1	41.			* .	
۷.	J	εĩ	',	• •	>	, t = F					
992	.1	₽ŧ	. '			4 5		•			
993	م و	- 3		, ,		•		*	-		
\$28	•	• (} *				4.4				*
29	۷	£ "."		• •		,	•	*			
268	5	<u> </u>		• 1 •							~
२५		E	•		•			•			
ک	Ę¢	=-4									
3%	ĘC	-									

			1					
गब्द.	9 2.	श्रीक	गन्द,	gv.	न्धाः	*ানস্ক	91 .	寶
सुद	∫१७ १	56	गेनक	911	₹.		(44	
	{२४३	2 4	गतन	၁၅၈	•	गार्गा- रह	1	35
सुना	230	993	यम	નક્ષ	•	1 11-11-11	100	ीमन् ४,
सनु	990	÷ 0	गन्य			र्गानिक	146	
सनृत	કે હ	98	सहित्रेय	45	958	गाःशीमनी		110
सुपनार	909	53	गार् न य गम्न	25	25	यो र	ş3	। र्षं द्वार स्थानम् ।
सूर	३२	30		5,0	٠,	1	-	***
सृरण	8,8	9:0	र्मनप्राहिनी	44	3.3	र्गा माधिन		44 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
सूरत	9%6	90	सेनिक	100	59	गास्य	₹ 23	
स्रि	933	ç	सन्यत	5149	66		1 20.	2.1 15
सूर्भा	१९३	54		(933	12	गारभेय	9 23	1977
मूर्य सूर्यतनया	ગ્ર	२८	मन्य	808	59	गोरभेयी	9 36	13 13
सूर्यप्रिया	لول	32	1.	1900	96	र्गागीय ह	Y6	3
भूगानया गर्भान्य	२५६	940	मन्यपृष्ठ	946	७९	नोर्ग	53	* 43
स्येन्डुसगम स्किणा	३५	c	सरन्त्री	308	90	योगर्चल	{ 9,1° 1	11 349
क्या । स्टब्स	१२३	e 9	मरिक	136	58	1	196 "	1 49
[9]	95=	9	नारभ	و به	-	मोनिद साविदः	9//	٩
01+1	969	19	मेरयफ मोड	60	ه پ	सावदश	146	.1 101
श नि	5 9 <i>2</i>	દહ		29.	4 0	मोबीर	∫ 91:	174 900
^{म्} पाटी	२९ ₋	34	मोदर्य	411	38	नावार :	Jack '	3
ग्रमर	96	3 6	नोत्माद	200	5.3	र्माहित्य	93:	14 31.
नुष्ट	23/	99	सोपस्य	24	90	न्याट्स्य स्वन्द	95	(30)
सकपात्र	اد در او دا	3 6	सोपान	56	96		(50	i sua
सेचन	u q	93	मोभाजन	ક્ર	39	स्त्रन्थ -	450	100
सेचनक	÷ 0 's	13	मोम मोमपा	98	98		£ 880 ,	अस्तामम् १०८
सेतु	\ e 0	96	मोमपी <u>थिन्</u>	833	9	स्कन्धशासा	\$5	71 9-7
_	{ Ja	74	नोमराज <u>ी</u>	333	9	स्कन्न	29: "	निगार ६३ ३८
सेना	960			٤٥ (९ %	स्रालन	85	, जिल्हासिक १३%
सेनाङ्ग	9 59	50	नोमवल्क	\ \u_\varepsilon \	20	स्वलिन	953	
सेनानी	۶۹ ک	38	मोमवृहरी	१ ३२९	5	स्तन	950	भगत ११३३
	{ 9 4 4	£ 5	सोमवहिका सोमवहिका	99	930	स्त-धयी	992	म्य (२३८ :१
सेनामुख	946	69	सोमवही	52	64	स्तनपा	992	सा ५८ ८
मेनारक्ष	948		नामपहा सोमोद्भवा	८२	63	त्तनयित्तु	96	सनेत ४६ ७
	-	71.	जमाञ्ज्या	فيوم	३२	स्तनित	98	197 (4)
								•

			-								
*	٠ ٦-	;	प्द	ष्ट्राः	भोक	शस्य	व ृष्ट	शेक	शब्द.	वृष्ट	धोक,
Ų	ę		₹ι	Ų n	ኝ ኗ	मनीए	296	999	स्यादिन्	949	४६
	s		, उसेमन्	50	Ę		590	3.8	स्भैत्य	२६३	954
34	3	1	-	5 50	9	र गण	4 80	6	स्तव	२२०	5
•	•	- 3=	7	1 368	२९		्र ३६	88	দানক	380	33
٠,	4.4		प्रवारि	958	= 9	रनाउल	320	88	स्त्रान	930	922
	•:	1	प्रधन	२६€	34	स्यान	∫१४६	95	नायु	996	\$ \$
J n	* ,	2 2	- स	२२६	30		र ३४८	993		(484	93
وأذر		2.4	बेरम	186	30	स्थानीय	€ 3	ð	किस	7 908	85
412.4	25	-=	भू	50,3	3:4	स्थाने	200	99		528)	35
	٧,		Ţ	÷ 6,	99	स्थापन्य	388	<	₹तु	• •	ů,
واري تو رم	ų.,	2.65	भित	260	900	स्यापनी	¢ =	82	म् उभ्	24	904
	.5		1	290	990	स्यामन्	862	900	स्रुन	= 9 =	55
(608	હે	مشمث	ते	34	99	स्यायुक	356	''	स्तुपः	908	5
1000	is.		तेपाठष	383	50	स्थारः	540	73	गुर्ध		900
6,00		1	Ĭ	368	96	रवारी	828	38	स्तेर	78	- 3
416	96	1	₹	959	38	भ्यावर	290	75	स्यभ	1 34	3
636		2 16	4	220	35	रवादिर	332	₹=		देश्यः	93
J	•	27	4	363	50	रणसव	१२८	325	म्राधिन	1 3 -	63
	3 -	ı	4	959	20	रयाम	२९०	45	1	(4 3 3	: 4
6.3	• •	gr- 1	े वि	306	€3	रि ग्रीन	1980	7.5	स्रदा	(85m	6.5
	`	}	1	\$ 6	30		} ====	13		र्देश्हर	÷ 4 A
r		سنسيا	143	1303	?5	स्पिरनर	280	43	ध्य	299	< 9
	90	F		1 203	388	व्यिस	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	*	रहार स्टार	40	253
4	56	t	. 13.47e7	308	?	िस्सर	(43	<i>م و د</i> س	₹2.° ₹₹	15 a17	43
- ر	ě	52.3			20		1953	ي پ ن	1		*
45	9.	•	भूतर सम्मद	9 n t	۶ <i>۵</i>	₹,5%	3.2	યુવ	1 5 -4-	* * \$	- 3
4*:	* !	يسيح كا	50	भ द्र भ द्र	9 6		1:00	, s	1277	¥	15
9-:	5	F=R		123454	4.5	169	1:	501	عترسيشا	110	•
ζ.		Et all		(525		1	; 4.3		, -7-		•
	20	fr.	12,5	1776	: 5	क्षेत्र व्यक्त	'q *\$ 3	49.	177-	÷ e	€ \$
30.5	5	£==	1~	4,2		1 .	~ ==,	8 7 %	4		34
1:25		£1 3"	3-5	Ú.	·	1 77	₹ 4 €	3.	1 25-	ं ६८ ,३६४	
59		£	4 94	993	۶.	16. 00	50	* 7 7	-	354	•
८३	[يَ وَسِيحٍ		`						•	
۶	::	£3.									
_છ ધ્	* * *					6					

अमरकोशश<u>ब्दानुक्रमणिका</u> ।

						• •		
शब्द. स्फुरण	5 a•	श्लोक.	शब्द.	घट	ष्टोक.	Aller		-
	२२०	90	सुवारक्ष	-		शब्द.		g.
स्फ़रणा	२२०	90		৬%	₹ ७	स्यभांनु		35\$
₹फ़्रिलिंग	98	40	स्रोतम्	्र ५१	99	स्तर्नेस्या	1\$	63
स्फूर्जक	80			{३७०	२३३	स्वय	9.8	79
रफ़्र्जिश्र	99		खोतस्वती	५५	30	स्वम	990	
स्फेप्ट	296	90	स्रोतोजन	968	900	स्वस्ति	२७३	नदर् यो । ८१
-	∫२७६	995	व	5999	38	स्मिस्तक	64	,
स्म		3	.4	{२६६				13
स्मर	(२७८	90 €	वच्छन्द		599	म्बर्सीय	939	49
	9	₹4 €	नजन	955	94	स्वानि	इंदेव !	ياه =
स्मरहर	90		वतत्र	999	३४	स्वादु	288	Seq
स्मित	४५			988	94	स्वादुकटक	Jux 1	{17:
स्मृति	र्ड हे र		वधा	३७६	6	(113,112,11	{ cx ;	२७३
	88	20 1	विविति	950		ह्यादुरमा	\$t 1	
स्यद	94	- 1 V	ग न	३८		स्राद्वी	64	394
1371	ع ل	६४ स्व	ानित	२१४	```\	वा याय	941	2 848
स्यान्दन	1942	२६ स्व	স		18 -	वान	हेंद्र _{नमार्}	
स्यन्दनारोह	77.	५१ हव	प्रज्	86	4 4 E	वान्त	? \$	" <9
स्यन्दिनी	, .	^६ ° स्व	भाव	२०२	3 ₹ _E	नाप वाप	1	90
स्यन	996	F-01		8€	36	गपतेय	6/1	180
_	२१४ (०:	९२ स्वः	यवस	6		गपतय गमिन्	996	∫ ون
स्यू ा	1900	4 E 1	ואיי	305			93	1-4.
स्यूति	138 3	09 1	14	२७८	95 79	गराज् (ट्)		٠, ١
स्यानाक	२१९	4 / (4)	म्भू	6			93: 11%	}92.
स्रसिन्	७७ ,	१७ स्वर्	ſ	ę	6	(201	(930 9
साम्	٠ ,	2	` }		1164		२७२ 🖂	₹₹
स्रज्	330 33		ſ	३४	144		४५	7 90
स्रव	२२०	3	1	38	४ स्वेद		Wille toe	(53.
स्रवद्गर्भा	0		ŕ	9.5	स्वद	नी '	909	336
धवन्ती	P. 4	. 1	3 :		र्ष स्वर	=	१६२ भ	190
स्रवा	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,		_		रं स्वैरि	जी १	0 4	(३२
स्रष्ट्र	_				८ स्वार	ता २	१८ रेग्न	{ ३३
घस्त	₹9€ 90°		(1	49 93	१ स्वार	न् १	९९ होगक	(२८९
मार्		४ स्वर्ण		É	Ę	ह	لايللي _{ا لا}	. ૧૫૨
T	२७५			۶ ،	४ हि	२ः	ייבינ נ	906
X110	२१४ ५३	स्तर्णक्षी		<i>< <</i>	c		र होतान १२ चार्य	३९५ १८५
,	१३६ २५	स्वर्णदी		८० १३	८ हस	ء کہ		55
		, , ₋ , , d1	,	9 g .	1 .	र १		
								ξ ? ,

	Table 200				
*33	श्लोक हणीया १९ हर् १३० हस्य हर्यगम १३० हस्य हस्य हर्यगम १३० हस्य हस्य हस्य ह्या ह्या ह्या ह्या ह्या ह्या ह्या ह्	23 4 4 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	क्रिक वर्ग के के क्रिक्ट के कि के कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि	े १४६ १४६ १३ १३ १३४ १८१ १८१ १९९ १९९	अय ्रं ग्राह्मः ॥ धीराः स प च ॥ १ ॥ स्यमाना जगज्ञानि
اع جين اع	हमकट	£ £	३ हस्वार	न ८३	ज्य माना जगङ्गाति । वैते १९५१ मान मन्त्रानः
दिग्धकप्रिया १३६ २ हुत्रभुज	२८ हिमन २१ हिमन्त	(6.45	२ ४ हादिनी ३	₹ .::	वित्या स्ट्रिया स्ट्रिया

90

€ ≥

49

مای

हो

हीग

हान

हांवेर

हेपा

हादिनी

291

942

66

हेमन्त

हेमाद्रि

हेरम्ब

हेला

हेमपुष्पक

हेमपुन्पिका

44

२७२

हुम

द्रीन

77

त्रम्, ई, अस्ति, गुगाः, च, अर्थ-रे सङ्ग्या तुम क्तिता गुरुको मोग और भाग गते राति ... المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة الم

17 | 17 |

अन्त्रय:-हे अन्तिः

त्रः, ज्रातंः, क्षिते, च

न्त्राम् । नगर्नासिन्त

30

¢

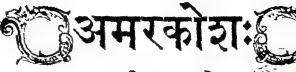
90 3

=9€

990

39

190



भाषाटीकया समेत्

प्रथमकाण्ड १.

अध स्वर्गवर्गः १.

प ज्ञानद्यासिन्धोरगाध-।नघा गुणाः ॥ सेव्यताम-।ो धीराः स श्रिये चामृ-प च ॥ १॥

स्य भासा जगद्भाति सर्वत सचराचरम्।

ह्वां ।भि परमात्मान भक्तानामभवद्भरम्॥ १॥

ह्वांगण्डूत्व चन्द्रचूटामणि शित्रम्।

ह्वांगण्डूत्व चन्द्रचूटामणि शित्रम्।

ह्वांगर्छतेः कुर्वे भाषा व्याल्यासुया
गम्॥ २॥

सन्त्रयः—हे जनपाः ! भगितः, सः, तपः, धीरीः, भिने, चः जन्नतायः,चः, यतायः । रानास्यासित्रोः, अगापस्यः ध्यः, रे. किस्तं, सुगाः, चः, सितः ॥ १ ॥ सर्थः—हे सङ्गोः! तुन उन अभिनासी राजा सुराती भीत अंद मेदार्श शानि

त कि की दक्षी (क्वके समाणि) विकासि हुर राजी । समारा के वेचे सुरक्ष का नाहें ।

होनेके अर्थ सेना करो कि, झाल कारके सप न और दयाकारिक पूर्ण तथा विषयोसे विरक्त ऐसे इन गुरुके पास अखण्डल्य्झां आर सत्य, शीच, दना क्षमा आदिक गुणही। १॥ प्रत्यमे वक्तम निषय दिस्मानेहें —

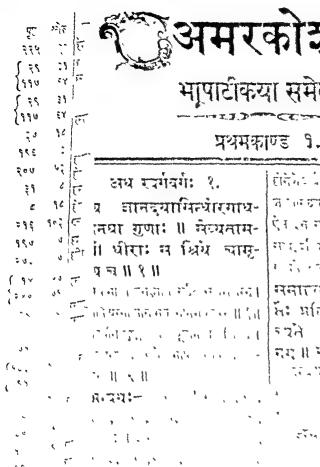
समाहत्यान्यतन्त्राणि संक्षि-प्तैः प्रतिसंस्कृतः ॥ सम्पूर्णमु-च्यते वर्गनीमलिङ्गानुशास-नम्॥२॥

अस्वयः—नग, जयननागि, सन-एप, सि.भे., प्रतिमर्का, को, मुन्न, नामि तानुसासन, राष्ट्रिंग् इस्रोशिशा अर्थे—ो कार्यि कार्यिके सम्मान-

इस्यान कार का स्वार के न इस्तामन क्या नियार माएवकी राज्येके नकार्मार न्यन क्येंने स्वीक किर देने केट र सन्योगे क्येंनेक जैन पुत्रक र प्रात्मों ने द्वा देगा स्वार्थ के इस्ते, भी न स्वार्थ भिन्न केट करे-राम, केसम स्वीक्षीन करात्र, रा

lold | See

िन के कि के कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि	1 (3					,
िना का १३ १ जा १ जा १ जा १ जा १ जा १ जा १ जा	is to adopt the second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second	-54	777 *** : 1	इ.स. स्कृष्टिं		
िन के के के कि का कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि	To the second	1 1 1 -	······································			
िया हो । विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष वि	1-1	ļ -, ,		,	भूक्ता ।	
िया हो । विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष विशेष वि			ŧ,			
िया । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभाव । विभा	12.00		() -	4		
िम के क्षिणां के कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि	िम (र्ने		1		4	
िम व व व व व व व व व व व व व व व व व व व	Patrice 1	4		Į,		
दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली दिस्य ताली	f+ # = 3	1 7	•	1 4 l	, T	
तिस्तान के कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि	Par Sico		\$	1:	7 3%	fy.
तिश्वान । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विष्ठा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विशेषा । विषेषा । व	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\			, , ,	, 34	चेष
विकासी दिया । विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास वितास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास वितास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास वितास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास वितास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास वित	विकास का विकास के जिल्ला है। विकास के किस के किस के किस के किस के किस के किस के किस के किस के किस के किस के किस	3 771	1,	14		* 1
हिल्मीतिका श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्र	विकासिंग, विका	4 1		-1-1	ŧ	
ति स्वाधित । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस्य । अस	Tora for	. / -, .			•	
हान है। जा का का का का का का का का का का का का का	दिल्योगितः 🛴		(.1	•	7717
हुन्धु हिम्म । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिस्सा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिससा । जिसस	4,3,4				•	•
हम रिका रिका रिका रिका रिका रिका रिका रिका) :	•		i	1 *1	
हिम रिकारण के स्वापाल का स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल के स्वापाल	दुनसुरुप्रियः १३. ३१			117.	₹	
हित विश्वास । १९ अल्पाः । १९ अल्पाः । १९ अल्पाः । १९ ४ अल्पाः । १९ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४			•	1-	21	414
हिंद्द के कि के कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि	1331	देमपा । १४।			-32	
त्रिक्त विकास कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा करा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर कर्मा कर कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर कर कर्मा कर कर कर्मा कर कर कर्मा कर कर कर्मा कर्मा) 335	1	1	1 17		7, 41,
हत्यनुक्रमणिका। विकास	१४ ५३		11	. -41		mal .
इत्यनुक्रमणिका ।	عد	er Sa	.^3.0	- िगाइना	¢ 1	
इत्यनुकमणिका।	Control of the second	。	Eine W	rite de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya d	Ì	
		इत्यनक्रम	·	PASSEN		
The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s	- rtif	् ः गडनाम् डेटेनेशराज्याः	ायका । -	3)	7	भिन्द्र ।
	77	A STATE OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF T	医统结结	£3=+-		High of the



किः प्रतिसंदर्भेः ॥ स्टब्स **१** पते ยังเกียาการาเสรา राय् ॥ न ॥ 77. 77. -

5444

इस केले दिवारि छा। कि एक सो की है का कर हो:--

भारमशो कपभेदेन साहनर्यां व सुत्रनित् ॥ स्त्रीपंतपंसकं भेगं तिहरोपविधेः सनित्॥ ३॥

अन्त्रयः—गन, प्राप्ताः, रणभेतन, स्तीपुनपुंसक, जेपसः, १,७ विद्यः, सार सर्वातः, स्तीपुनपुरसक, जेपसः, कविदः, तिद्विशेषितिः, स्तीपुनपुरसक, जेपस् ॥ २ ॥ अर्थ—रम प्रयोग करा करके विद् साम्, निसर्ग और अनुसार इनमें स्वार्धः

पुष्टिंग, श्रीर नपुम ता गा जाननाः अग'पमालया' श्रीर 'पमा' पद्मा जान्।
होनेसे 'पमाल्या' श्रीर 'पमा' पद्म्या दहाँदेः 'पिनाकोऽजग्र चनु ' प्रा'
'पिनाकः' यहापर निर्मा दे दुगमे जिन्
नाक' शब्द पुलिद्ध हे 'अन्मग्र' अन्य
पर अनुस्तार होनेसे 'अन्मग्र' अन्य
नपुस्तक है कहीपर विशेषणमे स्थित स्वयं।
सर्वनामवाचक शब्दमे स्थित स्वयं। हनु '
लिगोमें भेद होताई, जिसा— 'तत्यमे हनु '

यहापर 'तत्पर, ' इस विशेषणका पुल्मि रूप होनेसे उसका विशेष्य जो ' हनु' शब्द है उसका भी पुर्लिगहीमे रूप चलताहै.

शब्द है उसका भी पुळिंगहोंमे रूप चंळताहै. वि तथा 'कुतृ: कृत्ते: सेहपान सेनात्मा कुतृप:

पुर्वती येथा ना है. १५५६ हो सा विक् होलाहासा विकास का है.

there are made

त्वा स्टब्स्य स्वयः । विस्थित स्टब्स्य

મોનો કો વાલ કે જે છે. '' કાં સુધી-ત્યાં' 'મોર્' ''

तिन्तुत्रम् शहास जर्दे तिन्तुत्रम् शहास जर्दे तोम् विचानस्य संस्थिति

ममान निश्चित (स्मारिक्ति) तेम नित्युपर ने सन्दर्भने

। धा है केता (धा उनजीती) १९०१के जानके, अर्थाए अर्थी

भाष्य गानु ' शन्य हैं संपद्द ' अन्यक्त गुणान्त

वक्षारम जाननः और कर्षे^र स्त्रा, प्रम्, नपुराकदनके क्लि

क्रम्म लागि, पुणि, ^{और} यिग जानना, जैने भेरो ^{ही है}

पुमान् ' 'रोचिः शोनिक^{मे हैं'} पर 'मेरी' शन्दके समीप ^{'ह}

विशेषरीतिसे कथन किया ^{है ।} 'भेरी 'यह शब्द छो^{हिंग हैं,}

gerer

,C*28

ing the

राष्या । । ४) नसंक्षाः ॥ ह

11811

अन्त्रमः- ः जन्मेराज्यः ।

न्त्र १८४ ।। **अर्थ-**ऽतः । विदेश धन्तः ।

विद्यार स्तर । भेगा करेरी ११ -विद्यार स्टाउट्ट भाग कर करा ।

2411 241, 74

भा हेन्द्रनमान मा हुन्। हेन्द्र ज्ञान हो १०

हिना नाम ती 'नान' इ

भे' शब्दके समीप 'पुमान्' यह मतनेसे 'दुन्दुभि' शब्द पुल्गिहे. गिचन्' 'शोचिन्' शब्दोके समीप 'शोवे' अर्थात् दोनो भी नपुसकावह कथन फरनेसे ' रोचिन् ' और चेन् ' ये शब्द नपुंसकालिंग हैं इस से सर्वत्र जनना ॥ ३ ॥

ृख्यानाय न द्वन्द्वोनेकशे-त्र संकरः॥ कृतोऽत्र भिन्न-कृतामतुक्तानां क्रमा-त्रा ४॥

न्त्यः—अत्र. अनुक्ताना, भिन-त्ना, भेदाख्यानाय. दृन्दः न, कृत ; त्राप ,न, कृतः; क्रमात् ,क्रते, सकरः, तः ॥ ४॥

(अर्थ-इस कोशमे अपने अपने पर्यायोमे त्यवेहुए मिन्न मिन्न दिगवाले हान्दोका नेद कहनेके अर्थ हन्द्र और एकशेष कियाहि जैसे—'देवता' रान्द खीलिङ्ग है त' रान्द नपुसकालिंग है और 'अमर' इ पुंटिंग है इन मिन्नमिन दिगवाले 'ता' देवत' और 'अमर' रान्दोका मिद करनेके अर्थ 'देवताईवनान्स' 'त हन्द्रसमास नहीं किया है. हन्द्रसमास इंग जाप ती 'अनर' रान्दका शिनाही

'देवता' और ' देवत' इनका होजायगा. कारण द्वन्द्रसमासमे और तत्पुरुपमे परपद-काही लिंग होताहै. वह यहापर परपदालिंग जो ' अमर' शब्दका पुलिगहै सो 'देवता' श्रीर 'दैवत ' शब्दका नहीं होनेके वास्ते द्रन्द्रसमास नहीं किया ऐसा सर्वत्र जानना. वैसेही 'ख नभः श्रावणो नभाः 'यहांपर 'अश्रा-वणी तु नभसी' ऐसा 'नभसी' इस प्रकारका एकरोपमी नहीं किया. यदि 'नभाश्च नभश्च नमसी ' ऐसा एकरोप करनेसे 'नमसी' यह नपुसक लिंग शेप रहेगा. फिर आका-शवाचक 'नमस्' शब्द नपुलकोलग होगा परत् श्रावणवाचक 'नभस्' शब्द पुलिग है ऐसा नहीं जाना जायगा, इस वास्ते 'ख नभः' और 'श्रावणो नभाः' ऐसा पृथक् २ 'नमस् 'शब्द कहाहै लिगमेद समझने के टिये एकरोप'नभसी' ऐसा नहीं किया. परन्तु समान लिगोका ती इन्द्रसमास कि-याही है. जैसे-'स्वर्गनाकत्रिदिवत्रिदशा-त्या ' ' पादा सम्यत्रितुर्योद्याः' महापर एक दिगकेही तम शब्देर इन मास्ते उनमा इन्द्रसमास निया है. और जिन राजीने पर्याय राज्य और हिम सत्तवताने अन्य स्थलीने घोट्हैं, उसमे अन्यत्र को उन मिल-तिन दायेगानिले सर्पन्तरो सर्थ न्यत

~ A*

करनेके लिये द्वन्द्रसमास किया है. जैसे-'विद्याघराप्सरोयक्षरक्षोगन्वर्वकित्रराः' मा-तापितरी पितरी' यहापर ' अप्सरस्' शब्द अपने पर्यायोमे 'ल्लियां वहुष्वप्सरसः स्वर्ये-स्या उर्वशोमुखाः ' यहा स्रोटिंग हि ऐसा कहा है. उसी 'अप्सरस्' शब्दको देव-योतिमे परिगणनत्व अर्थके लिये विद्या-धर आदिक गणोमे पठित किया है आर ' विद्याधर '' अप्सरस् ' ' यक्ष' 'रक्षस्' 'गन्धवं'' किनर' इन सब शब्दोका द्वन्द्व-समास किया है; अब यहापर यदापि सर्व शब्दोका दृन्द्रसमास होनेसे 'विद्याधराप्य-रोयक्षरक्षोगन्धर्विकत्मग े ऐसा पुल्ला रूप बना है ता भो 'अप्सरम्' शब्दका अन्यत्र 'स्त्रियां बहुष्वप्सरस ' यहापर कथन कर-नेके अनुसार स्नालिगहो है रेमा सम-इना. और ' मातापितरी पिनरी' यहापर ' पितर्रा ' इसमे ' मानृ ' और ' पिनृ' ऐसे दोनो शब्दोका एकवड़ाव किया गया है इसने ' मातृ ' और ' पितृ ' इनमेने , पितृ ' इसका राप रहा ह इससे 'पितृ' इस शब्दको 'मातृ' ' पितृ ' इन दोनोका वाचकत्व होनेसेभी उसके अन्तर्गत यद्यीय ' मातु ' यह् अब्द है तथापि वह 'मातृ '

शब्द 'जनवित्रेश् प्रसूर्नाता ' इस स्थलने

पर्यायहान्द्रोके साथ म्बंलि वास्ते उस 'पितरी' इसने 👵 शन्दका स्त्रींखगहीं है ऐसा इस कोशमें उन मिन्न सिन शब्दोका जम छोडके भिन्न र ज्ञन्दोंमें सकर कहिये निश्र[ा] र्नेस-' रतव. रतोत्र स्ट्राविहेटि ' स्तयः' ऐसा पुल्मि कहा नि यह नपुसकल्गि कहा, फिर ' 'नुनि ' ये खोलिंग शब केहैं. म्तोत्र म्तवो नुतिः ' ऐसा वि रूप तकर नहीं किया है रेतर र्जननजन्मानि जीनस्पतिस्य जनुजननजन्मानि' ये नपुतन फिर 'जिन ' उत्पत्ति ' ये हिंदि कहे. फिर ' उद्भव ' यह पुर्ज कहा इस प्रकारसे सर्वत्र रि

. ?

त्रिलिङ्ग्यां त्रिप्वितिष्दं । थुने तु द्वयोरिति ॥ नि लिङ्ग शेषार्थे त्वन्तायाः पूर्वभाकः॥ ५॥

जानना ॥ ४ ॥

अन्वयः-त्रिल्ड्यान्, हि. १ पटन् .हेयम्, मिधुने, तु. हुटे, १ पदन्, हेयन्, निषिद्दल्डिन्, १ : त्वन्ताथादि, पूर्नमाक्, न. इति ॥ ५॥

मर्थ-इस प्रथमे जहापर कोई राव्द लिगोमे चलताहो वहां 'त्रिपु' ऐसा धन किया है सो जानना जैसे-सुनिह हो अन्य 'यहापर'सुनिह हु' तीनो लिङ्गोमे चलता है इसवास्ते उस हिङ्ग ' शब्दके समीप 'त्रिपु' ाथन किया है. और जहापर स्तीटिङ्ग अलिइ इन दोनों लिगोने कोई शब्द ाहो ती वहां 'ह्यो.' ऐसा पद कथन हें सो जानना. जसे-'ह्योड्यांटकींटी' ('ञाट ' और ' कील ' ये दोनो पुलिंग और स्त्रीलिगहै इसवास्ते ः 'ऐसा वानध किया है 'ह्रयो ' दि-शन्दका उपलक्षण है. र् किसीभी तरहसे हि-शब्दका र प्रयोग रोगा वहा स्तीलग और । जानना, जैसे-'द्विहान प्रसवे सर्वन ' इयरीने कुकुन्दरे' इत्यादिक स्थलमे .ान्दसे सीटिंग और पुटिंग ऐसा मरनेसे प्रसम-नाचन जितने रान्दहै र्रिस्तीरिंग और पुल्मिने सरित हैं त् नपुसकारिम है और शुकुत्दर-; इप-करिये फीटिंग और एटिंग

इनसे रहित है अर्थात् नपुसकलिंग है ऐसा जानना. तथा जिस शब्दका जो दिग निपिद्ध किया हो उसके अतिरिक्त वाकी रहा लिग उस शब्दका जानना. ' वज़मस्त्री ' यहापर ' वज़ ' यह राब्द ' अलो' कहिये स्त्रीलिंग नहीं है ऐसा इस 'वज'शय्दको सीलिगत्यका निपेध होनेपर वाकी रहे पुटिग और नपुसकलिङ्ग इस'वज्ञ' शब्दके हैं ऐसा जानना और जहा। जिस शब्द-के पीछे 'तु' यह शब्द होवे तहा उस तु-शब्दके प्रथम जो शब्द है।वे उसका पर्या-यवाचक शब्द केवल उस तु-शब्दके पीछे पढा हुआही शब्द होता है उसे पहला शब्द उस ' तु ' के पहले पठित किये शब्दका पर्यायवाचकरान्द नहीं होता रे. जैसे—' नगरी त्वमरावती ' यहापर ' तु ' यह जो राष्ट्र पठन किया है इसके इर्न पठित जो ' नगरी' राय्द है उसका पर्पा-यअर्थवोधक राष्ट्र ' स्मरानती ' पट रे. इस तु -रान्यदो कथन परनेसे 'नगर्ग' इसका सम्प " अम्यन्ती " इसमे होताते. डस 'नगरी' राष्यने प्रथम पटिन 'हकाणी' राव्यमें नहीं होता है. यह 'तु ' अन्में किनने हैं ऐसे नामपूर्ण व्यवसार हो. अन इसीरी प्रजासी 'तु' । जिसने अली

है ऐसा टिंगवाचक पढ, सर्वनामसंत्रक पढ श्रीर अव्ययसज्ञकपट इन पटौंकाभी संबंध रस तु–शब्दके पीछे पढे हुए शब्दमें ही होता है. जैंस-'पुमि त्रनाविः' यह ' पुसि' इस छिगवाचकपटका 'अन्तार्धः' इस पटमे सबंध हुआ. और तस्य तु द्रिया यहा 'तस्य ' इस सर्वनामसक्रक पटका तु-शब्दकं पीछे पठित प्रिया-शब्दमं संबंध हुआ. थार ' वा तु पुनि ' यहापर 'वा' इस अव्ययसंद्रक पदका नु— शब्दके पीछे पठित 'पुसि' इसमें सबब हुआ, इस प्रकारसे सर्वत्र तु-शब्दके विपयमें जानना. और इस कोशमें जहापर जिन शब्देंकि प्रथम 'अय' यह शब्द होते. वहा उस अथ--शब्दके पीछे पठिन नान-पद, छिंगपद, सर्वनामपद, और अञ्ययपद इनका सबन्व उस अथ—के प्रथम पिटन शन्टोंमें नहीं होता है ती उन अय-शब्दके पाँछे पठित शब्दोंका सबन्य अय-शब्दके पीछे पठित शब्दोमेंही होता है. र्जसे—' जनोऽय शींत्र त्यारेतम् ' यहापर अथ-रान्डके पींछे पठित 'शींत्र' इस नामपदका सेव्नव उस अथ-के प्रथम पठिन जन-शब्दमें च्हीं होताह कितु अथ-शब्दके पाँछे पटिते ' शांत्र ' इस नामप-

दता महारा उम अन पिठन ' तार्गनम् ' ' ह्यु ' ' अग्ग '' द्वुतम ' इन ०. ऐसेटो-'गम्य चाय थि। द्रेन अय-राज्यंत पाँछ परिन ['] विगवाचक पटका स्थर पुष्य, सुरा आदिक पटाँमें नव उस अथ-के प्रथम पील ' इसमें सबब नहीं होताहै. अर 🔻 शब्दके बदलेमें कहीं की . कहा हाय बहामी इसीही करार जाननी जैसे—' अनुत्रोहो।ऽज्ये यहापर अथो-इस शब्दके फें े हम ' इस नामपढका स^{ब्रब} र^{न्हे} पिटेन ' हाम'' हास्य ' इन २४८ है. उम अयो-राज्यके प्रधन अनुकोश—राव्डमें नहीं हो^{ता है} प्रकारने व्यवस्था इस कोशमें की

स्वरव्ययं ्रं विशेष विद्शालयाः ॥ छ^छ धोदिवो दे स्वियां क्र^{विशि}

प्टपम् ॥ ६॥

जिज्ञास्जनोने जाननी ॥ ५ ॥

इति परिभापा।

वर्गके नाम ९॥ त्यर् १ स्तर्ग १ ३ त्रिदिव ४ त्रिदशालय ५ सुरलोक ॥ ७ दिव् ८ त्रिविष्टप ९॥ ६॥ गरा निर्जरा देवास्त्रिद्शा ग्रधाः सुराः ॥ सुपर्वाणः गनसिख्यदिवेशा दिवोकसः ७॥ आदितेया दिविषदो वा अदितिनन्दनाः ॥ आन्त्या ऋभवोऽस्वमा अमर्त्या मृतान्धसः ॥ ८॥ बाईर्मु-।ः ऋतुसुजो गीर्वाणा दा-गरयः ॥ वृन्दारका दैव-नि पुंसि वा देवताः स्त्रि-।म्॥ ९॥

देवताओं के नाम २६॥ अमर १ निर्जर
देव ३ त्रिदश ४ विद्युध ५ सुर ६ सुप६ ७ सुमनस् ८ त्रिदिवेश ९ दिवीस् १०॥ ७॥ आदितेय ११
विपद् १२ लेख १३ आदितिनन्दन
४ आदित्य १५ ऋमु १६ अस्यप्न
७ अमर्त्व १८ अमृतान्यस् १९॥८॥
विमुख २० ऋतुमुज् २६ गीर्याण २२
विमारि २३ वृन्दारक २४ दैवत २५
विना २६॥ ६॥

आदित्यविश्ववसवस्तुषिता-भास्वरानिलाः ॥ महारा-जिकसाध्याश्च रुद्राश्च गणदे-वताः॥ १०॥

गणदेवताओके नाम ९ ॥ आदित्य (बारह) १ विश्व (तेरह) २ वसु (आठ) ३ तुपित (छत्तीस) ४ आभास्वर (चीसठ) ५ अभिठ (उनज्ञास) ६ महाराजिक (दोसी बीस) ७ साध्य (बारह) ८ रव (ग्यारह) ९ ॥ १० ॥

विद्याधराप्सरोयक्षरक्षोगन्धर्व-किन्नराः ॥ पिशाचो ग्रह्मकः सिद्धो भूतोऽमी देवयोनयः११

देवताओंकी जातिके मेद १०॥
विद्याधर १ अप्सरस् २ यक्ष ३ रक्षस् ४
गन्धर्व ५ किन्नर ६ पिशाच ७ गुर्धक ८
सिद्ध ९ मृत १०॥ ११॥

असुरा दैत्यदैतेयदनुजेन्द्रारि-दानवाः ॥ शुक्रशिप्या दिति-सुताः पूर्वदेवाः सुरद्विषः १२॥

दैत्योंके नाम १०॥ असुर १ दैत्य २ दैतेय ३ दनुज ४ इन्द्रारि ५ दानत ६ गुक्राराज्य ७ डितिसुत ८ पूर्वदेव ९ सुर-रिष् १०॥ १२॥ (2)

सर्वनः सुगतो घुन्नो धर्मगान-स्तथागतः॥ समन्तभद्रो भगता नमारजिल्लोकजिजिनः ॥ १३॥ पडभिजो दशवलोज्जयवादी विनायकः ॥ मुनीन्द्रः श्रीयनः

शास्ता मुनि:-बुद्धके नाम १८॥ सन्छ १ मगन २ नुज २ वर्मराज ४ तथागत २ समन्त्रभद्र ९ भगवत् ७ मारजित् ८ त्रोकतित् २ पिन १०॥ १२॥ पटमित ११ इस्वर र अद्भवादिन् १२ क्षिमापम (४ अस ३ 🞙 ९ श्रीपन (६ शास्तु १० मुन १४ 🖰शाक्यमुनिम्तु यः ॥ १४ ॥ सशाक्यसिंहःसर्वार्थिसिद्धः भौ होदनिश्च सः॥ गानमश्रार्कव-खुश्चमायादेवसित्य मः॥१६॥ शाक्यसिह्कं नाम आशाकागुन गक्यमिह २ सर्वार्थामद ३ वादणान ४ ौतम ५अर्कवन्यु६मायादेवीनुत्र सार्यः। ह्मात्मभूः सुरज्येष्ठः परमष्ठी ^{थ–३} पहः॥ हिरण्यगर्भो लोके-^{मपदका सः}भृ्बनुराननः ॥ १६ ॥

ग-राज्यमे नहिन्द्रिणोविगिधिः

'एड्डिघि: 'आ

शब्दके पाँछे पठित गष्टा प्रजापतिर्वे-

गमम् २ स्पर्ने १ - क्लिन मार १ विकास है किया है सन्यास्य भारति। १०५१-११ मी । १५ विकास रेड सङ्गर न मानि दि विसार् / रामार्थिति विष्युर्नागयणः कृणोः विष्टरश्राः॥ दामोद्रौः गः केशवो माधवःम्ब^{ह्या} दत्यारिः पुण्डरीकाक्षी न्दों गमड-वज्ञः॥ भीताल त्युनः शाहीं विकासी^{तीः} देनः ॥ १८ ॥ उपे प्रद्या^श थक्रपाणि धनुर्भुजः ॥ ५४′ मञुग्पिर्यास्टबिविक्रम् द्वकीनन्द्रनः गौरिः ^{श्री} पुरुषोत्तनः ॥ वनमाली व ध्वसी कसारातिरधोक्ष^{त्रह}ें, विश्वम्भगः केटमजिडिंधः" त्सलाञ्छनः॥ सिं। नगरनगनन नागाम २ हुए। २ रहाई -वत ५ दाणाच्य ५ द्वाक 🔭 मारा ९ वन् (० । १८। वि काक्ष १२ गोनिट १२ गरुउष्पंज गीताम्बर १९ अन्युत १६ गार्जिन् विष्यस्तेन १८ जनार्डन १९॥१९॥ २० इन्द्रागरज २१ चक्रपाणि २२ गुज २२ पग्नाभ २४ मधुरियु २९ व्य २६ त्रिविक्रम २७॥ २०॥ नेन्छन २८ शीरि २९ शीपित ३० त्रम ३१ वनमाहिन् ३२ वहिष्यसिन् कसाराति ३४ अधोक्षज ३९॥२१॥ भर ३६ केटभजित् ३७ विधु ३८ सहाज्ञ्छन ३९॥

देवोऽस्य जनकः स एवान-कदुन्दुाभिः॥ २२॥

वसुदेवजीके नाम २ ॥ वसुदेव १ किंदुन्दुभि २ ॥ २२ ॥

प्रमद्रः प्रलम्बद्दी बलदेवीप्रताय्रजः ॥ रेवतीरमणोराकामपालो हलायुधः॥२३॥
लांबरो रोहिणेयस्तालाङ्को
सली हली॥सङ्कर्षणः सीरपाः कालिन्दीभेदनो बलः २४
बल्देवजीके नाम १७॥ बल्मद्र १
म्बा २ बल्देव ३ अन्युताप्रज ४ रेवमण ९ राम ६ कामपाः ७ हलामुध
॥ २३॥ नीलान्बर ६ र्राहिणेय ६०

ताता है १ मुसिन् १२ हिन् १३ सक्तर्भण १४ सोरपाणि १५ कालिन्दीभे-दन १६ वल १७॥ २४॥

मदनो मन्मधो मारः प्रद्युम्नी मीनकेतनः ॥ कन्द्रपे द्र्पकोऽ नङ्गःकामः पश्चशरः स्मरः २५॥ शम्बरारिर्मनसिजः कुसुमेषुर-नन्यजः॥पुप्पधन्वा रतिपतिर्मन करध्वज आत्मभूः॥ २६॥

व्रह्मसूर्ऋप्यकेतुः-

कामदेवके नाम २१॥ मदन १ मन्म-ध २ मार ३ प्रग्नुन्न ४ मीनकेतन ९ कर्न्दर्प ६ दर्पक ७ अनङ्ग ८ काम ९ पञ्चशर१० स्मर ११॥ २९॥ शम्बरारि १२ मन-सिज १३ कुसुमेषु १४ अनन्यज १९ पुष्पधन्वन् १६ रितपित १७ मकरम्बज १८ आत्मभू १९॥ २६॥ ब्रह्मसू २० ऋष्यकेतु २१॥

—स्यादिनिरुद्ध उषापतिः ॥ अनिरुद्धके नाम २ ॥ अनिरुद्ध १ उपापति २॥

लक्ष्मीः पद्मालया पद्मा कमला श्रीहीरित्रिया॥ २७॥

टश्मीजीके नाम ६॥ टश्मी १ पमा-टया २ पमा ३ कमटा ४ श्री ९ हारे-प्रिया ६॥ २७॥ शङ्खो लक्ष्मीपतेः पाञ्चजन्यः-विष्णुभगवान्के शहका नाम १॥ पाञ्चजन्य १॥

—चक्रं सुद्र्नम्॥

विष्णुभगवान्के चक्का नाम १ । सुद्दीन १ ॥

कोमोदकी गदा-

विष्णु भगवान् की गडा का नाम १॥ कीमोदकी १॥

-खड़ो नन्दकः-

विष्णुके खड़का नाम १॥ नन्दक १॥ न्कोस्तुभो मिणः ॥ २८॥ विष्णुको मिणका नाम १॥ कीम्नुभ १॥ २८॥

गरुत्यान्गरुडस्ताक्ष्यों वेननेयः खगेश्वरः ॥ नागान्तको विष्णु-स्थः सुपर्णः पन्नगाशनः॥ २९॥

गम्डजीके नाम ९॥ गम्मन् ग्रम्ड २ तार्स्य ३ वैननेय ४ खगेश्वर ६ नागान्तक ६ विष्णुरथ ७ सुपर्ण ८पन्नगाद्यन् ९॥ २९॥ शम्स्र रीशः पशुपतिः शिवः श्र-ली महेश्वरः ॥ ईश्वरः शर्व ईशा-

ला महश्वरः ॥ इश्वरः शर्वर्डशा-नः शङ्करश्चन्द्रशेखरः ॥ ३० ॥ भृतेशः खण्डपरशुगिरीशो गि-

रिशो मृडः॥ साः पिनाकी उत्रः कपदीं श्रीकणः ण्टः कपालभृत ॥ हादेवो विक् रिशा कृशानुरेताः सर्वनो ४ ललोहिनः॥ हरः गृह्यम्बकित्रपुरान्तकः॥ गृह्यप्रविद्यास्तिपुरान्तकः॥ गृह्यप्रविद्यास्तिपुरान्तकः॥ गृह्यप्रविद्यास्तिपुरान्तकः॥ गृह्यप्रविद्यास्तिपुरान्तकः॥ गृह्यप्रविद्यास्तिपुरान्तकः॥ गृह्यप्रविद्यास्तिपुरान्तकः॥

शिवजीके नान ४८॥ शन्तु १६ पशुपति २ शिव ४ शूलित् १ विव ४ शूलित् १ विव ४ शूलित् १ विव ४ शूलित् १ विव ४ शूलित् १ विव ४ शूलित् १ विव ४ शिक्षा १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव १ विव

उम्र २१ कपांटेन् २२ भ्रोज्ज गितिकण्ठ २४ कपालभृत् २५१ २६ महाठेच २७ विरूपाक्ष २८ हे २९ ॥ ३२ ॥ जञानुरतन् ३१ २१ बुर्जिट ३२ नीज्लोहित १

३४ म्मरहर ३९ मर्ग ३६ त्र्यः त्रिपुरान्तक ३८॥ ३३॥ गगाः ्नारेषु ४० कतुष्वतिन् ४१ द्याप्यज - त्योमकेन ४३ भव ४४ भीन ४९ - गु ४६ रद्र ४७ डमापति ४८॥३४॥

क्षपदोंऽस्य जटाजृटः-

'रिवर्जाकी जटाज्हका नाम १॥ व्हे १॥

:-पिनाकोऽजगवं धनुः ॥

रिवर्जाके धनुस्के नाम २ ॥ पिनाक

अजगन २॥

भिम्थाः स्युः पारिषदाः-रिवजीने पार्षदोकेनाम २ ॥प्रमय ६

रेपद २॥

वासीत्याद्यास्तु मातरः॥३५॥ वासीमाहेश्वरी चैवकामारी प्णवी तथा॥ वाराही च तथे-द्राणी चामुण्डा सप्तमातरः॥''

मार्ता शादि राक्तियोक्षे नाम ७ ॥ एवं १ मारेश्वले २ कीमार्त २ कीमार्व भारती ५२ मारो ६ पासुराम ७॥१९॥

विभृतिर्भृतिरैश्वर्यम्-देशकी राज २॥ जिल्ली १ जूले १ देलकी २॥

−ञणिमादिकमष्ट्रथा ॥ ' अणिमा महिमा चेदगरिमा लघिमा तथा॥प्राप्तिः प्राकाम्य-मीशित्वंवशित्वंचाष्ट्रसिद्धयः''

ऐस्रकि भेद ८॥ अणिमन् १ महि-मन् २ गरिमन् ३ लियमन् ४ प्राप्ति ६ प्राकास्य ६ इशिन् ७ वशिन् ८॥ उमा कात्यायनी गौरी काली हमवतीश्वरी ॥ ३६॥ शिवा भवानी हद्राणी शर्वाणी सर्व-मङ्गला ॥ अपर्णापार्वती दुर्गा मृडानी चण्डिकाम्बिका॥३०॥ ''आर्या दाक्षायणी चैव गिरि-जा मेनकात्मजा॥''

पार्वतिके नाम २१॥ उमा १ दाना-वनी २ नीरी २ साली ४ हैमानी ५ हेमनी ६॥ २६॥ निज ७ मजनी ८ नाकी ६ सर्वाणी १० स्थीना ११ वर्षा ६२ पार्विते १२ दुर्ग १४ मान्से १० चित्रक १६ व्यक्तिया १०॥ २०॥ आर्च १८ वारावर्ग १६ निर्देश २० मेनकारण २१॥

विनायको विद्यालद्वमानुरग-णाधिषाः॥ अप्येकद्वन्तेरम्ब-लम्बोद्रगजाननाः॥ ३८॥

الم يشمية المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة المستمدة المستمدة المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25) المستمدة (25)

कार्तिकयो महासेनः श्रानतमा पडाननः ॥ पार्वनीनन्दनः स्क-न्दः सेनानीर्श्विभर्गृहः ॥ ३९॥ बाहुलेयम्नार्कजिद्धिशायः शिखवाहनः ॥पाण्मातुरः श-किथरःकुमारःक्षीयद्याणः ५०

म्यामिकासिके ने नाम १०॥ कारि केय १ मरामेन २ अग्यन्यन् ३ प्राप्तन् ४ पार्वनानन्द्रम ९ स्तर् १ रेन्तानी ७ अग्निन् ८ गृह ९॥ २९॥ बार्डिंग १० तास्क्राजित् ११ विशास १२ विशिधान्य १२ पाण्यातुर १४ शक्तिवर १२ वृगाव १६ क्रीबदारण १७॥ ४०॥

इन्द्रो मरुत्वान् मचवा विद्या-जाः पाकशासनः ॥ युद्धश्रवाः श्रुनासीरः पुरुहूतः पुरंद्रः ४१ जिण्युलें वर्षभः शक्तः शतमन्यु-देवः तिः ॥ सुत्रामा गोत्रभि-द्रजी वासवो युत्रहा युपा ४२ ॥ वास्तोष्पतिः सुरपतिर्वलारा-तिः शचीपतिः ॥ जम्भभेदी ह-रिह्यः स्वाराण्नमुचिस्द्नः ४३ संक्रन्दनो दुश्चयवनस्तुराषाण्मे-घवाहनः ॥ आखण्डलः सह-स्राक्षः ऋष्ठक्षाः-

- 3 , --- 11 --Transfer on 197 title and the first chashies and the season of the सम्बद्धः संस्थातः हिन् माना १८ जाना १० मान ३० नाम होत्यादि करे सम्बद्ध हैं। २० स मेवति २४ एको लिए रप २६ गागा २ । स्प्री 用的用框框的软件 नुगमार् ३२ मेरतान ३१ ३३ सन्ता। ३४ सम्बि -नम्य नु त्रिया ॥ ^{४१ ॥} पुलोमजा शचीन्हाणी अस्तरणीके नाम ३॥ ४४ [॥]६० ? शना २ इन्द्राणी ३ ॥ -नगरी त्वमरावर्ती॥ ष्ट्रगुरीका नाम १॥ अनर^{्ट} ' हय उद्येःश्रवाः-अस्त्रे घोडेका नान १॥उर्व ^{४६८} -सूतो मातलिः-इन्ट्रके सारथीका नाम १ ॥ मार्त्_{रि} । -नन्दनं वनम् ॥ ४^{५ ॥} इन्द्रके वर्गाचेका नाम १॥नन्दन १॥३^६ ः यात्रासादो वजयन्तः-न्। ने धवरहरेका नाम १॥ वैजयन्त १॥ ्रेनयन्तः पाकशासनिः ॥ ्रेटिके पुत्रके नाम २ ॥ जयन्त १ भागनि २॥ ू वतोभ्रमानद्गेरावणाभ्रमुब-ूरः ॥ ४६॥ ्रात्ये ताप्रीये नाम ४ ॥ ऐगवन १ चानत् २ ऐगवण २ अध्ययक्तात्वे ४॥४६ ,देनी वजमधी रयान्छलिशं रुरंपविः॥शतकोटिः स्वरुः , यो दम्मोलिएशनिई योः ४७ त्यज्ञे नाम १० ॥हादिनी १ वन २ ा ६ निजन ४ पत्रि ५ शतकोटि ६ स्वरः होन्य ८ वरकोरि ९ समनि ६०॥४७॥ ्र<mark>ियोमयानं विमानोऽधीः</mark> विवानके वाग २ ॥ वोनवान १ וו דדונ -नारदालाः सुरर्पयः॥ मर्व किंत्वत है। विस्त हराते। , स्यारम्थर्का वेदनमा-

, -पीप्यमहां ख्वा॥ ४८॥

13.3.11.4.4

मन्दाकिनी वियद्गद्वा स्वर्णदी सुरदीधिका ॥

स्वगगगाने नाम ४ ॥ मन्दाकिनी १ नियदृहा २ स्वर्गेडी ३ सरदीविका ४ ॥ मेरुः सुमेरुईमाद्री रतसातुः सुरालयः ॥ ४९ ॥

नुमेन्दर्यको नाम ५ ॥ मेरु १ नुमेरु २ हेनाडि ३ रानसानु ४ सुराज्य ५॥४९ पर्धते देवतरवी मन्दारः पारि-जातवाः ॥ संतानः करुपवृक्षध पुंसि वा हरियन्द्रमम्॥ ५०॥

वेत्राकोके नाम ९॥ माजर ६ पार्च-जाताः ६ स तान ६ व ४४७ ४ ८०५-चन १॥ ५०॥

सनतामारी विधान:-و ما المناوي ما ما على الما من من في र्वशाप 🔨 🛚

-एवविवादियनी मृत्ये ॥ नामत्यार्वादनी उप्पायाधिने-थे। च ताइसी ॥ ५४ ॥

्रोतः २०११ । ५ शिसंबद्धन्यस्यः स्वेत्यः । इदंशीरावाः ॥

अप्सराओके नाम २॥ अप्सरस् १ स्व-वेंस्या २॥ वे उर्वशी आदिक अप्सराथेहैं॥

हाहाहूह्श्रेवमाद्या गन्धर्वास्त्रि-दिवौकसाम् ॥ ५२ ॥

गन्थनोंके नाम २ ॥ हाहा १ हूह २ थादि देनोके गर्भने हैं ॥ ५२ ॥ अग्निर्वेश्वानरो बह्निर्वीतिहोत्रो धनअयः ॥ कृपीटयोनिज्वेलनो जातबेदास्तनूनपात् ॥ ५३ ॥ अर्दिः शुप्ना कृष्णवत्मी शोचि-

प्रेश उपर्वधः ॥ आश्रयाशी वृद्धातुः कृशातुः पावकोऽ-नलः ॥ ५४ ॥ लोहिताश्ची नागुमवः शिवावानाशुशुक्ष-णिः ॥ दिर्ण्यरेनाहुतभुम्दह-

नां हव्यवाद्नः ॥ ५५॥ स-ताचिद्मुनाः शुक्रश्चित्रभानु-विभागुः ॥ शुचिर्ष्पिनम्-

१५ नाम ६३॥ अग्नि १ नेस्तानम ६ महिद्य ४ वनस्य ९ हमी-१ वि ३ महित्यू ८ तन्त-१ ६३॥ दिन्यू १० शुमन् ११

१८०६ १८०६ १८ असुन १८०६ १६ छाउन १६ छ्यान १८०४८ १९ ॥ ९४॥ रो(लें)हिताश्व २ देशास्त्र र २२आगुजुक्षणि,रं१िररोस

मुज्२ ५ दहन २ हिल्याहन २० सप्ताचिस् २८ दमुनस् २९ चित्रमानु २१ विभावसु २१ अधित ३४ ॥

-और्वस्तु वा ७ रिष्ट्र वडवानलके नाम २॥ॐ २ वडवानल २॥ ५६॥ रिद्रोजवीलनील ॥

शिखा स्त्रियाम् ॥
अग्निकी ज्यालोके नाम ९
कील २ ऑचम् ३ होने ४ ।
स्त्रिष्ठ स्फुिके

अधिकण २ ॥ —संनापः संज्वरःसर्गे गनापके नाम २॥^{मनाव} २॥ ९०॥ धर्मराजः पितृपनिः

पॅरनराट ॥कृतान्तं। १९ ना शमना यमरा^{हत्ताः} काळा दण्डधाः श्रा^{हं} रत्रनोस्तकः ॥ ाजिन नाम १४ ॥ धर्मनाज १ २ समर्थानन् ३ परेतराज् ४ ९ टमुसाधानः ६ शमन ७ यम-पम ९॥ ९८॥ काल्य १० दण्द-१ प्राप्टेय १२ विषयतः १३ १४॥

१६ ॥

१६ माणपः ऋव्यात क
१८ माणपः आश्ररः ॥ ५९ ॥

वरा रात्रिचरः कर्नुरो नि
मजः ॥ यातुधानः पुण्य
नर्मता यातुरक्षसी॥६०॥

असंके नाम १९ ॥ गक्षम १ कीणपः

गद् र प्राचाव १० मन्य ९ क्रिन

एयामव १० वातुधान ११ एप्य
१६ निर्मत १६ वातु ११ मन्य

१६०॥

त वरणः पाशी यादसां रप्पतिः॥

रणेत्याय ६ ॥ श्रीताम् १ तता ६ य ६ याणायति ॥ ६ तति ६ ॥ नः स्पर्शनो बाग्रुमीनदिश्वा सानिः ॥ ६१ ॥ वपारशो स-तो सम्प्रदासानिताश्याः॥ सरमारतमर्वासानाश्यास्त

मीरणाः ॥ ६२ ॥ नभस्वद्वात पवनपवमानप्रभञ्जनाः॥

वापुकं नाम २०॥ इन्सन १ स्पर्शन
२ वापु ३ मार्तारव्यन् ४ सदागति ९॥६१॥
पृषदव्य ६ गन्धवह ७ गन्ध्वाह ८ स्निल
९ व्याद्या १० समीर ११ मारत १९
मन्त् १२ जगन्प्राण १४ समीरण १९॥
॥ ६२॥ नमस्यत् १६ वात १७ पत्रन
१८ पत्रमान १९ प्रभणन २०॥
माणोऽपानः समानश्रीदानट्यानो च चायवः॥ ६३॥

जवः-निकेशन ५ ॥ रहन् १ नस्य स्थ इ.सम्१६ स्म ६ ॥

-सप्रशितं न्यर्तं तर्व जिल्ला इनत् ॥ ६४ ॥ सन्दर्गे चपर्व तृष्ठं स्वित्ति विन्नसार्व च ॥ द्वीयनांक नाम ११॥ १८ । १८ । १८ । २ तपु २ तिम ४ व्या १ त्वा १॥ १८ ॥ सन्दर्भ नाम ११॥ भाग ११॥

सततानारताश्चान्तसंनतातिर तानिशम्॥ ६५॥ नित्यानतः रताजस्रमपि-

निरन्ताके नाम ९॥ महा १ तना रत २ अश्रान्त ३ मनान ४ जीवन ९ अनिश ६॥ ६९॥ निय ७ जनावत ८ अजल ९॥

-अथातिशयो भरः॥ अतिवेलभृशात्यर्थानिमात्रोहा दृनिर्भरम्॥६६॥तीत्रेकान्ननि तान्तानि गाढवाढददानिच॥

वारम्यारके नाम १४॥ अनिशय १ भर २ अतिवेळ २ भृश ४ अन्पर्थ २ अनि-मात्र ६ उद्गाढ ७ निर्भग ८॥ ६६ ॥ तीव्र ९ एकान्त १० नितान्त ११ माट १२ वाढ १३ इड १४॥

क्कीबे शीघ्राद्यसत्त्वे स्याचिप्वे षां सत्त्वगामि यत् ॥ ६७ ॥

भाषा-अद्रव्यवाची शीव्रआदि शब्द नपुसक लिगमे होते हैं आर द्रव्यवाची तीनी लिङ्गोंमे होते हैं॥ ६७॥

व्याप्त ।।

गतगता प्रतिकः

निट्टारी विश्वाः

नगाहनः ॥

रहशेष्ट्राण्यत्रस्याः

कति सम १०॥ हुन । सम र स्थान कर्मितम ॥ मेन् राजा के गमान ७ र ॥ ६८ ॥ क्लिंग ९५ मा भी प्रत १२ माहन १२ मा भित १४ मेज १४ १५ और ११ मनेरम १७ ॥ ६९॥

अस्योद्यानं चेत्रयम् कुंतरं त्रगालिकानाम १॥केन —पुत्रस्तु नलक्त्यः॥ कुनेरके पुत्रका नाम १॥ कार्क केलासः स्थानम्-कुंतरके स्थानका नाम १॥ केन —अलका पः-कुंतरकी पुरीका नाम १ अहम्। —विमानं तु पुष्पकम्॥

् कुवैरके विमानका नाम १॥५ १॥७०॥ ातिकत्ररः किम्पुरुषस्तुरङ्ग-नो मग्रः॥

कित्तरोकेनान ४॥ कित्तर १ किन्यु-२ तुष्क्रवदन २ मयु ४॥ निधिनो शेवधिः-

ानाधना शवाधः— खजानेकेनाम २॥ निधि १ रोवधि २॥ दाःपद्मशाङ्खाद्योनिधेः ७१ जानेके भेद॥ पद्म १ राह्नेह्लादि॥ ७ १॥ इति स्वर्गवर्गः॥ १॥

अथ व्योमवर्गः २.
दिवा द्वे ख्रियामश्रं व्योम

तरमम्बरम् ॥ नभोन्तरिक्षं

तमनन्तं सुरवर्त्मखम्॥१॥

यद्विष्णुपदंवा तुपुंस्याकाश
हायसी ॥ विहायसोपि नापिर्मुरिष्स्यात्तद्व्ययम् २॥

थाकाशके नान १९॥ चो १ दिव् २

३ व्योनन् ४ पुष्टर १ कम्बर ६

इ ७ अन्तरिक्ष ८ गगन ६ अन्तर्

पद्मोऽतियां महापद्माः सङ्खो मकरकच्छतो। न्दलन्दलीलाध खर्दय निधयो नव ॥ इति सर्गवः ॥ मापा॥ पद्म १ महापद्म २ सातः र ४ कच्छप ५ सङ्ग्द ६ कुन्द ७ मील ८ र ९ यह नी खलानेके मेद है। विष्णुपद १४ आकाश १९विहायस् १६ विहायस १७ नाक १८ दुस् १९॥२॥ इति च्योमवर्गः॥२॥

अथ दिग्वर्गः ३. दिशस्तु ककुभः काष्ठा आशा-श्रहरितश्र ताः॥

दिशाओं ने नाम ९ ॥ दिश् १ ककुम् २ काष्टा ३ वाशा ४ हारेत् ९ ॥ प्राच्यवाची प्रतीच्यस्ताः पूर्वद्-क्षिणपश्चिमाः ॥ १ ॥ उत्तरा दिगुदीची स्यात्-

पूर्विदेशाका नाम १ ॥ प्राची १ ॥ दक्षिण दिशाका नाम १ ॥ अवाची १ ॥ पश्चिमदिशाका नाम १ ॥ प्रतीची १ ॥ १ ॥ उत्तरदिशाका नाम १ ॥ उदीची १ ॥

-दिश्यं तु त्रिषु दिग्भवे ॥
दिशोपनवस्तुना नाम १॥ दिश्य १॥
इन्द्रो विद्यः पितृपतिनैर्ऋतो
वरुणो मरुत्॥२॥ कुवेर ईशः
पतयः पूर्वादीनां दिशां क्रमात्॥

द्विदिशांक स्वामीका नान ॥ इन्ह १॥ व्यक्तिगिके स्वामीका नाम ॥ विह १॥ दिक्षणिदिशांके स्वामीका नाम ॥ यमराज १॥ विश्वस्थ कोगके स्वामीका नाम ॥

क्षात्तां , साम १० मा १० मा १०० २ स्यु ३ दिवापाम २ त्र । मा १ मा सम्बद्धा मा १८ त्य १, त्या १ - ११ २ साम ११ मा

सततानारताश्रान्नगंतनातिर तानिशम्॥ ६५॥ निन्यानाः रताजस्त्रमणि–

सिरामेत्स्या २ ५ ००० । स्त २ अभ्रान्त ३ म्या १ ५ ५ ५ ५ ५ अनिस ६॥ १०० म

धजन ९॥

-अथानिशयो भगः॥ अनिवेलभृशान्ययोनिमा एउट दनिर्भरम॥६६॥चीत्रकान्यदेव तान्नानि गाट्याहर्णादेव

नाम . ; . भारा २ . इ. . .

मात्र ६ उङ्गाहा तात्र ० ए 🔑 📝

१२ बाट 🔑

े शीष्ट्राद्यसम्बं स्पादिना सन्त्वमामि यत् ॥ ६०॥

भाषा- ः नपुसक विकास स्था

' रिङ्गोम होने हा। ६०॥

नं का सम्मान गर्भोतः स्वर्षः भागस्य भागस्य । भागस्य भागस्य भागस्य ।

ितंत्र्ये देणणाः वं सम्बादनः ॥ गर्भे दि कः विद्याणस्त्रेत्रेणाः ॥

वास्तरिकास्त्रिकाः रात्राच सम्प्रायकाः स्टिन्डर्ग राज्यस्य स्टिन्डर्गिकाः राज्यस्य स्टिन्ड्

१ ४२ त्यां प्रतिहरू १ ११ १४ १४ १४ १४ १ १ १ १९२५

अस्पोत्रानं चैत्रस्यः - व्यास्त्रनाम् (॥^{१८} पन्यन्तु नलक्त्रसः॥

. स्टानम (॥वर् हिलामः स्थानम

- अन्त्रका **पः**-

, त्यक्षा नाम र अर्ज -विमान तु पुष्पकम्॥ध

ायनाम (॥६ रायक विमानका नाम (॥६

16110011

तिक्तरः किम्पुरुषस्तुरङ्गनो मगुः॥
केलरोकेनाम १॥ किलर १ किम्पु२ तुर्इच्टन २ नयु १॥
निधिर्ना शेविधः—
एक जानेकेनाम २॥निधि १ होवधि २॥
दाःपद्मशङ्खाद्योनिधः ७१
। जानेकेभेद॥ पद्म १ होहुँ इत्यादि॥ ६॥
हित स्वर्गवर्गः॥ १॥

अथ व्योमवर्गः २.
दिवा द्वे ख्वियामभ्रं व्योम
करमम्बरम् ॥ नभोन्तरिक्षं
गनमनन्तं सुरवर्त्मखम्॥१॥
गियद्विणुपदंवा तुपुंस्याकाश-वहायसी॥विहायसोपि ना-नेपि सुरपिस्यात्तद्व्ययम् २॥
अकारके नाम १९॥को १ विव् २
८५ २ ब्योनन् ४ पुक्तः १ ब्य्वर ६
नत् ७ अन्तरिस्त ८ गन्न ९ ब्यन्तर् १

१ पद्मोऽसिया महापद्माशह्यों नन्दन्यां। इन्दर्जन्दनीलाथ सर्वय निषयों नव ॥ इति रादार्षकः ॥ भाषा॥ पद्म १ महानद्म १ शस्तः कर ४ वच्छा ५ मुख्य ६ सुन्द ७ नीत ८

रवर्मन् ११ ख १२ ॥ १॥ विनन् १३

र वर्ष ९ यह नी खलानेके मेर है।

विप्गुपद १४ आकास १९ तिहायस् १६ विहायस १७ नाक १८ द्युस् १९ ॥ २ ॥ इति च्योमवर्गः ॥ २ ॥

अथ दिग्वर्गः ३. दिशस्तु ककुभः काष्टा आशा-श्च हरितश्च ताः॥

दिशाओं के नाम ९॥ दिश् १ कक्त्म् २ काष्टा ३ आशा ४ हरित् ९॥ प्राच्यवाचीप्रतीच्यस्ताः पूर्वद-क्षिणपश्चिमाः ॥ १॥ उत्तरा दिगुदीची स्यात्-

दूर्वदिशाका नाम १ ॥ प्राची १ ॥ दक्षिण दिशाका नाम १ ॥ अश्रची १ ॥ पश्चिमदिशाका नाम १ ॥ प्रतीची १ ॥ १॥ उत्तरिशाका नाम १ ॥ उदीची १ ॥

-दिश्यं तु त्रिषु दिग्भवे ॥ दिशोपन्यन्तुना नान १॥व्य १॥

इन्द्रो विहः पितृपतिनैर्क्तो वरुणो मरुत्॥२॥ कुवेर ईशः पतयः पूर्वादीनां दिशांऋमात्॥

दूर्वदिशांक स्वामीका नाम ॥ इन्ह्र १ ॥ व्यक्तिकोणके स्वामीका नाम ॥ व्यक्ति १ ॥ विक्रिणविद्यांके स्वामीका नाम ॥ यमगज १ ॥ वैक्ट्रिय कोणके स्वामीका नाम ॥

MALL POR MINISTER STATES

निर्मत १ ॥ या सर्गारणारे अत्यारण राम सम्या ॥ १ ॥ यात्र केर्यो आसाम आसा ॥ पान १॥ २ ॥ असम विद्याने आसाम आसा सुतेर ॥ १ ॥ असम व्याने असमान

(28)

नाम क्रिया १ ॥ ऐसावनः पुण्डरीकी वामनः क्-

सुदोऽञ्जनः॥ ३॥ पुण्यद्गनः सा-वर्सोमः सुप्रतीकश्च दिग्गनाः॥ पूर्व दिशाहे स्थान ग्रम्म ॥ १४००

१॥ अक्रिकोणके हस्ताका साम ॥ ४००० ह २ ॥ दक्षिण १००० हस्त ६ २० बामन ३ ॥ रेगर १००० हस्त ४

सुमुट ४॥ पायक १००० । अपन २॥ ३ ॥ ००० ०००

नाम || पुष्पत्त १ !! त्र करा ० क का नाम || स्पापनात्र ७ ! . . ०

हम्तीका नाम ॥ स्पृत्त र ८ । करिण्योऽश्रमुकपिलापिङ्गला-नुपमाः क्रमात ॥ ४ ॥ नाम्रकणी

शुभ्रदन्ती चाङ्गना चाञ्जनावती जपर लिखेहुये ऐसान अर्थः

 जिस्तयोकी हथिनियोक क्रमसे सम्म । जन्मसु कपिछा २ पिङ्ग्य २ अनुपमा ४ ॥ ४॥
 भि ९ श्रभदन्ता ९ अङ्ग्रह्म ।

. ते ९ शुभदन्ता ६ अङ्गना ७ तम्ती ८॥ क्तिया गर्भ स्पारित (में जे जिस्कि स्थिति। जोत्सा केरतसम्ब

१ । जो दा ६ ॥ ६ ॥ भारतम् नानागलन् भी । भागके नाम ६ ॥ १०००

भ ता १२॥ —त्रक्तवालं नु मञ्जलम्॥ ए। १६४ सम्बद्धानम् २॥१

1 to + + - 15 c

अभमेनांतारिताहःस्तनिः वैलाहकः॥६॥धाराधरेजि यरस्तदित्वान्वारिदोऽस्युक्ति यनजीस्तम्बिरजलसुग्यूम्पी

्रत्य १० ॥ अम १ हेर र र जारान र जाताक १॥ १ र र र र र र र ते र जीताक १० जीम् १०

- १ - १ च्यान १३ सम्योति १९॥ काट स्थिती । काट स्थिती स्थिमाली -र प्रत्यक्त नाम २॥ काद स्विती ।

स्पास्य २ ॥ सामारा २ ॥

-चिषु मेघभवेऽसियम् ॥ मना पन्नवस्तका नाम १॥ अभिवर्॥ . नितं गर्जितं मेघनिघोंषो सेतादि च॥८॥ गर्जनेके नाम ४॥स्तिनित १ गर्जित नेचनिचोंत १ रिनत्त ४॥८॥ स्पाशतह्नदाहादिन्यरावत्यः। गणप्रभा॥निडित्सादामनीवि-खिळाचपला अपि ॥९॥

विजुलीके नाम १०॥ शन्या १ शत-हा २ हाडिनी ३ ऐरावनी ४ क्षणप्रभा ९ ।डित् ६ सीदाननी ७ निष्ठुन् ८ चबली ३ चयला १०॥ ९॥

स्फूर्जथुर्वज्ञनियोंपी-

णक्ते शन्दकेनाम २॥ सङ्बंध १

यत्रनिर्वोप २॥

-मेघज्योतिरिरंमदः ॥ वज्के अप्रिक्त नाम २॥ मेवज्जीतेन्

तम्बद्दशः इन्द्रायुधं शक्रधतुम्बदेव ऋजु रोहितम्॥१०॥

इत्रप्रहारी नाम २ ॥ उत्रप्रहार १ राजप्रहार् २ सेहिन २ ॥ समा इत्रप्रहार-या नाम सेहिन है ॥ ६० ॥

यृष्टिर्वर्षम्-

क्षित्य २॥ ही १ वर्ष २॥ -तदिघातेश्याहाबन्नहाँ समा।॥

ह्नकेनाम२॥ सक्ताह १ अक्ताह २॥ धारासंपात आसारः−

निरन्तसेवचाराजे नाम २ ॥ धारास-म्यात १ आसार ॥ २ ॥

–शीकरोऽम्बुकणाः सृताः ११॥

बारुसे उडाँग हुर जडकरो। (कुहारी) जानाम १ शीकर १॥ १ १ ॥

वर्शोपलस्तु करका−

आकाशसे निरेहुर पथरोकेनाम २॥ वर्षोपक १ करका २॥

-मेघच्छन्नेऽहि दुदिनम् ॥ मेवने जान्छादिनमा हुग जिन्य-

त्रिम नम र ॥ दुर्विन १ ॥ अन्तर्था व्यवधा पुंसि त्वन्त-धिरपवारणम् ॥ १२ ॥ अपि-

धानतिरोधानपिधानाच्छादः नानिच ॥

हानने तम ८॥ ज्यानी १ जान १ ज्याने १ वराग्य १॥ १२॥ पीन बात १ विकास १ विकास १००० जान हिमां शुक्रन्द्रमाश्चन्द्रहन्द्रः सुमु-द्वान्धवः॥ १३॥ विसुः सुभां गुः शुक्रां शुरोषधीरो। निभापतिः॥ अङ्बो जैवातृकः सोमो ग्लार्मु-गाह्रः कलानि विः॥ १४॥ (50)

द्विजराजः शशधरो नक्षत्रेशः

क्षपाकरः॥ चन्द्रमाके नाग २० ॥ तिगांश १

चन्द्रमस् २ चन्द्र ३ उन्दु ४ कुमुदवान्या ५॥१३॥विधु६मुघागु७द्युभांगु८भोगनीय

९ निशापित १० अन्ज ११ जनातृक १२ सोम १३ ग्छी १४ मृगाः , १५ कलानिवि

१६॥१४॥ द्वियाज १७ ग्रांभर १८

नक्षत्रेश १९ क्षपाकर२०॥ कला तु पोडशो भागः-

चन्द्रमाके उहै वे भागका नाम ? ॥

कत्य १॥

-बिम्बोऽम्बी मण्डलं त्रिषु १५॥ चन्द्रमण्डलेक नाम २ ॥ विम्व /

मण्डल २ ॥ १५॥

भित्तं शकलखण्डे वा पुंम्यर्थः--खण्डके नाम ४ ॥ भिन । इक्तर २

खण्ड ३ अई ४ (पुरिया 👭

-अर्ध समें ऽशके॥

समनागका नाम (॥ अव / ना-

सक्तिंग) ॥

चन्द्रिका कौमुदी ज्यातन्त्रा-चादनीके नाम ३ ॥ चिन्डिका

री २ ज्योन्ह्या ३॥

–प्रसादस्तु प्रसन्नता॥ १६॥

निर्माणिनाग २॥ एक भाग २॥ १६॥ कलद्वाद्भी लान्छनं न

लक्षम च लक्षणम्॥

नितं नाम ६॥ फाउँ।

टाञ्चन 3 चित्र ४ लामन् ५ ला

सुषमा पर्मा शोभा-अनियोभाका नाम॥१॥कुन

-शोभा कान्तिर्द्युतिश्व^{द्या} ज्यामाके नाम ४ ॥ शोमा ।

२ मृति ३ छिति ४ ॥ १७॥

अवश्यायस्तु नीहारलुण

म्नुहिनं हिमम् ॥ प्रालेगं हि हिका च-

पारिके नाम ७ ॥ अवस्थान १० २ तुपार ३ तुहिन ४ हिम ९ प्रांते

िका जा।

-अथ हिमानी हिमसंहतिः! पांटेंक समहके नाम २ ॥ हिनां

हिमनर्शन २॥१८॥

शीनं गुणे-द्यांत उताका नाम १॥ <mark>गीत ^{१ ६}</mark>

-तद्रद्रथाः सुषीमः शिशिष

जडः ॥ तुषारः शीतलः शीती हिमः सतान्यलिङ्गकाः॥ १९॥ -पुष्ये तु सिध्यनिष्या-पुष्यनक्षके नाम २ ॥ गुप्प १ मिन स्य २ निष्य ॥ २ ॥

−श्रविष्ठया ॥ समा धनिष्ठा−

नः, अष्ट्रपदा साहपदाः ख्रियः ॥ २२॥

3 3 4

and the second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second s

्हिम ७॥ १९॥ अोत्तानपादिः स्याट्-व्यांके नाम २॥ ध्रव १ श्रीत्तान-

व्जॉके नाम २ ॥ ध्रुव १ श्रीचान-२ ॥ अगम्बयः कुम्भसम्भवः ॥

त्रावमणि:-कारा २३३ - जा

भैंव रोपामहास असिरी:

ख्यात स्ताराताका हा सियाम्॥ .

भ्यामका विकास

יי הניתנינ

∠ाषा विशामा

बृहस्पतिके नाम ९ ॥ बृहस्पति १ सुराचार्य २ गीप्पति ३ विपण ४ गुरु ९ जीव ६ आङ्गिरस ७ वाचस्पति ८ चित्र-शिखण्डिज ९॥ २४॥ सुक्रो दैत्यगुरुः काञ्य उशना भागवः कविः॥

शुक्रके नाम ६॥ शुक्र १ दित्यगु २ कान्य २ उशनस् ४ मार्गव ९ कवि ६॥ अङ्गारकः कुजो भोमो लो-हि ताङ्गो महीसुतः॥ २५॥

मगछके नाम ९॥ अङ्गारक १ कुज २ भीन २ छोहिनाज ४ नहीसुन ९॥ २९॥ रोहिणेयो सुधः सोम्यः-

तुनके नाम ३ ॥ रीहिणेय १ बुच २

-समी मीरिशनश्चरी॥
पानिकं नाम २॥मीरिश जनीश्वर २॥
तमान गद्धः स्वर्भानुः सिंहिके-यो विश्वन्तुदः॥ २६॥

राजिनाम १॥ तमस् १ सह २ रितंत्र १मिक्ति ४ मिक्तुह १॥ २६॥ रत्राच्यां मरीच्यत्रिमुखाश्चित्र-रिवण्डिनः ॥ मरीचि अति आदि तक चित्रीशिखण्डिन् ॥ १ ॥ राशीनामुद्यो लं राशियोके उदयका नान ॥ —ते तु मेषवृषाद्यः राशियोके नाम। मेप १ हम् १०

दिवाकराः। न्य क्ष्मि भानुईसः सहस्रांशुस्त्रम

विता रिवः॥
स्पंके नाम ३०॥ मृर १९
अर्ग्यमन् ३ आदित्य ४ द्वाद्यालः
वाकर ६ भाम्कर ७ अहम्मा १।
प्रभाकर १० विभाक्तर १२ ॥ ११

१ मर्गानगित्र अति पुल्य पूर्व विगष्टिश्चनि गर्मने ज्ञयानित्रनिगितः १ भाषा - मर्गानि १ अदिरम २ अभि ४ पुलह ५ फनु ६ त्रिष्ठ १ या गर्वे विगण्डी कहलाने हैं। न्यंकिरणके नाम ११॥ किरण १ उम २ मयूख २ ज्ञ्च ४ गमित ९ वृणि ६ रिम ७ भानु ८ कर ९ मरीचि १० डीधिनि ११॥ २२॥

स्युः प्रभारुग्रुचिस्त्विड्भाभा-श्छविद्युतिदीतयः ॥

रोचिः शोचिरुभे हीवेवीतिकेनाम ११॥प्रमा १नच् र निव १ विष् ४ मा ९ मास् ६ व्वि ७ वृति ८ वीति ९ गेचिन् १० गोचिस् ११॥ -प्रकाशो द्यात आनपः॥ ३४॥

भूपके नाम २ ॥ प्रकाश १ रोन २ आतप २ ॥ २४ ॥

कोप्णं कवोष्णं मन्द्रांप्णं कटु-

ण्णं चिषु तद्वति ॥ योदे गरमके नाम ॥ गोला ।

कोल्य २ मटोल्य २ वर्ग्य ४ ॥ तिग्मं तीक्ष्णं खरं तहन्-

बहुत संसदेशिक ६ छ िक १ ते ज

-मृगतृष्णा मरीचिवा॥३५॥

र्धायकेनामर भाषाचे राजानास्त्रम् -तदात्रमधिनाथमं द्रमंदः ॥ राष

भीतामा क्षणाराहात्वर हर घट्टो दिनाइनी या तु होते. दिवस्यास्सी॥

िनिक्त सम्बर्ग । १८८८ । १८८८ योग्स् वे दिल्लाका ।

प्रत्युषोऽहर्मुखं कल्यमय प्रत्युष सी अपि ॥ २ ॥

प्रभातं च-

प्रातान्यात्को नाम ६॥ ५५५० ० र्भुप २ कल्य ३ ल्ल्ल् ामृत्युप्त ५००

भात ६

ध्या पितृ-

दिनान्त -

8 II

The first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the first of the f

मा १६८ च्या १८८१ पण महिला १८३॥ विकास विकास स्वासी मिला

मग्रहण इंटियाणि भिल्ले विचनती के तरी सामिती सामक्ष्म स्थानिक स्थानिक सामक्ष्म स्थानिक स्थिति स्थानिक सामितिक सामिति स्थानिक सामितिक सामितिक

नामिका नामगी गानिन १००० व्यास्त्रीत

योज्ञी योन्द्रक्रमलित , , , , , । । १० आगामियनमानाहर्युकार

निज्ञिपिक्समा॥ • ॥ अस्तिके

गणगाच निशा महार्थः । । । । , , , , , , , , , , , ,

−प्रदोषा रजनीमुख्य्॥ गणक कार्यक्रमान रण

्व्यम्-। १ रजनानुस र त

₹

11

```
सा दृष्टेन्दुः सिनीवाली-
   जिनमे चतुर्दशीके योगमे चन्द्रमाका
दर्शन होय उस अमायास्याका नाम
लिनीबार्टी १॥
   -सा नष्टेन्द्रकला गृहः॥
   निसमे विरुक्तर चन्द्रदर्शन न होन
उस अमात्रास्याका नाम 🕻 ॥ तुह 🤾
```

उपरागां प्रहा राहुप्रस्ते त्विन्दाँ च पृष्णि च ॥ ९ ॥

सापप्रवापरका हो-

-अग्न्यत्यात उपातिनः॥

(२६)

तास्तु चिंशतक्षण:-

तीस कलाञाका नाम १॥ क्षण १॥

-तेतुमुहूर्तो द्वादशास्त्रियाम् ११ वारह क्षणोंका नाम १॥ मुहूर्त १॥११॥

ते तु त्रिंशदहोरात्रः-

तीस मुहूर्तांका नाम १ ॥ अहोरात्र १॥

-पक्षस्ते दशपञ्च च ॥ पद्रह दिनरातका नाम १ ॥ पक्ष १ ॥ पक्षो पूर्वापरो शुक्ककृष्णो-

पक्ष दो हैं २ ॥ शुक्र १ कृण्य २ ॥

–मासस्तु ताबुभौ ॥ १२॥ दो पक्षोका नाम १॥ मास १॥ १२॥

द्वो मार्गादिमासौ स्यादृतुः-मार्गर्शापीदि दो डो मासीका नाम १॥

मत्त्र १॥ े**प**नं त्रिभिः॥

त्रतुओका नाम १ ॥ अयन (॥ गतिरुद्रग्दक्षिणार्कस्य न ॥भार् २ भेट ॥ उत्तरायण ८॥

्रेश १३ ॥

अयंनोका नाम ११ केन्द्र १॥१३॥

ð.

जिसमे दिनरात समान हेते क्रान्ति (तुला और मेप) के

(1

विपुवत् १ विपुव २॥ मार्गशीर्वे सहा मार्ग अ

यणिकश्च सः॥ १५॥ अगहन महीनेके नाम ४॥ ५ सहम् २ मार्गा ३ आग्रहायणिक ४

पीषे तेषसहस्यो द्वी-यूसमासके नाम ३॥ पीप १तैपरहर

-तपा माघे-माघमानके नाम २॥ तपस् १

–अथ फाल्गुने II स्याचपस्यःकाल्गुनिक^ह फान्गुनमासके नाम ३ ॥ फान्फु

तपस्य २ फाल्गानिक ३॥ ∼स्याचेत्रे चेत्रिको मधुः॥^१ चित्रमासके नाम २॥ चैत्र १

२ मत्र ३ ॥ (३ ॥ वेशाखे माधवो राधः-र्वज्ञाग्वमासके नाम ३ ॥ वैजाए

-ज्यंष्ठे शुक्रः-व्येष्टके नाम २॥ व्येष्ट (ध्रक

−शुचिस्त्वयम् ॥ आपार्ट्र-

मावत २ राध ३॥

--- हमासके नाम२॥शुचि१आपाह २॥ 🟨 -श्रावणे तु स्यान्नभाः श्रावणिकश्च सः ॥ १६॥ श्रावणमासके नाम ३ ॥ श्रावण १ ्रि २ श्रावणिक २ ॥ १६ ॥ र्नभस्यः प्रोष्टपदभाद्रभाद्र-ीः समाः॥ ु, भाडो मासके नाम ४ ॥ नभस्य १ उपद २ भाव ३ भावपद ४॥ रादाश्विन इषोप्याश्वयजोऽपि-क्षासम्बद्धे सम ३ . जारीक र् अत्राम दे ॥ -स्याच कार्तिक ॥ १७ ॥ ीहलाजी कानिकिकः-्रें, बहारडनर्ज -हमस्तः-

Sह्या शरत्समाः ॥ २०॥

-गिगिगेऽस्त्रियाम

बसन्त पुष्पसमयः स्रभः-

-श्रीपा ऊपाकः॥ १८॥ निदाघ उप्णोपगम उप्ण ऊप्मा-गमस्तपः॥

ञ्चेष्ट आपाढके समयके नाम आप्रीप्म १ ऊप्मक २ ॥१८॥ निदाघ ३ उप्णोपगम ४ टप्पा ५ ऊप्मागम ६ तप ७ ॥

स्त्रियां प्राचृद् स्त्रियां भू स्निवर्षाः-मावन भाडोके ऋत्के नाम २॥ प्रावृट

१ वर्ष २ ॥ –अधशरत स्त्रियाम् ॥ १९

कार जातिराहे समयका नाम इस्ड / १९५

षदमी ऋतवः पुंसि मार्गादीनां यगः क्रमात्॥

संवत्सरी वत्सरोऽस्टी हायनी-

मासन स्यादहाराचः पदः-

–ৰুषेण देवन ।।

कांडी स्वार भागी अव पा कि पितिकारी ६ प्ति । उपा Mingry Colored to मास्ति ११ मी १९ मार ११ मा 41 (211 (11 भीर्भारणावनी सेवान ष 🖭 बाजो के प्रस्प रखना भ लुमिल नाम र ॥ मेना र ॥ -संकल्पः कम्भे मानगव् ॥ मनको कानका नाम १॥४५, ५१॥ चित्राभोगो मनग्तामः-िसा नम्नमे निस्ते तथा हा जाने के नाम २ ॥ निवामीम १ मन्यक्षा २॥ -चर्चा संख्या विचारणा॥२॥ विचारके नाम २॥ चनी १ सम्पार विचारणा ३ ॥ २ ॥ अध्याहारत्तकं ऊहः-अपूर्विचारके नाम ३ ॥ अध्यातार १ २ जह ३॥ विचिकित्सा तु संशयः॥ ी च-राद्दभे नाम ४ ॥ विचितित्सा न २ सदेह ३ द्वापर ४ ॥ –अथ समो निर्णयनिश्चयौ॥३॥ निश्चय २ ॥ ३ ॥

Espectate Colla 1 - 1 111 14 111 1 1 -1 -1 more filefore 1 1 70 2 11 मधी भिजानमाजानी ान रामान हैं में ते ने ने भिना ११ मन १२॥ -मान्निर्धाभगामनिर्मनः॥ भगते नाम द्वा भारत शि मीत र श्रम ३ ॥ ४ ॥ संविद्रागः मतिज्ञानं नियन श्रामंश्रमाः ॥ अज्ञीकागरः गमप्रतिश्रवसमाध्यः॥ ।। । धीजिंत नाम १०॥ सी आग् २ प्राधितान ३ निराम ४ आ 🖰 सश्चन ६ अगाहार ७ अन्तुवनम ८ ^{ही} अन ९ समाचि १०॥ ९॥ मोक्षे धीर्ज्ञानम मोक्षमे बुद्धिलगानेका नाम १॥ जन॥ १ अन्यत्रविज्ञानंशिल्पशास्त्र^{यो¦|}

मोक्षसे अन्यत्र शिटपविपा और शार्क बुद्धिल्गानेका नाम १॥ विज्ञान १॥

क्तिः केवल्यनिर्वाणश्रेयोनिः-यसामृतम् ॥ ६ ॥ मोक्षोऽपवर्गः-

मोद्धके नाम ८ ॥ मुक्ति १ कैवल्य २ वीण ३ श्रेयस् ४ निस्श्रेयस ९ अमृत ॥ ६ ॥ मोक्ष ७ अपवर्ग ८ ॥

−अथाज्ञानमविद्याहंमतिः स्त्रियाम् ॥

अज्ञानके नाम २॥ अज्ञान १ अवि-१२ अहम्मति २॥

इपं शब्दो गन्धरसस्पर्शाश्च वेषया अमी ॥ ७ ॥ गोचरा इन्द्रियार्थाश्च-

पद्मित्रपयोके नाम ५ ॥ रूप १ शब्द

रे गन्ध ३ रस ४ स्पर्श ५ ॥ ७ ॥ इतहे रूपरसादिका नाम ३ ॥ विषय

१ गोचर २ इन्द्रियार्थ २॥

-हपीकं विषयीन्द्रियम्॥

इन्द्रियके नाम २॥ हर्यांक १ विपान

२ इन्द्रिय २ ॥

कर्मेन्द्रियं तु पाय्वादि-

क्नेंन्द्रियोके नाम ॥ गुदा १ औदि ॥

१ पायूपस्ये पारिपादौ वात्रचेतीन्द्रियसप्तरः। भाषा-पायः १ उपस्य २ पारि ३ पादः ४ और पीर् ५ यह पाच कम्मोटियः है ॥

-मनोनेत्रादि धीन्द्रियम्॥८॥ इतिन्द्रियोके नाम २॥ मनस् १ नेत्र

२ आदि॥ ८॥

तुवरस्तु कषायोस्त्री मधुरो लव-णः कटुः ॥ तिक्तोम्लश्च रसाः प्रसि-

छः रसोके नाम ६॥ तुनर--कपाय १ मधुर २ छ्वण ३ कटु ४ तिक्त ५ अम्छ ६॥

-तद्भत्सु षडमी त्रिषु ॥ ९॥

कपाय आदि रसत्राचक शब्द यदि द्रव्यवाचक होये तो तीनों लिङ्गोमें होते हैं॥ ९॥

विमद्गित्थे परिमली गन्धे जन-मनोहरे ॥

मनुष्योके मनको हरनेवाडे विसनेसे उत्पन्न हुए सुगन्धका नाम १॥परिमङ्गा

^{चत्र} हुए चुनन्वका नान र ॥पास्नङ् र॥ - आमोदः सोऽतिनिर्हारी∽

अन्यत मनको हरनेवाङे सुगन्धिका नाम १॥ आमोद १॥

-वाच्य लिङ्गत्वमाग्रुणात् १०॥

यहाने टेकर "गुणे शुक्रादयः पुलि " इससे पहटे जो राज्य हैं वह वाचित्रिक्न अर्थान् विशेष्यरिक्ष होने हैं ॥ १०॥

१ सन कर्यस्या नेत्र रमना च सदा मर्। मानिज्ञ चैनि पद् तानि धीकियानि प्रचलने ॥ गया-सन १ वर्ष २ नेत्र ३ निहा ४ स्वचा ५ और नानिका यर ६ इनेन्द्रिय (कीन्द्रिय) है समाकर्पा तु निर्हारी-

दूर्ह्सि जिसकी गन्त्र ओ। उसके नाम २ ॥ समाकर्षिन् १ निर्हाग्न् २ ॥

–सुरभिर्घाणतर्पणः॥

इप्टमन्धः सुमन्धिः स्यात्-

अत्युत्तमगन्धके नाम ४ ॥ सुगि १ ष्राणतर्पण २ डप्टगन्ध ३ सुगन्धि ४ ॥ -आमोदी सुखवासनः॥ ११॥

मुखको सुगित्यतकरनेवाले नाम्बूल आदिकी गन्धके नाम २ ॥ आमोदिन् १ मुखबासन २ ॥ ११ ॥

प्तिगन्धिस्तु दुर्गन्धः-

हुर्गन्यके नाम २ ॥ पूतिगन्धि १ ॥ हुर्गन्ध २ ॥

-विस्नं स्यादामगिन्ध यत् ॥
कवे मासादिके गन्धका नाम १॥
१॥

.. दुर्गे विरादश्येत-७. भी १२॥ अवदातः सि-गौरो वलक्षो धवलोऽर्जुनः॥ उज्ज्वरुके नाम १३॥ शुक्र १ शुक्र २

श्राचि ३ स्वेत ४ विशद ५ स्येत ६ पाण्डर ७ ॥ १२ ॥ अवदात ८ सित ९ गीर १०

(अ) छक्ष ११ धत्रल १२ अर्जुन १३॥ हरिणः पाण्डुरः पाण्डुः∽ कुर्यो प्रामिनि हो ले .

२ ॥ मंग्य २ पागुर २ पार् १ पागुर २ पार् १ पागुर २ पार् १ पागुर २ पार् १ पागुर २ पार् १ मिलि उज्यासमा नाम ।

कुष्य २ ॥ १२ ॥

कुष्ये नीलासितम्य ।

स्यामलमेचकाः ॥

काले वर्णके नाम ७ ॥ ३ नील २ असिन २ स्याम ४ मिलि १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ पागुर १ प

पाता गोरा हारद्रामः पीछे वर्णने नाम २ ॥पीत १ है

हरिद्राभ ३॥

-पालाशो हरितो हरित्॥१ हरेवर्णके नाम ३॥ पालाग र १

२ हारेत् ३ ॥ १४ ॥ रोहितो लोहितो रक्तः

ठालवर्णके नाम ३॥ रोहित ^{१ है} २ रक्त ३॥

–शोणः कोकनदच्छिविः छाल कमलके समानवर्णके वान शोण १ कोकनदच्छिव २॥

अव्यक्तरागस्त्वरुणः-थोडे छालका नाम १॥ अरु^ग -श्वेतरुक्तस्तु पाटलः॥ १ मल्हुए सफेद और लाल्वर्णके नाम भारत १॥१९॥

िश्या**यः** स्यात्कपिशः– ^{हि}मिले हुए काले और पीले रंगके नाम

। स्याव १ किपिश २॥

भूमधूमलों कृष्णलोहिते ॥ मिलेंडुए काले और लालवर्णके नाम ॥ धूम १ धूमल २ कृष्णलोहित ३॥

्रडारः कपिलः पिङ्गपिशङ्गौ ृहिपिङ्गलो ॥ १६ ॥

्र वानरकेसे रगके नाम ६॥ कडार १ पेट २ पिङ्ग ३ पिराङ्ग ४ कट्ट ९ १ इट ६॥ १६॥

्षेत्रं किमीरकल्मापशवर्लेता-्रा कर्नुरे ॥

चित्रवर्णके नाम ६॥ चित्र १ किमीर २ ज्ञान १ शवल ४ एत ९ कर्चुर ६॥ गुणे शुक्कादायः पुंसि गुणिलि-इास्तु तद्वति॥ १७॥

नुणवाचक राज आदि राव्द पुष्टिंग ्रोते हे.कीर ब्रन्यवाचकराव्य ब्रव्यके अनु-सार विगमे होते हैं॥ १०॥

इति धीवर्ग ॥ ९ ॥

अथ शब्दादिवर्गः ६. ब्राह्मी तु भारती भाषा गीर्वा-ग्वाणी सरस्वती ॥

सरस्वतींके नाम ७ ॥ ब्राह्मी १ भार-ती २ भाषा २ गिर्गिरा ४ वाच् ९ वाणी-६ सरस्वती ७ ॥

व्याहार उक्तिर्लिपतं भाषितं वचनं वचः ॥ १॥

बोलनेके नाम ६॥ व्याहार १ उक्ति २ टिपत ३ भापित ४ वचन ५ वचस् ६॥१॥ अपभ्रंशोऽपदाद्दः स्यात्— अपभ्रष्ट अर्थात् व्याकरणकी रीतिसे अशुद्ध शब्दका नाम १ अपभ्रश्च १॥

-शास्त्रे शब्दस्तु वाचकः ॥ व्याकरणशास्त्रानुसार शुद्धशब्दकानाम १॥ शब्द ॥ १॥

तिङ्सुवन्तचयो वाक्यं क्रिया-वा कारकान्विता ॥ २ ॥

तिडन्तसुवन्ते समृह और कारय-युक्त कियाया नाम १॥ वाक्य १॥ २॥ श्रुतिः स्त्री वेद आस्नायस्त्रयी-

वेदके नाम ४ ॥ श्रुति १ वेद २ आसाय ३ त्रयी ४ ॥

-धर्मस्तु तद्विधिः॥

वेडमे कहोहुई सम्पातर्पण आदि हि-धिका नाम १॥ धर्म १॥ स्त्रियामृक्सामयजुषी-

वेटोके नाम २ ॥ ऋच् १ यजुस् २

ामन् ३॥

-इति वेदास्त्रयस्त्रयी ॥ ३॥ इन्हीं तीनो बेदोका इकहा नाम १॥

त्रयी १ ॥ ३ ॥

शिक्षेत्यादि श्रुतेरङ्गम्-

वेदके छ. अगोके नाम ६ ॥ शिक्षा १ कल्प २ व्याकरण ३ निरुक्त ४ ज्यो-तिप ९ छन्दस् ६॥

-ओंकारप्रणवी समी ॥

ओकारके नाम २॥ ओकार १प्रणव२॥

इतिहासः पुरावृत्तम्-

इतिहासके नाम २ ॥ इतिहास १

पुरावृत्त २ ॥

-उदात्ताद्यास्त्रयः स्वराः॥४॥ उदात्त अनुदात्त स्वरितका नाम १॥

स्वरशाशा

आन्वीक्षिकी दण्डनीतिस्तर्क-विद्यार्थशास्त्रयोः॥

तर्कविद्याका नाम १॥ आन्वीक्षिकी १॥

अर्थशास्त्रका नाम १ दण्डनीति १ ॥

आख्यायिकोपलब्धार्था-

िसक अर्थ जान हिया हो उस

💌 ू २ ॥ आख्यायिका १॥

िज्ञार्था २ ॥

-पुराणं पञ्चल**क्षणम्** №

पुराणोके नाम २ ॥ पुराण १ ः क्षण २ ॥ ९ ॥

प्रवन्धकल्पना कथा-

कत्यना करी हुई कादम्बरी आदि

के नाम २॥ प्रवन्यकल्पना १ कथा र

-प्रविह्नका प्रहेलिका **॥**

जिसके सुननेसे और मतल्व भ जाय और विचारकरनेसे दूसरा का

निकले उस (कहानी) के नान २॥ '

ह्रिका १ प्रहेलिका २॥

स्मृतिस्तु धर्मसंहिता-

धर्म जनानेको रचना किये हुए श्लेब के समृहके नाम २ ॥ स्मृति १ ध

सहिता २ ॥

-समाहतिस्तु संग्रहः॥६।

सप्रहके नाम २॥ सप्तादति १ स २॥ १॥

समस्या तु समासार्था-

जिसमे कुछ अर्थ पूरा किया जा उसके नाम २॥ समस्या १ समासार्था १॥

-किंवदन्ती जनश्रुतिः।

लोकप्रवाद अर्थात् दुर्यशके नाम २।

किनदन्ती १ जनश्रुति २ ॥

वार्ता प्रवृत्तिर्वृत्तान्त उदन्त

स्यात्-

व्यक्ति नाम ४॥ वार्ता १ प्रज्ञति २ त्त २ डदन्त ४॥ -अथाह्नयः॥ ७॥ एयाह्ने अभिधानं च नाम-यं च नामच॥ नामके नाम २॥ आह्म १॥ ०॥ राग २ अभिधान २ नामवेष ४ नामन् ९

हूतिराकारणाह्वानम्-एकारनेके नाम ३॥ इति १ व्यका-

णा २ स्पहान २॥

-संहूतिर्वहुिभः कृता ॥ ८ ॥ दुन जनोकरणे पुकारनेका नाम १॥ सहित १ ॥ ८ ॥

विवादो स्यवहारः स्यात्-निगडने नाम २॥ विशद १ व्यव-एर २॥

-उपन्यासस्तु वाङ्मुखम् ॥ अर्ताका प्रारम्भ न्यतेके नाम २ ॥ उपन्याम १ वार्मुक १॥

टपोद्धात टदाहार:-

को बात कार्ग गाँ। जाए उसके ट्य-मोर्गा बार्गिक समा २ उपगढात १ उपा-राप २ ॥

-शपनं शपधः प्रमान्॥९॥ र्यान सरोगेरान ६॥ स्पन् १ रायः ६॥६॥

प्रश्नोतुयोगः पृच्छा चप्रस्तके नाम ३॥ प्रश्न १ अनुयोग
२ पृच्छा ३॥
-प्रतिवाक्योत्तरे समे॥
उत्तरके नाम २॥ प्रतिवाक्य १

मिध्याभियोगोऽभ्याख्यानम्-ङ्ठेदोप लगानेके नान २ ॥ मिध्या-भियोग १ अभ्याख्यान २॥ -अथ मिथ्याभिशंसनम्॥१०॥

अभिशाप:-

मिंदरादिपान आदिका झूंठा दोप छगानेके नाम २ ॥ मिध्याभिशंसन १ ॥ १०॥ अभिशाप २॥

प्रणादस्तुशब्दःस्यादतुरागजः-अनुरागज शब्दका नान १॥प्रणाद १॥ यशः कीतिः समजा च~

कीर्तिके नाम २ ॥ यसम् १ कीर्ति २ नमहा २ ॥

न्सवः स्तोत्रं स्तुनिर्तृतिः॥११॥ स्तिवे नन १॥ सन १ स्तात्र २ स्तिवे १ ति १॥ ११॥

आसेडितं द्विश्चिककम्-पेतंन्यरात्वेजनमधालनेटितशः -उर्बेष्टं त घोषणाः॥ जोरसे बोटनेके नाम २ ॥ उच्चेर्घुष्ट १ घोपणा २ ॥

.. स्त्रियां विकारो यः शो-कभीत्यादिभिध्वेनेः ॥ १२॥ शोकभयकामादियुक्त बचनका नाम काक १॥१२॥

अवर्णाक्षेपनिर्वादपरीवादाप-वादत्॥ उपक्रोशो जुगुप्सा च क्रत्सा निन्दा च गईणे॥ १३॥

निन्दाके नाम १०॥ अवर्ण १ आक्षेप २ निर्वाद ३ परीवाद-परिवाट अपवाट ५ उपक्रोश ६ जुगुप्सा ७ कुत्सा ८ निन्दा ९ गर्हण १०॥ १३॥

पारुष्यमतिवादः स्यात्— कठोरभापणके नाम २ ॥ पारुष्य १ अतिवाद २ ॥

-भर्त्सनं त्वपकारगीः ॥ छलकारनेका नाम १॥ भर्त्सन १॥

यः सनिन्द उपालम्भस्तत्र स्था-त्परिभाषणम् ॥ १४॥

खिजानेका नाम १॥ पारिभाषण १॥ १४॥ तत्र त्वाक्षारणा यः स्यादाको-शो मैथुनं प्रति॥

पर स्त्री या पुरुपसे मैथुनार्थ वार्त्ता करनेका नाम १ ॥ आक्षारणा—आक्षारण १ ॥ सम्बोधनपूर्वक वार्ता करनेके आभापण १ आलाप २ ॥ -प्रलापो नर्थकं वचः॥, अनर्थवचनका नाम १ ॥ १ वन्यान अनुलापो मुहुभीषा-वारंवार भाषणेक नाम २ ॥ व्य

१ मुहुर्भाषा २ ॥
-विलापः परिदेवनम्॥

रोनेके नाम २ ॥ विलाप १ पारिंवन १ विप्रलापो विरोधोकिः परस्पर विरुद्धभाषणके नाम २ । विप्रलाप १ विरोधोक्ति २ ॥

-संलापो भाषणंमिथः ॥ १६ परस्परयोग्यभाषणका नाम १॥स्य

१॥१६॥ सुप्रलापः सुवचनम्-

सुन्टर बचनके नाम २ ॥ सुप्र^{हाप १} सुबचन २ ॥

-अपलापस्तु निह्नवः ॥ मुकरजानेके नाम २ ॥ अपलाप

निहत्र २ ॥ संदेशवाग्वाचिकं स्यात

सदेशक नाम २ ॥ सन्देशवाच्



सत्यके नाम ४ ॥ सत्य १ तथ्य २ ऋत ३ सम्यूच् ४ ॥

-अमूनि त्रिषु तद्वति ॥

सत्य आदि शब्द द्रव्यवाचक हो तो तीनो लिङ्गोमे होतेहैं ॥

शब्दे निनादनिनद्ध्वनिध्वान-रवस्वनाः २२॥स्वाननिर्घोषनि-ह्रोदनादनिःस्वाननिःस्वनाः॥

आरवारावसंरावविरावाः–

शब्दके नाम १७ ॥ शब्द १ निनाद २ निनद ३ ध्वनि ४ ध्वान ५ स्व ६ स्वन ७॥ २२॥ स्वान ८ निर्घोप ९ निर्हाद १० नाद ११ निःस्वान १२ निस्वन १३ आरव १४ आराव १९ संराव १६ निराव १७॥

> -अथ मर्मरः ॥ २३ ॥ स्वनिते वस्त्रपर्णानाम्-यत्र और पत्तोंके शब्दका नाम १॥

मर्मर १॥ २३॥

-भूषणानां च शिञ्जितम् ॥ गहनेके खनखनाहटका नाम १

शिजित १॥

निकाणो निक्कणः काणः कणः काणनमित्यपि ॥ २४ ॥

वीणादि शब्दोके नाम ५॥ निकाण १ निकण २ काण २ कण ४ कणने ५ ॥२ ४॥

वीणायाः क्रणिते प्रादेः प्रक्रणाद्यः ॥

केवल वीणाके वाजोके नाम र १ प्रकण २ उपकणन आहि १ कोलाहलः कलकलः-कोलाहलके नाम २॥ कोला

कलकल २ ॥ −तिरश्चां वाशितं रुतम् [॥]ः पक्षियोके इाट्टके नाम २॥वि

रुत २॥ २५॥ स्त्री प्रतिश्वत्प्रतिध्वाने-आवाजकी आवाज अर्थात् 🌵

नाम २ ॥ प्रतिश्रुत् १ प्रतिव्वान २ - गीतं गानिममे समे

गानेके नाम २ ॥ गीत १ गान इति शब्दादिवर्ग ॥ ६ ॥

अथ नाट्यवर्गः ^७. निषादर्षभगान्धारषड्ज^{मध}

९ पड्ज रौति मयूरस्तु गावो नर्दन्ति ^{वर्दन्त} अजाविको च गान्धार कौद्यो नदित मध्यम्म्॥ पुलसाधारणे काले कोकिलो रातिपद्यमम्। ४

स्तु धवत रौति निपाद रौति कुझर'॥२॥^{भार} मोर पड्ज शब्दको योलता है वल ऋपभ ही को बोलता है।भेड वकरी गान्धार स्व^{रको बोर्ज}

हैं। की बपक्षी मध्यम स्वरको बोलताहै । घोडा ^{धर}

स्वरको बोलता है । कोकिल वसन्त कालमें पा स्वरको बोलता है।हस्ती निपाद स्वरको बोलाई विताः॥ पश्चमश्चेत्यमी सप्तत-ोकण्ठोत्थिताः स्वराः॥ १॥ वीणासे वा कण्ठने उत्पन्न होनेवाले कि नाम ७॥ निपाद १ ऋपभ २ वार ३ इपज ४ मध्यम ९ धैवत ६ म ७॥ १॥

काकली तु कले सृक्ष्मे—
न्त्रमशन्यका नाम १॥ काकली १॥
—ध्वनी तु मधुरास्कुटे॥
नलः—

मीटी और अस्फुट आत्राजका नाम ॥ कन्द्र १॥

-मन्द्रस्तु गम्भीरे-गम्भीरहादका नाम १॥ मन्द्र १॥ -तारोऽत्यञ्चे:-

अत्युचरान्यका नाम १॥ तार १॥ -त्रयिद्धपु ॥ २॥

पाट आदि तीन शब्द तीनी टिन्नीमे रेनिटे ॥ २॥

समन्वितलयस्त्वेकतालः— गयगनादिकं एक्सम नाटम्बस्का नाम १ ॥ एकताल १ ॥

-वीणा तु वहकी ॥ विपक्षी-

वीलके नग २॥ भेला ६ बहुकी व रिकारि २॥

-सा तु तन्त्रीभिः सप्तभिः प-रिवादिनी ॥ ३ ॥

सान तारोसे बोटनेवाटी वीणाका नाम १॥ परिवादिनी १॥ ३॥

ततं वीणादिकं वाद्यम्-

वीणादिकवाजेका नाम १॥ तत १॥ आनद्धं सुरजादिकम् ॥

मृदगआदि वाजेका नाम १॥ आनद्र १॥

वंशादिकं तु सुषिरम्-वशी आदि बाजेका नाम १॥ सुपिर१॥

-कांस्यतालादिकं घनम्॥ ४॥

झाझ मजीरा आदिवाजेका नाम १॥ घन १॥ ४॥

चतुर्विधमिदं वादं वादित्रानो-यनामकम् ॥

तन आदि चारो बाजो का टक्स नाम २॥ बाद्य १ बादित २ आतोप २॥

सृदङ्गा सुरजाः-मृदगके नाम २॥ मृदग १ मुख्य २॥

-भेदास्त्वद्वचालिङ्गर्गार्ध्वका-स्त्रयः॥ ५॥

मृदगके नेत्र २॥ अद्भाग १ जाति द्वाप २ कर्षक २ ॥ २ ॥

स्याद्यशम्पटही टका-नगरेने सम्बद्धाः स्थापटा -भेर्यामानकदुन्दुभी ॥ धोसानफीरि आदिके नाम ३ ॥ भेरी १ आनक २ दुन्दुभि २ ॥ आनकः पटहोऽस्त्री स्यात्-ढोलके नाम २ ॥ आनक १ पटह २॥

-कोणो वीणादिवाद्नम्॥६॥ जिससे बीणादिवाद्नम्॥६॥

जिससे बीणादि बजाते हैं उस नक्खी आदिका नाम १ ॥ कोण १ ॥ ६ ॥

वीणादण्डः प्रवालः स्यात्-वीणाकी डण्डीका नाम १॥प्रवाल १॥

-ककुभस्तु प्रसेवकः ॥ वीणाके नीचे जो गोल गोल चर्मसे मढाहुआ होता है उसके नाम २ ॥ बकुभ १ प्रसेवक २ ॥

कोलम्बकस्तु कायोऽस्याः-बीणाके सर्वागका नाम शकोलम्बक १ उपनाहो निबन्धनम् ॥ ७॥

वीणामे जहा तार वाघे जाते है उसके नाम २॥ उपनाह १ निवन्धन २॥७॥ वाद्यप्रमेदा डमरुमडुडिण्डिम-झईराः॥ मर्दलः पणवोऽन्ये च-

डमरुका नाम १॥ डमरु १॥ वडे डमरूका नाम१॥मङ्गु१॥ डिण्डिमका नाम १॥ डिण्डिम १॥ झाझका नाम १॥ झर्झर १॥ तथा मर्दछ पणव आदि और भी वाजे हैं १॥ -नर्तकीलासिके के नाचनेवालीके नाम २॥ के व्यक्तिका २॥ ८॥ विलम्बितं द्वतं मध्यं क घो घनं क्रमात्॥

धीरे धीरे नाचका नाम १॥ । शीत्र नाचका नाम १॥ ओघ १॥ नाचका नाम १॥ घन १॥

तालः . ि.ः। । न समय और क्रियाके प्रमाणन १॥ ताल १॥

−लयः साम्यम्− वाजा और नाचका एक ^{सग} छूटनेका नाम १॥ छय १॥

-अथास्त्रियाम् ॥ ९
भाषा-इससे आगेकहे ये इ.
छिद्ग वाची नहीं अर्थात् पुँछिद्ग वर्धः
छिद्ग वाची होते हैं ॥ ९॥
ताण्डवं नर्टनं नाट्यं लार्सं

नृत्यं च नर्तने ॥

नाचके नाम ६॥ ताण्डव १ नर्तिः
नाटव ३ लास्य ४ तत्य ९ नर्ति ६॥
तौर्यत्रिकं नृत्यगीतवाद्यं नाद्यः
निदं त्रयम्॥ १०॥

नाच गीन वाजा इन तीनके इकहे . २॥ र्तार्थत्रिक १ नाट्य २ ॥ १०॥ रंसश्च भुकंसश्च भूकंसश्चेति कि ॥ स्त्रीवषधारी पुरुषः-र्खावेपधारी नाचनेवाले पुपरुकेनाम ३॥ हा १ भ्रुकुंस २ भ्रृकुस ३ ॥ ाट्योक्तो गणिकाज्जुका ११ क्षेत्रक नाटकमे नाचने गानेत्राली नाका नाम १॥ अञ्जुका १॥ ११॥ भगिनीपतिराबुत्तः-वहनोईका नाम १ आवुत्त १॥ -भावो विद्वान्-विद्वान्का नाम १॥ भाव १॥ -अथावुकः ॥ जनकः-पिनाका नाम १ ॥ आबुक १ ॥ ं गुवराजस्तु कुमारो भनेदारकः ॥ १२॥ ट्रागजरें नाम २ ॥ कुमार १ वर्तृ-शक्य २॥ १२॥

राजा भट्टारको देवः∸ गलके नगर॥ गतस्य १ देवर॥ -तत्सुता भर्तृद्गरिका॥ रणण्याम नगर॥भर्तृप्रस्कार॥ देवी वृत्ताभिषेकायाम-

अभिपेक की हुई रानीका नाम १॥देवी १॥ इतरासु तु भट्टिनी॥ १३॥ अन्य राजस्त्रियोका नाम१॥भद्दिनी१॥१३ अत्रह्मण्यमवध्योक्ती-अवध्य वचनका नाम १॥ अत्रह्मण्य १॥ –राजश्यालस्तु राष्ट्रियः॥ राजाके शालेका नाम १॥ राष्ट्रिय १॥ अम्बा माता-माताके नाम २॥अम्बा १ मातृ २॥ -अथ वाला स्याद्वासू:-कुमारीके नाम २॥ वाला १ वाल, २॥ -आर्यस्तु मारिषः ॥ १४॥ श्रेष्टके नाम २ ॥आर्थ१मारिय२॥१४॥ अत्तिका भगिनी उपेष्टा-जेठी वहनका नाम १॥ भत्तिका १॥ -निष्ठानिर्वहणे समे॥ नाटककी सन्त्रियोके नामन्॥ निष्टा १ निर्वहण २ ॥ हण्डे हन्ने हलाहाने नीचां चे-टीं सखीं प्रति ॥ १६ ॥ नीचरतीके पुकारनेमें हुए १। चेहीने

पुकारनेमें एजे १ ॥ सन्तेने हुनारनेने

अङ्गहारोङ्गविक्षेपः

रता १ ॥ १५ ॥

राक्षणिक स्था

तरपतिये सम

ķ

-ज्यक्षकाभिनमी समी॥ भागभानिकेनाम र ॥ चान्त १ अभिना र ॥

निर्मुने त्वज्ञमारपाभयाँ है नि-प्नाज्ञिकसान्त्रिके ॥ १६॥ भी गटकाने हे नाम १॥ वीग ह १॥ अन्त क्रमफे भावका नाम १॥ स्वीस्त १॥ १६॥

शृङ्गारवीरकरुणाङ्ग्तहास्यभगा नकाः॥बीभत्सरीद्री चरसाः-

ज्या स्मोतिनाम १०॥ ज्यास १ वीस्य करण ६ अनुत ४ तास्य ६ भवानतः ६ त्रीभव्य औद्र ८ ज्यान्ति ९ वास्य १०॥ शृङ्गारः श्रुचिरु ज्वान्य १ शुधि २ ज्यास्ति नाम ६॥ ज्यार १ शुधि २

उङ्मिर ६॥ १०॥

उत्साह्वर्धनो वीरः-

वीररसके नाम २ ॥ उन्सात्वर्धन १ वीर २ ॥

-कारुण्यं करुणाघृणा ॥ कृपादयानुकम्पा स्यादनुको-शोऽपि-

करुणा रसके नाम ७ ॥ कारुण्य १ करुणा २ घृणा ३ छपा ४ दया ५ अनु-कम्पा ६ अनुक्रोश ७ ॥ -अभिष्याः ॥ १४ तामी हाम्मे र नामकाने नाम ॥ १४

तम १ तम - ॥ चीमनमं चिक्रतं ि । सन्य स्योतनाम २ ॥

विकार स

विस्मायोऽज्ञासालगी जन्ममके नाग ४ ॥ भट

ार्या २ विषय २ विष ४॥ -अथ भेरतम् ॥ १९॥ दारुणंभीत्रणं भीष्मं घोरंन स्यानकम्॥भयंकरं ४०

भयान सम्बद्धिः नाम ९ ॥ भगः ॥ १९ ॥ दारुण २ भीषण ३ भीष चोर ९ भीम ६ भयानक ७ भनः प्रतिभय ९ ॥

> -रोद्धं तृप्रम्-गित्रसके नाम १॥ रीद्ध १३३ -अमी त्रिषु ॥ २०॥

चतुर्दश-अदुतादि चीटह शब्द द्रव्य^{त्राव} तो विशेप्यनिप्तलिङ्ग जानना ॥ २० -दरस्त्रासो भीतिर्भीः सा अभिन्या १॥

भयके नाम ६॥ दर १ त्रास २
। ३ भी ४ साव्यन ९ भय ६॥
- विकारो मानसो भावः—
मनके विकारका नाम १॥ भाव १॥
- भागप्रकाशकका नाम १॥ अनु-

ा १॥ २१॥ गर्वोऽभिमानोऽहङ्कारः-अहकारके नाम २॥ गर्व १ अभिमान अहकार २॥

-मानश्चित्तसमुद्रातिः ॥
वद्यनका नाम १॥ मान १॥
नाद्रः परिभवः परीभावस्तर्रिकया॥२२॥रीटावमानावजावहेलनमसुर्क्षणम् ॥

निरादरके नाम ९ ॥ अनाटर १ पारं-त्र २ परीभाव ३ निरिम्त्रिया ४ ॥ २ २॥ डा ९ अवमानना ६ अवहा ७ अवह-न ८ अमूर्त्तण ९ ॥

नन्दाक्षं द्वीस्त्रपा बीडा लजा-लजाने नाम ९॥ मन्दादं १ ही २ रमा ६ बीटा ४ रजा ९ ॥

-सापत्रपान्यतः॥ २३॥

र्मस्ते छजानेका नम १ ॥ अप-त्रम १ ॥ २२ ॥

क्षान्तिस्तितिक्षा-क्षमाके नाम २ ॥क्षान्ति १ तितिक्षा २॥ अभिध्यातुपरस्य विषयेस्पृहा॥ परधनलेनेकी इच्छाका नाम १॥

> अक्षान्तिरीर्ष्या-ईर्ष्याका नाम २॥अक्षान्ति १ ईर्ष्या२॥

-असूया तु दोषारोपो गुणे-प्वपि॥ २४॥

पराये गुणोको दोप प्रसिद्ध करनेका नाम १ ॥ असूया १ ॥ २४ ॥ वैरं विरोधो विद्धेषः— वैरके नाम २ ॥ वैर १ विरोध २ विदेप ३ ॥

मन्युशोकौ तु शुक् स्त्रियाम् ॥ शोकके नाम ३॥ मन्यु १ शोक २ शुच् ३॥

पश्चात्तापोऽनुतापश्च विमती-सार इत्यपि ॥ २५ ॥

पष्टितानेके नाम २ ॥ पश्चात्ताप १ अनुनाप २ त्रिप्रतीसार २ ॥ २९ ॥

कोपक्रोधामर्परोपप्रतिधा रुट-

क्रीयके नाम ७ ॥ कीप १ टीप २ समर्प ३ रोप ४ फ्रीया ९ स्पृक्ष्य ८ ॥

भूनों तु निर्ते शिलम्-सुद्र भानागातानान १॥ औ ०१॥ -उन्माद्श्रित्तविद्यमः॥ २६॥ सिर्दीयनो नाम २ ॥ इन्मा १ नित्तिभिग २ ॥ २६ ॥ भेमा ना भियता हाई भैम फीह:-प्रेगके नाम ६॥ प्रेमन १ विपना २ हार्व ३ प्रेमन् ४ स्नेत ९ ॥ -अथ दोहदम् ॥ इच्छा कांक्षा स्पृहेहा तृदाच्छा लिप्सा मनोरथः॥ २७ ॥ कामोऽभिलापस्तर्पश्च-इन्छाके नाम १२॥ दोहर १३ छ। २ काड्का ३ स्पृत ४ ईन २ तृप ६ वाञ्छा ७ तिप्सा ८ मनोग्थ ९॥२०॥ काम १० अभिलाप ११ तपं १२॥ -सोत्यर्थं लालसा इयोः॥ वडी इच्छाका नाम १॥ लालमा १ ॥ डपाधिर्ना धर्मचिन्ता-धर्मचिन्तनके नाम २॥ उपाधि १ धर्मचिन्ता २॥ पुंस्याधिर्मानसी व्यथा॥२८॥ मनकी पीडाके नाम २ ॥ आधि १ मानसीव्यथा २ ॥ २८ ॥ स्याचिन्ता स्मृतिराध्यानम्

मान्ति सम् । । विक भाज्यान । ॥ -उन्हण्डान्सलिब भागिति उपत्रमानि उत्तरात १ व्यक्तिमार्ग उन्साही ध्यामायः 🧸 उसारते नाम साउमार वसाय २ ॥ -स वीर्यमतिशक्तिभाक्॥ जसा पराहानमें उत्पाहना ^{त्य} वीर्थ ? ॥ २९ ॥ कपटोऽस्त्री ०५ ५ ५+माप श्छमकैतवे ॥ ुस्टिंग शाठ्यम्-कपटके नाम ९॥ कपट १^{व्या} दम्भ ३ उपिव ४ छत्रान् ५ ^{कृत} कुसृति ७ निरुति ८ शाउव ९॥ −प्रमादोऽनवधानता॥^{३०} असावधानताके नाम २ ॥ प्रमः अनवधानता २ ॥ ३०॥ कौत्हलं कौतुकं च कुतु^{कं} कुत्ह्लम् ॥ तमासेके नाम ४ ॥ कीतूहल कीतुक २ कुतुक ३ कुन्हल ४॥

गांविलासविद्योकविश्रमा-ज़ितंतथा॥३१॥हेलालीले ोहावाः क्रियाःशृङ्गारभा-५:॥

:ब्रह्मर और भाग्से उत्पन्नहोनेगले ,के विलासके नाम ६॥ विलास १ ,क २ विश्वम २ लेकिन ४॥ २१॥ ,९ रोला ६॥

केलिपरीहासाः क्रीडाखे-त्चनर्मच॥३२॥

्रमीजनेक नाम ६ ॥ इत्र १ केटि २ ।स ६ फ्रीटा ४ ग्येण ६ नर्मन्६॥ ६२॥ इ्याजो ऽपदेशो लक्ष्यं च-इत्तना मानेके नाम ६ ॥ इस्रज १

हरता कार्यन पात २ ॥ इंग्डा २ स्त २ लक्ष्य २ ॥ -ऋडिड खेला च कुर्दनम् ॥

. जाराजा (पर्याच क्राक्सा) भारकोके रोगका नाम २ ॥ कीटा १ । २ वर्धन २ ॥

ामों निदाधः स्वेदः स्यात-भिनेते नाम ६॥ पर्न १ निराप ६ १९॥

-प्रलयो नष्टलेष्टना ॥ ३३॥ | 'देरेसीत गम २ ॥ शम १ गण्य एक २ ॥ २२ ॥

अवहित्याकारशक्तः-

द्योक्तमे सूरत हिपानेके नाम २ ॥ अवहिन्दा १ अकारगुनि २ ॥ -समा संवेगसंभ्रमो ॥

हर्प आदिके कारण शीव्र कार्य कर-नेके नाम २॥ सबेग १ संध्य २॥ स्यादाच्छरितकं हासःसोत्प्रासः

किसीको विजानेके लिये हॅसीकर-नेका नाम १ ॥ आच्छुरितक १ ॥ —स मनाक्सितम्॥ ३४॥ मुस्करानेकानाम १॥स्मित १॥३४॥ मध्यमः स्याद्विह्सितम्— मध्यमः हास्यका नाम १॥विहस्ति १॥

मध्य हाम्यका नाम शाप्तिहासत श रोनाश्चो रोमहर्पणम् ॥

रोनोको खडेहोनेके नाम २ ॥ रोमाज १ रोमार्थण २ ॥ **क्रिन्दिनं रुदिनं कुष्टम** रोनेके नाम २ ॥ क्रीजन १ रजिए २ कुण २ ॥

–जृम्भस्तु विषु जृम्भणम्॥३४॥ = द्यार् देवेने, तम् २ ॥ द्यान् र द्यार ४ ॥ २२ ॥

विष्रतम्भी दिसंबादः-स्वार को कोची स्वयोधे स्वार विकास कोचार स

-रिइषं सहहतं समे ॥

धर्मसे चलायमान होनेके अथवा बाल-कोके घुटुओसे चलनेके नाम २ ॥ रिङ्गण १ स्बलन २ ॥

स्यान्निद्राशयनं स्वापः स्वप्नः संवेश इत्यपि ॥ ३६ ॥

शयन करनेके नाम ९॥ निद्रा १ शयन २ स्वाप २ स्वप्न ४ सवेश ९॥२६॥ तन्द्री प्रमीला-

क्षोघनेके नाम २॥तन्द्री १ प्रमीला २॥ श्रकुटिर्श्वकुटिर्श्वकुटिःस्त्रियाम्॥ क्रोधसहित भौंह चढानेके नाम ३॥

अकुटि १ भुकुटि २ भूकुटि ३ ॥ अहिटिः स्याद्सीम्येक्णि— क्रिटिश्वा नाम १ ॥ अहिटि १॥

-संसिद्धिप्रकृती तिवमे ॥३७॥ स्वरूपं च स्वभावश्च निसर्गश्च-

स्वभावके नाम ५॥ सिसिद्धि १ प्रकृति २ ॥ २७॥ स्वरूप ३ स्वभाव ४ निसर्ग ५ ॥

-अथ वेपथुः॥ -कम्पः-

कापनेके नाम २ ॥ वेपथु १ कम्प २ ॥ -अथ क्षण उद्धर्षों मह उद्धव

उत्सवः ॥ ३८॥ उत्सवके नाम ९॥ क्षण १ उद्धर्प २ मह २ उद्धव ४ उत्सव ९॥ ३८॥ इति नाट्यवर्गः॥ ७॥ अधोभुवनपातालं सातलम् ॥ ्

पातालके नाम९॥ अवी उ २ बल्सिकन् ३ स्सातल ४ ·

-अथ कुहरं सुमिरं विलम्॥ १॥ छिद्रं रोकं रन्ध्रं थम्नं वपा शु^{हि}

छेदके नाम ११॥ वृहर १_५ विवर ३ विछ ४॥१॥छिद्र ९० रोक *७ रन्घ्र ८* वया १०३^ई

गतांवटी सुवि अप्रे-पृथ्वीके गडहेके नाम २॥

अवट २-॥

-सरन्धे सुषिरं ग्रिष्ठ छेदयुक्त वस्तुका नाम १॥ सु^{तिरी}

अन्धकारोऽस्त्रियां स्रं तिमिरंतमः॥

अंधकारके नाम ९ ॥ ^{अन्तर} व्यान्त २ तमिस्र ३ तिमिर ४ त^{न्त}

ध्वान्ते ७ । अत्यन्त अवकारका नाम १॥

तमस १॥

-क्षीणेवतमसम्-

भोडी अन्धियारीका नाम १ ॥ अत्रत--तमः ॥ ३॥ .विप्वक्संतमसम्-. सत्र ओर फैले हुए अधकारका नाम १॥ भस १॥३॥ ्र-नागाः काद्रवेयाः-फन और पूछवाले मनुष्याकार सपोंके २॥ नाग १ काद्रवेय २॥ ृ-तदीश्वरः ॥ शेषोऽनन्तः-्र शेपनागके नाम२॥ शेप १ अनन्त २॥ -वास्रुकिस्तु सर्पराजः-सर्पराजके नाम २॥ वासुकि १ सर्प-रिशा –अथ गोनसे ॥ ४॥ तिलित्सः स्यात्– गीकी समान नासिकात्राले सपिके नाम ा। गोनस १ ॥ ४ ॥ तिल्तिस २ ॥ अजगरे शयुर्वाहस इत्युमी ॥ अजगरके नाम ३॥ अजगर १ शयुर ाहन २॥

🗸 अलगद्धें जलन्यालः-

ज्ञाल २॥

पानीफे सप्के नाम २ ॥ अलगर्द १

समो राजिलडुण्डुमो ॥ ५॥

हिमुहीं सर्पेने नाम २॥ राजिल हुण्डुभ २॥ ५॥ मालुधानो मातुलाहि:-चीतेसपेक नाम २ ॥ मालुधान मातुलाहि २ ॥ निर्मुक्तो मुक्तकंचुकः ॥ केचुलीके छोडेहुएसव सपींके नाम निर्मुक्त १ मुक्तकचुक २ सर्पः पृदाकुर्भुजगोभुजङ्गोऽहिर्भु जङ्गमः॥६॥आशीविषो विष धरश्रकी व्यालः सरीसृपः॥कु-ण्डली गूढपाञ्चक्षुःश्रवाः काको-दरः फणी ॥ ७ ॥ दवींकरो दीर्घपृष्ठो दन्दराको विलेशयः॥ उरमः पन्नगो भोगी जिह्मगः पवनाशनः ॥ ८॥

सर्पके नाम २९॥ सर्प १ पृटाकु २
भुजग ३ भुजग ४ अहि ९ भुजगम॥६॥
आशीविप ७ विषधर ८ चिकिन् ९ व्याछ १० सरीस्प ११ कुण्डिल्न् १२ गृहपाद् १२ चक्षु अवस् १४ काकोदर १९
फणिन् १६॥ ७॥ व्योंकर १७ व्योंचपृष्ट १८
दन्दश्क १९ विडेशय २० टरग २१ पजग २२ भोगिन् २३ जिल्लग २४ पननादान २९॥ ८॥

त्रिप्वाहेयं विषास्थ्यादि-सर्पके विष और हड्डी आदिका नाम १॥ आहेय १॥

-स्फटायां तु फणा द्वयोः॥ सर्पके फनके नाम २॥ स्फटा १फणा २॥ समो कञ्चकनिमोंको-

केंचुळीके नाम २॥ कचुक १ निर्मीक २॥ —**क्वेडस्तु गरलं विषम् ॥९॥**

· विपके नाम २ ॥ इवेड १ गरल २ विप २ ॥ ९ ॥

पुंसिक्कीचे चकाकोलकालकूटह लाहलाः॥ सौराष्ट्रिकःशौक्कि-केयो ब्रह्मपुत्रः प्रदीपनः॥ १०॥ दारदो वत्सनाभश्च विषभेदा अभी नव॥

विषवैद्यो जाङ्गुलिकः-

सर्पके विपको दूरकरनेकी विद्या जान नेवाछेके नाम २ ॥ विपवैद्य १ जागु-लिक ॥ २ ॥

-च्यालप्राह्माहितुण्डिकः॥११॥

सर्प पकडनेवालेके नाम र हिन् १ अहितुण्डिक २॥११ इति पाताल्यमोगिवर्ग ॥१

अथ नरकवर्गः ^९. स्यन्नारकस्तु नरको दुर्गतिः स्त्रियाम् ॥

नरकके नाम ४ ॥ नास्क । निरय ३ दुर्गति ४ ॥ त्राहेपास्त वीचि हार्ग

रीरवाः॥ १॥ संहारः का त्रं चेत्याद्याः-नरकोकी जातिके भेट॥ तपन

वीचि २ महारीख३रीख४॥१॥^५ कालमूत्र ६ आढि॥

-सत्त्वास्तु नारकाः॥ प्रेताः-

नरकिनवासियोके नाम २॥ ^त प्रेत २॥

-वेतरणी सिंधः-प्रेतोको नदीका नाम १॥ ^{वेतर}

-स्यादलक्ष्मीस्तुनिक्रीतिः।

नरककी अशोभाका नाम २ ॥ दमी १ निर्कति २ ॥ २ ॥

विष्टिराजुः-

नरकमे जबरदस्तो ढकेटनेके नाम२॥ ११ आजू २॥ १**रणा तु यातनातीव्रवेदना॥** नरककी पीडाके नाम ३॥ कारणा १ ना २ तीव्रवेदना ३॥

डावाधाव्यथादुःखमामनस्यं तिजम्॥३॥स्यात्कष्टं व्यूमाभीलं-

पीडाके नाम ९॥ पीडा १ वाधा २ १३ दुख ४ आमनस्य ९ प्रस्तिज १३॥ कष्ट ७ कृष्ट् ८ आमील ९॥ त्रेप्वेषां भेद्यगामि यत्॥ ४॥ इन शब्दोमे जो डब्यवाचक हो वह ो टिक्नोंमे होते है॥ ४॥

इति नग्कवर्ग ॥९॥

अथ वारिवर्गः १०.

मुद्रोव्धिरकूपारः पारावारः रित्पतिः ॥ उद्द्वानुद्धिः व्यक्तिः सरस्वान्सागरोऽर्णवः १॥ रत्नाकरो जलनिधिया-द्धःपतिर्पापतिः॥

हें समुद्रके नाम १९॥ समुद्र १ सन्धिर म्ह्यार ३ पारागर ४ सरित्यति ९ च्द-नत् १ च्द्रिष ७ सिन्धु ८ सरस्यत् ९ सा-

गर१० अर्णव ११॥१॥रत्नाकर १२ जल-निधि १३ याद पति १४ अपास्पति १५॥ तस्य प्रभेदाः क्षीरोदो लवणो-दस्तथापरे ॥ २॥

्र समुद्रके भेद ७ ॥ क्षीरोट १ स्वणो-द २ (इक्षुरसोद ३ सुरोद ४ टिभमण्डोद ५ स्वादुद ६ घृतोद ७)॥ २॥

आपःस्त्री भूम्नि वार्वारि सिललं कमलं जलम्॥ पयः कीलालम-मृतं जीवनं भुवनं वनम्॥ ३॥ कवन्धमुद्दं पाथः पुष्करं सर्व-तोमुखम्॥अम्भोऽर्णस्तोयपानी यनीरक्षीराम्ब शम्बरम्॥ ४॥

मेवपुष्पं घनरसः-

जलके नाम २०॥ अप् १ बार् २ बारि ३ सलिल ४ कमल ९ जल ६ पयम्७ कीलाल ८ अमृत ९ जीवन १० मुवन ११ वन १२॥ ३॥ कवन्य १३ उदक १४ पाथम् १९ पुष्कर १६ सर्वनोमुख १७ अम्भस् १८ अर्णम् १९ तोय २० पानीय २१ नीर २२ कीर २३ अम्बु २४ सन्वर २९॥ ४॥ मेघपुष्य २६ घनरम २०॥ -त्रिषु हे आप्यमम्मयम् ॥

-त्रिषु द्वे आप्यमम्मयम् ॥ जलविकारके नाम २॥ आप्य १ अम्मय २॥ -प्रसन्नोऽच्छ:-

निर्मलजलके नाम २ ॥ प्रसन्न

भच्छ २॥

कलुषोनच्छ आविलः ॥१४॥

मेले जलके नाम २ ॥ कलुप

अनच्छ २ आविल ३ ॥ १४ ॥

निम्नं गभीरं गम्भीरम्-

गहरे जलके नाम ३ ॥ निम्न गमीर २ गम्भीर ३ ॥

-उत्तानं तद्विपर्यये॥

थाहजलका नाम १॥ उत्तान १॥

अगाधमतलस्परीं— अथाह जलके नाम २ ॥ अगाव

अतलस्पर्श २ ॥

-केवर्ते दाशधीवरौ ॥ १५॥ महाहके नाम ३॥ कैवर्त १ दाश २

आनायः पुंसि जालं स्यात्-जालके नाम २॥आनाय १ जाल२॥

–शणसूत्रं पवित्रकम्॥

भणन्त्र जाल्के नाम २ ॥ शणसृत्र १ पवित्रक २ ॥

मत्स्याधानी क्ववेणी स्यात्-

जिसमे मछ्छी धरीजायँ उसके नाम

२॥ मन्स्याचानी १ कुत्रेणी २॥

–बहिशं मत्स्यवेधनम् ॥ १६ ॥

मछली प्रकडनेके कारेके

बडिश १ मत्स्यवेधन २॥ १**१** पृथुरोमा ्रे ८००

रिणोऽण्डजः॥ ः र

मछ्ठीके नाम ८ ॥ पृथुरोम्न् । २ मत्स्य २ मीन ४ वैनारिंग १

६ विसार ७ शकुलिन् ८॥

-अथ गडकःशक्तुलार्भकः॥

मछ्ठीके वचोंके नाम २ ॥॥

शकुलार्भक २ ॥ १७ ॥ सहस्रदंष्ट्रः पाठीनः

पन्हा मछलीक नाम २ ॥ न

१ पाठीन २ ॥ —उॡ**पी शिशुकः** समी

सूस मछलीके नाम २ ॥ उड्हीर शिशुक २ ॥

नलमीनश्चिलिचिमः-चेल्ह्या मछलीके नाम २॥ नहर्न

चिलिचिम २॥

-प्रोष्ठी तु शफरी द्वयोः॥ १० सहरी मछळीके नाम २ ॥ प्रोडी

शफरी २॥ १८॥

शुद्राण्डमत्स्यसंघातः धानमः

ताधानम् – अडोसे निकली हुई छोटी महली का नाम १॥ पोताधान १॥ -अथो झषाः॥ हितो महुरः शालो राजीवः कुलस्तिमिः॥ १९॥ तिमिं-।लादुपश्च-

गेड्सउलीका नाम १॥ सेहित १॥

गि मछलीका नाम १॥ मड्गुर १॥

रिम्छलीका नाम १॥ शाल १॥ राम

हरीका नाम १॥ राजीव १॥ सीस मछ
का नाम १॥ शक्ति १॥ वडीमारी मछ
का नाम १॥ तिमि १॥ १९॥ तिमि
निगरनेवाली मछ शेका नाम १॥ निमि
। १॥ स्मार्ड

अथ यादांसि जलजन्तवः॥

भविकाजन्तुओके नाम २॥ यादस् १

रजन्तु २॥

द्भेदाः शिद्युमारोद्रशहुवा म-क्राद्यः ॥ २०॥

शिवसका नाम भाशित्याव १ खोडका तम १॥ उत्र १॥ शासका नाम १॥ राष् १॥ मगरका नाम १॥ मञ्च १ धारि॥ २०॥

स्यान्तुः होरः कर्कटकः-जिल्हान्य १ । हार्षः १ वर्षः । १५ १ ॥

वमें कमटकन्युना ॥

कछुहेके नाम २ ॥ कूर्म १ कमठ २ मच्छप २ ॥

माहोऽवहारः-

वडियालके नाम २ ॥ प्राह ६ अय-हार २॥

-नक्रस्तु क्रम्भीरः-नाकेने नाम २॥ नक्र १ कुम्भीर२॥ -अथ महीलता ॥ २१॥ गण्डूपदः किंचुलकः-केंचुवाने नाम २॥महोन्दनार॥२१॥

र्केचुकाते नाम २॥महीलता१॥२१॥ गण्डपद २ किचुज्क २॥ -निहाका गोधिका समे॥

गोहकेनाम२॥निहाका१गोधिका२॥ रक्तपा तु जलोकायां स्त्रियां भृ-स्त्रि जलोकसः॥ २२॥

जोकके नाम २ ॥ रक्या १ जर्रका २ जर्र्ककम् २ ॥ २२ ॥

सुक्तास्फोटः स्त्रियां शुक्तिः— नहत्रको नीवित्र नाम २ ॥ हना-स्कोट १ वर्षि २ ॥

-शहुः स्यात्कम्बरित्रया ॥ रहते नम् १ ॥ रह १ वस् १॥ क्षुद्रशहुः शहुनन्वाः-

में दे सम्बद्धे सक ६ ॥ क्षुप्रसाद

-शम्द्रका जलगुक्तयः॥ २३॥

-प्रसन्नोऽच्छ:-

निर्मलजलके नाम २ ॥

भच्छ २॥

कल्पोनच्छ आविल

मेले जलके नाम ३ ॥

अनच्छ २ आविल ३ ॥ १६

निम्नं गभीरं गम्भी

गहरे जलके नाम ३ ॥

गभीर २ गम्भीर ३ ॥

-उत्तानं तद्विपर्यये

थाहजलका नाम १॥ उत्त.

अगाधमतलस्पर्शे-

अथाह जलके नाम २ ॥

अनलस्पर्श २ ॥

-केवर्ते दाशधीवरी मलाहके नाम ३॥ कैवर्त १

311 29 11

। 🕠 पुंसि जालं ः

जालके नाम २॥आनल

–शणसूत्रं परि

अणसत्र जा -१ पवित्रक २ ॥ 🔑

मतस्याधानी कुवेणी र जिसमें मकुशे वरीजार्थ उसक

२॥ मम्यायानां १ कुत्रेणी २॥

-बडिशं मन्स्यवेधनम् ॥ १६॥

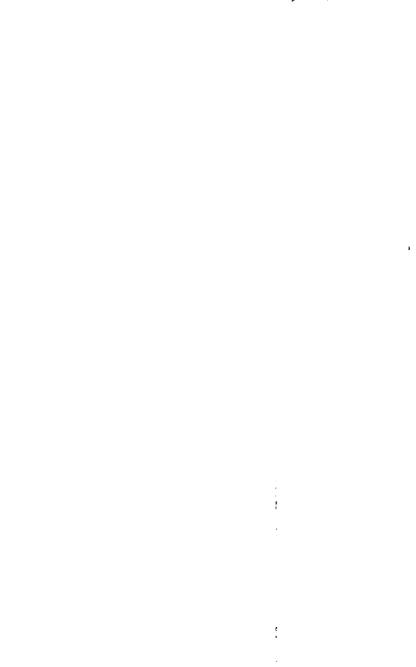
नाम ३ ॥ निलनी १ नी ३ आदि॥ इं नलिनमर्विन्दं ॥ ३९ ॥ सहस्रपत्रं **।पत्रं कुशेशयम् ॥** रसं सारसं सरसी-॥ विसप्रसूनराजी-क्हाणि च ॥ नाम १६॥ पद्म १ न-२ महोत्पल ४॥ ३९॥ रू ६ शतपत्र ७ क्शेशय ामरस १० सारम ११ । ४०॥ विसप्रसून १३ तर १९ अम्भोरह १६॥ सिताम्भोजम्-रके नाम २ ॥ पुण्डरीक ₹ 11 क्तरोरुहे ॥ ४१॥ र्र काकनदं-: नाम ३ ॥ रनसरोस्ट क्तांत्र १ कोकनद ३ नालम्-ल् (नपुनकरिया) २॥

श्चियाम्॥

मृणालं विसम्-भसीडके नाम २ ॥ मृणाल १ त्रिस २॥ –अञ्जादिकदम्बे खण्डमास्त्र-याम्॥ ४२॥ कमलादिके समूहका नाम १ ॥खण्ड १॥ केवलकाभी नाम १॥ खण्ड १॥ ४२॥ करहाटः शिफाकन्दः-कमलको जडके नाम २ ॥ करहाट १ शिफाकन्द २ ॥ -किंजल्कः केसरोऽस्त्रियाम् ॥ कमलपुष्पके मध्यमे जो झालर होती है उसके नाम २ ॥ किजल्क १ केसर२॥ संवर्त्तिका नवदलम्-कमलके नवं पत्तोके नाम २॥ सब-र्तिका १ नवदल २॥ -बीजकोशोवराटकः॥ ४३॥ कमत्यक्षेके नाम २ ॥ बीजकोश वराटक २॥ ४३॥ उक्तं स्वव्योमिदिकालधीशव्दा-दि सनाट्यकम् ॥ पातालभोगि नरकं वारि चेषां च सङ्गतम् ४४ इत्यमरसिंहकृतो नामलिङ्गा-नुशासने ॥स्वरादिकाण्ड**ः** प्रथ-मः साङ्गएव समर्थितः॥ १॥ इति श्रीमदम्समित्रविगविनासंग्रोतास्य

भाषाद्यं नायां नायिक्षे ॥ ५०॥

इति प्रथमः काण्डः समाप्तः।



क्निहिनांके नाम ६ ॥ निल्नो १ निनो २ पिक्षनो ६ आहि ॥ १ पुंसि पद्मं निलिनमरिविन्दं होत्पलम् ॥ ३९ ॥ सहस्रपत्रं मलं शतपत्रं क्वशेशयम् ॥ द्वेरुहं तामरसं सारसं सरसी-१६म॥४०॥ विसप्रसृतराजी-

द्भग॥४०॥ विसप्रसृतराजा _पुष्कराम्भोरुहाणि च ॥

कसन्मात्रके नाम १६॥ पक्ष १ न-ुन २ अग्विन्द ३ महोत्यल ४॥ २९॥ हम्पत्र ९ कसर ६ जनतत्र ७ कुरोराय पद्भेगत ९ तामग्म १० सारम ११ सीग्त १२॥ ४०॥ दिस्प्रसून १३ तीं १४ पुष्कर १९ अस्मोरह १६॥

पुण्डरीकं सिताम्भोजम्-इन्चाकमण्के नाम २ ॥ पुण्डरीक मित्राम्भोज २॥

-अथ रक्तसरीहाहै ॥ ४१ ॥ रक्तीत्पलं कोकनदं-

ार्यक्रमाके नाम २ ॥ स्वस्केत्र १॥ ११॥ स्वीचार श्रोक्तर ३

-नालो नालम्-ज्यास एएँदे नव १ ॥ न

्यताका एपिक स्तर २ ॥ सा १एपिक १ सूर्य सहस्कार २ ॥

–अथास्त्रियाम्॥

मृणालं विसम्-

भसीडके नाम २ ॥ मृणाल१विस२॥

–अब्जादिकदम्वे खण्डमस्त्रि-याम् ॥ ४२ ॥

क्रमळादिके समृहका नाम६ ॥खण्ड६॥ केवळकामो नाम ६ ॥ खण्ड ६ ॥ ४६ ॥

करहाटः शिफाकन्दः-

कमङको जडके नाम २ ॥ करहाट १

शिकाकन्द २॥

-किंजल्कः केसरोऽस्त्रियाम् ॥

कमलपुष्पके मध्यमे जो झालर होती

है उसके नाम २॥ किजल्क १ केसर२॥ संवर्ष्तिका नवदलम्-

कमलके नव पत्तोके नाम २॥ नव-

तिका १ नवडल २ ॥

न्त्रीजकोशीवराटकः ॥ ४३॥ कमाक्षेत्रे नाम २॥ बीजकोशः १ बसटक २॥ ४३॥

इक्तं स्वव्यों मदिकालधीशव्दा-

दि सनाद्यकम् ॥ पानालभोगि नरकं वारि चेषां च सङ्गतम् ४४

इत्यमरसिंहकृता नामलिङ्गा-त्रशासने ॥स्वरादिकाण्डः प्रथ-

मः साङ्ग एव समर्थितः ॥ १॥

्रिक्ष सम्बद्धाः निर्देशस्त्रिक्षः कोणस्य अपार्वित्रास्त्र स्वित्रस्ति । १०॥

इति प्रथमः काण्डः समातः।

शगवती वेद्यती चन्द्रभागा समस्वती ॥ ३४॥ कावेगी-अमानिका नाम १ ॥ जमानी १ ॥ नेतानीका नाम १ ॥ नेवानी १ ॥ विना बक्त नाम १ ॥ नैःभागा १ ॥ सम्मातिका भाग १॥ संस्थानी १॥ २४॥ को गीका नाम १॥ नतीम १॥ –सरितोऽन्याश-भौग्भी कोशिको आहि महिन्^{दि}॥ -संभेदः सिन्धुसंगमः ॥ जर्र एक नहीं दूसमिसे फिला है उस सगगरे नागशायको ११ विकासमा या हयोः प्रणाली प्रयमः पद्व्याम्-पनारके नाम ? प्रणा श ? ॥ −त्रिषु तृत्तरो ॥ ३५ ॥ आगे हानेवाल र तो नत्य तीना लिगोमे वर्तने हैं॥ ३५॥ · य सर्य्यां च भवदा-ध देविका नदीम जो २ उत्पन्न ही उन नाम १॥ दात्रिक १॥ सम्यूम जो उत्पन्न हो उनका नाम १॥ सारव १॥ सोगन्धिकं तु कहारं-

नगरका भागामाहै 🚜 - 11- 3 11 2 4 1 1 1 -अध नीलाम्यनम इन्द्रीयां न नींकार मोटनागरी नाग २ ॥ नगर र ॥ १ ५ म र ॥ -मितं कुमुद्रकेखं ॥³ १ - ११ तम होते नाम २ ॥ स र तिस्य र 🏻 २० 🖺 शालकभेषां कन्दः स्यात् हम हो है। हत्यहा नाम १ ।। हा -वारिपणीं तु कुम्भिका त उत्तुस्भी के नाम २॥ नारि किमिका २॥ जलनीली तु शेवालं गै दोवाउके नाम ३॥ जल्नीरी अंध्यात ३॥ गम। -अथे कुमुद्रती॥ ३८ ि। कुमुक्युक्त देश कम्दिनी व कुई (सन्यामे मिलनेवाले श्वेतक-२ ॥ कुमुद्रनी 🎘 कुमुदिनी २ ॥ मल) के नाम २॥ सीगन्धिक १ कह्नार२॥ -नलिन्यां ती विसिनीप हछकं रक्तसन्ध्यकम् ॥ ३६ ॥ मुखाः॥

11 75 日子音性·25年

म्पाइतारं अर

į

क्यांचिनींके नाम ३ ॥ निल्नो १ सेना २ पिमनी ३ आदि॥ 🗦 प्रांसि पद्मं नलिनमर्विन्दं होत्पलम् ॥ ३९ ॥ सहस्रपत्रं मलं शतपत्रं क्रशेशयम् ॥ द्वेरुहं तामरसं सारसं सरसी-्रहम्॥४०॥ विसप्रसृतराजी-पुष्कराम्भोरुहाणि च॥ कम बमात्रके नाम १६॥ पद्म १ न-ुन २ अरविन्द ३ महोत्पल ४॥ ३९॥ ्हनपत्र ५ कमल ६ शतपत्र ७ कुशेशय पङ्केन्ह ६ तामरस १० सारम ११ रमोन्ह १२ ॥ ४० ॥ विसप्रसून १३ िर्नोव १४ पुष्कर १५ अम्भोरुह १६॥ पुण्डरीकं सिताम्भोजम्-उञ्चलकमलके नाम २ ॥ पुण्डरीक ं मिनाम्भोज २॥ -अथ रक्तसरोरुहे ॥ ४१ ॥ रक्तोत्पलं कोकनदं-हारक्रमलके नाम ३ ॥ रचनरोरह १॥ ४१॥ स्कोत्यत्र २ कोकनद ३ -नालो नालम-कमार्थ्या अधिक नाम १॥ ना रीप्रामि १ नाम नपुनक्षिम –अधास्त्रियाम्॥

मृणालं विसम्~

भसीडके नाम २ ॥ मृणाळ १विस२॥ -अञ्जादिकदम्बे खण्डमस्त्रि-याम् ॥ ४२ ॥

कमलादिके समृहका नाम १ ॥खण्ड १॥ केवलकामी नाम १ ॥ खण्ड १ ॥ ४२ ॥ करहाटः शिफाकन्दः— कमल्को जडके नाम २ ॥ करहाट १

शिफाकन्द २॥

- किंजल्कः केसरोऽस्त्रियाम् ॥

कमल्पुष्पके मध्यमे जो झाल्र होती
है उसके नाम २॥ किंजल्क १ केसर२॥

संवर्त्तिका नवद्रुम्

कमटके नवे पत्तोके नाम २॥ सव-

कम दक नव पत्ताक नाम २ ॥ नव-र्तिका १ नवदन्द २ ॥

-वीजकोशोवराटकः ॥ ४३॥ कमलक्षेके नाम २॥ वीजकोश १ वराटक २॥४३॥ उक्तं स्वर्ट्योमदिकालधीशब्दा-

दि सनाट्यकम् ॥ पातालभौगि नरकं बारि चैषां च सङ्गतम् ४४ इत्यमरसिंहकुनौ नामलिङ्गा-नुशासने ॥स्वगादिकाण्डः प्रथ-

मः साङ्ग एव समर्थितः ॥ १॥

त्व प्रकारितिकार केरार

क्षाप्रकार कार्यो । १०॥

हित प्रथमः काण्डः समातः।

अथ दितीयः काण्डः।

अय भ्मिवर्गः १.

वर्गाः प्रश्वीपुरस्माभद्रनीयपि मृगादिभिः॥नृबद्धश्रवपिटप् द्रैःसाङ्गोपाङ्गीरहोदिनाः॥१॥

उस जिलेशकाणके भूतिको १ पत्रका २ क्रीकर्मा २ समीपतिको अतिशासिक ९ मनुष्यामी ६ अवस्मी ७ श्रीरपत्रक ८ विस्तर्मा ९ और जाजामी १० साहोगह करिंगा। १॥

भूर्मुमिर्चलानन्ता गमा विशं-भरा स्थिरा॥धगा धरित्री धर-णिः श्लोणिज्यां काश्यपी कि-तिः॥२॥सर्वसहा वसुमनी बसु-धोवीं वसुंधरा॥गोत्रा कुः पृथि-वी पृथ्वी क्ष्मावनिमेदिनी मही॥३॥

पृथ्वीके नाम २०॥ स् १ स्मि २ अचला ३ अनन्ता ४ रमा ९ विश्वस्मरा ६ स्थिरा ७ धरा ८ धरित्री ९ धरिण १० क्षोणि ११ ज्या १२ काज्यपी १३ क्षिति १४॥ २॥ सर्वसहा १२ वसुमनी

र , बचन र , १९८४ सेन र र ५ २० मृत्ति । सार्थ स्टूबर्टमें सर्था

मन्म निका

्रियोत् तथा भाग्रं थ्री -घशस्ता तु मृत्सा कु मनिका ॥

र शांधाराते नेपा २॥ र मास्रा २ ॥

उत्तेरा सर्वसम्याद्याः (स्म भड़ाने मा अल डार्ने नाम १ ५ उसर १ ॥

-स्याद्गः श्लारमृतिका गागगिशे वयात् नेनोके उप र ताम्मनिका र ॥ ४॥

अपवानुपरी अपवन कल्ल्स्भूमिके नाम २ ॥

_{जपा} २ ॥ —**स्थलं स्थली**

स्थलके नाम २॥ स्थल १ समानी मरुधन्वान

शादलः शाद्हरिन-जहां हमें पास हैं। उसका नता ? ॥

शाप्रक १ ॥ -सजम्बाले नु पंकिलः ॥

जरो महन कीच है। उस नेपका नाम १॥ पितः १॥

जलप्रायमन्पं स्यात्षुंसि कन्छ-स्तथाविधः ॥ १० ॥

जहां बद्दा पानी है। उस देशके नाम २॥ जलप्राय १ अनूपर कन्द्रशा १ ॥। स्त्री शर्करा शर्करिलः शार्करः शर्करावति॥

जहारेना हो उस देश है नाम र ॥ वर्करा १ शर्कारेल २ शाकी ३ आकी।-वत् ४॥

देश एवादिमा-

जपर कहेंद्वए शर्करा आदि शब्दोमे पहले शर्करा ? और शर्कारेल यह दोनी देशकेही नाम है ॥

-एवमुन्नेयाः सिकतावति ११॥

इसीप्रकार सिकता १ और सिकतिल यह शब्द भी रेतेयुक्तदेशकेही नामहै॥११

देशो नद्यम्बुवृष्टचम्बुसंपन्नवी-हिपालितः॥ स्यात्रदीमातृको

देवमातृकश्च यथाक्रमम्॥१२॥

1 - 1 1 to 1 गामिस सन्ति हो।।। .e-per ph ? 11 तां भीतानमः मनाप है। दिलाक है। स्राधि देश । भावा गताते देवता है milit ? H -नतोऽन्यत्र र ^{अ भ} मागा प गंजा है देशहा हर मजा ६१॥

गोष्टं गोस्थानकं-गोएक नाम २॥गोष्ट १ वेट -तचु गोष्ठीनं भृतप्रवंक^{म्॥}

जरा पर्वकालने गाँव सी^{हे} नाम १॥ माष्ट्रीन १॥ १३॥

पर्यन्तभुः परिसरः-नदी पर्वतादिके समीपकी भूरि

२ ॥ पर्यन्तम् १ परिसा २॥

-सेतुराली स्त्रियां-पुरुके नाप २॥ सेतु । अर्

-पुमान्॥ वामल्रश्च नाकुश्च वल्मी नपुंसकम् ॥ १४॥

वमईके नाम २॥ वामत्तर रे बन्मीक ३ ॥ १४ ॥

तं वर्त्ममार्गाध्वपत्थानः पसृतिः ॥ सर्गिः पद्धतिः
वर्त्तन्येकपदीतिच ॥ १९॥
गीके नाम १२॥ सप्रन १ वर्षन् १
४ सम्बन ४ यथिन् १ पद्मी ६
४ नगी ८ पद्मि ९ पर्या १
। पर्याः सुपत्थाश्च मत्पथचनेऽध्विन ॥

त्र स्वा वीद्यस्वी विषयः कदस्या भःसमाः॥ १६॥ सद्यस्य स्व

् अपन्थासन्बप्धं तृत्व्यं-र

शृङ्गाटकचनप्पं ॥ केट

प्रान्तर दृग्शन्योऽध्वा-

चोरकण्डकादियुक्त मार्गका नाम १॥ काल्नार १॥ १७॥ गट्युतिः स्त्री कोशग्रुगम् दो कोशका नाम १॥ गट्युति १॥

नल्वः किप्कुचतुःशनम्॥

२०० हाथका नाम १॥ नन्य १॥ घण्टापथः संस्थरणं –

्रवस्ता । एवं सब्दे के साम २ ॥ इस्तार्थः । सस्तार्थः २ ॥

-नत्युगस्योपनिष्काम् ॥ १८॥ इ. हर्गस्य १००० व्यक्ति

:-

प. स्त्री पुरीनगर्यो वा पनन पु-इ.सेदनम् ॥स्थानीयः निगम'~

अध पुरवगः व

- अत्यन यन्स् रतगरः प्रमः॥

त-ग्राचानगर

गेलारं वर्ट्स दुर्गसम्॥ १७॥ वर्गा वर्गा हतसमाक्ष्य

11

वेश्याके स्थानके नाम २ ॥ नेज १ ने -स्याजनसमाश्रय २ ॥ आपणस्तु निषद्मायां बाजारके नाम २ ॥ आपण १ निप्तमा २॥ -विपणिः पण्यवीथिका ॥ २ ॥ जहा बाजार न हो परन्तु वस्तु निक्ती हों उसके नाम २ ॥ विपणि १ पण्यनी-

थिका २ ॥ २ ॥

रथ्या मतोली विशिखार्वाचगांउँको गलीके नाम ३ ॥ रग्या
१ प्रतोली २ विशिखा ३ ॥

-स्याचयो वत्रमस्त्रियाम्॥

किलेके इधर उधरकी मिट्टीका नाम २॥ चय १ वप्र २॥

> **श्राकारो वरणः सालः**-किल्के नाम ३॥ प्राकार १ वरण २

3 11

नं प्रान्ततो वृतिः ॥ ३॥ चारों ओर कांटोंकी वाडके नाम १॥ प्राचीन १॥ ३॥

भित्तिः स्त्री कुड्यम्-दीवारके नाम २॥भित्ति १ कुड्य २॥ -एडूकं यदन्तर्न्यस्तकीकसम्॥

जिस दीवारमें मजवूतीके वास्ते हड्डी आदि लगाई हों उसका नाम १॥एइक १॥ गृहं गेहाद्यमिनं निकेतनम्॥४॥ सदनं हाः पुंसि च भूम्येव निलयालयाः ॥ १ कुटी द्वयोः शालाः गृहत्तेनाग २०॥गृह्ं। विभान्त २ वेश्मत् ४ समन् ६। निजान्त ७ पस्य ८ सदन ६। अगार ११ मदिर १२गृह (९ चन) १३ निकाय्य १४ निकः। ल्य १६॥ ६॥वास १७ कुटी। १९ सभा २०॥

चतुःशालं-जिस गृहमें आमने सामने हो मकान हो उसके नाम २ ॥ सर्ज चतुश्शाल २ ॥

सुनीनां तु रे। । रिस्रयाम् ॥ ६॥

मुनियोंकी कुटोके नाम २॥ प १ उटज २॥ ६॥

चैत्यमायतनं तुल्ये

यज्ञशालाके नाम २॥चैव

तन २॥ —वाजिशाला तु मर्ख गुडसाल्के नाम २ ॥ चाजिञाला १ 11 9 73 आवेशनं शिल्पिशाला ्रकारीगरींके स्थानके नाम २॥ आवेशन ाहोत्पिशाला २ ॥ ृ-प्रपा पानीयशालिका॥७॥ पीजाला अर्थात् पानी पिलानेके ्रनके नाग २ ॥ प्रया / पर्नियना-ज्ञा देश ७ ॥ मठश्छात्रादिनिलयः-विचार्थ और मन्यास आदिक रह-ביה יינים -गन्ना तु मदिगगृहम् ॥ नहा मह बनाय जार ्रक्क ज्या दुस म्यून्य स्था क्षा १ क्षतिकार क गर्भागार वासगृहम्-रहवे मदासाका सम । राजा प्रश्वमहरू

-आरष्ट स्निकागृहम् ॥८॥ संबद्धे प्रसृत्य लाउनाः -f=Q= 7 · वातायनं गवाक्ष:-स्में वे वे वार . प्रत्य

साम्ब 🖘 । -अथ मण्हपोऽस्त्री जनाश्रयः॥

मण्डपके नाम २ ॥ मण्डप १ जना-प्रय २॥ हर्म्यादि धनिनां वासः-यनत्रानोके गृहके नाम १॥ हम्पी १

आहि ॥

–प्रासादो देवभूभुजाम्॥९॥ रेवना और राजाओके गृहका नाम १ प्रमाद । ॥९॥

सौधोऽस्त्री राजसद्नम्-र ज अपने पृद्के नाम २ ॥ सीघ १

राजमहन २॥ -रपकार्योपकारिका ॥ राजा के के का प्रथम गृहोंके ताम २॥ ह्यक व । स्थक वेका व ॥ स्वस्निकः सर्वतोभद्रो नन्याव-

र्नाट्योऽपिच १०॥विच्छन्द्कः प्रभेदा हि भवन्ती धरसद्मनाम् - वाले केंद्र जिसमें ४ द्रायांने 774 t. 774

ह्यगार न्नुज्ञामन्त पुरस्याद वरोधनम्॥११॥ शुद्धान्तश्चावरापश्च-

- M2 = 1743 F = 42 FF

-स्यादृष्टः क्षीममस्त्रियाम् ॥ गृहके जपरके घरका नाम २ ॥ अङ्

१ क्षीम २ ॥

्यारिय वहिर्द्वार जो ॥ १२ ॥

दहर्लीजके नाम ३ ॥ प्रचाण १ प्रचण

२ अिंग्द ॥ २ ॥ १२ ॥

गृहावग्रहणी देहली— देहलीके नाम २ ॥ गृहावप्रहणी १

देहली २॥

-अङ्गणं चत्वराजिरे॥

भागनके नाम ३॥ अङ्गण १ चत्वर२ अजिर ३॥

अधस्ताद्दारुणि शिला-

टरवाजेंके नींचेंके काठका नाम १॥ शिला १॥

दारूपरि स्थितम्॥१३॥
 दरवाजेके ऊपरके काठका नाम १॥
 नासा १॥१३॥

प्रच्छन्नमन्तर्द्वारं स्यात्-

खिडकीके नाम २ ॥ प्रच्छन १ अन्त र्द्वीर २ ॥

-पश्चद्वारं तु पक्षकम् ॥ वगलके द्वारका नाम २ ॥ पक्षद्वार १ पक्षक २ ॥

वलीकनींभ्ने पटलमान्ते-

वरीनीके नाम ३॥ क्ये पटळप्रान्त ३॥ -अथ पटलं छदिः। छानिके नाम२॥पटळ१औं गोपानसी तुव..ं वक्रदारुणि॥ छजेके नाम२॥ गोपाननी१व

कपोतपालिकायां है। पुनपुंसकम्॥१५॥

रुनपुसकम् ॥ १५॥ कवृतरखानेके नाम २॥ १५॥

१ विटङ्क २ ॥ १९ ॥ स्त्री द्वार्द्वारं प्रतीहारः

द्वारके नाम ३ ॥ द्वार् १ द्वा हार ३ ॥

-स्याद्वितर्दिस्त वेदि वेदीके नाम २॥ वितर्दि १ वेदि

तोरणोऽस्त्री बहिर्द्वारं-घरके वाहरके फाटकके ना

तोरण १ बहिर्द्वार २॥

-पुरद्वारं तु गोपुरम्। नगरके बाहरके फाटकके ना^{त १)}

पुरद्वार १ गोपुर २ ॥ १६ ॥

कूटं पृद्धीरे यद्धस्तिनवर स्मिन-

नगरके द्वारसे उतरनेके हिंगे हैं वि चढावकी भूमिका नाम १॥ हिन्तिनत ्र 'अथ त्रिबु॥ टिमररं तल्ये-

नैजानेने नान शाक्तगड (बरर शा

-तिकिक्सभोऽर्गलं न ना १७ क्रिनडोने डण्डेलेका नाम १॥ इस १॥१७॥

.<mark>आरोहणं स्यात्मोपानं-</mark> मेन्ने राज भीत सही सम्ब

न वेत्रहरू -निश्लेणिस्विधिग्रहणी॥

समार्जनी गोपनी ग्यात-

द्विगेऽवद्यसम्बद्धाः ॥ १८॥ सिने-

-मुख्र नि सरण

सनिदेशी निक्षणम् ॥

गम्के नाम २ ॥ सबतय ६ शम२॥ -वेश्मभूर्वास्तुरस्त्रियाम्॥ १९॥

धन्को स्निका नामर्॥शम्नु १॥१९॥ प्रामान्त उपशल्यं स्यात्-

णमें नमीयमा नाम ॥ उपस्य १॥

-सीमसीमे स्त्रियामुमे॥ संस्केतनः जनगर्मन्ति। घोष आभीरपद्धी स्थात-

-पक्षः भवरालयः ॥ २०॥

अय गण्डमा

सर्तित निर्धारक्षात्रकार्यः रषः वः ॥ १३ णार्यास्टरा

3-3-1-1-1-1

−त्रिक्**टस्त्रिककु**त्समी ॥ त्रिक्ट कि जिसपर छङ्का वसी है उस-के नाम २ ॥ त्रिकृट १ त्रिककुट् २ ॥ अस्तस्तु चरमक्ष्माभृत्-अस्ताचलके नाम २॥ अस्त १ चर-महमाभृत् २॥ -उदयः पूर्वपर्वतः ॥ २ ॥ उदयाचलके नाम २॥ उदय १ पूर्व-पर्वत २ ॥ २ ॥ हिमवान्निषधो विन्ध्यो माल्य-

मन्ये च हेमकूटाद्यो नगाः॥३॥ पर्वतोके भेद ६॥ हिमवत् १ निपध २ विनध्य ३ माल्यवत् ४ पारियात्रक ९ गन्ध-मादन ६ • तथा हेमकृट आदि अन्यभी पवर्त हैं ॥ ३ ॥

वान्पारियात्रकः ॥ गन्धमाद्न-

पाषाणप्रस्तर्यावोपलाश्मानः शिला दषत्॥

पत्थरके नाम ७ ॥पापाण १ प्रस्तर २ ग्रावन्**३ उपल४अस्मन्५**शिला ६६पत्७॥ कूटोऽस्त्री शिखरं शृङ्गं-पहाडकी चोटी वा कगूराके नाम ३ ॥ कृट १ शिखर २ शृङ्ग ३ ॥

--प्रपातस्त्वतटो भृगुः॥ ४॥ भिहडके **नाम ३ ॥ प्र**पात १ अतट२ भृगु २॥ ४॥

कटकोऽस्त्री वीच पर्वतका नाम १ -स्तुः प्रस्थः 👑 पर्वतके किनारेके नाम १ प्रस्य २ सानु ३॥ उत्सः प्रस्नवर्ग-जहां पर्वतसे चुहकर पानी . अर्थात् कुण्डके नामर॥ उत्सी -वारिप्रवाहो निर्झरो 🛺 झरनोके नाम ३ ॥ वर्ष निर्झर २ झर २ ॥ ५ ॥ दरी तु कन्दरो वा श्री वनाई हुई गुफाके नाम २॥ कन्टर-कन्दरा २॥ –देवखातविले गुहा [॥] गहरं-अपने आप वनीहुई गुप्ता^{के नृत} देवखात १ विल २ गुहा ३ गई

-गण्डशैलास्तु च्युताः 🤫

जो कि पर्वतसे मारी भारी प्र^{या।}

खानिके नाम २॥ खिन १ ^{आकृ}

-पादाः प्रत्यन्तपर्वताः ॥

हैं उनका नाम १॥गण्डरील १॥१

खनिः ह्रियामाकरः

ला गिरे:॥६॥

र्वनेन घेरेले छेटे पर्वतने नाम २॥ १ प्रसन्तर्पन २॥ यकाद्रेरासन्ना भूमिस्ध्र्व-ात्यका ॥ ७ ॥ हिडिंक नीचेकी भूमिका नाम १॥ का र ॥ पहाइकी जगरको भूमिका १ ॥ सिन्यका १ ॥ ७ ॥ तुर्मनःशिलाचहेर्गरिकं ₫ शिषतः ॥ पर्वनसे उपन हुए जो मन हील-ं निनका नाम १॥ धानु १॥ गैरिक रू / नो बातु शब्दसेही विस्मानहै ।॥ इञ्जङ्जों वा क्लीवे लना-पिहितोद्रे ॥ ८ ॥ परों कि बहुत लना तृणादिने चित इनके नाम २॥ निकुछ १ कुछ २॥८॥ इति शिवर्ग ॥ ६॥

अय वनावधिवर्गः ४.

टब्यरण्यं विषिनं गहनं कानं वतम्॥

बनेगान ६॥ अद्योग अस्त ६

ति ६ गान ६ जन्म ६ गम ६॥

महारण्यमरण्यानी—

देश स्त्रो सम ६॥ सम्बद्धः ।

गानो सा

गृहारामास्तु निष्कुटाः ॥ १॥ गृहके समीप बनापेहुए आविके नाम १॥ गृहातम १ निष्कुट २॥ १॥ आरामः स्यादुपवनं कृतिमं वन मेव यत्॥

गृहसमीयके वनके नाम २॥ आ-राम १ टपवन २॥ अमात्यगणिकागेहोपवने वृक्ष-

वाटिका ॥ २ ॥ ्नहा राजाके नीकर चाकर और उन

की बेट्या रहे उस बर्गाचेका नाम १॥ वृक्षवाटिका १॥२॥ पुमानाक्रीड उद्यानं गज्ञःसा-

धारणं वनम् ॥

रज्ञकं उम वर्गाचेका नम जिससा
सद पुरुष भोग करसकै ।। आर्कोड र॥

स्यादेतदेव प्रमद्वनमन्तःपुरो-चितम् ॥ ३ ॥

हर राज क्रियेंनरित मीटा नै इस मार्चिया नम १॥ प्रमाजन १॥२॥

वीथ्यालिरावलिः पंक्तिः श्रेणी

हापरि ६ पनि ६ भेने ६ ॥ **लेखान्तु राजयः ॥** हामार्थः सम्बद्धाः १ सहि ६ ॥

वन्या वनसमृहे स्याद्-

वनके झुडका नाम २ ॥ वन्या १वन-समूह २ ॥ अंकुरोऽभिनवोद्भिदि॥ ४॥ अंकुरके नाम २॥ अकुर १ अभिनवो-द्भिद् २ ॥ ४॥

वृक्षो महीरुहः शाखी विटपी पाद्पस्तरुः ॥ अनोकहः कुटः शालः पलाशी 'इद्रमागमाः ५

वृक्षके नाम १२ ॥ वृक्ष १ महीरुह २ शाखिन् ३ विटिपेन् ४ पादप ५ तम ६ अनोकह ७ कुट ८ शाल ९ पलासिन् १० इ, ११ द्वम १२ अगम १३ ॥ ९ ॥ वानस्पत्यः फलैः पुप्पान्— जो वृक्ष फूलकर फलै उसका नाम १ वानस्पत्य १ ॥

-्तैरपुष्पाद्वनस्पातिः॥

जो कि फूलने विना फले जैसे गूलर कटहर आदि उनका नाम १॥ वनस्पति १॥ (वृक्षमात्रको भी वनस्पति कहेर्नेहं) ओपध्यः फलपाकान्ताः स्युः— फलकर पक्रनेपर नष्ट होनेवाले अर्थात् सन्न आदिका नाम १॥ ओपधी १॥ —अवन्थ्यः फलेप्रहिः॥६॥ फलेवाले वृक्षके नाम २॥अवन्थ्य १ फलेप्रहि २॥६॥ वन्थ्योऽफलोऽवकेशी च— जो नहीं फले उत वन्य १ अफल २ अवर्गाः —फलवान् फिलां फलयुक्त वृक्षके नाम २॥ फिल्म २ फिल्म् २॥ भाग्ने अल्लान्याः मा अल्लान्याः क्रम्स्याः ॥ ७॥ फुळ्ळेत विकसिते फ्ल्युक्त (विकसिते फ्ल्युक्त (विकसिते फ्ल्युक्त (विकसिते) वृक्षे प्रफ्ल १ उत्सुल्ह २ सम्ब्र्ल १ विकस्य ९ स्फुट ६॥ ७॥ ॥ विकसित ८॥

रगुर वन्ध्यादयिष्ठः अवध्यभादि शब्द तीनों विक्री स्थाणुर्का ना धुवः शंद ठूठ इसके नाम ३॥ स्थार्थ

शकु ३॥
-हस्वशाखाशिफः क्षुपः॥
-हस्वशाखाशिफः क्षुपः॥
-हस्वशाखाशिफः क्षुपः॥
-हस्वशाखाशिफः क्षुपः॥
-हस्वशाखाशिफः क्षुपः॥
-हस्वशाखाशिकः क्षुपः॥
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः
-हस्वशाखाशिकः

२॥ स्तम्ब १ गुत्म २॥ —वहीं तु व्रतिर्कता॥ वेलको नाम २॥ वहीं १ वर्गी

लता ३॥

अतानिनी वीरुह्णिल्मन्य-त्यिषे ॥ ९ ॥ -ो इन्बो इंट्रेजे नाम ३ ॥ बोहन् १ १२ इन्य ३ ॥ ९ ॥ गाद्यारोह् उच्छाय उत्से-च्छ्रयश्च सः ॥ गाद्यिकानी उच्छी, नाम ३ ॥ उच्छाप

तेव २ उन्त्य २ ॥ ो प्रकाण्डः स्कन्धः स्यान गच्छाखावधिस्तरोः १०॥ उम्मान्ये कले देखेलकः

मि भाषालने--स्कत्यभाषागाले-

-शिफाजंट II

शास्त्रागिपात्रगेहः स्यात-

मृत्यञ्चात्र गता लता ॥ ११॥

हैनीक नाम २ ॥ शिरोप १ शिखर २॥
- मूलं बुझोऽङ्ग्रिनामकः ॥
मिहाके भीतरकी जडके नाम २ ॥
मुल् १ बुझ २ अभिनामक सब बाज ३॥
सारो मज्जा नार-

गरेके नाम २॥ सार १ मजन् २॥
-त्वक स्त्री वल्कं वल्कलमस्त्रियाम्॥ १२॥

वृक्षको उपके नाम ३॥ सन् १ -- २ पका २॥ १२॥

काष्ठं दारु - काष्ठं र उप ६॥ काष्ठं र उप ६॥ काष्ठं र उप ६॥ काष्ठं र उप ६॥ - इत्यनं त्वेथं इध्ममेधः समित

स्त्रियाम्॥ इन्हें नम् ६॥ स्ट्रांग्य । स्ट्रांश् इन्हें नम्हित्रे स्पनेत्रे नम् ६ ॥

निष्दुहः कोटां वा ना--व्हिंग्मंद्रागः स्त्रियो ॥ १३॥

पत्र पत्राग छड्न उल पर्ण छडः पुमान ॥

निरोज्य निवर वा ना-

॥ २२॥ १००० २ १०% १००० ० माण्य सर्वति १॥ रमुनेस्वीरे दुन्त तड्नाम्बरण्यी

र्युत्तरभार द्वतं ते उत्तरभारण वे जन्मलाः ॥ २५॥

तम्बंगिनारं नाव ५ ॥ उत्ताहर व्यक्ति २ १ म ० न मीट ५ ४० ५ ॥ २५ ॥

बरणा यक्तणः मेलुम्बितकालाः छमारकः ॥

नाणां, गणां) के नात शास्त्रण रेन्णारने (२ किनापंत्रणनाक ना प्रतामे पुम्पम्बद्धाः केलको देप-नलभः॥ २८॥

नामोलाके नाम ६ ॥ पनाम रप राष्ट्रसुद्ध केलारको सक्ता का ६॥ र स

्रिभद्रं निम्बतमर्भन्दागः पा-रिजातकः॥

वकापनके नाम ४ ॥ पार्मगढ़ १ निम्बनम् २ मन्दार २ पार्गजातक ४ ॥ तिनिशेरयन्द्रनो नेमी रथड्र-तिमुक्तकः ॥ २६ ॥

वञ्चलिधनकृत्र-

यञ्जुल रक्षके नाम ॥ ७॥ तिनिश् स्यन्दन २ नेमि ३ स्थद्घ ४ अनिमुक्तक ५॥ २६॥ यञ्जुल ६ चित्रकृत् ७॥

-अथ द्वी पीतनकपीतनी ॥

भागा कि १ १९ १ ०५ १ १ १ भागे सन्धालमान

मा १५ ताम शास १ । मा १५ ताम शास १ ।

-तजी द माण्डा उन्हें परावचार ॥ ॥ पीळो स्टाह्य मंगी

नता । एको रहे नाम र ॥^१ भनक र स्थान र ॥

न्तिम्मस्य गिरिसंभी। जन्नोटकत्रमळी ही-गरान गरगे हे गण शाह

(ता १ ६ साउ २॥

-अद्भाष्टि तु निकोचक न ज दो नाम २ ॥ अहे

निक्षेत्रक २॥ प्र<mark>ाशिक्षेत्रकः पर्णोबाना^{न्त}ः</mark> पटाशेके नाम ४॥ पटाग १।

२ पर्ण ३ वानपोध ४॥ -अथ वेतसे ॥ २९॥

रथाश्रपुष्पविद्वरशीतवानी ञ्चलाः॥

वेतके नाम ७॥ वेतस १॥२९

वटके नाम २॥ चन्नोघ १ वहुपाट् २

(50)

वट ३॥३२॥

गालवः शावरो लोप्रस्ति-रीटस्तिल्वमार्जनौ ॥

होबके नाम ६ गाउँ १ झाबर २

आम्रश्रृतो रसालः-

अपने नम २॥ अम / चन २

्र -अमा सहकारोऽतिसारमः ३३

कुम्मोत्स्वलकक्षीव कार्गिको-

गुगगुलुः पुगः ॥

जल जिल्लानक जीन राजी

पक्षों तरी पश्री स्थात- राजात प्रियात . पर्यंत्र

ान ३ विदुर ४ शीत २ वानीर ६

। परिच्याधविद्वलौ नादेयी ः दुवेतसे ॥ ३०॥

वानीके बेनके नाम १॥ परिन्याव १ रह २ नादेवी २ अम्बुवेतम ४ ॥ ३०॥ | लो प्र ३ तिगेट ४ तिल्ब ६ मार्जन ६ ॥

'शोभाजने शिव्रुनीक्ष्णगन्ध-:काक्षीवमीचकाः॥

विभिन्नतेषे तम । जिल्लाह , स्मान दे ।

रकोऽसी मधुशिषः रयात॥

भरिष्टः पनिलः समी॥ ३/॥

क्तं भाषित्रयश्चिमां मात्र वहवास्त ॥ २०॥

ापनाविष ॥

त्यवीधी प्रषाद्र ॥३३॥



स्य २ पर्ते ३ लक्कमनक्त ४ ! ∮ प्रयम्बिक ३ क्विक ६ । गुरु च ॥ ४१ ॥ तुलं च- | सस्यसम्बरः ॥ ४४ ॥ प्रीक्या र तुन्ने नम ६ ॥ न्द 1117 511

प्रियककद्व्यास्तुह्**रिप्रियः** । उन्हों, नार ४ 🖟 सेंघ 🐔 जिल्ला उस्य ६ हारिप्रेय ८ ॥ वृक्षेत्रमण्यते विस्तिस्यी भ-रकीचिष्ट् ॥ ४२ ॥

नारिक सम् ।। विस्तु १ सन् म् वर्षमान् व सम्मान्त्रः । म्यु

भाष्टं कन्द्रगलक्षपीत्रकार् रिकाः ॥ प्रक्षश्र−

-निनिवरी विवारित्या-

-सथ भिनमार्थे ॥ ३३ ॥ والإعلامين والاعتاقات والمعالدة प्याः ॥

रनी होद्येन मन १ II असूज १ ¹ II ४६ II सर्जन २ इस्पन ३ इस्पत १ तु पृतः ऋनुको व्ह्रद्यापो साले तु सर्जकार्प्याधकर्मकाः

इंग्रिसिय ४१ समा १ सही ६ ः २ वस्य ३ वरम्य ५ वरदान्य । बार्च ३ अखर्गाव ४सम्पर्मेवर १ ४४ । नदीसजों वीरत्यारिन्द्रद्रः कक्मीऽज्नः॥

अर्जनस्मे स्था । नर्जन्ति । र्वप्रमा १ इस्ट्रह ६ स्थाप ४ आहि ६ , गजादनः पन्ताध्यक्षः क्षीरि-

-अब इचीः ॥ ४५ ॥ ereit mitteret.-

Element court in the form

أرير يستقسمه لمنظ مستثلية

सेमाकि मोदो, कार २ ॥ वि.स. ४ सामगीर २ ॥

-रोचनः कटशात्मिलिः॥ कारेसेगारे नाग २॥ गेनन

या ना २॥

चे ,विल्यो नक्तमालः कर्जश करञ्जेक ॥ ४७॥

परजोरे भाग ४ ॥ निर्मातक १ नक २ करज २ हरजह ४ ॥ ४७॥

ी पृतिकरजः पृतिकः

c , sh: 11

कडीले करजंके नाम ४ ॥ प्रकीरी १ . ।तकरजं २ पृतिक ३ किन्मारक ४ ॥

करक्रभेदाः पडग्रन्थो मर्कस्य-

ङ्गारवल्लरी ॥ ४८॥ करजके भेद ३॥ पड्मन्थ १ मर्कटी

२ अङ्गाखल्लरी ३॥ ४८॥ शेही रोहितकः भ्रीहशत्रुदी-

ं ताम ४॥ गेहिन् १ रोहि-

्र , ७ २ नाम ४ ॥ गोहेन् १ रोहि र प्रीहशत्रु ३ टाटिमपुप्पक ४ ॥

त्री बालतनयः खदिरो वा गा४९॥

्राचा • ॥ ४८ ॥ चिरके अर्थात् कत्येके नाम ४ ॥ गा-यत्री १ वालतनय २ खिटर ३ दन्त-धावन ४ ॥ ४९ ॥ अविकेति विक्रमणिन स्वेतक वेजिलाहरी

ार्ग १ ॥ -किहा महिने मिने ॥ मोहान्से जिन

सहित्सी सामा २॥ १८५ महित्सी

−अथ व्यार उच्च्यानार्वेन । ॥५०॥एम्ण्ड उस्तृकश्र ५ चित्रकल सः॥चञ्डःपश्रोधः

मण्डतर्श्वमानव्यङ्ख्याः ५१॥ १९ अभी एए को नाम ११॥ १९ ११म चीतमा १॥ १॥ १९ १९ १९ ११म चीतमा १ मन्तु १ पन्तु

८ मण्डा २ किमान १० व्यउम्बत ^१ ॥ • १॥

नतन् र्या भिमारःस्यात |-समी पिचुल्नामशाशमीरी। ज्ञाउने नाम शान्ति शिवा॥

श्रीणिका कुमाम ३॥ रामी सकुमारीकमण्या ३॥ पिण्डीतको सरुवकः श्रस्

करहाटकः॥५२॥शल्यश्चमदर्भ मयनफलके नाम ६॥ पिण्डीतकः।

मयनफलक नाम ६॥ १५ जन्म मरुवक २ श्वसन ३ करहाटक ४॥५२॥

शल्य ५ मदन ६॥

ं -शक्तपाद्यः पारिभद्रकः॥ हिदारु दुकिलिमं पीतदारु । दारु च॥५३॥ पूतिकाष्टं च पत्रस्यदेवदारुणि-

जेन्य होने नाम ८ ॥ द्यानाद्य १ जिम्म्य २ भग्रदान २ द्वितित्म ४ ज्यान २ दान ६ ॥ २२ । पृत्यिताष्ट्र ७ जन ॥ ८ ॥

-अय द्वयोः॥ ।टलिः पाटला मोघा कात्र-याली फलमहा॥ ५४॥ एणवृन्ता कृषेराक्षी-

-- , ;-

-यामा न मिल्लाह्या ॥ हता गोद्यन्दिनी च हा प्रियद जिल्ली पर्वा ॥ ॥ गिर्देश सिना म प्राप्त विश्वस्था हिल्लामा प्राप्त ॥

मण्डूकपर्णपत्रोर्णनटकट्वङ्गडु-ण्डुकाः॥ ५६॥ त्योनाकशुक नासर्क्षदीर्घवृन्तकुटत्रटाः॥ शोणकश्चारली-

सरिवन सोनापादा के नाम १२॥
मण्डकार्ग १पत्रोगे २ नट २ कट्वड ४ ट्रण्टुक
भा २ ६॥ मोनाक ६ द्युक्त सक्त ४ ट्रण्टुक
के कुल २ क्टब्स्ट १ व्योगक १ स्था ३ १२
- तिष्यफला त्यामलकी विष् ५ ५
अमृता च वयम्था च-

- विकिन् । इ. विकारकः नाज्यसम्बद्धाः वयपाने सनावा व्याकतिकः ॥ - ४॥

पीतद्वः सर्लः प्तिकाष्टं च-सरलके नाग ३ पीनद्व १ मरा २ प्रिकाष्ट ३॥

−अथ हुमोत्पलः ॥ कर्णिकारः परिच्याधः–

करनेके नाम २ ॥ दुमोत्पल १ कार्ण-कार २ परिव्याच २ ॥

-लकुची लिकुची डहुः ॥६०॥ बडहरके नाम ३ ॥ टकुच १ विकुन

२ डहू ३ ॥ ६० ॥

पनसः कण्टिकिफलो-कटहरके नाम २॥ पनम १ कण्ट-

किंफल २॥

-निचुलो हिज्जलोऽम्युजः॥ समुद्रफल्के नाम २॥ निचुल १ हि-जल २ अम्युज २॥

काकोद्धम्बरिका फल्गुर्मलयूर्ज-घनेफला॥ ६१॥

कठूमरके नाम ४ ॥ काकोदुम्बारेका १ फला २ मलयू ३ जघनेफला ४ ॥ ६१॥ अरिष्टःसर्वतोभद्रहिङ्गानिर्यास-मालकाः ॥ पिचुमंदश्च निम्बे-नीवके नाम ६ ॥ अर्थेग १ मर्दिन

नीयके नाम ६॥ आरेष्ट १ सर्वतो-भद्र २ हिंगुनिर्यास ३ मालक ४ पिचु-मन्द ९ निम्न ६॥ अर्थापिकि । गीराने हे नाम २॥ ते गुरु २ जिल्ला २॥ ६२॥ कपिला **भस्मार्म** फुणार्ल सीसमान नाम १॥ गर्मा १॥

ामा १॥ -शिरीषस्तु कपीतनः भण्डिलोपि-जिरिसोत नाम २॥ जिनीपी

नन २ भण्डिल २ ॥ -अथ चाम्पेयश्चम्पको ०

प्यकः ॥ ६३ ॥

चम्पेके नाम ३॥ चाम्पेय १^{चस} २ हेमपुष्पक ३॥ ६३॥

एतस्य कलिका ^{गत्धक} स्यात्−

चम्पेकी कलीका नाम १॥ ^{गृह} फल्टी १॥ /

-अथ किसरे ॥ बकुलः-मीलिसर्विके नाम २॥केसर विकृति

-समोकरकदाडिमी॥ ६४ अनारके नान २॥करक १दाडिम २॥६

चाम्पेयः केसरो नागके^{सर} काञ्चनाह्नयः॥

चन्यातुष्यके नाम ४ ॥ चार्यप १ र २ नागकेनर ३ काञ्चनाह्य ४ ॥ पा जयन्ती तर्कारी नादेयी नयन्तिका ॥ ६५ ॥ जाहीके नाम ९॥ जपा १ जपन्ती२ र्रिने २ नादेशी ४ वेनर्शनका साह सा

पर्णमग्निमन्धः स्यात्कणिका णिकारिका ॥ जयः-अरण्डित र क्लिं , न्हिन

মুখ্যালীত হল জ জালু লা ४थ बुटजः अन्त्रो वन्सको

र्पागमञ्चित ॥ ६६ ॥

िल्या

हाणपाक्त राजिन्नसम्बन्धाः क मर्दवे.॥ ८ ॥

−अथ सिन्दुके ॥ सिन्दुवारेन्द्रसुरसौ निर्गुण्डी-

न्द्राणिकेत्यपि॥ ६८॥ म्योडो निभालू केनाम शानिन्द्रक १ सिन्दुवार २ इन्द्रस्तस २ निर्गण्डी ४

इन्द्राणिका ५ ॥ ६८॥ वेणी खरा गरी देवताडी

जीमत इत्यपि॥ बला बन के रक्तनमें रोडी प्रसिद्ध ने इसके समा ५ । बेगा १

श्रीद्यम्तिनी तु स्रण्डी--

नर्येष करिहाइयवसहयव । नगपन्यं न महिका ॥ ६८ ॥ नपर्श जीतमीमधन

संद्रास्त्रास्य चुना हुचा ॥

का त तकता निग्ही

का सम्बन्धाः स्वालापि च्छोपि

डजरो नेताजीके नाम २ ॥ वेलगु-रसा १ भूगनेजी २ ॥ –अथ मागधी॥ गणिका यूथिकाम्बद्या-जुर्हानो नाम ॥ ४ ॥ मागनी गणिका २ यूथिका ३ अम्बरा ४ ॥ -सा पीता हेमपुप्पिका॥ ७१॥ पीलें फ़लकी खुहीका नाम १ हेमपु-पिका १॥ ७१॥ अतिमुक्तः पुण्ड्कः स्याद्वास-न्ती माधवी लता॥ वसन्तीके नाम ५ अतिमुक्त १ पु-ण्ड्क २ वासन्ती २ माधवी ४ लता ५॥ सुमना मालती जाति:-चमेळींके नाम ३॥ सुमनम् १ मालती २ जाति ३॥ -सप्तला नवमालिका॥ ७२॥ वर्पाकी वेछीके नाम २ सप्तला १ नवमालिका २ ॥ ७२ ॥ माध्यं कुन्दं-कुन्दके नाम २ ॥ माघ्य १ कुन्द २ ॥ -रक्तकस्तुबन्धकोबन्धजीवकः॥ दुपहरी फ़्ल्के नाम ३ ॥ रक्तक १ चन्धूक २ वन्धुजीवक ३॥

सहा कुमारी तरिणः

चीर शाह तेचा भी २ तमीय ३॥ -अम्लानस्त परिवाहि नाम २॥अनम महा २ ॥ ७२ ॥ तन शोणे कुर्बकः-ाटक्ट्रियाका नान १॥ उ -तत्र पीते कुरण्टकः पीली क्टियाका नाम रे ॥ इ नीली झिण्टी द्वयोर्वाणा . चार्तगलश्च सा॥ ७४॥ नीली शिटीक नाम ३॥ व दामी २ आर्तगळ ३॥ ७४॥ संरेयकस्तु झिण्टी स्य शिडीमात्रके नाम २ ॥ सेरेक झिण्डी २ ॥ -तस्मिन्कुरवकोऽहणे [|] लालझिंडीका नाम १॥ कु^{द्दक} पीता कुरण्टको झिण्डी ति न्सहचरी द्वयोः ॥ ७५॥ पीली झिडींके नाम २ ॥ कुरण्ड सहचरी २ ॥ ७५ ॥ ओण्डूपुप्पं जपापुप्पं-गुडहरके नाम २ ॥ ओड्रपुण जपापुष्प २ ॥ -वज्रपुष्पं तिलस्य यत् [॥]

मरुआके नाम ९ ॥ समीरण १ नरु-वकरप्रस्थपुष्य ३ फणिजक ४ जवीर ९॥

-अथ पर्णासे कठिञ्जरकठे-

रको ॥ ७९॥

पनसंके नाम २ ॥ पर्णान १ किट-इस २ कुठेंग्ज २ ॥ ७६ ॥ सितेर्जकोऽन्न-श्वेन्यत्स्यस्य नाम १ ॥ अर्जक १ ॥ -पाठी तु चित्रको बह्निसंज्ञकः ॥ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चित्रकः २ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चित्रकः २ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चित्रकः २ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चित्रकः २ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चित्रकः २ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चित्रकः २ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १ चौनेत्रे नाम २ पठी १

स्चको मानुसुङ्ग्ये ॥ ५८ ॥

फलपरी बीजपर:-

नतीरणो मरुवकः प्रस्यपृष्पः कणिज्ञकः॥ जम्बीरोऽपि- लिक्सरी पाशपत पकादीली बुको कस् ॥ ८७ ॥

-अत्र शङ्कलक्षेत्रनापमा ॥

वन्दा वृक्षादनी वृक्षहहा जी-वन्तिकेत्यपि॥

आकाशवेलके नाम ४ ॥ बन्दा १ वृक्षा-दनी २ वृक्षरुहा ३ जीवन्तिका ४ घत्सादनी छिन्नरुहा गुडूची तिन्त्रकाऽमृता ॥ ८२ ॥ जीव-न्तिका सोमवल्ली विशल्या मधुपर्ण्यपि ॥

गिछोयके नाम ९॥ वत्सादनी १ छिन्न-रुहा २ गुडूची ३ तिन्त्रका ४ अमृता ९ ॥ ८२ ॥ जीवन्तिका ६ सोमवर्छी ७ विशस्या ८ मधुपर्णी ९॥ नृत्वी देवी मधुरसा मोरटा ते-

मधुश्रेणी गोकणीं पिछपण्यणि॥ चिनारके नाम १० मूर्च १ देवी २ मधुरसा ३ मोरटा ४ तेजनी ९ स्त्रवा ६ ॥ ८२ ॥ मधूलिका ७ मधुश्रेणी ८ गोकणीं ९ पोछपणीं १०॥

जनी स्रवा ॥८३॥ मधृलिका

पाठाम्बछा विद्धकर्णी स्थापनी श्रेयसी रसा ॥ ८४ ॥ एकाछी-ला पापचेली प्राचीना वनीत-

क्तिका ॥

पेठेके नाम १०॥ पाठा १ अम्बष्टा २ विद्वकर्णी ३ स्थापनी ४ श्रेयसी ९ रसा ६ ॥ ८४॥ एकाष्टीला ७ पापचेली ८ प्रा-चीना ९ वनतिक्तिका १०॥ कटुः कटम्भराश्चे कटुरोहिणी॥८५॥ कुण्णमेदी चक्राङ्गीर कुटकींके नाम ८॥ कटु १ २ अशोकरोहिणी ३ कटुरोहिणी मत्स्यपिता ९ कुण्णमेटी ६ शक्तुछादनी ८॥ उत्तारस्थता जह अध्यप्य प्रायुषायणी॥ ८६॥ क क्ता गुक्कशिक्वः काप

मर्कटी ॥

केचके नाम ९॥ आत्मगुता १ २ अज्यण्डा ३ कण्ड्रा ४ प्राकृता ॥ ८६ ॥ ऋष्यप्रोक्ता ६ श्राकृति कापिकच्छु ८ मर्कटी ९॥ चिन्नोपचित्रा न्यप्रोधी ४

चिनोपचिना त्यप्रीधी प्र शस्त्ररी वृषा ॥ ८७॥ प्रत्यव सुतश्रेणी रण्डा मू क म्लकि नाम १०॥ चित्रा १

त्रा २ न्यज्ञोत्री ३ द्रवन्ती ४ रा वृपा ६॥८७॥ प्रत्यक्ट्रेणी ७ ६ ८ रण्डा ६ मूपिकपणी १०॥

अपामार्गः रे े को बाम मयुरकी ॥ ८८ ॥ त्यक केशवर्णी किणिही खर्मक

अपामार्ग के नाम ८॥ अपान

. रीज २ अधामानीय २ मयूरक ४ ८ ॥ प्रत्यवनणी २ केरानणी ६ कि-८ १ खरमजरी ८ ॥

त्रेका वाह्मणी पञ्चाभाङ्गी ह्मणयष्टिका॥८९॥अङ्गार-शिवालेयशाकवर्दरवर्धकाः॥ भागांके नाम ६॥ दृष्टिका १ हाइ-२ पद्मा २ मार्झी ४ हाद्यगाटिका ५ (९॥ अंगाक्तुती ६ वादेयशाक ७

र ८ वर्डक ६॥
तेष्ठा विकसा जिङ्गी समङ्गा
ालमेषिका॥९०॥मण्डूकपणी
रडीरी भण्डीयो जनवल्यपि॥
मजीवके नाम ६॥ मङ्गि १ विक२ निङ्गी २ समङ्ग ४ कालमेणिका २
९०॥ मण्डलपणी ६ मण्डीरी ७ मण्डी

्रासो यवासो इःस्पर्शो धन्व-ाासःकुनाशकः॥९१॥रोदनी ःच्छरानन्तासमुद्रान्ता दुरा-ुरुमा॥

जगतेके नाम १०॥ यात १ पत्रात्त २ ६-सर्ग ६ धन्याम १ जुनाशक ९॥६ १॥ प्रेश्मी ६ बन्हुस ४ बनन्ता ८ समुद्रान्ता ९ दुसरमा १०॥

पृक्षिपणीं पृथक्पणीं चित्रपर्णः

ङ्घ्रिपणिका ॥९२॥ क्रोप्टिका सिंहपुच्छी कलशी धावनीग्रहा

पिठिवनके नाम ९ ॥ पृक्षित्रणों १ पृथक्त्रणों २ चित्रत्रणों ३ अत्रित्रार्गिका ४ ॥ ९२ ॥ कोष्ट्रितना ९ निहपुन्छो ६ क-ल्ह्सो ७ धावनो ८ गृहा ९ ॥

निदिग्धिका स्पृशी व्याब्रीवृह-ती कण्टकारिका ॥९३॥ प्रची-दनी कुली क्षुद्रा हुःस्पर्शा रा-ष्टिकेत्यपि॥

भटकटेषा ्कटेह्छी के नाम १०॥ निदिष्यिका १ स्पृशी २ व्याप्ती २ बृहती ४ कण्टकारिका १॥९३॥प्रचोदनी १ कुले ० भुद्रा ८ दु सर्शी ९ राष्ट्रिका १०॥ नीली काला झीतिकिका प्रामी णा मधुपणिका ॥९४॥ रङ्गनी श्रीफली तुत्था द्रोणी दोला च नीलिनी ॥

नीत्के नाम ११॥ नीव्ये १ काव्य १ होनिकेम १ प्रमोगा ४ मधुगर्णिका १॥ ९४॥ रजनी १ श्रीकवी ७ तुत्था ८ होनी ९ दोन्य १० नीविनी ११॥ अवल्युजः सोमराजी सुविद्धः सोमबिह्यका॥ ९९॥ कालमेषी कृष्णफला वाकुची पृतिफल्यपि वकुचीके नाम ८॥ अमनुव १ लो- मराजी २ सुत्रिष्ठ ३ सोमविष्ठिका ४ ॥ ९९॥ कालमेपी ९ कृष्णफला ६ वा-वाकुची ७ पूर्तिफली ८॥ कप्पोपकल्या विकेटी सम्बन्धी

कृष्णोपकुल्या वैदेही मागधी चपला कणा ॥ ९६ ॥ उपणा पिप्पली शोण्डी कोला-

पीपलके नाम १०॥ कृष्णा १ उपकु-त्या २ वंदेही २ मागधी ४ चपला ९ कणा ६॥ ९६॥ उपणा ७ पिप्पली ८ श्रीण्डी ९ कोला १०॥

−अथ करिपिप्पली ॥ कपिवल्ली कोलवल्ली श्रेयसी व-शिरः पुमान् ॥ ९७ ॥

गजपीपल्के नाम ९॥ कारिपिपाली १ कपिवल्ली २ कोलवल्ली २ श्रेयसी ४ विशेर ९॥ ९७॥

चट्यं तु चितका-चावके नाम २॥ चव्य १ चितका २॥ काकचिश्चागुञ्जे तु कृष्णला ॥ घुबुची (चिरमठी) के नाम २॥का-

किंचिंचा १ गुजा २ कृष्णला ३ ॥

पलङ्कपा त्विश्चगन्था श्वद्धा स्वादुकण्टकः॥९८॥गोकण्टको गोशुरको वनशृङ्गाट इत्यपि ॥ गोलक्षे नाम ७॥ पल्झपा १ इश्च- गन्वा २ श्वदंष्ट्रा २ ००७ २ गोकण्डक ६ गोक्षुरक ६ ० विश्वाविषा ... पोपविषारुणा ॥ ९९॥ महीषधं च-

अतीसके नाम ८॥ विश्व १ प्रतिविपा ३ अनिविपा ३ अनिविपा १ वर्ग अरुणा ६॥ ९९॥ ग्रज्ञी ७ पर्व में अरुणा ६॥ ९९॥ ग्रज्ञी ७ पर्व में अरुणा ६॥ ९९॥ ग्रज्ञी ६ पिश्व की व्याप्त की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व की विश्व क

तावरी ॥ अहेरुः-शतावरीके नाम १०॥शतम् । मुना २ अभीरु ३ इन्टीवरी ४ न ॥ १००॥ ऋष्यप्रोक्ता ६ अभीन्न नारायणी ८ शतावरी ९ अहेरु १०

-अथ तह निय द्रवः ॥ १०१॥ दावीं दारुहारेद्रा पर्जनीत्यिप ॥ दारुहरूदीके नाम ७॥ पीन काल्यक २ हारेद्व २॥ १०१॥ दी पचपचा ५ टारुहारेटा ६ पर्जनी ७॥

वचोत्रगन्धा षड्यन्था ोली शतपर्विका ॥ १०२॥

वचकेनाम १॥ यचा १ उपगन्या २ पड्-३ गोलोमी ४ शतपर्विका ५॥१०२॥ ⊤शुक्ता हेमवती-- जिसके खेत जह हो उस नचका नाम हैमवनी १॥ यमानृसिंह्यों तु वाशिका ॥ - डिटसपः सिंहास्यो वासि, वाजिदन्तकः ॥ १०३॥ ्र अहमेके समार् भागत् । सिहीर क्वा ६ हा । हा विस्माद ्रका ७ चित्रालकः <u>.</u> स्फोटा गिरिकणी स्यादि-⊿क्रान्तापराजिता ॥ friga : " - m शुगन्धा तु काण्डे अको किला-श्चिमश्चराः॥ १०४॥

्रतिकादिक स्थान्तिक स्थान्ति । कादेश - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श्रामात्र - श

-अथ सीहुण्डो वज्रःस्तुक्खीस्तु ही गुडा ॥१०५॥ समन्तदुग्धा-

महुड थोहर के नाम ६॥ मीहण्ड १ तज २ स्तुह् ३ स्तुही ४ गुडा २॥

॥ १०६॥ सम्लदुःषा ६॥ -अथो वेल्लममोघा चित्रतण्डु-ला॥तण्डुलश्च कृमिन्नश्च विडङ्गं

पुंतपुंसकम् ॥ १०६ ॥ गाविद्यके नाम ६॥ बेलु ६ अमीया

२ चित्रतण्डुता ६ ताडुः ४ इमित २ विद्रह ६॥ १०६॥

्व**ला बाट्यालकः**− पिका सम्हेत्र के सम्दर्गा १ विकास २ ॥

-वण्टारचा तु शणणुष्पिका ॥

सन्दर्भ नम २ ॥ अस्म ४ ॥

पर्यापका २ ॥

मृद्रीका गोम्तनी द्वाक्षा स्था-द्वी मधुरमेति च॥ १०७॥ उपरक्षत स्वीत १८ स्वर

देसेंट करण

भित्रवाशियाः संपर्कतम् ६, त्याप (त्यातः संपूर्णते समा ५० तः स्यापः) देवर् प्रवृक्ति प्रकारिकेक्येक् विद्युष्टिस्य अस्तितः -श्यामापालिन्द्यौ तु सुपेणि-का ॥ १०८॥ काला मसूर्वि-दलाऽर्धचन्द्रा कालमेपिका ॥ काले त्रियोरं (निसोत) के नाम ७॥ स्थामा १ पालिन्दी २ सुपेणिका ३ ॥ ॥ १०८॥ काला ४ मसूर्विदला ५ अर्दे-चन्द्रा ६ कालमेपिका ७ ॥ मधुकं क्षीतकं यष्टीसधुकं मधुय-ष्टिका ॥ १०९॥

जेठीमयुके नाम ४॥ मधुक १ क्रीतक २ यष्टीमधुक ३ मधुयष्टिका ४॥ १०९॥ विदारी क्षीरशुक्केश्चगन्धा क्रीष्ट्री तु या सिता॥

कृष्णभ्क्ष्माण्डके नाम ४॥ विदारी १ क्षीरक्षका २ इक्षुगन्धा २ क्षेप्ट्री ४॥ अन्या श्लीरविदारी स्यान्महा-श्वेतर्क्षगान्धिका॥ ११०॥

ग्रुक्तभूक्ष्माण्डके नाम ३ ॥ श्वीरविदारी १ महाधेता २ ऋक्षगन्धिका ३ ॥११०॥ लाङ्गली शारदी तोयपिप्पली शक्कलादनी ॥

जलपीपलके नाम ४ ॥ लागली १ शारदी २ तोयपिपाली ३ शकुलादनी ४ ॥ खराश्वा कारवी दीप्यो मयूरो लोचमस्तकः ॥ १११ ॥

मयूरशिखा वा अजुमोदके नाम ९ ॥

रागाया १ नारती २ तिय लानमस्तक ५॥ १११॥ गोषी श्यामा १। द्नन्तोत्पलशारिका कालीसाम्ब । अनतम्ब गोपी १ शामा २ जामि। ३-उत्पन्त्रगारिया ५ ॥ योग्यमृद्धिः रिजिए ऋदि, आपिके नाम ४ ॥ ऋदि २ सिदि २ छःभी ४॥ -गृद्धेरप्याह्या इमे॥१ येही नाम वृद्धिनामक औ होते है॥ ११२॥ कदली वारणवुसा रम्भ चांशुमत्फला॥ काष्ठीला केलेके नाम ६॥ कडली (बुसा २ रम्भा ३ मोचा ४ अशु^म काष्टींळा ६ ॥ मुद्गपणीं तु काकमुद्रा त्यपि॥ ११३॥ वनमूगके नाम २ ॥ मुद्गपूर्णी १ मुद्गा २ सहा ३॥ ११३॥ हिंदुली वार्ताकी

भण्टाकी दुष्प्रधर्षिणी ॥

वनभंटे (रानकटेहळी , के नाम

िको १ हिनुलो २ सिहो ३ भटाकी४ । व्यक्ति ९॥ कुली सुरसा रास्त्रा सुगन्धा

कुळा छुरसा राखा छुगन्या घनाकुली ॥११४॥ नकुलेष्टा नङ्गाक्षी छत्राकी छुवहा रसा ॥

~ रासन ् तुल्सी) के नाम ९ ॥ नाकुली - सुरसा २ राका २ सुगन्या ४ गन्यना-श्री ९ ॥ ११४ ॥ नकुलेटा ६ भुजं-ृक्षी ७ घत्राको ८ सुवहा ९ ॥

की ७ हत्राकी ८ सुबहा ९॥ दिसरिगन्धां शुमता साळपणीं देथरा ध्रवा॥ ११५॥ देशराग्री वासरिवनके नाम ९॥

ि शालपंगी वा सरिवनके नाम ९॥ द्योरनन्त्रा १ अशुमनी २ शालपंगी ३ ४रा ४ ध्रुवा ९॥ ११९॥

्रिण्डिकेरी समुद्रान्ता कार्पासी ादरेनि च॥

्र कपासके नाम ४॥ तृष्डिकेरी १स-नुबन्ता २ कार्पासी २ वटरा ४॥

शृही तु ऋषभी वृषः॥११६॥ यात्रदासीगीके नाम २॥ सङ्घे १ फाम २ हा २॥ ११६॥

गा देसकी नागवला झषा हस्व-गवेधुका ॥

ककही (गॅगेरन) के नाम शागांगेरकी १ नागव्ला २ तथा २ इस्वगवेधका १॥ धामार्गवी घोषकः स्यात्-धेत तुर्र्को नाम शावामार्गव १ वोपक २

-महाजाली स पीतकः॥११७॥ पाँठेष्ठको तुर्रहेषे नाम१॥महाजाली

१॥११७॥

ज्योत्स्री पटोलिका जाली-

चचेडेके नाम २ ॥ व्योत्स्ती १ पटो-टिका २ जार्टा ३ ॥

—नादेयी भूमिजम्बुका ॥ भूमिजामुनके नाम २॥ नादेयी १ भूमिजम्बुका २॥

स्यालाङ्गालिक्याग्निशिखा-कारियारी (कल्हारी के नाम २॥

लाङ्गलिको १ अग्निशिग्वा ॥ २

-काका द्वीकाकना तिका ११८॥ काक ज्ञा अर्थात् की वाठाटी मकोह । के नाम २॥ काकामी १ काकना-निका २॥ ११८॥

गोधापदी तु सुवहा-

्रहस्पदी राज्ञाजनी जैनाम २.॥ रोधापदी १ सुबहा २ ॥

-मुसली तालम्लिका ॥ मृन्योके नम २ ॥ मृत्यो १ ता-मृत्या २॥ (66)

अजशृङ्गी विषाणी स्यात्-मेढासीगीके नाम २ ॥ अजगृङ्गी १ विपाणी २ ॥

गोजिह्नादार्विके समे॥११९॥ गोभीके नाम २ ॥ गोजिहा १ टार्वि-का २॥ ११९॥

ताम्बूलवही ताम्बूली नागव-छग्रिप-

नागवेछ अर्थात् पानके नाम ३॥ता-म्बूलब्रहा १ ताम्बूली २ नागवाही ३ ॥ अथ द्विजा॥

हरेणू रेणुका कौन्ती कपिला भस्मगन्धिनी ॥ १२०॥

गगनधूरिके नाम ६ ॥ दिजा १ हरेणु २ रेणुका ३ कान्ती ४ कपिला ५ भस्मगन्धिनी ६ ॥ १२० ॥

एलावाळुकमैलेयं सुगन्थिहरि-वाळुकम् ॥ वाळुकं च-

एलुआ नामक गन्धद्रव्याविशेषके नाम ९ ॥ एलावालुक १ ऐलेय २ सुगन्धि ३ हरिवालुक ४ वालुक ५

-अथ पालङ्क्यां मुकुन्दः कु-न्दकुन्दुस्त ॥ १२१ ॥

पालवाके नाम ४ ॥ पालकी १मुकुन्द २ कुन्द ३ कुन्दुरु ४ ॥ १२१ ॥ वालं हीवेरवर्हिष्ठोदीच्यं के-शाम्बनाम च ॥

नेत्रवालांक नाम ४ ॥ 🕬 २ बर्हिष्ट ३ उदीन्य ४ ॥ उद्कके सन्न नाम ५ ॥

.. છત ^કે. ત્ર शिवानि तु ॥ १२२॥

शिलाजीतके नाम ५॥ ग १ वृद्ध २ अस्मपुष्प२ जीतिन ॥ १२२॥ शैलेय ५ -तालपणीं तु दैत्या • मुरा ॥ गन्धिनी-मुरैठी वा तालिसपत्रके नाम १॥ पणीं १ दैत्या २ गन्बकुटी ३ !

−गजभक्ष्या ८^{५६} रसा ॥ १२३ ॥ महेरुणा रुकी सङ्की हादिनीति

गन्विनी ९ ॥

कासके नाम ८॥ गजमन्या २ सुरिम ३ रसा ४॥ १२३। . . कुन्दुरुको ६ सहको ७ ह्लादिनी ८ अग्निज्वालासुभिक्षे दु ४ धातुपुष्पिका ॥ १२**४**॥

धव (घायफूल) के नाम ४॥ ञ्चाला १ सुभिक्षा २ धातकी ^{३ ५} ष्पिका ४ ॥ १२४ ॥ पृथ्वीका चन्द्रवालैला 🦩

टिर्बहुला−

ग्डी इरायचीके नाम १॥ पृथ्वीका १ गटा २ एटा सेने कुटी ४ बहुटा ६॥ -अथ सा ॥ मोपकुञ्चिका तुत्था कोरङ्गी हुटा चुटि:॥ १२५॥ एकरानी छोटी इत्याचीके नाम टाकुदिका १ तुथा २ कोग्झी ३

ग ४ वृद्धि ४ , १६०॥ भिः कुष्ठं पारिभाव्यं व्या-पाकलमुत्पलम् ॥ व्यक्ते तक ६ व्यक्षि ४ त्रु ६

माण १ प्राप्त १ प्राप्त १ होती चोरपुष्पी रयात्केः नी-

उप कार्य : -अथ विनुत्रकः ॥ १२६॥ रामलाज्ञरा नाली शिवा मिलकीनि च॥

Trans of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same of the same

प्रपोण्डशीक पॉण्डर्यम्-स्ट्रांटिक स्ट्रांस्ट्रिक -अथ तुन्नः क्वेरकः ॥ १२७ ॥ कुणिः कच्छः कान्तलको नन्दि-बृक्षः-नुनके नाम ६॥नुक (कुबेरक २॥ ६२ ॥

कुणि २कच्छ ४ कान्तलक ९ नन्दिक्स ६॥ —अथ राक्षसी ॥

चण्डा धनहरी क्षेमदुप्पत्रगण-हासकाः ॥ १२८ ॥

वनहरोके नाम ६॥ राञ्चनी १ चण्डा २ वनहरी ३ क्षेम ४ दुष्पत्र ३ सण्डा-सक ६॥१२८॥ व्याहायुर्थ व्यायनस्वं कर्ज

चक्रकारकम् ॥
तह राष्ट्रप्रकेतम् । उत्तर्भः
सुषिगा विद्वमलना कपोनाइ.प्रिनंदी नली ॥ १२९॥
तहार स्रांतद्वी स्ताः

हा । । । धमत्यञ्जनकेशी च हतुहंद्वि-लानिनी ॥

हा का जा जा है। शक्तिः शहः खरः की

शुक्तिः शद्दः खुरः कॉलदले नखम्- नखी नाम मत्त्वस्थितियोग नाम ।। शक्ति १ गह्न २ सुर ३ कोलद्क ४ नम्य ९ ॥

-अथारकी ॥ १३० ॥ काक्षी मृत्स्ना तुवरिका मृत्ता-लकसुराष्ट्रजे ॥

अरहरके नाम ६॥ आढकी १॥१३० काक्षी २ मृत्ना ३ तुर्वारका ४ मृत्तालक ५ सुराष्ट्रज ६॥

कुटब्रहं दाशपुरं वानेयं परिषेल-वम्॥ १३१ ॥प्लवगोपुरगोनर्देन-वर्त्तीमुस्तकानि च॥

मोथाके नाम ९ ॥ कुटलट १ दाश-पुर २ वानेय २ परिपेलव ४ ॥ १२१॥ प्रव९गोपुर६गोनर्द ७ केवर्त्ती/सुम्नक ९॥ अन्थिपणे शुकं वहिपुष्पं स्थोणे-यकुक्टरे ॥ १३२ ॥

ककरोके नाम ९॥ श्रान्थिपर्ण १ शुकर वर्हपुष्प ३ स्थाणिय ४ कुक्कर ९॥ १३२॥ मरुन्माला तु पिशुना स्पृक्का दे-वी लता लग्नुः॥समुद्रान्ता वधूः कोटिवर्षा लङ्कोपिकेत्यपि १३३

अस्परक्षके नाम १० ॥ मरुन्माला १ पिशुना २ स्पृक्षा ३ देवी ४ लता ५ लघु ६ समुद्रान्ता ७ वधू ८ कोटिवर्षा ९ लङ्को-पिका १०॥ १३३॥

नपरिवनी जटा लोमशा मिशी॥ जटामामीके नाम ६ ॥ जटा २ मासी २ जिल्ला ४ मिजो ६॥ त्वक्पत्रमुत्कटं भृङ्गं । वराङ्गकम् ॥ १३४॥ त्जको नाम ६॥ वनपर्र (-भूत ३ त्यच ४ चोच ५ वगद्गक्षी. कर्च्यको द्राविडकः वेधमुख्यकः॥ कच्रके नाम ४॥ कर्न्रक ¹र्न डक २ कात्पक ३ वेबमुराक ^{१ ।} ओषध्यो जातिमात्रे स सव अन्नोका नाम १॥ ओर्की -अजाती सर्वमीषधम् ^{॥१३} अनमात्रका नाम १ ॥ औपव १॥^{१।} शाकाख्यं पत्रपुष्पादि-तर्कारीमात्रका नाम १॥ जाक -तण्डुलीयोऽल्पमारि^{ष्} चौराईकेनाम २॥तण्डुळीय १अल्पनारि विशल्यामिशिखाऽनन्ता लिनी शक्रपुण्पिका॥ ^{१३६} कल्यारी इन्द्रपुष्पीके नाम १॥ि ल्या १ अग्निशिखा २ अनन्ता ३ ^{पूर्ी} ४ राकपुष्पिका ५ ॥ १३६॥

[لا أنتيا

विधाराके नाम ५॥ ऋक्षगन्या १ छग-

र्शि २ आनेगी २ वृद्धतारक १ तुङ्ग ।। तसी तु मत्स्याक्षी वयम्था

मबह्नरी ॥ १३७॥ ब्राह्मीके नाम ४ ब्राह्म १ मस्यादा ।

मा ३ सेस्ट र १३७

पणीं हेमवनी रार्णक्षीरी

मावती॥

प्रवन्ती न कामगोली मावप

मिहापदा ॥ ४३८ ॥

ालुषणयंचि ॥

येग अवर्ग नर्रा धरण पाल निक्ता॥ : ।।

परापणी तु सद्भा सकता क्तिमा च सा॥

एलापणींके नाम ४ ॥ एलापर्गी १ नुवहा २ रात्वा ३ युक्तरसा ४ ॥ चाङ्गेरी चुक्रिका दन्तशठाम्ब-ष्टाम्ललोणिका॥ १४०॥

अम्लेना वा चुकाके नाम ९॥ चा-क्रेगे १ चिकिका २ दलकारा ३ अम्बद्या

- सम्बंधिका २ ॥ १४०॥

महस्रवेधी चुक्रोऽम्लवेनसः शनदेध्यपि ॥

राजितके सम । । सहस्रवेश १ - I a frament a magne " !!

नमरकारी गण्डकारी समद्रा खदिरेन्यपि॥ १४१॥

ण्डिकेशीर करण -िस्विका च्याना नायना चीरा जीव

किराततिको भ्निम्बोऽनार्ग-तिकः-

िगयने के नाम २ ॥ कियानि क १ भूनिम्ब २ अनार्यनिक २ ॥

−अथ सप्तला ॥ विमला सातला भृरिफेना च॰

मेकपेत्यपि॥ १४३॥

सीनुण्डभेटके नामशायमणा १ मिगण २सातला२भूरिकेना४चर्मकता ५ १४२॥ वायसोली स्वादुरसा वयस्था-

काकोर्लीके नाम ३ ॥ नागमोर्ली १ स्वादुरसा २ वयम्था ३॥

-अथ मक्लकः ॥

निक्रम्भो द्गितका प्रत्यक्छ्रेण्यु-द्धम्बरपर्ण्यपि ॥ १४४ ॥

वज्रदन्ती अयीत् दन्तियाके नाम जिसके बीजको जयपाछ कहते हैं ९॥मकूछक १

निकुम्भ २ दिन्तिका ३ प्रत्यक्श्रेणी उदुम्बरपर्णी ५ ॥ १४४ ॥

अजमोदा त्य्रगन्धा ब्रह्मदर्भा यवानिका॥

अजमोद या अजवायनके नाम ४॥अज-मोदा १ उप्रगन्या २ ब्रह्मदर्भा ३ यवानिका ४ ॥ सुले पुरुष्ठा का अमिरास्त्रास्त्रा

मुले पुष्करकाश्मीरपद्मपत्राणि पोष्करे ॥ १४५ ॥

पीहकरम्ऴके नाम ३ ॥ पुप्कर १ कास्मीर २ पद्मपत्र ३ ॥ १४९ ॥ अध्यशातिनग पत्रनारिणी ॥

प्रमानके नामशाजनार प्रमा ३ मान्ये ४ प्रमाणि का म्पिल्यः

ज्ञेन रोचनीत्यपि॥१० प्राधिते नाग ९॥ व्यक्ति । २ जन्य २ रक्तांग ४ रोचनी १॥३ प्रप्रज्ञा इस्त्वेडगजो २४० र्दकः॥ प्रज्ञाट ३८७०

र हताउ वा पराउके नान री

नाउ १ एउगज २ दहुत^{३ ३} ४ प्रमाट २ उरुणाल्य ६ ॥

-पळाण्डुस्तु सुकन्दकः॥

्याजके नाम २॥ फटाण्डु । न्द्रक २॥ १४७॥ लतार्कदुद्धमी तत्र ६ हरे प्याजके नाम २॥ हर्ष

दुद्रुम २ ॥

-अथ महोषधम् ॥ -लञ्जनं ग्रः रेर्ष सोनकाः ॥ १४८॥

छहसुनके नाम ६॥ नहीं^{प्र १} २गृजन ३ आरेप्ट ४ महाक^{द १} नक ६॥ १४८॥

पुनर्नवा तु शोधधी-

ाडहर्पुरना , साठी ' के नाम २ ॥ चा १ शोधन्नी २ ॥ -वितुन्नं सुनिषण्णकम् ॥ वेस वपटाके नाम २ ॥ वितुत्र १ रणक २॥ ाद्रानकः शीनलोऽपराजि-शणपर्ण्यपि ॥ १४९ ॥ रहरानके नाम ५ ^{।।} बारदा १ होनार [|] अवाचपायो ६ कारपी ७ ॥ किता ३ हारको २ । १४९॥ ावताइघिः कटभी पण्या ानिप्मनी लना॥ षकं वायसाणा ग्यावाय-ाबलसद्धिका ॥ १५० ॥

प्वयंतिप्रिया गणिवाराही

मानेवा नद्शाच ग्याद-

संत्यपि ॥

कार्वम वा कीवाहाडी गोडीके नान २॥ काकमाची १ वापमी २॥ १५१॥ शनपुष्पा सितच्छत्राऽतिच्छत्रा मधुरा मिसिः ॥ अवाक्पुपी कारवी च-मोफ्के नम ७॥ शतपुष्पा १ नित-न्छत्रा २ अतिन्छत्रा ३ मधुरा ४ मिमि ६ -सरणा त प्रसारिजी॥१५२॥ तम्यां करंभग गाजवला भद-बलन्यपि॥ जनी जनका रचनी जनकाब-वांतर्ना॥ १००॥ सम्पना-- १ , , र्राश्चार १ वर्ष राज्यांच्य

क गांप। ३३०

च . करा इत्ते करीत

तकमाचीत्वायसी॥१५०॥ सवदा च

्हें कि नाम २ ॥ कार्ग १ % कि हह २ ॥ १२४ ॥ मुत्ती २ ॥ -अश्रुकुळकं पटोळरिनक्तकः पदुः ॥ पन्तरे नाम ४ ॥ मुक्क १ प्रतेक्श

परवरत नाम ४॥ कुण्त १ पदाण्य तिकत ३ पटु ४॥

क्ष्मांडकस्तु कक्तांसः-कुम्हडा (कोह्ला) केनाम २ ॥ कू-प्माण्डक १ कर्कारु २॥

-ईर्दारुः कर्कटी स्त्रियो॥१५५॥ ककडीके नाम २॥ ईर्नारु कर्कटी ३

॥ १९५॥

इक्ष्वाकुः कटुनुम्बी स्यान-रामनुर्दे अर्थात् टीकीके नाम २॥ इक्षाकु १ कटुनुम्बी २॥

> −ऌम्ब्यलायूरुभे समे ॥ तुम्बीके नाम २ तुम्बी १ अजातू२ ॥ चित्रागनाक्षी गोडुम्बा−

जठऊ ककरी ' गङ्भा ' के नाम २॥ गवाक्षी २ गोंडुम्बा २॥

-विशाला त्विन्द्रवारुणी२५६॥

इदवारुणीके नाम २ ॥ विशाला १ इदवारुणी २ ॥ १५६ ॥

-अशॉिझः सूरणः कन्दः-सूरण अर्थात् जमीकन्दके नाम ३॥ अशोह १ सूरण २ कन्द ३॥ माणी काणाम है।
माणी काणाम है।
कार मीका काम ने ।। उपेरिकापेर्ट माणा नाम १॥ उपेरिकाप्रेमा नाम १॥ मूर्कः
- सिलमोचिका ॥ १
रिज्यामा नाम १॥ है

११७॥ वास्तृकं-।युण्का नाम १॥ मन्द -शाकभेदाः खः-पट गव शाकके केट कहे। -हर्वा तु शतपर्विक सदस्त्रवीर्याभागेत्यां नन्ता-

र्वके नाम ६ ॥ दूर्म १ ह सहस्ववीर्या ६ भागीबी प्रका^{५ ह} अथ सा सिता ॥ है। गोलोमी शतवीर्या च ग शकुलाक्षकः ॥

उजली दूवके नाम १॥ गोलोमी १ शतवीर्यो २ गण्डा लक्षक १॥

ें विश्वीचशास्त्रास्त्र स्विलोजना ५ ८ ।

ं-१ विनियमा प्रयम्म सं हारके नाम २॥ गुन्द्र १ नेपनप्त२ इ.स. २॥

नहस्तु धमनः पोटगलः-नल्के नमः २॥ नदः १ यमन २ पोटगलः २॥

-अथो काशमिख्यमा।।१६२॥ इक्षुगन्धा पोटगलः-

काकिनम ३ ॥ काल १ - ६२॥ इ.स. १ वेजना ३ ।

-पंसि मुन्ति नु बन्वजाः॥

सम्बाह ह रु:-

-त्रेश प भारत्यका इय ॥ १६२॥

331212 . 31

्र प्राचीत्व वर्ष - प्राचीत्व प्राचीत्व - स्वास्त्

- 15 .h4.--

त्र करिया ॥ , १ ॥ १८ क्षेत्र मा । वर्षा १८ क्षेत्र (२॥ स्याद्धम्यूमं मध्यमामाक्ष स्था अपि॥ १९५॥

नती गम्ह गमकामं का नाग १ ॥ तम १ ॥ १ व ६ ॥ अस्ति स्थं स्थं द्भे प्रविच्छ । जाके नाग १ ॥ का १ व । । इमं ६ प्रविच्छ ॥

−अथ कत्तृथम् ॥ पीर्सीमन्धिकध्यामदेवज्ञधः करोहित्म् ॥ १६३

्रीटिंगके नाम ६॥ कत्या र तोहर सींगटिंगक ६ म्याम ४ देव एगक ५ ते टिप **९**॥ १६६ ॥

छत्रातिच्छत्र**पालन्नी−** पानीके तृणके नाम २ ॥ छत्रा १ धतिच्छत्र २ पालक्ष ३ ॥

—माळातृणकभ्रम्तुणे ॥ तृणितिशके नाम २॥ माळातृणक १ भूम्मृण २॥
अष्णे व्यास्त्रमं-

शप्पं चाळतृणं-नये तृणके नाम २॥ शप्प १ बाट-तृण २॥

-घासो यवसं-

नेपार स्थाप भागानी मंद्रम नेपानी मंद्रम नेपानी मंद्रम नेपानी मंद्रम नेपानी मंद्रम नेपानी माद्रमानाही नेपानी माप्रमाही नेपानी माप्रमाही नेपानी माप्रमाही नेपानी माप्रमाही नेपानी माप्रमाही नेपानी माप्रमाही

गणागरे नाग १॥ भाग १९ नगर १ मान १ मान १ मान १ मान १ मान १॥ देश नगरे मान १॥ देश नगरे मान १॥ देश नगरे मान १॥ देश मान १॥ देश मान १॥ देश मान १॥ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश १ देश

मथ सिंहादिवर्गः ५. ी मृगेन्द्रः पश्चास्यो हर्यक्षः . री हरिः॥ रहके नाम ६ ॥ निह १ मृगेन्ट २

🗡 २ हर्यक्ष ४ केमिरिन् ५ हारे ६ ॥ - गर्दूलद्वीपर्नो व्याघ्रे-

. 3 11

क्षेत्रक स्थापन

ा किरि: किटि: । दशी बोटियसमेरवनश्वकाः । ५॥ ी रतर प्रोप्सा अंग्या अद्यार ्रचि ॥ ३ ॥

रीछके नाम ४॥ भन्द्रक १॥ २॥

नत २ अन्तरम्द ३ मन्दर्भ ४॥

-गण्डके खडुखड़िना ॥ गैडेके नाम ३॥ गण्डक १ यह २ खाँद्गेन् ३॥

लुलायो महिषो वाहद्विषत्का-. ४वके नम ३ ॥ रार्चुः ३ इत्पेन २ [|] सरसँरि**माः ४ ॥**

भेजेंद्र साम १। इताय १ महिय २ ्रत्रक्षुम्नु मृगादनः ॥ १॥ जिल्हाः ३ अस्य ४ स्टेम १॥ ४॥ चियां शिवा सरिमायगोमायु-

्रहः सुकरो पृष्टिः कोलः मगर्भकाः ॥ अगालक्ष्मक-

अवस्थास्त्रमा १ । १३१ . JT 11 # 42 -++ 1:1

महाहानस्य लगा पातीतः तुः च व स रा विद्यागनली भानते अन्यमा मान्य गाँउ ना अभिकास 77 7 7 7 7 7 11 वानपर्भार्यानम्गः -देते ग्यामी ममितित्ति साम स्वापता धर्मा १ ॥ पत्तपम २ ॥ -कीकरत्वीहासूमी बकः॥ ७॥ भी दोते नाम द्वा क्रोक १ वेन स्म २ वह ५॥०॥ मृगे करज्ञवानायुर्दिणाजिनः योनयः ॥ म्मके नाम १ ॥ ग्रंग १ काज वानामु ६ हरिया ४ जिनलोति एणेयमेण्याश्चर्मा बग्-हरियों के नर्भमासाहिक नाम ऐगेय १॥ -एणस्येणम्-हरिणके वर्षमांसादिका नाम रेण १ ॥ -उमे त्रिषु ॥ ८॥ ऐणेय और रेण ये शन्द तीनी जिमीम रोते हैं ॥ ८॥ कदली कन्दली चीनश्चमूरुपि-यकावपि॥ समूरुश्चेति हरि-णा अमी अजिनयोनयः॥९॥ मृगोके भेद ७ ॥ कदछिन् १ कन्द-

生かかけないできる रिकाः ॥ गात्रा लियानमार्ग माता। 1 11 1511 2 + 1 P " - 1's 1 with गाउम जनाः रणा 11/2 + 3 1 401 32 11 31 गन्यनीः भागो गर्मा भवा: शभः ॥ "प्याप्त न्द्राचा गराचा वर्ष त्या भागित मेर देशालनी र गम ३ सूम्म ४ माण ३ ही पटना ग्रंग आहि है। सि भी धार पद्माणि हन्मते हैं। उन्दर्भमूपकोप्पापुः क्षेत्र नाग २॥ उन्हरी द जागु ३॥ −गिरिका बालम्^{विक्र}

होटी चुित्याके नाम २॥हिन् ताउग्पिका २॥ सर्टः कृकलासः स्याप गिरगटके नाम २॥ सर्हा

वाम २ [₦ —मुसली गृहगोधिका[॥]'

्रडनकड़ीके नाम २ ॥ मुसड़ी १ गेधिका २ ॥ १२ ॥ ्रास्त्री तन्तुवायोर्णनाभमर्क-्राः समाः ॥ ्रमकडीके नाम ४ ॥ लूना १ तन्तुबाय जर्गनाभ ३ मर्कटक ४ ॥ नीलंगुस्तु कृभिः-कीटविरोपके नाम रा। नीलग १ हमिरा। र्णजलाकाः शनपर्भ॥१३॥ कारण देखे नम २ । अर्गजरीकम् ें शतकों २ । १३ ॥ ´ वृश्चिकः शककीटः स्यान-्रिक्त स्वयं गामेशो ब्रोटिये सम् २ <u>।</u> -अलिद्राणों तु बुश्चिके॥ बीट्रोग समार जीता हे बीखा है। पागवतः कलग्वः कपोनः-Danis am 1 1:5'-: -अथ भभादनः॥ १४॥

🛫 पत्री भ्येनः-

र्गत्रम् ६ े ८ ६

📈 - उत्करन्तु वायसारानिषेचकी जाउपः ॥ 🕬॥

व्याघाटः स्याद्ररद्वाजः-भरद्वाज पक्षीके नाम २ ॥ व्यात्राट १ भरद्वाज २ ॥ -खञ्जरीटस्तु खञ्जनः॥१५॥ खजनके नाम २ ॥ खजरीट १ ख-जन २॥१९॥ लोहपृष्ठस्तु कड्डः स्यात-कङ्गपक्षीके नाम २॥लोहपृष्ट १कङ्क २॥ -अथ चाषः किकीदिविः॥ नीटकारुके नाम २॥ चाप १ किकी-दिवि २॥ कलिङ्गभृङ्गधूम्यादाः-मन्द्रजनद्य होते सम २ ॥ काणि १ -अथ स्याच्छनपत्रकः॥ १६॥ - दावोघाटः--अय सारहलोककथानकः समाः॥

क्रकवाक्रमान्यवृद्दः कुन्द्रश्चर-

न्तरमानी नहता (१११ कवार ॥ नरकार ॥ न्तर्माः ॥ पुस्पती नापकेरः इत्रे जेवा सर् ॥ नाजेरः ॥ स्मानी नहत्तिसा॥ १८॥

राव पाय वह के बना सार है। इनकी वक्षण नाम १॥ वर्षा गार है। के के बड़े इसाव के एजा का के जिनसाद करे अर्थ जा के नाम २॥ के बिर्ज विसेट विसेट

रक्षण-इक्ष्मी मधी ॥ विशिविशिवक्ष नाम ०॥ ४००० ७ कार २॥

्वनिभयः परभृतः कौक्तिलः पिक् इत्यपि॥ १९॥

कीपटके नाम र ॥ किन्निय भागत २ कोकिट ६ पिक २ ॥ २९ ॥ काके तुकरटारिष्ट्यिलपृष्टमक् त्मजाः ॥ध्या इक्षात्मधीपपरभू-इलिसुग्यायसा अपि ॥ २० ॥ कीवेके नाम १० ॥ काक १ काट २

आरिष्ट ३ विटिपुण ४ मऊत्यज २ ताक्षई आत्मवीप ० परभृत् ८ विटिभुज् ९ बायस १०॥ २०॥ की प्राप्त है हैं। ज्यार के किस के किस साम किस की की की

क्षेत्रीय तेष १५५ त्या करा। स्थानकीयनिधीत

ते के नार भागणी द्वा शास्त्रमानी-नारक कार ॥ क्षा क्लिम श्रुकी चेतक नार गुजा है

माभी ॥ २१ ॥ गणा, गः ४% ण गर्मा साम्बाद्यहरू

-क्राकीधः-बोजानात नाम गाहर -अथ चकः कहः-माउद्याम राहकः पुण्कराह्मस् सामस

गामके नामशापुक्ताक्ष कोकश्वकश्वकवाको स्थ यनामकः ॥ २२ ॥

चकई चक्ताके नाम ४ ॥ चक २ चनताक ३ स्थाह ४

काद्म्यः कलहेसः स्यात्-र्त्तिकप्रशीके नाम २॥ काउम्ब १ न २॥ उत्क्रीशकुररों समी॥ र्रोपक्षिके नाम शास्त्रकेल १ क्रर शा स्ति श्वेनगरुतश्रकाद्वा मा-किसः ॥ २३ ॥ स्मिके समार हा हम ्रेनरस्य ६ ग ६ सम्मेजम ्

राजहंसास्त ने चन्च्चरण-हिनः सिनाः॥ मिलनमंहिकाक्षाम्त-

र्निराष्ट्राः सिनेनरेः॥३४॥

13 85 भगरियादियादिश्व-

1 25 7 3 4 5-5- L--

हंसस्य योषिद्धरदा-

हसनीका नाम १॥ वरटा १॥ -सारसस्य तु लक्ष्मणा ॥२५॥

मारसको स्रोका नाम शान्त्रमणा शा २ ४॥ जनुकाऽजिनपत्रा स्यात्-

चिन्यादरके नम ६ ॥ जनका १ अजिनाक २

परोर्णा नैलपायिका॥

الاعتباء المتعارب المتعارب

वर्षणा मधिका नीला-----

-सरघा मधुमलिका ॥ २६ ॥

पनिद्रका पनिका स्यात-

-दगस्त वनमिंशका॥

दर्भा तलानिर तथा स्यात-

८ -वलाका जिसकीटका॥ -गन्गोरी बग्टा दयो ।२०॥

भृज्ञारी झीम का नारी जिहिन का न समा इमाः॥

दीमको नाम ४ ॥ भूतमी १ वंग्यत २ नारी २ ति दिला थ ॥

समी पतज्ञशलभी-

पाद्गित्राम २ ॥ पाद्ग १ भन्भ२॥ -खद्यातो ज्योतिरिज्ञणः॥२८॥

उगुन् की उक्ते नाम २ ॥ गतील १ प्योतिरिज्ञण २ ॥ २८ ॥

मध्रवतो मधुकरो मनुलिण्मनु-पालिनः॥ द्विरेफपुष्पलिदसृङ्ग-

पद्भपदश्रमरालयः ॥ २९ ॥

भॅतरेके नाम ११॥ महना १ मह कर २ मधुलिह् ३ मधुप उर्जान्त ३ द्विरेफ ६ पुष्पिक्ट् ७ भूत ८ परपः ० भ्रमर १० अति ११ ॥ २० ॥

मयूरो वर्हिणो वहीं नीलकण्ठो भुजङ्गभुक् ॥ शिखावलः शिखी केकी मेघनादानुलास्यपि३०॥

मोरके नाम ९॥ मयूर १ बर्हिण २ वर्हिन् ३ नीलकण्ठ ४ भुजगभुज् ९ शिया वट ६ शिखिन् ७ केकिन् ८ मेघनादानु-लासिन् ९॥ ३०॥

> केका वाणी पयूरस्य-मोरंके राव्दका नाम १ ।। केका १॥ -समौ चन्द्रकश्चिकौ॥

eiter affire , mit र ॥ १७७१ में

विष्णा नृजाः मोरसी ने भिन्न नमसार्याः

-शिगणात् वित्रमं सके॥३१॥ मोरके परीके नाम सार्व

भिक्र प^हर॥ ३१॥ मगेनितङ्गवितगविवन्त्र^म,

यमः ॥ शकुन्तिपक्षिरक कुन्तशकुनद्विजाः॥३२ ।

ि गांचार अस्याण्डा नगै तो वि ि कार विर्व म्पत्रवयः॥३३॥नीडो^{८०}

त्मन्तः े भस्तः पिनागानके नाम २०॥ सनी

- वित्या ३ वित्यम ४ ^{वित}े रामुन्नि ६ पक्षिन् ७ ममुनि (ई

शकुन १०दिन ११॥ ३२॥ पत्रिः पत्रिन् १३ पत्रम १४ पतत् १५' ? ६ अण्डज १ ७ नगीनम्^१ ८वा^{नि}

विकिर २० वि२) विष्किर २२ एकी ॥ ३३॥ नींडोद्भत्र २४ गहर्न्य

पित्सत् २६ नभसगम २०॥ तेषां विशेषा हारीतों मह

रण्डवः प्लवः॥ ३४॥ ति

हमी लावी जीवंजीवश्च तः॥कोयष्टिकष्टिहिमको तो वर्तिकाद्यः॥३५॥ क्षियोके भेद १६॥हारीन १ महु २ २२३ १ व ४॥ २४॥ नित्तिरि ९ १ लाव ७ जीवजीव ८ चकेरिक९ २५ १० टिडिभक ११ वर्नक १२ १४ इयाडि । ३०॥ पक्षच्छदाः पत्रं पत्रतं च हिस्म ॥

्रता का कार कार ब्री पक्षतिः पक्षमृतं-क्षेत्रे कार हा । कार क्षेत्रोदिसमें स्त्रियों ॥३६॥

चेच्यनः

विजोके को ने नम ६ । रहत्।

ोनोहीनसदीनात्येताः खग नेकियाः ॥

हरू । पेशी कोशी दिहींनण्ड- पिलयोके घरके नाम २॥ कुलाय १ नींड २॥ ३०॥ पोतः पाकोऽर्भको डिम्भः पृथु-

कः शावकः शिद्युः ॥
पक्षिके वा साधारण बबोके नाम ०॥
पोन १ पाक २ अर्भक ३ डिम्भ ४
पृथुक २ शावक ६ शिद्यु ०॥
स्त्रीपुंसों मिथनं द्वनद्वं-

खानुस्यके जोडेके नाम २ ॥ स्त्रीपुस १ सियुन २ उन्द्र २ ॥

न्युग्मं नुयुगुलं युगम् ॥ ३८॥ अतिके तम् ३॥ २०० ६ सुगूल २

समृहो निवह्व्यहसंदोह्विसर-ब्रजाः ॥ स्तामोधनिकग्वात-वारसघातसचयाः॥३९॥समु-

दायः समुदयः समवायश्च यो गणः ॥ स्त्रिया तृ सहतिर्दृन्दं निक्रम्य कदम्यकम् ॥ ४०॥

रव ६०°न

(कुलायो नीडमस्त्रियाम्॥ ३७

वृन्द्भेदाः-अब सग्होंके भेद कालेहे ॥ -समेर्वर्गः-जीव अजीव एकही जातिके गगहका नाम १॥ वर्ग १॥ -संघसार्थों तु जन्तुभिः केवल प्राणियोका सगहके नाम २ ॥

> १ सार्थ २ ॥ सजातीयैः कुलं-

एक जातिके ही प्राणियांके समहका

ेनाम १॥कुछ १॥

–यूथं तिरश्चां पुंनपुंसकम्॥४१॥ पक्षियोके समृहका नाम १॥यूथ १॥४ १॥

पश्नां समजः-

पशुओके समह्का नाम १॥ समज १॥

-अन्येषां समाजः-

पक्षी और पद्युओसे दूसरोके सम्हका १॥ समाज १॥

-अथ सधर्मिणाम् ॥

क्षध विष्टीनचीके सम्हका नाम १॥ 7 8 11

\ −पुअराशी तृत्करः कूटम-

स्त्रियाम् ॥

अनादिके ऊचे ढेरके नाम १॥ पुज १ राशि २ उत्कर ३ कूट ४ ॥ ४२

कापोनशै नि तहणे॥

(कन्तर्गिक समहक्ता नाम, (नानो के नगकका नाम)

(मयूरोंकि रागणका नाम) मायुर॥' रों के समस्तात नाम) नित्तर इसादि

गृहासक्ताः पक्षिमृगा[ः]

मृह्यकाश्च ते ॥ ४३॥

घरके पाठेटुए मृगपक्षी आहिके २॥ छेक १ मृबक २॥ ४३॥

उनि सिहादिर्याः ॥५॥

अथ मतुष्यवर्गः ^६.

मनुप्या मानुषा मर्त्या म मानवा नराः॥

मनुष्यमात्रके नाम ६॥ मनु मानुष २ मर्ग्य ३ मनुज ४ मानव ९

स्युः पुमासः पश्चजनाः पुरु^{त्}

पूरुषा नरः ॥ १॥

मनुष्यजातिपुरुपके नाम ९॥ पुर् ॥ पञ्चजन २ पुरुष ३ पूरुष ४ ह ५॥ 🎼 🤊

स्त्री योषिदवला योषा नार्ष

सीमंतिनी वधूः॥ े ५२ वामाविनता महिला तथा॥२॥

स्त्रीके नाम ११॥ स्त्री १ योपित् १

अवला ३ योषा ४ नारी ९ सीमि^{न्तिनी ६}

Fare

् । १००,१६३१ तु व्यतः २९ वी वर्षत्रकः ६ -सोपनास्यद्भागंधनास

- וֹבַיִייני

याय प्रसन्नि दागः-

श्यास स्ट्रियमी ॥

ता गरित १८ वस् श्रीतिया ।।।
असे स्वर्णामा ॥
पतियम च पर्णाय ने पने पण स्वत्तिशी पति ।
त्राप की अस्ति सम्बंधि ।। स्व

्रजी कुलपालिका॥७॥ में स्तिने समार ॥ कुल्बी १ स्तार ॥ ७ ॥

कुमारी-

्पनि मिर्माकल्याके नाग २ ॥ जा १ कुमार्ग२॥

गौरी तु निम्नकाऽनागतार्तवा॥

दशर्पकी कत्याके नाम २ ॥ गीर्ग १ नप्रिका २ अनागतार्तवा २ ॥

स्यान्मध्यमा दृष्टरजाः-

जिसको रजोधर्म्म होजाय उस स्त्रीका नान १ ॥ मध्यमा १ ॥

-तरुणी युवतिः समे ॥ ८॥ - र॥तरुणी १ युवति २॥८॥

, u î eq:-

. धू) के नाम ३॥ [/] २ वधू ३॥

-चिरण्टी तु सुवासिना

जोिक किचित् युवावस्थाको ध क हुई निजिपताक घरमे रहती हो उस नाम २ ॥ चिरण्टी १ ॥ सुवासिनी २ उन्हारती काम्का

में अर्थ अर्थ में स्वीतिनाम स्वास्थ्य समिति ।

-ग्राम्यन्ती नु कामुकी॥ भैतृतको उत्पासंगाने सर्वे

१॥ अल्लानी १ काम् ती २॥६ कान्नाथिनी छुया याति

तन्तायना छुपा पाए तं साऽभिसारिका॥

ओ पनिक्ती अध्यक्ति कामार्नि हैं त स्थान की जाते उस स्त्रीक्त नाम !

त स्थानका जात्र उस छात्रा भः अभिसारिका १ ॥

पुंशली धर्षिणी बन्ध े

ऊलटेत्वरी॥१०॥स्वेरि^{णी} शुला च स्यात्−

व्यभिचारिणी स्त्रीते नाम ८ पुथ्यत्ती १ निर्पणी २ बन्धनी ३ अस^{र्न} कुछटा ९ इत्यरी ६॥ १०॥ ही^{र्णि}

पाञ्चल ८॥ **अशि**र्

विनपुत्रवां, **ावीरा** विना

डिनीयकाट ।

आनि, सार्वा राग्याः-

उदा प्राप्तामाया गार्थी

-पनिवर्श समस्य

रगाः च रांपि चरवन ।।।

7 7

and the second of the second

तसापानिका १ अन्यूहा २ अनिशिना २ ॥

- अथ स्वयंवरा ॥

पतिंवरा च वर्याथ –

जो अपने आप स्तर्यवरिमे पितिकी
इच्छा करे उस स्त्रीके नाम २ ॥ स्तयवरा १ पतिवरा २ वर्या २ ॥

- ऊलस्त्री कुलपालिका॥॥

कुछवती स्त्रीके नाम २ ॥ कुछवती १ कुछपाठिका २॥ ७॥

कन्या कुमारी— पाच वर्षकी कन्याके नाम २ कन्या १ कुमारी २॥

गौरी तु निम्नकाऽनागतार्तवा॥ दशवर्षकी कत्याके नाम ३॥ गीगे १ निम्नका २ अनागतार्तवा ३॥

स्यान्मध्यमा दृष्टरजाः-

जिसको रजोधर्म्म होजाय उस स्त्रीका नाम १॥ मध्यमा १॥

न्तरुणी युवतिः समे ॥ ८॥ युवास्त्रीके नाम२॥तरुणी१युवति२॥८॥

समाः स्तुषाजनीवध्वः-वहू (पुत्रवधू) के नाम ३॥ स्तुपा

१ जनी २ वधू ३॥ -चिरण्टी तु सुवासिनी॥

जोिक किचित् युवावस्थाको प्राप्त व्याही हुई निजपिताके घरमे रहती हो उस स्त्रीके नाम २॥ चिरण्टी १॥ सुवासिनी २॥ इच्छावती कामुका

जो भनादिकी उच्चाकरती स्वीके नाम २॥ उच्चावती १

−त्रुपस्यन्ती तु **कासुकी**

मेथुनको इच्छाकरनेपणे १॥ व्यस्तन्ती १ कामुकी २॥ ९ कान्तार्थिनी तुया र

तं साऽभिसारिका॥ जो पतिको इन्छाकर कामार्त है।

त स्थानको जावे उस स्रोका नाम ! अभिमारिका १ ॥ पुंश्चली धर्षिणी बन्धन्य

पुश्चली धाषणा बन्द्रमण कुलटेत्वरी॥१०॥ स्वारणी शुला च स्यात-

व्यभिचारिणी स्त्रीके नाम (पुश्चली १ धर्पिणी २ वन्यकी १ अर्प कुलटा ९ इत्यरी ६॥ १०॥स्त्रीरिंग

पाशुळा ८॥

अशिश्वी शिशुना विनी

विनपुत्रवाली स्त्रीका नाम १॥वी विश्वी

अवीरा निष्पतिस्रुता

जिसके पतिपुत्र न हों उस ह

नाम १॥ अवीरा १॥ -विश्वस्ताविधवे समे॥ ११ विधवा स्त्रीके नाम २॥ विधना

विधवा २ ॥ ११॥

and the

दिनीयकार (१०१)

- the said a seal :-

न्या वाराणायाः पामः

-प्रिकृति चन्नकर ।

न्याः - प्राचित्र स्वतः १०॥

- = 4. 2.

-बीर्माना तु नीर्स्ः॥ नीरकी माता के नाम २॥ नीरमान् १ भीरम् २॥

जातापत्या प्रजाता च प्रस्ता च प्रसृतिका॥ १६॥

ाजिसके बाटक पैज हुआ हो उस न्त्रीके नाम ४॥ जानापन्या १ प्रजाना २ प्रमुना ३ प्रमृतिका ४॥ १६॥

स्त्री निष्निका कोटवी स्यात्-नगील्रीकेनाम२॥निष्निका १कोटगी२॥

च्द्रतीसश्चारिके समे ॥ द्रीक नाम २॥द्नी१ मनाग्नि।२॥

कात्यायन्यर्थवृद्धा या काषा-यवसनाऽधवा॥ १७॥

गैरु आदिसे रगेहुए वस्त्र पहरनेवाली फुछ दृद्ध विचवा स्त्रीका नाम १ ॥ का-त्यायनी १॥१७॥

्रेन्ध्री परवेश्मस्था स्ववशा

अपनी इच्छाके अनुसार पगये गृहमे चार शिल्पकार्य करनेवाळी स्त्रीका नाम १॥ सिरम्बी १॥

असिक्री स्यादबृद्धा या प्रेण्याऽ-न्तःपुरचारिणी ॥ १८॥

घरके भीतर सेत्रा आदि कार्य करने-वाळी जवानस्त्रीका नाम १॥असिक्ती १॥१८ नाम्मी त' जीना-देशके नाम शाममी? नेला २ स्लाजीम ४॥

-अथ सा जनैः॥ सत्कृता वारमुख्याः

जिसका पुरुष अकि अर्थात् सामे श्रेष्ठ क्याका नव पारमुख्या १॥

कुट्टनी शम्भली समे॥ ११ फुटनीके नाम २॥ कुट्नी

शम्भकी २॥१९॥

विप्रिका त्वीक्षणिका देव सामुद्रिक आदि शालातुमार ब जानकर शुभाशुभ फल कहनेगली ब नाम ३॥विप्रक्षिका १ईक्षणिका २ देवता

-अथ रजस्वला ॥ स्त्रीधर्मिण्यविरात्रेयी मर्लि पुष्पवत्यपि॥२०॥ऋतुमत्यप् क्यापि-

रजस्वला स्त्रीके नाम ८॥रजस्व स्त्रीधार्मिणी २ अति ३ आत्रेयी ४ मिल् पुष्पवती ६॥२०॥ऋतुमती ७उदस्या

-स्याद्रजः पुष्पमार्तवम् स्त्रीके मासिक रजीधर्मके नाम १

रजस् १ पुष्प २ आर्तव १॥

कु ज्याके पुत्रके नाग ९ ॥ नान किन नेय १ वन्तुर २ अमनीगुन २ की उटेर ४ कीलटेय ५ ॥ -मिक्षुकी तु सनी यदि ॥ २६॥ तदा कौलटिनेयोऽस्याः कौल-टेयोऽपि चात्मजः॥ जा सती भिक्षाके निभिन चंगेने किरी ॥ २६ ॥ उसके पुत्रके नाम २ कीछिटनेय १ की रहेन २ ॥ आत्मजस्तनयःसृतुः सृतः पृत्रः पुतके नाम १॥ आमन १ तनगर स्तु ३ मृत ४ पुत्र ५ ॥ -ख्रियां त्वमी ॥ २० आहुर्दुहितरं सर्वे-जो पत्रके नाम स्त्रारिक हो ग पुत्रीके नाम हो जातेह ॥ २०॥ -अपत्यं तोकं नये।: समे ॥ पुत्र पुत्रो साधारणका नाम२ ॥अपाय १ तोक २॥ स्वजाते त्यौरसोरस्यी-संगेपुत्रके नाम२॥औरम१ उरम्य २॥ –तातस्तु जनकः पिता॥ २८॥ पिताके नाम २ ॥ तान १ जनक २ पितृ ३ ॥ २८ ॥ जनियत्री प्रसुमीता जननी-माताके नाम ४ ॥ जनयित्री

मातृ ३ जननी ४ ॥

−भगिनी म्त्रमा ॥ तरिनों सामर्॥ गीनि ननान्दा नु ख्रा ननः ता नाग १॥ ततः −नप्ती गेनी छ^{ाल}ा नानिनिक्ते नाम ३॥ नरे ग्रात्मजा ३॥२९॥ भार्याम्तु भ्रातृवर्गस्य ५ म्युः परस्परम् ॥ अ। यसमे में आतु गर्ने की कि के व 457 2 H प्रजावती भ्रातृजायाः र्ने ताउँका नाम २ ॥ प्रना थागुगया २॥ −मातुलानी तु मातुर्ली मामीके नाम २ ॥ मातुद्धती नुजी २॥ ३०॥ पतिपत्न्योः प्रद्यः वर्षः पति और स्त्रीकी माताना करी 월경 ? [[-श्वशुरस्तु पिता त्यों। पति और स्त्रींके पिताका नान ! धशुर १ ॥

पितुर्भाता पितृव्यः स्पातः

चाचा या ताऊका नाम शापिर

-मातुर्भाता तुमातुलः॥^{१॥}

तिर्नाणकाण्याः । स्रोलकाः स्वर्गन्तिस्यस्यस्य स्वर्णस्याः स्वर्णस्य

-4=

13.31-

वहिनभाईका नाम २॥ श्रातृभगिनी (न्यी) १ श्रातृ (तर्रा) २॥ ३६॥ मातापितरी पितरी मातर-पितरी प्रसृजनियतारी॥

जहां मातापिताको साथ ही कहना हो उसके नाम ४॥ मातापित (तर्रा) १ पितृ (तर्रा) २ मातरपितृ (तर्री) २ प्रस्जनियतृ (नारी) ४॥

श्रश्रश्रारो श्रश्ररो-

ऐसेही सासुससुरके नाम २ ॥ श्वश्रृश्वशुर (री) २ ॥ -पुत्रो पुत्रश्च दुहिता च ॥ ३७॥

इसी प्रकार कन्यापुत्रका नाम १॥ पुत्र (त्री) १॥३७॥

दंपती जंपनी जायापती भा-यापती च तो॥

स्त्रीपुरुपके इकट्टे नाम ४ ॥ दम्पति (ती) १ जम्पति (ती) २ जायापति (ती) २ भार्यापति (ती) ४ ॥

गर्भाशयो जरायुः स्यात्-गर्भस्थानके नाम २ ॥ गर्भाशय १

^{जरायु} २॥ **उल्यं च कळलोऽस्त्रियाम्॥३८॥**

गर्भवन्धनके नाम २ ॥ उत्व

कल्ल २॥३८॥

स्तिमासो वैजननः-

गर्भ रहनेसे नक्षे वा नाम जिसमें वालक पैदा रे सूतिमास १ वैजनन १॥ -गर्भो भ्रूण इमी

-गमा मूणइना गर्भके नाम २ ॥ गर्भ रे . वनीयाप्रकृतिः षण्टः

तृतीयात्रकृतिः षण्टः पण्डो नपुंसके ॥ ३९॥

हींजडेके नाम ९ ॥ एतीयाः पण्ड २ झींत्र ३ पण्ड ४ नपुसकी

शिश्चात्वं शेशवं वाल्यं-लडकपनके नाम ३ ॥ विकृत

र्शशत २ वाल्य ३ ॥

-तारुण्यं योवनं समे॥ जवानीके नाम २॥तारुष्य १ गीक स्यातस्थाविरं तु वृद्धतं

बुढापेके नाम२॥स्याविर१वृह्तं -बृद्धसंघेऽपि वार्धकम्॥"

बृढोंके समृहका नाम १॥वार्षक १॥व पिलनं जरसाशीक्लयं

अतिबुढापेमें केश आदिस^{में} कार्रके जो सफेदी आती है उसका ^{क्रा} पन्ति १॥

−विस्नसा जरा ॥ वृढाईके नाम२ ॥विस्र^{मा१ जा} स्यादुत्तानशया डिम्भा ^ह पा च स्तनन्थयी ॥ ४१ ॥ हीं होटी ब्ह्मोंने नामशाहना- व**लवान्मांसलीऽसलः ॥** ' र दिग्मा २ स्तनपा २ स्तन-811 83 11 गिलस्तु स्यानमाणवकः-ा बर्गर्वत इंबेके नाम २॥ क्षिः पिचण्डिलः॥ ४४॥ वस्यायक २ ॥ fueranis em : F. ' R 572 ताः स्थितिरा बृद्धे। जीती ननास्यित्।। मिं जस्त्रपि॥ ४२॥

र्षायान्द्रनामी याद प

-वर्षेत्रम् द्वारमः ।

ीत्यां रह व 🚾 🔊 स्थाप 1777 11 ...

दलवानके नाम ३ ॥ बलबन् १

मानन २ अनन २॥ तुन्दिलस्तुन्दिभस्तुन्दी बहर्यः-

बने पेटबांसके साम ७ ॥ तुन्द्रिक १ चियःस्यन्तसणो स्वा॥ । तृतिस र तितः ३ वृहत्रके ४ विच-

अवर्राटोऽबनाटश्राऽवस्टो न-

129 Elia 7.11-

अभासा द्वत

जिसकी तीमी नाकही उसके नाम२॥ खरणस् १ खरणस २॥

विष्रस्तु गतनासिकः॥४६॥ नकटेक नाम २॥ विष्र १ गतना-

सिक २ ॥ ४६ ॥

खुरणाः स्यात्खुरणसः-

जिसकी पशुके ख़ुरकी सदश नासिका हो उसके नाम २॥ ख़ुरणस् १ ख़ुरणस २॥

प्रजुः प्रग्**तजा**नुकः ॥

वात आदिरोगसे जिसके घुटने बहुन दूर २ होगए हों उसके नाम २ ॥ प्रज्ञ १ प्रगतजानुक २ ॥

अर्ध्वज्ञस्र्धंजातुः स्यात्-

जिसके घुटने ऊचे हों उसके नाम २॥ ऊर्ष्यं १ ऊर्ष्यजानु २॥

ंछ• **संहतजानुकः ॥ ४७॥** ^{जसके} घुटने मिले हुए हो उसके

रें ..भ २ ॥ सज्ज १ सहतजानुक २ ॥ ४७ ॥ स्यादेडे विधरः–

वहिरेके नाम २ ॥ एड १ वधिर२॥ —कुञ्जे गडुलः—

कुबडेके नाम २ ॥ कुब्ज १ गडुछ२॥

चुकरे कुणिः॥

जिसके हाथमें रोगादिसे कुछ विकार हो उसके नाम २॥ कुकर १ कुणि २॥ पृश्चिरल्पतनी—

भेडे (जिसके नेत्रकी पुतर्य हो) उस के नाम २॥ यक्रि ^{केक}

> **—खोडे खञ्चः**— लगडेके नाम २॥ सोड १ ह

−त्रिषु जरावराः॥ जडुलः कालकः भिष्ठः

जिसके अगमे छग्<u>ञ</u>ना_{ना}का हो उसके नाम ३॥ जडुळ १ का^{न्द}

पिष्तु २॥ **-तिलकस्तिलकालकः॥^{४९}** देहके तिलके नाम २॥ ^{तिन्क}

तिलकालक २ ॥ ४९ ॥ अनामयं स्यादारीग्यं-विनारोगके नाम २ ॥ अनाम

आरोग्य २ ॥

-चिकित्सा रुक्प्रतिक्रिया इलाज करनेके नाम २॥ विकित्स रुक्प्रतिक्रिया २॥ आँगधमेषज्यात्यगदो जा-

म्यपि ॥ ५० ॥ शंक्रके नाम १॥ भेकत १ लीका

्राय ३ ब्याड ४ जापु ५ ॥ ५०॥

्रहष्टजा चोपतापरोगव्या-्रादानयाः ॥

्रित्सम ।।। रच १ स्झा २ छा-

्रितेस प्रचारिक गढ ६ विच्छा है। ۱۱ نه تا

ध्यः भोषश्च यक्ष्मा च-

िनिश्यायान पीनम् ॥ - ग।

भी भन्त धर परि

यायान भवत प्राप्तः।

The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s

सेहुवा (मीर के नाम २॥ किटाम

१ निष्म २॥ कच्छां तुपामपामे विवर्दिका॥

लाइगेगके नाम १। कच्छु १ पासन् २ पामा ३ विद्यदिका ८ ।'

कण्डू: खर्ज्ध कण्डूया-

राजलीके नाम ३ ॥ जात १ सर्ज २

-विन्काटः पिटकोऽस्त्रियास५३

ब्रगीऽस्त्रियामीर्ममनः क्रीवे-

france o

(११८)

चर्त्रीके नाम २ ॥ मेदस् १ वपा २ वसा २ ॥ ६४ ॥

पश्चाद्गीवाशिरा मन्यागलेके पीछेकी नसका नाम १॥मन्या १॥

नाडी तु धमनिः शिरा ॥

नाडीके नाम ३ ॥ नाडी १ धमनि २
शिरा ३ ॥

तिलकं क्रोमशरीरका तिलके नाम २ ॥ तिलक १
होमन् २ ॥

-मित्तिष्कं गोर्दगुर्देके नाम २ ॥मिस्तिष्क १ गोर्द २ ॥

मैलके नाम २॥ किंह १ मल २॥६५॥ अन्त्रं पुरीतत्-आतोके नाम २॥ अन्त्र १ पुरीतत् २॥ -गुल्मस्तु श्लीहा पुंसि-पर्वत्या (तिल्ली रोगके नाम २॥गुम१ भीहन् २॥

–िकट्टंमलोऽस्त्रियाम् ॥ ६५ ॥

नय वस्तसा ॥स्तागुःस्त्रियां – नमके नाम २॥ वस्तमा १ सायु २॥ –कालखण्डयकृती तु समे

इमे ॥ ६६ ॥

पेटमे जो टहनी और बटिया है। उसके नाम २॥ काळखण्ड १ यक्कत् २॥६६॥

सृणिका स्यन्दिनी लाला-

लाखे नाम ३॥ ७ नी २ लाला २॥ –दूषिका े कीचर (गीड) जानानी मूत्रं प्रह्मावः-मृतके नाम २॥ मृत्र । –उच्चारावस्करी कृत्॥ ६७॥ पुरीषं ग मस्त्री विष्ठाविशों ते विष्टाके नाम ९॥ उना २ शमल ३ शक्त ४॥६६ गृथ ६ वर्चस्क ७ छि। ८ स्यात्कर्परः कपा कपालके नाम २॥की -कीकसं कुल्यमिथ हर्डाके नाम ३॥ वीह अस्थि ३॥६८॥

स्पाच्छरीरास्यिः लाकरका नाम १॥व -पृष्ठास्थिन तुर्कः पोठकी हर्देका नाम १। शिरोऽस्थिन कर्ताः लोपजीका नाम १॥ क

परालासा कर्ण । अङ्गं मतीकीऽवर्णो^{त्त}ः यहके नाम ४ ॥ अङ्ग १ प्रतीक २ व ३ अपवन ४ ॥ अथ कलेवरम्॥ वंबपुः संहननं शरीरं वप्ने

हि:॥७०॥ कायो देहः क्वी-

.संःस्त्रियांमृतिस्त<u>त</u>ुस्तन्ः॥ हिके नाम १२ ॥ कडेबर १ गावर

्र नहनन ४ शरीर ९ वर्मन् ६ ं ।। ००॥ काय ८ देह ९ मुर्ति

तित ११ तन् १२॥ ीादायं **प्रपद्**—

कि अगेके नाम२॥ पाडा २ प्रपट २॥

पादः पदंघिश्वरणोऽस्त्रि-

🖅 ॥ ७१ ॥

ार्के नाम ४ ॥ पाट १ पट २ इंदे चरण १॥ ५१॥

ाइन्थी घटिक गुल्फी-ायनोके नाम २॥ शृहिका १ गुक्क२॥

🗸 पुनान्पार्ष्णिस्तयोगधः ॥

्र दोना नाम १॥ पर्णामा १॥

्राद्वा **नु प्रसृता –** ्राप्त पीठी ये नाम २॥ जहा १

اا ۽ ايس

्रान्रूपर्वाष्टीवद्गियाम् ७२ क्रियाम २॥ जन् १ उपर्यंत सक्थि क्लीवे पुमान्हः-

निरोहके नाम २॥सक्यि १ ऊरु २॥ -तत्सन्धिः पुंसि बङ्क्षणः॥

टिह्निका नाम १॥ वंकण १॥

ग्रदं त्वपानं पायुनी-

गुडाके नाम २ ॥ गुड १ अपान २ पायु ३ ॥

वस्तिनाभेरघो द्वयोः॥७३॥

जहा मूत्र रहना है अर्थात् पेडुका नाम १॥ वस्ति १॥ ७३॥

कटो ना श्रीणिफलकं-

कमरके दोनो बगन्देक नाम २ ॥ कट

ध्योणि २ फल्क ३॥ -क्रिटेः श्रोणिः कक्कद्मती ॥

कमरके नाम २॥ कटि १ ओगि २ ककदानी 2 ॥

पश्चान्नितम्बः ख्रीकट्याः-

र्खा के कृतरका नाम १ ॥ नित्रक १ ॥ -क्लिंचे तु जघनं पुरः ॥७४॥

म्बीके जायका नाम १॥ जन्न १॥ 11 58 1

क्षको तु नितम्बस्यो इयहीन कुकुन्द्रे ॥

हिनादमें के दें। हार्ट होने र उनका नाम । ॥ व्यन्तः १

छियां म्पिना करियायाँ-

वसा ३॥ ६ पश्चार्त गलक प -ना नाडीक Se 11 शिंग ३ ॥ 3: 3 तिर दारीर क्रोमन् २ dN_{t}

गुढ ा ३७ ॥ इन्हर ्र सहाट मिले भ 50110911 3 ्राप्तं तन्तं-

रीन

3.186 ार्व स्पाद र ॥ गुरु

हर्यके नाम ३॥ उन् इइत् २॥ पृष्ठं तु चर्मं तनोः

पीटन == १॥पृष्ट १॥ स्कन्धो इजिशिते कंक्न नन र॥ सन्। रस् २ अस ३॥

—सन्धी तस्यैव णड हॅसलीका नाम 🕅 जत्र 🖟 वाहुमूले उमे कर्ओ बगर्लोका नाम १॥ उत्त¹ पार्श्वमस्त्री तयोर्ध

वगलके नीचेका नाम 👫 मध्यमं चावलग्नं च मःगे पेटके नीचेका और करें भागके नाम २॥ मन्तन ? मध्य ३॥

द्वी परी द्वर

भुजवाह प्र 'हुके नाम ४ 🗗 ેન્8 🛚 🖟 नाम? |

evilly.

411 10

द संबंधा व

.5

ंनंजेनंदेशनाम । प्रवेष्टर॥८० | पुनर्भवः करन्दहो नखोऽम्ब्री पंपन्थादाकनिष्टं करस्य नखरोऽस्थियान्॥ नण्डमेके नम ४ उनमेव १ जरनह २ .मी बहिः॥ री, उसे जीतहा समृत्याच्याका प्रादेशनालगोकर्णास्तर्जन्या-पञ्चामाः भागः पाणिः-Frais, Frais 7 8 , र्जिनी स्थान्यदेशिकी ॥८१॥ m -, अनुत्या एका प्रा पुरस्ताव -221,12

कुँके नाम २॥ किन् १॥ किः प्रोय २ ॥ -उपस्थो वक्ष्यमाणयोः॥७५॥ टिंगयोनिका नाम १॥ उपम्य १॥ ७५ भगं योनिर्दयो:-योनिके नाम २॥ भग १ गोनि २॥ शिश्रो मेटं महनशेषसी॥ **छिगके नाम ४ ॥** शिक्ष १ मेड् मेहन ३ शेफस् ४॥ मुप्कोऽण्डकोशो बृषण:-अण्डकोशके नाम ३ ॥ मुक अण्डकोश २ हर्ग है।। पृष्ठवंशाधः 🚅 तम् ॥ ७६ ॥ पीठके बासके नीचे जहा ते. हाट मिले हैं उस जोडका नाम १॥ त्रिक १॥ ७६॥ पिचण्डकुक्षी जठरोद्रं तुन्दं-पेटके नाम ९ ॥ पिचण्ड १ कक्षि २ जठर ३ उदर ४ तुन्द ५ ॥ -स्तनी क्रची॥ कुचके नाम २॥ स्तन १॥ कुच २॥ चूचुकं तु कुचाग्रं स्यात्-कुचके अग्रभागका नाम २॥ चूचुक १ कुचाप्र २ ॥ –न ना क्रोडं भुजान्तरम्॥७७॥ गोदकानाम२॥ऋोड१भुजान्तर२॥७७ उरो वत्सं च वक्षश्च-

काम २॥ पृष्ठं तु नर्मं तनोः पीठी नाम १ ॥ पूर है।। स्कन्धो भुजशिएँ व कोतं नाम २॥ सल् । रस २ अंग ३॥ -सन्धी तस्येव 🗤 र्नेसकी का गाम १ ॥ जतु ^{२ |}। वाहुमूले उमे कऑ-बगलोका नाम १ ॥ कन ^{२ ॥} पार्श्वमस्त्री तयोरधः॥ बगलके नीचेका नाम १॥वर्षः मध्यमं चावलग्नं च मध्योत्र पेटके नीचेका और कमफे इर भागके नाम २॥ मव्यम १ अङ् मध्य ३॥ हो परी द्रयोः॥ ७९॥ भुजवाहू प्रवेष्टो दोः स्^{यात} वाहके नाम ४ ॥ ७९॥ मुज विह

प्रवेष्ट ३ डोस् ४ ॥

कफोणिस्तु कूर्परः ॥

कोनीके नाम२ ॥ कफोणि१ क्रीं

अस्योपरि प्रगण्डः स्याद कोनीके कपरका नाम१ ॥ प्रगण्डः ।

प्रकोष्टस्तस्य चाप्यधः ८०॥

अंजित्ति नाम १॥ अजि १॥८९॥ प्रकाष्ट्रे विस्तृतकरे हस्तः-हाथका नाम १॥ हस्तः १॥ -मुष्ट्रचा तु बद्धया॥ सरितः स्यात्-

मुद्दीवाधके हाथजा नाम १॥(सर्गाजनि १॥ -अर्जिस्त् निष्कनिष्टेन

मुप्टिना ॥ ८६ ॥

कि अगुष्ठियाको छोडके मुझैनावे हाथका नाम १॥ अरिन १॥ ८६॥ व्यामो बाह्वोः सकरयोस्त-तयोस्तिर्यगन्तरम् ॥

हाथ फेलानेका नाम १ ॥ व्याम १॥ अर्ध्वविस्तृतदोःपाणिर्नृमा-ने पोरुषं त्रिषु ॥ ८७ ॥

जयस्को हाथ उठाके नापनेका ्रीम १॥ पीरुप १॥ ८७॥

कण्ठो गलः-

गलेके नाम २॥ कण्ठ १ गल २॥

्यथ प्रीवायः शुरोप्ति कल्परेत्यांप॥

गर्दन्के नाम २॥ ग्रीवा १ शिरोधि २ कन्वरा २॥

कम्बुक्रीवा त्रिरेखा सा-तीन रेखासे युक्त गर्दनका नाम १॥ कम्बुक्रीवा ॥ १॥ पांत्री के नाम ३ ॥ अग्र क्रांतिका २ ॥ ८८ ॥ वकास्ये वदनं लपनं सुग्वम् ॥ भुँदके नाम ७ ॥ यक्त १ यत्न २ गुण्ड ४ आनन ५ उपन ६ स्क्रीचे घ्राणं गन्धवाल नासा च नासिका ॥ ८९ नाक्तके नाम ९ ॥ प्राण १०

नोणा ३ नासा ४ नामिका ५॥८ ओष्टाघरो तु रदनव्हर्य शनवाससी ॥

होठके नाम ९॥ ओष्ट १ सह रदन ३ छट ४ टशनशासम् ९॥

अधस्ताचित्रुकं-ठोडीका नाम १॥ विदुक १।

—गण्डो कपोलो-गालके नाम २॥ गण्ड १ कोर्ड

-तत्परा हुनुः ॥ ९०॥ कनपटीका नाम १॥ हुनु १॥ १

रदना दशना दन्ता र । दातके नाम ४॥ खन १ दर्भ

दन्त ३ रद ४ ॥

न्तालु तु काकुद्म् ॥ तालुएके मान२ ॥तालु१ कार्न्र



(1) でいてまり
 (2) でいてまり
 (3) でいてまり
 (4) ない (4) でですできる。
 (4) ないまでできる。
 (4) ないまできる。
 (4) ないまできる。
 (5) ではいてきないできる。
 (6) ないまできる。
 (7) ないまできる。
 (7) ないまできる。
 (8) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。
 (9) できる。</l

निविधः धनेकी निवारिक नात्का न्त्र कर्व जन्म नाम र ते गण के गण क भीकित्यक्रिशककी चित्रक क्रान्त्वक पत्कि से क्रान्य

न तो नाम भागत ।

माभाषसभ्यसम्बद्धः स्टालास्यः क्रमार्थाः ॥ १८॥

करा भारके लाग १ क्षान , १ क १ १ जुला १० १० गा । समूचन गोभ लाभ -स्वेति नाम ३ ॥ चक्रान १ गाम १

-तहाडी भाष्य पुंगुने ॥ इदा प्रकानाम र ॥ मध्र र ॥ आकल्पवेषी नेपभ्यं झिन-कर्म भगाधनम् ॥ ५९ ॥

त्र विकास स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्यापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्य

विश्वातः श्वाविष्णुर्गाः । अस्य । साम्यति विश्वा भूक्षा । साम्यति विश्वा । अस्य । साम्यति विश्वा । अस्य । साम्यति विश्वा । अस्य । साम्यति विश्वा । अस्य । साम्यति विश्वा

भाजद्वागरत्वाभाणं पीणक्षं निभावणम्॥२०२॥मण्डतं न मञ्ज नाहित नाम ४ । ज्या नामणसर्पणकार्विम्पणः परेशे

गण्डन १॥

मुद्धटं किरीटं पुत्रसकम् ॥ मुद्देव नाम २॥ मुक्तट १ किर्यट २ ो पु॰ न॰॥ मुद्दामणिः शिरोरत्नं-

्राटीको मणिके नाम २ ॥ चूडामणि ेरेल्न २ ॥

लो हारमध्यगः॥ १०२॥

हिसके बीचने सबने बड़ा नहीं हिसक समार्थका १००,

ालपान्या पारिनथ्या-। डीके रहते के कर कर जात

-पत्रपन्या ललाटिका॥ हार्यसम्बद्धाः

क्राणका नालपत्र स्याद-

ण्डलं क्णंबेणुनम् ॥ १०३॥

प्रदेशका कण्टमधान क

चलम्बन स्याहर रिस्त

स्वर्णः प्रालम्बिका-

ऐसी ही यदि सोनेकी कण्ठी हो तो उस कण्ठीका नाम १॥ प्रालम्बिका १॥

-अयोरः सुत्रिका मौक्तिकैः कृता॥ १०४॥

और वैसी ही मोतीमे गुथी हो तो

उसका नाम १॥ उरम्मूत्रिका १॥१०४॥

हारो मुक्तावली-

्रमेलके हरके नाम २ ॥ हार १

-देव्चछन्दोसी शनयष्टिका ॥ इस हा हे उनका नम

हार नेदा यष्टिभेदागुच्छगुच्छा-र्थगान्तनाः॥ १००॥ अर्थहारो माणवक एकावल्यकयष्टिका॥ सेव न अत्रमारा स्यान्सप्तवि-स्रा-प्रतिकृष्ण ६॥ एक एड अगर मनाईन मोगिनी हो तो उसका नाम १॥ नभागाण १॥१०६॥ आवापकः पारिहार्यः कटकी वलयोऽस्त्रियाम्॥

पहुंचीके नाम ४॥ आतापक १ पारि-हार्य २ कटक ३ गण्य ४॥

कयूरमङ्गदं तुल्ये-वावव्यवादि भुजांक गटनोके नाम

२॥ केयूर १ अङ्गद २॥

─अंग्रुळीयकम्मिका ॥ १०७॥ छ्छेअग्रुठीकेनाम २॥ अङ्गुळीयक १ जीमका २॥ १०७॥

साक्षरांग्रलिमुद्रा सा— महोरसहिन अगुठीका नाम १॥ अगु-टिमुद्रा १॥

कंकणं करभूषणम्॥

कङ्कनके नाम २ ॥ कङ्कण १ कर-नूपण २ ॥

स्त्रीकट्यां मेखला काञ्ची सप्तकी रशना तथा॥ १०८॥ क्लीवे सारसनं च-

स्रोंके कमरकी जंजीर अर्थात् मेख-ठाके नाम ९॥ मेखठा १ काञ्ची २ स-सकी ३ रशना ४॥ १०८॥ सारसन॥ ९ -अथ पुंस्कट्यां शृंखलं त्रिष्ठ॥

पुरुपके जंजीरका नाम १॥ शृंखल १॥

- की डो हे भा होते हे वा माम २ -प कप

पाराजरें क्ष्मिया ।
ने एम जारि संके
नाम ४ ॥ पाराज १ ३
मर्गार २ न्युर ४ ॥ १०१॥
म्रेस्कः पार्करकः
नोर्धेत नाम २ ॥ गार्थः
- किंकिणी छ्रश्री
ध्राप्ति नाम २ ॥ निर्देश

त्वच्चार् ित्रमा—योनिःभाषा ॥ दृक्षोकी छाउ ^{छत}

भाषा ॥ वृक्षाका छाउ की डोके रोम बत्तके उपन होतेकेल नद्श चिषु ॥ ११०॥ भाषा ॥ यह दशो शद तीकी

भागा ॥ यह दश सन्यः होते हे ॥ ११०॥ वाल्कं स्रोमादि-

वृक्षआदिकी छाल्से बनेहर नाम २ ॥ बाल्क १ क्षीम २ इलारि

−फालं तु कार्पासं ^{त्रा} च तत्॥

कपाससे बनेहुये वहाँके नाम र फाल १ कार्पास २ बादर ३॥

कौशियं कृमिकोशीत्यं रेशमीवस्त्रोंका नाम १॥ कीशे^म हं **हर्व मृग**रोमजम्॥ १११॥

हिल्लिक कम् शाराद्व शाह १ शा

्ताइनं निष्पवाणि तत्त्रकं - स्वरम्॥

्, बक्ते नाम ४॥ अनाह्त १ नि-

्रीर नवस ६ नसम्बर ४ ॥

्रस्यादुद्दमनीयं यद्धौत-

्रत्रयोष्ट्रिंगम् ॥ ११२ ॥ टिने वो बनोज जीटेका नाम १॥ चित्र ॥ ११२ ॥

भोगं धातकारीयं-एर रेटर्स बलका नाम शाक्त्रोर्ण शा

्रन्हमृ<mark>ल्यं महाधनम् ॥</mark> ुरान्यः जनायम् गर्गः १ ॥ F : 11

हिमं हुउलं स्यात-किना हुउलं स्यात-

, च निर्वानं प्राप्तनंत्रियुरेश्या स्टिकेटचे सम्बद्धाः स्टिक्

भित्रको प्रदृष्टि करण्य कामाः

क्रियां है बेरा श

देशंसायास भारताः-

-परिणाहो विशालता॥११४॥

कपडेआदिको चीडाईके नान २ ॥

परिणाह १ विशालना २॥ ११४॥

पटचरं जीर्णवस्त्रं-

पराने कपडेके नाम २ ॥ पटवर १

जीर्गदस्त्र २॥

-समा नकककर्पटी ॥

फटेकीयरेके समस्यानकक श्रिकेट ।

वस्रमाच्छादनं वानुखेलं

वसनमंज्ञकम् ॥ ११५॥

कारदेमार्रोत माम ६॥ वन्त्र १ ८८-न्ताउन २ वास्य ६ है। ४ उस्य ६

अगुन ६॥ ११२॥

स्चेलकः पटाउन्ही-

والمراج المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المناف

–ग्याद्वराभिः गर्हाभाष्ट्यः ॥

नियोतः परत्यपः-वनः स्था

- स्वर्णे सम्बद्धाः ।। १९६।

(१२८) अमरकोश भाषाटीकासमेत।

धोर्तीके नाम ४ ॥ अन्तरीय १ उप-संच्यान २ परिधान ३ अधों शुक ४ ॥ द्वी प्रावारोत्तरासङ्गी समी वृहतिका तथा ॥ ११७ ॥ संव्यानसुत्तरीयं च-अगोछा (रुमालआदि)के नाम ९ ॥ प्रावार १ उत्तरासङ्ग २ बृहतिका ॥ ११७॥ सन्यान ४ उत्तरीय ५॥ -चोलः कूर्पासकोऽस्त्रियाम् ॥ चोर्छाके नाम२॥चोल१कूर्पासक २ ॥ नीशारः स्यात्प्रावरणे हिमा-निलनिवारणे॥ ११८॥ रजाईका नाम १॥ नीशार १॥११८॥ अर्थोरुकं वरस्त्रीणां स्याच-ण्डातकमस्त्रियाम्॥ छहमेका नाम १॥ चण्डातक १॥ स्यात्रिष्वाप्रपदीनं तत्प्रामोत्या मपदं हि यत्॥ ११९॥ लंबे उहरोका नाम १ ॥ आप्रपदीन 211 483.11 अस्त्री वितानमुद्धोचः-चदांगके नाम२॥वितान१ उछोच२॥ -दृष्याद्यं वस्त्रवंश्मनि ॥ तम्यू वा देगका नाम १॥ दूप्य १॥ प्रतिसीरा जवनिका स्यात्तिर-स्क्रिरिणी च सा ॥ १२०॥

कनात के नाम ३॥ निका २ तिरस्कारेणी २॥ . स्तानादि अगसस्तारके नाम रिकर्मन् १ अङ्गसस्कार २॥ -स्यान्मार्ष्टिर्मार्जना पोछनेके नाम ३॥ मार्ष्ट्री २ मृजा ३॥ उद्घर्तनोत्सादने है 🗓 उवटनके नाम २ ॥ ८४ उत्सादन २॥ −आष्ठाव आष्ठवः॥१ स्नानं-न्हानेके नाम ३॥ आग्ना १०० ॥ १२१ ॥ स्नान ३ ॥ –चर्चा तु चार्चिक्यं ः' ^स चन्दनादिसे देहके छेपके नाग चर्चा १ वार्चिक्य २ स्थासक ३॥ –अथ प्रवोधनम्॥ अनुबोध:-गन्बामटनिके नाम २ ॥ प्रकंति अनुबोध २॥ -पत्रलेखा पत्राद्वि^{ति} समे॥ १२२॥ व्यियोक्ते गालम्बनादिष^{ा पाल्भी}

न्दनसे की छुई चित्रकारी है गांग २॥

लेखा १ पत्रातुलि २ ॥ १२२॥

लिपमिलकचित्रकाणि विकम्॥ द्वितीयं च तुरीयं व क्रियाम्-

म्म्भे चन्दन कम्नृरी आदिसे टीका कं नाम ४॥ तमा इपत्र १ तिल्कर त ६ विरोधक ४ ॥

-अथ कुरुमम् ॥ १२३ ॥ .भीरजनमाग्निशिखं वरं वा-िपीनने ॥ रक्तसंको चपिशुनं लाहितचन्द्रनम् ॥ १२४॥

ुणाके नाम हिशा कुकुम हो। हर हो। ार गन्द्रश्तितिग्वद्वरथ्वाहीक**्**

१६ राज्यांच ७ पितृन ८ धीर ९ ११० पटान १६॥ १२४॥

्रक्षा राक्षा जनु द्धीवे यावे।ऽ ्रोत इमानयः॥

्रणारी, तम ६॥ गाजा ६ गाजा २ १२ १ ४ ६० का ५ इमामप ६॥ - स्युद्धे देवज्ञस्यं स्वीसंत्य-लेक्सर्गनम् । नमर्हेन-11. 311

८ - नय जायवस्य ॥ १६५॥ रिर्देशके, इर यत्रकारमधीरी 💎 👚 🚗 🚉 : एरास्टर 📳 🤼 . १ १ १ १ १ भी द्वारी कर स्ट्रिंड

-अथ समार्थकम् ॥ वंशकाग्रुहराजाईलोहं कृमि-जजोड्नकम् ॥ १२६॥

अगरके नाम ६ ॥ वशक १ अगुरु २ राजाह २ छोह ४ रूमिज ५ जोहक ६॥ ॥ १२६॥

कालागुर्वगुरु:-

काले अगरके नाम २॥ कालागुक १ अगुरु २ ॥

–रयात्तन्मद्गल्या महिगन्धि यत् ॥

अगरका सेड १॥ मगत्या १॥ यक्षध्रः सर्जग्मा राह सर्वर-सादपि॥ १२७ ॥ बहुरूपोऽपि-

राज्ये नाम ४॥ प्रश्ने व र र र र र राण ६ सर्वत्य ५ ॥ १६ ७ ॥ ५८२ म ६

-सथ वृकारपरुविकारपर्वे ॥ at port of the long

n 13 - 11 तुराका पिएका सिने मार

अमरकोश भाषाटीकासमेत।

-प्रतियाहः पतद्यहः॥ पीकदानके नाम २ ॥ प्रतिप्राह पनद्वह २॥ प्रसाधनी कडुतिका-

(१३२)

क्षवीके नान २ ॥ प्रमाधनी १ कङ्ग-निका २॥

-पिष्टातः पटवासकः॥१३९॥ बुकाके नाम २ ॥ पिणत १ पट्या-सरा २ ॥ १३० ॥

दर्पणे मुकुरादशीं-रियोग अस्त्र १ लाम ३॥ रियोग ३ मक्तर संभावते हैं।

-ज्यजनं तालकनत्रम् ॥

भव बद्धावर्गः 🤿 भैनतिमांच जनन ६ व्यान्यनि त मान्यर्गाविभाऽन्यवाच मनान

> ।: म्यत्राद्यणाः यः ॥ मा *ंचियविस्तु*ज्ञाचान्त्र

र्यंत्र रहन्य ॥

त्राह्मण क्षत्रिय वैस 🍕 इकडा नाम १॥ नार्नुमें राजवीजी र 🦠 राजाके वशवालोंके कर वीजिन् १ राजवस २॥ -बीज्यस्तु ^{।ए} कुलीनके नाम २॥ कै मभव २ ॥२॥ ્રજાણાન દ जनसाधवः॥ म नाम है। महा १९५१ ३ सन्य ४ सजान १ वद्मचारी गृही वातः ध्यत्रये ॥३॥ आ^{जनी}

a- १११ शहा सन्तारी त्र । अस्ति शासी ^{धर}े द्वितात्यप्रजनमभ्दे।" याः॥ विषश्च ब्रा^{ज्ञान} 44 3 11 11

असी परकर्मा ग^{णाति} जिन्नः ॥ ४ ॥

् • सन्सुधीः गैविदो बुधः ॥ धीरो मनीषी 🅦 प्राज्ञः संख्यावान्पण्डितः िवः ॥ ५ ॥ धीमान्स्रिः नी कृष्टिर्लब्धवर्णी विच-णः ॥ दूरदशीं दीर्घेदशीं-णिडनके नाम २२ ॥ विद्यस् १ पथ्ति २ दोक्त २ सत् ४ सुन्ने ५ निद ६ बुच ७ चीर ८ मनीपिन् ९ ज ^रि प्रतः ११ संख्यावन् १२ पग्डिन१३ नि १४॥ २॥ धीनत् १५ सूरि १६ ीतन् १७ इष्टि १८ स्वयंत्रर्ग १९विच-म २० इरदाशिन् २१डीर्वदाशिन्२२॥ ंश्रोतियच्छान्दसाँ समा ॥६॥ र वेदगठीक नाम २ ॥ श्रोतिय १ ंत्वन २॥ ६॥ ् टपाध्यायोऽध्यापकः-🖆 ने पटाना हो उस पहिनके नाम २॥ रिजान १ शब्दानक २॥ ः -अयस्यात्रिपेकादिकृहरुः॥ र गर्नेबानीद कर्म करानेबारेका नम गार्न १॥ ^{११} मन्त्रव्यास्याकृदाचायः-रक्षी पराज क्रानेवरिज नम धा

(6.5.4 1 11

-आदेष्टा स्वध्वरे

यहमें सब ऋचिजोंके सिखानेयारेका नाम १ ॥ आदेष्ट्र १ ॥ -त्रती ॥ ७ ॥ यष्टा च यजमानश्च-यजमानके नाम ३ ॥ व्रतिन् १ ॥ ७॥ यष्ट्र २ यज्ञमान ३॥ –स सोमवात दीक्षितः H सोनपड़के यजमनका नान १ 11 दीक्षित १॥ इज्याशीलो यायज्ञः-वारम्बार यह करनेवालेके नाम २ ॥ इञ्चाशील १ यायज्ञ २॥ –यज्वा त विधिनेष्टवान् ॥८॥ जो विविसे यह कर उसका नाम है।। यञ्जन् १॥८॥ स गीप्पतीष्ट्या स्थपति:-बृहस्रति यह क्लेन्सहेटर नम १॥ स्यगि १॥ -सोमपीथी तु सोमपाः॥ सीतर्हिता सम पैनियानि मण स्थ सोनगीयन । नेनर न। सर्ववेदाः स येनेष्टो यागः सर्वस्वद्क्षिणः ॥ ९ ॥ लेवने उपन मा न रे एक अन्वानः प्रवचने लाहे अधी

Come to a City Have a

n

विद्वान्विपश्चिद्दोषज्ञः सन्सुधीः कोविदो बुधः ॥ धीरो मनीषी ज्ञः प्राज्ञः संख्यावान्पण्डितः कविः ॥ ५ ॥ धीमान्सूरिः कृती कृष्टिर्लब्धवर्णो विच-क्षणः ॥ दूरदर्शी दीर्घदर्शी-पण्डिनके नाम २२ ॥ विद्रम १ निपक्षित २ देण्य ३ सन् ३ सुन्नी २

निर्मिश्चन् व देणात ३ सन् 3 सुन्नी १ शैविद ६ सुन्न ६ नेर ८ सन किर २ इ १० प्रात् ११ सराजाय १ २ प्रणितन १३ सिर्मे १३ १ मा जाय १ २ प्रणितन १३ सिर्मे १३ १ मा जाय १ १ विन

-श्रोतियन्छान्द्सां समो॥६॥ विकास स्वार प्रकार स्वार टपाध्यायोऽध्यापकः-

~ -अधरयात्रिपकादिस्सम् ॥

रः सन्द्रयास्याकदाचार्यः- यज्ञमे सब ऋत्विजोके सिखानेवालेका नाम १ ॥ आदेष्ट्र १ ॥

> −व्रती ॥ ७ ॥ यष्टा च यजमानश्च− यजमानके नाम ३ ॥ व्रतिन् १

॥ ७॥ यष्ट्र २ यजमान ३॥

नोमप्रज्ञके प्रजमानका नाम १ ॥ दोक्षित १॥ इज्याशीलो यायज्ञकः-वपस्यप प्रवासनेकारके नाम २॥

-स सोमवति दीक्षितः

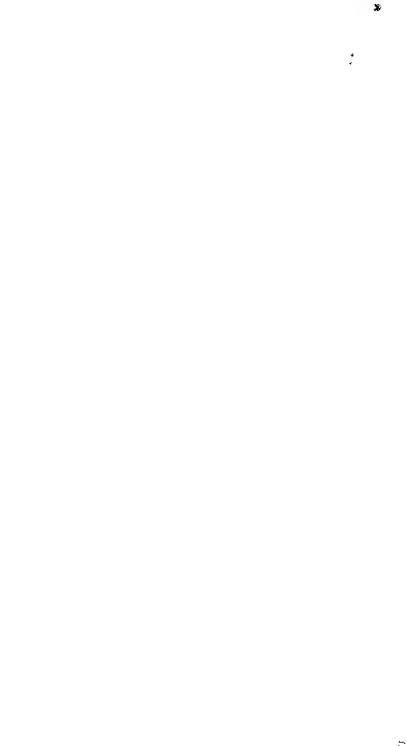
हावार र रायत्क २ ॥ -यज्ञानु त्रिधिनेष्ट्रवान् ॥८॥ वर्षः वर्षः इत्यान् सम्रा

सर्वेदरा सं यंत्रणे याग. सर्वस्वद्विण ॥ ॥

-आदेष्टा किये

अस्वान प्रवर्तनाहा शती-





तस्मिन्नानाय्यः-

गार्वपत्याप्तिसे छेकर जो दक्षिणाप्ति प्रवेश कराया जावे उसका नाम १॥ भानाय्य १॥

-अथाग्रायी स्वाहा च हुत-सुक्तिया ॥ २१ ॥

स्याहा अर्थात् अग्निकी स्त्रीके नाम ३॥ अग्नायी १ स्याहा २ हुत्तभुक्तियया ३॥२१ ऋक्सामिथेनी धाय्या च या स्यादाग्निसमिन्धने ॥

अग्निवालनेके अर्थ जो ऋचा पढी-जाय उसके नाम २ ॥ सामिधेनी १ भाय्या २॥

गायत्रीप्रमुखं छन्दः-

गायत्री उष्णिह् अनुष्टुम् इन्यादिका नाम १ ॥ छन्दस् १॥

न्ह्व्यपाके चरुः पुमान् ॥२२॥ अग्निमे छोडने योग्य साकल्यका नाम १॥ चरु १॥ २२॥

आमिक्षा सा शृतोष्णे या क्षीरे स्याइधियोगतः॥

गरमपके दूधमे दही डालनेसे जो व-नता है उसका नाम १॥ आमिक्षा १॥ धवित्रं व्यजनं तद्यद्रचितं मृगचर्मणा ॥ २३॥

मृगचर्मसे वने हुये वीजनाका नाम१॥ धवित्र १॥२३॥ पृषद्गाज्यं सद्ध्याज्यं-दही वी मिलेहएका नाम १ १५४३ -परमातं तु पायसम् ॥ स्वीरके नाम २॥ परमाल १ पायम ह्व्यक्वेयं देविपत्रयं अते देवनाके अर्थकी खीरका नाम १॥ १॥ पितरोकीका नाम १॥ कल्ला -पात्रं खुवादिकम् ॥ २४ स्रुवा आहिका नाम १॥पात्र १॥ ६ ध्रुवोपभृज्जुहूर्नातु सुवी दाः सुचः स्त्रियः॥

मुबाके भेट ४॥ धुर्बा १ उप^{हुत} जुहू ३ मुब ४॥

उपाकृतः पशुरसौ योर्श मन्त्र्य ऋतो हतः॥ २५ ॥ यज्ञके पशुका नाम १॥ उपाकृत

11 33 11

परम्पराकं शमनं प्रो^{क्षणं} वधार्थकम् ॥

यज्ञके अर्थ पशुमारनेके नाम ३॥४
म्पराक १ शमन २ प्रोक्षण ३॥

वाच्यालिङ्गाः प्रमीतो^{षसी} त्रप्रोक्षिता हते ॥ २६॥

यज्ञमे नारेहुये पशुके नाम ३॥ प्रमं त १ उपसम्पन २ प्रोक्षित ३॥ २६ सान्नाय्यं हविः

ু হা্ হ] (१३७) द्वितीयकाण्ड। निन २ डान ३ उन्मर्जन ४ विमर्जन ९ 🚰 साजल्पेक नाम २॥ सान्नान्य १॥ विश्राणन ६ विनरण ७ स्वर्शन ८ प्रति-क्लेप २॥ पादन ९॥ २९ ॥ प्रादेशन १० निर्व-त्अस्रो तु हुतं चिषु वषद्रकृतम्॥ परा ११ अपनर्जन १२ ॥ अहिन १२॥ 🗠 विप्तेमें जो हुनाजादै उसका नाम 👭 मृतार्थं तदहे दानं चिषु स्या-त्रीन्द्छत १॥ द्रार्ध्वदेहिकम् ॥ ३० ॥ - दीक्षान्तोऽवमृथो यज्ञ:-मृत्यको अर्थ जो दश दिनके बीचें यहालकानका नाम (१) अप्रमुख 🗥 तत्कर्माई तु यजियग ॥ विडादि दिने जाने है उनका नाम ? ॥ क्ष बेंद्रेक्त १॥६०॥ 1२७॥ त्रिप्-पिनृदानं निवापः स्यात-र्वतिस्कारक सक्त र ३००० برث ميد له سولي ولا الالبدة -अध क्रतकमेष्टaf, was and to try the 77 7E7 F -पनं खानादि कमं यत ॥

्वः व्यागी विद्यापित शतम् याम् ॥ २१॥ त्यागी विद्यापित शतम् याम् ॥ २१॥ त्याजीनविस्तते ॥ १३०॥णन

त्मजेनविस्तिन ॥ १३० णान वितरण स्पान धाँच्या १३म ॥ ॥ २५॥ प्राहितन निवरणस्प

अमृतं विपसी यहशेषभी-

जनगेषयाः ॥ २८॥

वजनमहिन

प्राप्तका प्रतिका द्वारा च सन्दर्भाताः

-श्राद्धतत्कम गास्त्रतः॥

अत्वाहार्यमासिके-

करनेके नाग २ ॥ पर्नाणा १ परीष्टि २॥ भर्म आदिके सोजनेके नाम २॥ अने-पमा १ मनेपमा २ ॥ भाषा-अथना ४ नाम पर्म आदिके सोजनेकेही जानने ॥

सनिस्त्वध्येषणा-

विनर्ताके नाम २ ॥ सनि १ अध्ये-

प्रणा २ ॥

–याश्वाऽभिशस्तिर्याचनाऽ-र्थना ॥ ३२ ॥

मागनके नाम ४ ॥ याजा १ अभि-शिम्त १ याचना २ अर्थना ४ ॥ ३२ ॥

-षद्तु चिष्-

भाषा–यह छ: शब्द तीनी छिङ्गोमे होतेहै॥ -अर्घ्यमर्घार्थं पाद्यं पादाय वाराणि॥

पूजार्थ पानी छोडनेका नाम १॥ अर्व्य १ ॥ पात्र धोनेको छोडने योग्य पानीका नाम १ पाद्य १॥ क्रमादातिथ्यातिथेये अतिथ्य-

र्थेऽत्र साधुनि ॥ ३३॥ अतिथिके अर्थ जो कर्म उसका नाम १॥ आतिथ्य १ ॥ अतिथिके निमित्त जो सिद्ध हो वह १॥ आतिथेय १॥ ३३॥ स्युरावेशिक आगन्तुरतिथिर्ना

गृहागते ॥

महिमानके नाम ४ ॥ आवेशिक १ आगन्तु २ अतिथि ३ गृहागृत ४ ॥

पूजा नमस्याऽपचितिः चाईणाः समाः ॥ ३४॥ प्रजाते नाम ६॥ प्रजा १ -अपिचति रसपर्या ४ अर्चा ५ अर्ला वरिवस्या तु शुश्रूषा 🙃 प्युपासना ॥

उपासनाके नाम ४ ॥ वर्ष शुश्रूपा २ परिचर्या ३ उपासना १ ब्रज्याऽटाट्या पर्यटनं-

विदेशमे भ्रमणकरनेके नाम ३। १ अटाट्या २ यर्यटन ३॥ -चर्या त्वीर्याप्ये स्थिति योगमार्गमें स्थितिका नाम

चर्या १॥ ३५॥ उपस्पर्शस्त्वाचमनं-

आचमनके नाम २॥ उपस्पर्ग आचमन २॥

–अथ मौनमभाषणम्॥ चुपरहनेके नाम २॥ मीन १ व पण २॥

आनुपूर्वी स्त्रियां वाऽऽवृत्पी पाटी अनुक्रमः ॥ ^{३६} पर्यायश्च-

अनुक्रमके नाम ५॥ आनुपूत्री आवृत् २ परिपाटी ३ अनुक्रम ३॥ ३६ पर्य्याय ५ ॥

जितपातस्तु स्यात्पर्यय उपा-प्यः॥

अनिवनने नम ६॥ अनियान ६

की र्‼ इनच्य र्॥

र नियमो व्रतमस्त्री-

बनके नाम २॥ नियम ६ वत २॥ **त**च्चोपदासादि पुण्यकम् ३७॥

. चन्त्र प्रमादि वृतका नान १ ॥ पुल्य

. II 3.5 II

अापवस्तं तूपवासः-

इस्तिनम २॥ भीक्त १

=== = = [

-विवेकः पृथगातमेता॥

प्रशतिपुराने भेद ज्ञाननेके विचारके मिर्धा विवेक १ पृथगान्मता २ ॥

्रेयाइह्मवर्चसं बुत्ताध्ययनद्धिः-

न्यवासालन और वेदान्यास कर-

में जे नेज होता है उसका नाम १॥

्रेटचिस १॥

-अयाञ्जलिः ॥ ३८॥

पाठे ब्रह्माङ्गलि:-

वेद्राट नेके समाके अजलिका नाम

। ।। हहाइन्हें हु॥ ३८॥

-पाठे विष्रुषो ब्रह्मचिन्दवः॥

देराइनेके सन्य को मुख्के जह चूता

है उसका साम १॥ ब्राम्बिन्दु १॥

ध्यानयोगासने ब्रह्मासनं-धान कीर वेगके अन्यनात नाम स्मारकारन स्मा

-कल्पे विधिकमी ॥ ३९ ॥

निरोगरानके नाम ३॥ जन्म १

विवि २ जस २ ॥ २०॥

मुख्यः स्यात्प्रथमः कल्पो-

प्रथम विधिका नाम १॥ सुरव १

-अनुकल्पस्तु ततोऽधमः ॥

दितीनिनिनिना नाम १॥अनुकत्य १॥ संस्कारपूर्वे प्रहणं स्यादुपाकर-

णं श्रुतेः ॥ ४० ॥

संस्कारपूर्वक वेदके सुननेका नाम १॥ उपाकरण १॥ ४०॥

उपाकरण र ॥ ४० ॥

समे तु पाद्त्रहणमभिवादन मित्युभे ॥

नानगोत्रादि दूर्वक प्रगाम करनेके नान २॥ पादम्हण १ अभिवादन २॥ भिक्षः पारिब्राट्ट कर्मन्दी पारा

शर्यपि मस्करी ॥ ४१॥

सन्यासीके नाम ९ ॥ भिद्ध १ परि-वाक् २ कर्मन्दिन् ३ पाराशारिन् 8

मस्कारेन् ५ ॥ ४१ ॥

तपस्वी तापसः पारिकांक्षी-

तप्तिकेनान ३॥ तपितन् १ तापस

२ पारिकांक्षिन् ३॥



•

क्याविका संदत्त संसा। र्नातवीन क उल्लंम्बनम्॥

सिसास द्रीत च ए जिल्ह यगायंत्र ती । दव-

इच-पन -वासन रायस्।

. . . 777



उदासीनः परतरः-दन राष्ट्र मित्रोसे पर अन्य राजाओ-नान १॥ च्यासीन १॥ -पाप्णियाइस्तु पृष्ठनः॥ अपने राज्यके पीछे राजा हो। उसका न रे ॥ पारिंगगह रे ॥ पाँ वरिसपतारिद्धियद्देषणदु-रः ॥ १० ॥ द्विद्वपक्षाहिता-त्रद्रस्पृशाचवशचवः॥ अभि-यानिपरारातिप्रत्यधिपरिपं-'धिनः ॥ ११ ॥ इस्मेंने माम 🚝 ॥ रिषु १ विस्त्र रि ६ परि ४ हिस्तू ५ रेग्स ६ दुहिंद् ि १०॥ टिन् ८ विसः ६ अहिन ६० 'नि ११ बस्यु १२ दान १३ बात् १४ , निर्मातन् १९पर १६ चाति १०प्रत्य-चित् १८ परिचारित १० ॥ १६ ॥ ्र वयस्यः ह्यिग्धः सवयाः-तरके के राज । जान १ किया ं रिक्कार्ट्स्

-अद भित्रं मधा सुहत ॥

न्त्यं साप्तपशिनं स्यात-

ं-अनुरोधीऽत्यतिम् ॥ १२॥

۲۲

भद्या मनाने (मुलाहिजे) के नाम २॥ अनुरोव १ अनुवर्त्तन २ ॥ १२ ॥ यथाईवर्णः प्रणिधिरपसर्पश्चरः स्पशः॥ चारश्च गृहपुरुषय-जासूस वा हिल्कारके नाम ७॥ यथा-र्हक्षे १ प्रणिवि २ अपसर्प**२**चर ४ स्परा < चार ६ गृहपुरन ७ II -आत्रप्रतियेती समी॥ १३॥ विश्वामीके नाम २॥ आप्त १ प्रत्य-नित २ ॥ १३ ॥ सांवत्सरो ज्योनिषिको देव-ज्ञगणकावपि ॥ स्युमीहर्तिक-मोहर्तज्ञानिकार्तान्तिका पि ॥ १४ ॥ व्योतिमी परिवर्तके नाग ८ ॥ साय-त्मर १ ज्योनिपिया २ देशा २ गणक ४ मीहर्निया ५ मीहर्न ६ लागि - पार्या-न्तिक ८॥ १४॥ तान्द्रिको ज्ञानिस्वान्तः-शास्त्र राग ६ ॥ लिंक १ जा सिद्धान ६ । -सबी गुर्पितः समी-En a de mar l'étangement l'annergant ्रेक्स्पराहि स्टूर्सिट्डा हिपिबतोऽशरचणोऽशर**्**ञ्छ-ध हेस्दे॥ १६॥ Complement of the same

लिखिताक्षरविन्यासे लिपिलि विरुभे क्षियाँ॥

िए दुए रेग्य के नाम ४॥ लिसित १ लग्गी नाम २ गिरि २ जिनि ४॥

स्यात्संदेशतरो दृत:-

र्फेयम २ ॥ सरेशम १ यूत्रा। न्हर्गं तज्ञानकर्मणी ॥ १६॥

व्यक्तिमात्र ।। द्वशाहरू॥ य परीती ध्वामेश्वनमः मान्यः

महिंग्स र मिला।

- र र १ मा अस्ति ।

^र्षण्य संपत्तिकत्।। . इ. . व. च. च. व. क. भी भारत देवी-१ १ कि सा र भागतमा अर्थन

^{१७०}० ८८४ महेलामा क्षेत्र सा

, and one

माय भा वं

मुण कारपते हैं. -शक्तगमिनमः प्रभाग हमन्त्रजाः ॥

तागर हो ग्यनेका नाम 🐧 । भागन

रामुके अधिकारिके कर अले

शादि। १ ॥ शांक कम

नाम १॥ शायम १॥ १८॥

राजाओ हाति, गिनंताम १४% १ उत्पादन २ मना २॥ क्षमः स्थानं च युक्तिच वि

नीविवेदिनाम्॥ १९॥ नाति प्रधान, ५४५ राज

नाम र मारामा (मा १० म म पनापः प्रभावन गरे

नंतभा इण्यातपा। ंत्र प्राता विष्य दे दे प्राप्ता र व

सार भार भार मामकान संक्रमणाविणा

ं वनुष्यवा ॥ २०॥ Hara aft officer of

सारमं त्यम करा

्रिक्त डाल्नेके नाम २ ॥ भेद

(889) -अयो समा ॥ भेदोपजापी--म्रेषो भ्रंशो यथोचितात्॥२३

ं दरजाप २॥ अभ्रेषन्यायकरपास्त देश--उपधा धर्माद्यर्यत्परीक्षणम् २१ रूपं समञ्जसम्-धर्म अर्थ काम और भयने मही हत्या-न्यापके नाम ५॥ अलेक १ स्थाप २

अन्यायका नाम १॥ लेप १॥ २२॥

देनोंनी पर्गक्षा करनेका समा १ ॥ इतथा कल्प ३ देशक्य ४ नमझन ६॥ ी। २१ ॥ यक्तमापियकं लभ्यं भज-

पश्च त्रिष्-मानाभिनीतवत्॥ २४॥ ر کشستهٔ علی مودات به داشته سیلیش و न्याय्यं च त्रिष् षऱ-र केंग्रेस एवं एक्ट्रासंसे मेहे हे होते त्यव्याचे क्रांचने क्रांचन

अषदक्षीणा यस्त्रतीयादागी-

विशिक्त विजनगढ़ प्रां

लाका स्वाग्रहः रत्थापात्र चारिते

हराय पहुंच ^{रिक}

सना विद्यास्त्रियाः

आगोऽपराधो मन्तुश्च-अपगधके नाम ३॥ आगम् १ अप-

राध २ मन्तु ३॥

न्समे तृहानबन्धने ॥ २६॥ बन्धनके नाम २ ॥ उदान १ बन्धन

२॥ २६॥

द्विपाद्यो द्विगुणो दण्डः-दृने दण्डका नाम १॥ दिपाय १॥

-भागधेयः करो बलिः॥

करके नाम ३॥ मागचेत्र १ कर २

चिल ३॥

घटादिदेयं शुल्कोऽस्त्री-घाटीवगैगहमे देने योग्य महस्रयका

नाम १॥ शुल्क १॥

-प्राभृतं तु प्रदेशनम्॥२७॥

मित्रादिको भेट वा नजर देनेके नाम २॥ प्राभृत १ प्रदेशन २॥ २७॥

उपायनमुपय्राह्यमुपहारस्त-थोपदा ॥

ि राजाको भेट वा नजर देनेके नाम था। उपायन १ उपग्राद्य २ उपहार २ उपदाश।। यौतकादि तु यदेयं सुदायो हरणं च तत ॥ २८॥

उहेज वा भाईबन्धुओंके देनेकी वस्तु नाम २॥ सुदाय १ हरण २॥ २८॥ तिस्कालस्तु तदात्वं स्यात्- वर्तमानसमयके नाम २॥ तकाछ १ तटान्व २॥

-उत्तरः काल आयतिः । आनेवाले समयका नाम१आयति १।

मांदृष्टिकं फलं सद्यः-तुग्लकं फलका नाम १॥सादृष्टिक १।

-उद्कीः फलमुत्तरम् ॥ २९॥ आगेके होने गारेका नाम १॥डदर्के ॥

अहप्टं बद्धितोयादि-नग पाने भाग भित्रप्रिहोने भारि उपातका नाम १॥ अहप्ट्रिहों

-हर्ष्ट स्वपरचक्रजम् ॥ अपन या प्रगये गायमे वीपिति भयका नाम १॥ १७ १॥

मही भुजामहिभयं स्वप्क्षप्रः भवं भयम् ॥ ३० ॥ अपने महाज्ञमे नप्रज्ञानाम १॥

अहिभन १॥३०॥

त्रिक्रिया त्वधिकारः स्यातः कान्त चानेके नाम २॥ प्रक्रिया १

अविकार २ ॥ **चामरं नु प्रकीर्णकम् ॥** चैवरके नाम २ ॥ चानर / प्रकार्णकशी

नृपासनं यत्तद्भासनं-माण आदिमे बनीहुई राजगहाके नाम

|| नृपासन १ भद्रामन २ ||

दिनीयकाण्ड ।

ाल्य तुल्या। देशा

गण्डः कटः-हार्थाके गालके नाम २॥ गण्ड १ कट २॥ -मदो दानं-

हाँथीके नदके नाम २ ॥ मद १ दान २ ॥

-वमश्रः करशीकरः॥
हाथीकी संडमं पानी निकलनेक नाम
२॥ त्रमश्र १ करशीकर २॥
कुरमी तु पिण्डी शिरमःहाथीके मस्तकके मासका नाम १॥

कुम्भ १॥

न्तयोर्मध्ये विदुः पुमान्॥३०॥ दोनां कुम्मोने मध्यम जो खादी रहता है उसका नाम १॥ विदृ १॥ ३०॥

अवयहा चलाटं स्यान-हार्याके विष्णाग्या नाम १॥ अवयह १

-इषिका त्विक्षकृटकम् ॥ उसके नेत्रार्का गोलाईके नाम २ ॥ इपिका १ अधिकटक २ ॥

अपाङ्गदेशो निर्याणं-उसके निट्यनेकानम शानियाणशा -कर्णमृलं तु चृलिका॥३८॥

हाथाके जह से कान जमते है उस जगहका नाम / ॥ चूरिका १ ॥ ३८॥

अधः कुम्भम्य वाहित्थं-

हार्थाके छिछारके नींदका नाम { वाहित्य १ ॥

-प्रतिमानमधोऽस्य यतः बाहित्यके नीचेका नाम १॥प्रं मान १॥

आसर्न स्कन्धदेशः स्यात हाथीके कत्येका नाम १ ॥ आसत

-प्राकं विन्दुजालकम् ॥ ३९ हार्याकं विन्दुओका नाम १॥ व

१॥ ३९॥ पार्श्वभागः पक्षभागः-हार्याको बगलके नामः २॥पार्थनी पक्षभाग २॥

-दन्तभागस्तु योऽप्रतः॥ हायाके आगेके भागका नाम । दन्तभाग १॥

ड्रा पूर्वपश्चाजज्ञज्ञादिदेशीं गाव वरे कमात ॥ ४० ॥

हार्थाके आगेके त्रवादि भागका है। १॥ गात्र १॥ हार्थाके पछिके भागक नाम १॥ अत्रर १॥ ४०॥

नोत्रं वेशकं-चावुकको उद्योके नाम र ॥ तोर्र ! वेशक २ ॥

-आलानं बन्धस्तम्मे-राधाके खंटका नाम मा आलान (॥

-अथ शृङ्खले ॥ अन्दुको निगडोआद्वी स्यात्-रागेको जनीरके नाम ३॥ शृङ्ख

म्ह्य २ निगड २ ॥ -अंकुशोऽस्त्री सृणिः स्त्रि-

याम् ॥ ४१ ॥ अकृत्व नम २ ॥ ४७ १ सृत्यः

८१ .. दृष्या कक्षा वस्त्रा च-

-बल्पना राजना समि॥

ङ्गमाः ॥ ४३ ॥ वाजिवाहार्वे गन्धर्वहयसैन्धवसप्तयः॥

घोडेके नाम १३॥ घोटक १ बीति २ नुग्ग ३ नुग्ह ४ अख ९ नुग्हम ६ ॥

॥ ४२॥ वाजिन् ७ वाह ८ अर्वन् ६ इन्टर्न् १० हा ११ मन्यव १२ सि हि १॥

आजानियाः कुलीनाः स्यु:-

-िबनीनाः साधुवाहिनः॥४४॥

त्रनापृत्ताः पाग्सीकाः काम्बी जात्रा कित्या ॥

प्रदेशपार्वकार का का का क्या हुआ है। (१६२)

१ आध्य २ ॥

-सितः कर्कः-उजले घोडेका नाम १॥ कर्क १॥ -रथ्यो वोढा रथस्य यः॥ रथके घोडेका नाम १ ॥ रथ्य १ ॥ वालः किशोरः-घोडेके वचेका नाम १ ॥ किशोर१॥ -वाम्यथा वडवा-घोडीके नाम २ ॥ बामी १ अधा २ वडवा ३॥ -वाडवं गणे ॥ ४६॥ घोडीके समृहका नाम १॥त्राडव १॥४ ६ त्रिप्वाश्वीनं यद्श्वेन दिनेनेकेन गम्यते ॥ घोटेके एक दिन चलने योग्य मार्गका नाम १॥ आर्थान १॥ कश्यं तु मध्यमश्वानां-घोडेके मध्यभागका नाम १॥कस्य १॥ –हेपा द्वेषा च निःस्वनः॥४७॥ घोडेके शब्दका नाम २ ॥ हेपा १ हेपा २॥ ४०॥ निगालस्तु गलोह्शे-बोंडेक गलका नाम १॥निगाल १॥ - इन्दे त्वधीयमाश्ववत॥ घोडोके समृहका नाम २ ॥ अर्थाय

वल्गितं हुतम् ॥ ४८॥ मुः पञ्च धाराः-घोडेके पांच प्रकारकी चालें ५॥आस्कन्दित १ धीरितक २ रे विलात ४ प्रुत ५ ॥ ४८ ॥ –घोणा तु तेयमत घोडेकी नाकका नान १॥ कविका तु लर्ीनी घोडेकी छगामके नाम २ ॥ क खळीन २॥ –शफं र्क्कावे खुरः पुमान्॥ े वोडेके खुरके नाम १॥ जिक्ती न (अर) ३॥ ४९॥ पुच्छोऽस्त्री ल्मलांगले-पूछके नाम३॥पुच्छ१ल्म२लगृह −वालहस्तश्च वालिधः 🖁 वाल्सहित पूंछके नाम २ ॥ वार्म १ वालिधि २ ॥ चिष्पावृत्तलुठितौ पराष्ट्री मुहुर्भुवि ॥ ५० ॥ पृट्योमे छोटनेके नाम २॥ उपार लुटित २॥५०॥ याने चिकिणि युद्धार्थे शताई स्यन्द्रनो रथः॥ युक्के स्थके नाम ३ ॥ श्रामा १ ११८कान्दिनं धाँरितकं रेचिनं । सक्टन २ ग्य ३॥

अमरकोश भाषाठीकासमेत।

(१५४) नीते जडेहरे रशके नजरके नाम २॥

गानी १ वरण २॥ -क्वरस्तु युगंधरः॥ हाउदे पुरते गापने हैं स्थान है नाम

मा द्वापा । स्टाप्त दे ॥ असक्तीं दार्वपास्तं-

mane, ' 122, 2 , \$ 12 5 27 5 6 18 -वाणहीना प्रमाचमः॥२०॥

78 व रहार वर्ष १ १ १ १ मध्य पान

ATT FART (11)

धर्वे व धनात् दे॥ इंदू वित्यास्य ८ ॥ रियनः स्थन्यनार्गः स्पति नता स्थित है ।

र ॥ गोल ६ महल्लु ४ ॥ -अभागेहाम्त् सारि^{क्षा} िसाम भूमा र ॥ वर

भग गापाम गंहाएँ

त्तवाच्याच्य वंतिभ

गण्यारीकाममेन ' उद्योग्यार ५ ह , यार्ड - नेपरानिका। कर्ना सुना सिपात्रकारीत जनका ग्या-साम्यानम् Trace Fat

र्वेत्से चडनेबाटेको न म६॥ नरस्थित् १ र दे बेगिन् ६ प्रज्ञाविन् ४ जब्म ९ ६॥ ६६॥

- भ्तय्यो यः शक्यते जेतुं-- वेहे वेत्यवे उसका सम्हालका ।

न्त्रेयो जेनव्यमात्रके॥ । अपनेतः । ३६ १

्रोक्ते प्रकार का प्रकार इंत्रम्तु जेता-

्र गच्छन्यल विद्विषतः प्रति २२ १ ॥ मोऽस्य सिह्योऽस्यमि-

णिभ्यमित्रीण इत्यपि॥

7

स्वलः स्यादनंस्वीय उत्ती-भयान्त्रितः ॥ ००॥

म्याद्वर ज्ञातः सि ?

चित्रं स्वतं र ते॥

कामङ्गाम्यनुकामीनः-

जे अपने मनसे चलता हो उसका नाम हा। अनुकामान हा।

न्ह्यत्यन्तीनस्तथा मृशम् ॥७६॥ वरम्बर वर्णनेवादेका नाम १ ॥

क्षान्ति । (३६ ।

शरो वीरश्च विक्रान्तः-राके समार राज्यसम्बन्धः

> ्र -जेता जिप्णुश्च जित्त्ररः॥

-सम्बातीवादयिक्यः॥ ७०॥

नाप्याना रण सा १:-

विन्ती शिंदना देनापत वा शिंदना चन ॥ स रिकार वेद देन भाना कर्माभुष्यात ॥ ्रमेनाचे जनसके राम २॥ प्रा चारित्रम २॥

नभेदा दण्डाह्मी मृषि ॥ सेनाकी ग्यनके नेत्रकेट १॥ १०० इपारि॥ ये चक्क, मपूर, कमा जादिक स्थार है.

प्रत्यासारो इत्तपार्थणः-१५८६ मं कि नम् २॥ गक्तमः १ स्युक्तारिंग २॥

सैन्यपृष्टे मतिमहः॥ ७९॥ र्फांजके पेक्षेके नाम २॥ मन्त्रपृष्ट १ प्रतिपद २॥ ७९॥

एकेभेकरथा व्यश्वा पनिः पञ पदातिका ॥

जिसमें हाथी १ र ४ १ घीटे ६ पेडाउ ९ हों उस सेनाका नाम १ ॥ पान १ ॥

पन्यज्ञीनाम्मः गर्गः रमा मनीहरम् ॥ ४०॥ गुलंग्नमगणी नारिनी . नमः ॥ सर्नाहर्माman formation for the 11 (11) 14 17 17 साम प्रतिसार र रोग हैर , समा कर र १ मा जी समा ीन गण भाग ३ ॥ प्रतिनी ? ॥ पीन वालिंग व पुरत्त १॥ योग लगा हा गर् १॥ (गांन नमका नीमं पनिति −द्शानीकिन्यर्क्षोहिणी[−] त्य समितनीया नाम १॥ ^५ रियों र ।:

अर्क्षोहिणी आदि सेनाका प्रमाण।

सेता | पदार | सेना | गुल्म | गण | याहि- पृतना चम् अनोकिनी असारि | विश्वार | प्राप्त | गण | नी प्रतना चम् अनोकिनी असारि | विश्वर | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्रति | प्र

-अथ संपदि ॥ ८१॥ संपत्तिः श्रीश्च लक्ष्मीश्च-सम्पत्तिके नाम ४॥ सम्पद्शा८१॥ सम्पत्ति २ श्री ३ लक्ष्मी ४॥ —विपत्त्यां विषदापदी ॥ विपत्तिके नाम ३॥ विपत्ति १ विश् २ आपट् ३॥ आयुधं तु प्रहरणं शस्त्रमहाम्

नां प्रशिक्षा, मह सन्तीनी ियोगे होते हैं। देश निरम्नः प्रहिने गाणे-ो द्वे नागान नाग रे ।। निम्या रे।। -विगाने दिग्पलिनकी ॥ भित्क गणकेनाम २ ॥ भिक्त ४ रिता २ जिला ३॥ त्रणोपासञ्ज्ञारिनिपञ्चा इपु-भिर्हमाः ॥ ८८ ॥ तृण्यो-तर हम है नाम ६ ॥ गुण १ उपासमा ६ त्र्णीमर्निवर्द्ध अस्ति।।८८॥ सूर्णी है॥ -खंद तु निरिप्रशचन्द्रहासामि-रिष्टयः॥कीक्षेयको मण्डलामः करवालः कृषाणवत् ॥ ८९ ॥ तटाएंक नाम ९॥ सङ्घ १ निविध २ चट्टराम २ अभि ४ मेटि ५ कीन-

१८९॥
त्सरः खङ्गादिमुष्टो स्यात—
ताक्वारआदिक्षां मृद्रमा नामशात्सकशा
—मेखला तन्नियन्यनम् ॥
तक्वारके म्यानका नामशा मेखकाशा
फलकोऽस्त्री फलं चर्म—
टालके नाम १॥ फल्का १ फळ २ चर्मन् १॥
संग्राहो मुष्टिरस्य यः ॥९०॥

राक्ष ६ मध्यकाम ७ करनाव ८ क्रपाण ९

ता काल मानामरीत सहस्ति नामभाग्रामर नम्माद्विती गारीक नामसा तेने १ घरक मिनिद्यास्टः ... भोगानीत नामसामिनियामी .

-परिवः परिवानिनः॥ १ परिके नम २॥ परिव १ । निन् २॥ ९१॥ हसोः कृठारः स्वधितिः । शुक्ष परस्थाः॥ कटाकीनाम ॥ कुठार १ वर्ष

२ परा २ पर्या १ ॥ २ परा २ पर्या १ ॥ स्याच्छम्यी चासिपुत्री *चर्लु* का चासिधेनुका ॥ ९२ ॥

द्रशे के नाम ४ ॥ शस्त्री १ अनिष्ठं २ द्विकता २ असिभेनुका ४ ॥ ९२ ॥ वा पुंसि शल्यं शद्धर्ना-वर्ळिकें नाम २ ॥ शस्त्र १ शहु २ ॥ सर्वेला तोमरोऽस्त्रियाम-गटामेके नाम २ ॥ सर्वेज १ तोमरश

भासस्तु कुन्तः-भाटेके नाम २॥ प्राप्त १ कुत १ -कोणस्तु स्त्रियः पाल्यश्रि कोटयः ॥ ९३॥

) -स्. r

n

-सम्तिश्विभिन्नो म गमा म्हे क भने के काम र ।। मधी पत्र है नियम रा। पताका नेजगन्नी गगानंहननं ध्वजगिवयाम ॥ १९॥ लंदीत्वाम ४ ॥ पत्ताता १ जिल यन्त्री २ केलन २ ५४४ ४ ॥ ९९ ॥ सा वीराशंसनं युद्धभूमिगीऽ तिभयपदा ॥ भारतर सुद्देत स्थानका नाम १ ॥ धीरागंगन १॥ अहं पूर्वमहं पूर्वमित्यहंप्-विका स्त्रियाम ॥ १०० ॥ जिसमें वीर करी कि, तम पर्छ की हम पत्ने लेडेंग उम लडाई हा नाम १ ॥ अत्पर्धिता १॥ १००॥ आहोपुरुपिका द्पांद्या स्यात्मंभावनात्मनि ॥ निसमें की कि हम पुरुष है। तमही खटैंगे उसका नाम १॥ आहे।पुरुषिका १॥ अहमहमिकातुसास्यात्पर-स्परं योभवत्यहङ्कारः १०१॥ आपसके इस कहनेको कि, हम शक्त ह हम लड सकेहैं उसका नाम १॥ अह-महामिका १ ॥ १०१ ॥

द्रविणं तरःसहोबलशा-

महिला लान गम शक्तिः । गाजनः नाणः-पामका नाम १०१ त 111 - 177 3 र गामन ्याला । ११६८ म भाग रे ने ॥ -निक्रमम्दर्गनिशक्तिना॥ ा (त्यासमंत्र नाम २ ॥ त 11797年11年11707月 यीरपानं तु यत्पानं भाविनि वा रणे॥ करोते निमाः पन्ते गापी रमाने पीनका नाम १ ॥ भेगान युद्धमायो वनं जन्यं प्रधनं। दारणम्॥१०३॥ मृधमास सट्ख्यं समीकं साम्पी कम् ॥ अग्रियां समरान रणाः कलह्विप्रहो ॥ १०। संग्रहाराभिसंपातकलिसंश टसंयुगाः ॥ अभ्यामर्दत्र^{मा} तसंप्रामाभ्यागमाह्वाः १० समुदायः स्त्रियः संयत्समित जिसमिराधः॥ युद्धके नाम २१॥युद्ध लायोज जन्य ३ प्रधन ४ प्रविदारण १॥ १०१

मृध **६** आस्तन्दन ७ तहुष ८ स^{र्न्ह्}

, देश १० समर ११ अनीक १२ १३ बहुह १४ बिगह १५॥ १०४॥ हर १६ लभिनम्पत १७ कोले १८ ेट १९ लगुन २० अभ्यामर्द २१ समा-१२ नगान २३ अन्यागन २४ आहव . ॥ १०९ ॥ समुदाय २६ सप्त् २७ विर्याजिर्सिन्द्र मुस् द्रा नियुद्धं वाहुयुद्धे स्यात्-भुजाने पढ़के नाम २ ॥ निपुद्ध १ उट २॥

-नमुलं रणसंक्रले ॥ १०६॥ देगरामका नित-१॥ तुमुङ १॥ 30811

भ्वेडा नु सिंहनादः स्यात-हीं र निर्मेन नान २ ॥ क्षेटा १ न्दाद २ ॥

-करिणां घटना घटा ॥ र देवे ने सर्का नम २॥ पटन . 22 : 11

वन्दनं योधसंरावः-कार्वे सहया नम् शा ब्रह्म १॥ १ चेंलिनं दारिगांजितम् ॥१०७॥ । स्टब्स १ स्वर प्रत ि शस्त्र राष्ट्र ।

-पटहाडम्बरो समी ॥ नगाडेके राज्यके नाम २ ॥ पटह १ शाहम्बर २ ॥

प्रसमं बलात्कारो हठः-हठके नाम ३ ॥ प्रमम १ बलाकार २ हर ३ ॥

–अथ स्वलिनं छलम् ॥ १०८॥ धोखाँदेनेके नाम २ ॥ मन्दिन १ **छ**च २ ॥ १०८ ॥

अजन्यं क्लीवष्टत्पान उपसर्गः समं त्रयम्॥

उत्पादन नम २ ॥ अज्ञाद १ उत्पात २ उपनर्ग ६॥

मुर्च्छा तु कश्मलं मोहोपि-मृत्वीन नान ६॥ राजी १ नाम र मोह 2 ॥

-अवमदेस्त पीडनम् ॥ १०९॥ के कि इस से निवास error of the second second

, अभ्यवरक्तरतं हरभगलाद्नै-والمراجع المراجع المراجع المراجع

-िंडडवा ड्रयः ॥

कियाने धतुषः स्वानः- , देरहा हः नतिस्यो देगनिर्या-े कार कार्या करें व स्वार्थित।

र्वर द्राकरनेके नाम २॥ वैरश्वि १ प्रताकार २ वरिनर्शनन २॥ ११०॥ प्रद्रावोद्दावसन्द्रावसन्द्रावा विद्रवो द्रवः॥ अपऋमोऽ प्रयानं च-

पटापन / भागने) के नाम ८॥ प्रज्ञा १ उड़ाव २ संज्ञा २ संज्ञा ४ संज्ञा ४ संज्ञा ४ तिज्ञ ५ द्वा ६ अपक्तम ७ अपयान ८॥ -रणेसङ्गः पराज्यः॥२१२॥ हास्के नाम २ ॥ स्णेसङ्ग १ पग-

जय २ ॥ ११२ ॥

पराजितपराभृती−

हारेट्रएके नाम २ ॥ पराजित १ परा-भूत २ ॥

-त्रिषु नष्टतिरोहिती ॥ हिपेहुएके नाम २ ॥ नष्ट १ तिरो-हित २ ॥

प्रमापणं निवर्हणं निकारणं वि शारणम् ॥ ११२ ॥ प्रवासनं प-रासनं निषूद्रनं निहिंसनम् ॥ निर्वासनं संज्ञपनं निर्प्रन्थनम-पासनम् ॥ ११३ ॥ निस्तर्हणं निहननं क्षणनं परिवर्जनम् ॥ निर्वापणं विशसनं मारणं प्र-तिघातनम् ॥ ११४ ॥ उद्वास नप्रमथनऋथनोज्जासनानि न्।। २००० । १८८५ न्मायवपा अवि॥ ११६॥

मारनेक नाम २०॥ प्रमाण १ वर्गन्न निकारण २ विशारण ३॥ १११ प्रमासन ६ तर्गन १ विशारण ३॥ ११६॥ सन ८ विशारण १२ विशारण १२ विशारण १२ विशारण १२ विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० विशारण १० वि

स्यात्पश्चता कालधर्मो दिष्ट् न्तः प्रलयोऽत्ययः ॥ अन् नाशो द्योर्मृत्युर्मरणं निधनी स्त्रियाम् ॥ ११६॥

मृत्युके नाम १०॥ पद्यता १ कर धर्म २ दिष्टान्त ३ प्रत्य ४ अत्य ३ अन्त ६ नारा ७ मृत्यु ८ मत्य ६ निधन १०॥ ११६॥ परासुप्राप्तपञ्चत्वपरेतप्रेतसंस्थि ताः॥ मृतप्रमतिते त्रिप्वेते-

मृत्युको प्राप्तहुयेके नाम ७॥ पर्रात् १ प्राप्तपञ्चल २ परेत ३ प्रेत ४ सिंह्य ९ मृत ६ प्रमीत ७॥

-चिता चित्या चितिः स्त्रि-याम् ॥ ११७ ॥ ' चिताके नाम ३॥ चिता १ चित्या२ निनि ३॥ ११७॥ भवन्धोऽस्त्री क्रियायक्तमपम्-

र्वकलेवरम्॥

रेक्ट्रन्ध में ॥

श्मशानं स्यान्पित्वनं-स्मान्त्रे तच • चान

विक्त र ।

क्रणपः शवमस्त्रियाम्॥११८॥ स्वाक्ष सम्बाद कार्या

., <

प्रप्रदेशपप्रदेश बन्ह्या-مي وجود

-कागास्याद्वस्थनारयं॥

पुँनि मम्यमनः शाणाश्रेन-

-जाबाउसधारणम् ॥ । । । F777 . - .

–ना जीवातुर्जीवनीषधम्॥ मृतसजीविनी बूर्टाके नाम २ ॥ जीवातु

१ जीवनीयच २ ॥ इति इन्नियवर्ग ।, ८॥

अध बैश्यवर्गः ९. निस्तित वेषुकानेवले दारेके नम उरात्या उक्तजा अर्था वैश्या

भूमिसपृशो विशः॥ नियके समाह (क्राज्य) करता र

आजीवो जीविका पानी यु-

निर्वर्तनजीवने ॥ १ ॥

स्त्रिया कविः पाश्यालय वा-णिन्य नेति यसग् ॥

संदा पर्यान

-अतन किष

(१६६)

संतीके नाम २ ॥ अनुन १ कृषि२॥ **-उञ्छशिलं** त्यु**नम ॥ २ ॥** उञ्छरितके नाम ३ ॥ उञ्छ १ शिल २ ऋत ३ ॥ २ ॥

द्वे याचितायाचितयोर्यथास-ड्ल्यं मृतामृते ॥

मागनेसे प्राप्तहुई वस्तुका नाम १ ॥ मृत १ ॥ विनामागे प्राप्तहुई वस्तुका नाम १ ॥ अमृत १ ॥

सत्यानृतं वणिग्भावः स्यात्-व्यापारके नाम २ ॥ सत्यानृत १

वणिग्भाव २॥

−ऋणं पर्युद्ञ्चनम् ॥ ३ ॥ उद्धारः-

कर्जके नाम ३ ॥ ऋग १ पर्युदबन २ ॥ ३ ॥ उद्घार ३ ॥

-अर्थप्रयोगस्तु कुसीदं वृद्धि-जीविका॥

व्याजके नाम ३ ॥ अर्थप्रयोग १ कुर्साट २ दृद्धिजीविका ३ ॥

याच्जयातं याचितकं-

मागनेकी वस्तुका नाम १॥याचितक १॥ -निमयादापिमत्यकम् ॥ ४॥

वायदेपर लीहुई वस्तुका नाम १॥ आपमित्यक १॥ ४॥

उत्तमणीधमणीं द्वौ प्रयोक्त्या-हको क्रमात्॥ क्या देनेकाँका नाम १॥ । १॥ क्यांके केनेकाँका नाम १॥ । कुसीदिको वार्धुपिको दृद्धा जीवश्च वार्धुपिः॥ ५॥

व्याजमे जीनेपालेक नाम ४ ॥ टिका १ बार्चिपक २ वृद्यानि

वार्भिष ४॥ ५॥

क्षेत्राजीवः कर्षकश्च 🥠 कृषीवलः॥

किमानके नाम ४ ॥ क्षेत्रहों कर्पक २ क्रिपक २ क्रिपांवर ४॥ क्षेत्रं ब्रेहेयशालेयं ब्रोहिशाल द्वोचितम् ॥ ६॥

त्रीहि होनेके योग्य खेनका नाम । त्रेहेय १॥

वानके खेतका नाम १॥ शास्त्र १॥ यथ्यं यवक्यं पष्टिक्यं यवार्षि भवनं हि यत्॥

जीके खेतका नाम १॥ यच्य १॥ वे जीके खेतका नाम १॥ यक्क्य १ साठीके खेतका नाम १॥ पष्टिक्य १ तिल्यं तिलीनवन्माधीमाणुम् झाद्धिस्तपता ॥ ७॥

तिल्के खेतके नाम २ ॥ तिल्ब । तैलीन २ ॥ उरद होनेवालेके नाम २ ॥ माष्य १ मापीण २ ॥ अल्सी होनेवलेके त्त २॥ उम्य १ श्रीमीन २॥ श्रणुके तेगलेके नाम २॥ श्रणच्य १ श्राण-गैन २॥ भग 'तमा होनेवालेके नाम १॥ भग १ भगत्त २॥ ५॥ भौद्रीनकोद्रवीणादिशेषधा-न्योद्भवक्षमम्॥

日本のではないから、 まままり 「ないからない」では、 こったのでは、
वीजाङ्गत तम्मण्य-र इत्यादन स

भीत्यं कृष्ट् च हा यवत् ॥ ४॥

₹?·

विग्रणाञ्चन तृतीगा इत दिह ल्यं विभीत्यमपि तहिमन ॥

5 - S

दिगुणाकृतं त्राहर कार्या कृतसर्पाहण

द्रोणाहकादिवाषाः गाँउ कार्रककादयः॥

जिसमे द्रोण १०२४ तोला वान-आदि बोपा जाप उस खेतका नाम १॥ द्रीणिक १॥ आटक , २५६ तोला भर र जेक नाम १॥ अटिकिक १ आदि॥ स्वारी वापमत् खारीकः-

िम्मे पार्य । द्वेग अर्थात् ४०९६ मेर । स्व एता मेरा जाद उसका नाम॥

-उनमणांदयस्त्रियु ॥ १०॥

पुनपुषक्षयोजेन केनारः क्षेत्रम-

्र नजरय तु ॥ केंद्रासक स्यान्केंद्रायं लेप केंद्रा रिक्सणे ॥ १०॥

नेहानि रे . जीव-

कर्पत्रके ज दश्त

(१६८)

-खनित्रमवदार्णे ॥ १२ ॥ कुडालके नाम २ ॥ खनित्र १ अवदा-रण २॥ १२॥

दात्रं लवित्रम्-खुरपा फावडा आदिके नाम २ दान १

लवित्र २॥

-आवन्धो योत्रं योक्रम्-नाथके नाम ३॥ आवन्ध १ योत्र२योक्त३॥

−अथो फलम्॥

निरीशं कुटकं फालः कृषकः फाल अर्थात् हलके नीचे लगेहुए टोहेके नाम ९॥ फट १ निरीश २ कुटक ३ फाल ४ ऋपक ५॥

> -लाइलं हलम् ॥ १३ ॥ गोदारणं च सीर:-

हलके नाम ४ ॥ लाङ्गच १ हल २॥ ॥ १३ ॥ गोढारण ३ सीर ४ ॥

−अथ शम्या स्त्री युगकीलकः॥

सैंढे (सिमल) के नाम २॥ शम्या १ युगकीलक २ ॥

-ईषा लाङ्गलदण्डः स्यात्-हल्स (हाल) के नाम २ ॥ ईपा १

लाङ्गलदण्ड २ ॥

–सीता लाङ्गलपद्धतिः॥ १४॥ हलकी रेखा (खूड) के नाम२॥सीता

१ लाङ्गलपद्गति २॥ १४॥

पुंसि मोधिः खलेदार यत्पशुवन्धने ॥

जो घान्यर्गटनकरनेके स्थान परमे गाडेहुये रहा बांबेनेक खुँडे 🚜 के नाम २ ॥ मेबि १ खडेडान २॥

आग्रुर्ज़ीहिः पाटलः स्याद-सही (धान) के नाम २॥ व्य

वीहि २ पाटक ३ ॥

−शितशुक्तयवा समा ॥ ^{१५} जीके नाम २॥ शितश्क १ हव२॥ १

तोक्मस्तु तत्र हरिने-हरे जीके नाम १ ॥ तोकन र ॥

−कलःयस्तु सतीनकः॥ हरेणुखण्डिको चास्मिर-

मटरके नाम ४॥ कलाय १ मर्नात्कः

हरेणु ३ खिंग्डक ४ ॥ −कोरदूषस्तु कोद्रवः ॥ ^{१६} कोदोंक नाम २॥ कोरहूप १ हैं

इव २ ॥ १६॥

मङ्गल्यको मसुरः-मसूरके नाम २ ॥ महन्यक १

मसूर २॥ —अथ मकुष्ठकमग्रुष्ठकी ॥ वनसुद्गे-

मोटके नाम ३ ॥ मकुष्टक १ मुख्क

मातुलानी तु भङ्गायाम्-

भगके नाम २ ॥ मातुलानी १ भगा २ ॥

व्रीहिमेद्स्त्वणुः पुमान् ॥२०॥

चीनाधान्यका नाम १॥ अणु१॥२०॥ किंशारुः सस्यश्र्कं स्पात-

जीइन्यादिके नांखे अप्रभाग सीकुर) के नाम २ ॥ किशार १ सस्यश्क २ ॥

-कणिशं सस्यमञ्जरी ॥ बन्दरा बण्के नाम २ ॥ क्लिन १

(३६८)

सम्बद्धनारी २ ॥

धान्यं ब्रीहिः स्तम्बकरिः प्रत्याके समे १। जन

म्तम्बो गुच्छस्तृणादिनः २ /

नाही नाल च कार्होक्य-

-पगनामी स निप

क्टूड्रो। बार इर्डे-

-पात्य विन तृष उभान

–गोध्मः सुमनः समा ॥ रेहूँके नाम २ ॥ गोजूम १ सुमन २॥ स्याद्यावकस्तु कुल्माष:-

क्रम्योके नामराभिक्त १ क्रम्मपरा। -चणको हरिमन्थकः ॥ १८॥ अपने चेन के नम र चगक।

हों निले निलंपज्ञ विलिप-

क्षदः धुनाभिजनना गाजिका कृष्णिकाऽऽस्रो।। १२॥

स्त्रियाँ कड्प्रियड् दे-

-अनसी स्याद्मा अमा॥

श्कोऽस्त्री शुरूणतीरूणाग्रे-यव आदिके चिक्रने और तीने अप-भागके नाम २ ॥ श्का १ १४४४ गर्नी-श्याप्र २ ॥

–शमी शिम्बा–

मटर आदिको फर्लाके नान२॥ शमी? शिम्बा २॥

−ित्रपूत्तरे॥

आगे कहे हुए सब शब्द तीना छि-ज्ञोमें होंगे ॥

ऋद्धमावसितं धान्यं-

- तृण दूर करके पैरमे इक्हे करने योग्य धान्यके नाम २ ॥ ऋद्व १ आवसित २॥ पूतं तु बहुलीकृतम् ॥ २३॥ साफ करके इकड़े किये हुये धान्यके नाम २ ॥ पृत १ बहुलोक्टन २ ॥ २३ ॥

माषाद्यः शमीधान्ये-

फटाँके भीतर होनेवाले वान्य माप आदि हैं॥

−शूकधान्ये यवादयः ॥ यत्र आदि शूक धान्य अर्थात् वालसे

पैदा होनेवाले हैं॥

शालयः कलमाद्याश्च षष्टिका-द्याश्च-

यव आदि और शाठी आदि शालि धान्य कहलाते हैं॥

-पुंस्यमी ॥२४॥ मात्र आदि गढ पुँहिले है ॥ २४ ॥

तृणधान्यानि नीवाराः-पगाई आदि मुनियोके जन्यका

१ ॥ नीवार १ ॥ −स्त्री गवेधुर्गवेधुका ॥

जिसको कोंकणदेशमे कसाउ कहतेहे उस मुनिअनने नाम र गवेधु १ गवेधुका २॥

अयोग्रं मुसलोऽस्त्री स्याद म्सल्के नाम २-॥ अर्वेत मुसल २ 11

–उदूखलमुल्खलम् ॥२५ ओखलीके नाम २ ॥ उद्दूबन

उल्खल २॥ २५॥ प्रस्फोटनं शूर्पमस्त्री-छाजके नाम २॥ प्रस्कोटन १ र्या १

—चालनी तितडः पुमान[॥] चलनीके नाम २ ॥ चालनी १

तिनड २॥

स्यूतप्रसेवी-

वस्त्र सण आदिते वने हुए कि नाम २ ॥ स्यूत १ प्रसेत्र २ ॥

-कण्डोलपिटौ-टोकरीके नाम २॥ कडोल १ निस्शी , कटकिलिञ्जको ॥ २६ ॥ - जारिके — वडाईने नान २ ॥ कड १ निनि-

न्तर्गा २६ ॥ - समाना-

ं उह समान तिहु है॥

-रतवत्यां त पाकस्थानम-हानसे॥

८ दुग्यतः ॥ च ग्लेस्ति स्थानेत्रे नाम २॥ स्मत्रती१ रम्यान २ महानत २॥

पारोगवस्तव्ध्यक्षः-रपेर्टने अधिकारीके नाम २॥ पीरो-

्रा । । हिन्दु स्टानमाध्यक्ष २॥

गुपकारास्तु बहुवाः॥ २७॥ आगलिका आन्धमिकाः,

िसदा ऑदनिका गुणाः ॥ सारिके नम ७ ॥ नक्कम १ राद्वादशा नाति इक्षत

र्वे ६ मुद्र ६ ई। इनिव ६ रण -आपृषिकः कान्द्विका ८ भक्ष्यकार हमे विष् ॥ २८॥

ा पति प्रसारियोग्ये, समा ६ होत्य हे सात द्वीरक च च प्रवास व

अम्बन्धकानम् धिश्रयणी प्रतिमन्दिया ॥

अङ्गारधानिकाऽङ्गारशकव्यपि इसन्त्यपि॥ २९॥ इसन्यपि-वरोसी 'सिगडीके , के नान ४ ॥

व्यगारवानिका १ वंगारशकटो २ हसन्ती ३ ॥ २९ ॥ हसनी ४ ॥ -अथ न श्वी स्यादङार:-

अगरेका नाम १॥ अहार १॥ –अलातमुल्मुकम् ॥ जल्ते हर कारके नाम २॥ अधान १

उस्तुक २॥ क्रीवेऽस्वरीषं भ्राष्टः-नाटके नाम २ ॥ अध्वरीप १ न ए२॥

याम्॥३०॥ स्टाउँ सार १ वर

~ना कन्दुर्वा स्वेदनी स्त्रि॰

स्टरक्टनियाँ -विकासकारिता । ॥ ११॥

1 र का र किंग प्रा

--अस्त्री शमाची वर्षमान कः ॥ अस्त्रेते नाग २॥ गमाव १ वर्षे मानक २॥

्रमञीषं पिष्ट्पचनं-्रोकेनागर्॥ व्यक्तिर्शिष्ट् प्रानर्॥

•कंसोऽस्त्री पानभाजनम् ॥३२॥ कंदोरीके नाम २ ॥ कंस १ पानमा जग २ ॥ ३२॥

> सन्दः कृतिः क्रेडपात्रं -कृतिः नाम १॥ कृत्र २॥ ।

—सेवाल्पा कुतुषः पुमान ॥ कुर्गाका गम १॥ कुनुर १॥

सर्वमावपनं भाण्टं पात्रामधं च भाजनम् ॥ ३३ ॥

बग्तनके नाम ९ ॥ आपतन १ भाष्ट २ पात्र ३ अमत्र ४ भाजन २॥३ ३॥ द्विः कस्मिः खजाका च-

कर्छत्रीके नाम ३ ॥ दर्भि १ कस्ति २ खजाका ३॥

स्यात्तर्दृर्दारुहस्तकः॥ टोईके नाम २॥ तर्दू १दास्टम्नक२॥ अस्त्री शाकं हरितकं शिग्रः- 4 + 1, 1 pmx }

- अन्य न् नारिका ॥ १४ कल्डम्बन् करम्यक-ना कः न कनाव भागीना ॥ १४ एक वर्ष र कल्ड र हिन्द निवादार् उपस्करः ॥ मना १६ नाम २ ॥ वेलाव १३ रक्ष २ ॥

निनिनी हेन नुहंन गृष्ट म्लग्न

न्दर नाम् गादि) के ना १ विति ति ६ १ तु ६ २ काम्य २॥ -अथ येठजम् ॥ ३५॥

मरीचं काँठकं कृष्णम् धर्मपननम्॥

भिनके नाम ६॥ वेउन १॥३५ मगी ४ २ कोटक ६ क्राण ४ उत्ता भंभवनन ६॥ जीरको जरणोऽजाजी कणाः

जीरके नाम ४ ॥ जीरक १ जरण

अनार्जा ३ कणा ४॥ -ऋष्णे तु जीरके॥ ३६॥ सुपवी कारवी पृथ्वी पृथी कालोपकुञ्चिका॥ काले जीरके नाम ६॥ ३६॥ सुप्ती निको २ पृथ्वी २ पृथु ४ जान्त ५ उप-रिवेका ६॥ । आर्द्रकं शृङ्गवेरं स्यात्-

ं अदरखके नामर॥ आईक १ हुङ्गवरर॥ अथ च्छवा वितुत्रकम् ॥३७॥

स्तिन्दुरु च धान्याकम्-विनेवेके नाम ४ ॥द्यत्रा १ विनुसक २

रे७॥ जुन्तुम्बुह ३ इन्टाफ १ ॥ -अथ ग्रुण्ठी महीषधम् ॥ स्त्रीनपुंसकयोविश्वं नागरं

विश्वभेषजम् ॥ ३८॥ सेठिके नम २ । १००० न स्टीपाउ

भ ३ तरह , १ - ज्या । १ - अर्गालकसीवीरकुल्मा -

षाभिषुनानि च॥ अवन्ति-सोमधान्याम्लकु खलानि च

काञ्जिके ॥ ३९॥ बार्डके नम् ५ - जन्म

तितः । कृत्याणीयात् १०० वित्यास्य नेपास्य । अस्तार् १००० ए । १०

सहस्रविधि जनुक बाहीक

हिंदु रामठम् ॥ हीग्रेनद्रशास्त्रकः हुन्द्र होक्र ३ कि १ क्या

महोम २ हिर् । राजा

तत्पत्री कारवी पृथ्वी वाष्पिका कवरी पृथः ॥ ४० ॥ हीगके वृक्षके पत्तेके नाम ५ ॥ कारती १ पृथ्वी २ वाण्यिका ३ कवरी ८ पृथु २ ॥ ४० ॥

निशाख्या काञ्चनी पीता इरिद्रा वरवणिनी ॥

हलदोके नाम ।।। निशा १ का चनी २ पीता ३ हरिड़ा ४ वरवार्णनी ५ ॥ सामुद्रं यत्तु लवणमक्षीवं

सामुद्र यमु लवणमक्षाव विशिरं च तत्॥ ४१॥ ममुद्रवागके नाम २॥ अक्षीव १

मसुद्रभागक नाम र ॥ अक्षाय

सन्धवोऽस्त्री शीतशिवं माणिमन्थश्च सिन्धुजे॥ न्येकं नाम ४॥ सन्ध्रत्र १ शीनशिव

२ मार्गिमन्द्र ३ सिन्युत ४ ॥ **रोमकं वस्तकं**न

स्पारके नाम २॥ र्रामक १ वसुक २॥ **-पात्रयं विडं च** कृतके **हयम्**४२

-पात्रय (नड प हुत्त्वा व प्रश् - चरावे सम २॥ शच्या १ प्रदेश। ४२॥ - सोवर्षलेऽक्षरुचके -

- - प्राप्त स्त्री ताम ३ - सीपवार -- - २ २ सवर २ - १

-निलक तत्र मचके॥

मन्स्यण्डी पाणिन खण्डवि-कार- साके नाम २ ॥ मन्त्री १ फाफित २॥

-शर्करा सिना ॥ ४३॥ भिष्कि नाम २॥ अभग १ सिना २॥ ४२॥

क्रींचका क्षीरविकृतिः स्यात्-गोके गाम २॥ कृषिका १ धीर-गिठनि २॥

-रसाला तु मार्जिता ॥ श्रीराउके नाम २ ॥ स्माज । मार्जिता २॥

स्यात्तेमनं तु निष्ठानं-कर्ढाके नाम २॥ तेमन १ निष्ठान २॥ -न्निलिङ्गा वासितावधेः॥४४॥ भाषा-वासितपर्थनः इन्द्रः गीनी

विद्गोंमे होतेहैं ॥ ४४ ॥ शृलाकृतं भटित्रं च शूल्यं−

होहगडाकासे पकाये दुए मानक नाम ३॥ श्लाऊन १ भटित्र २ श्र्य ३ ॥

-उल्यं तु पैठर्म्॥

वटलोईमें पकाये हुये अनादिके नाम

२ ॥ उख्य १ पैठर २ ॥

प्रणीतसुपसंपन्नं— पकीर्द्धं रसोईके नाम २॥ प्रणीत १ उपसपन २॥

-प्रयस्तं स्यात्सुसंस्कृतम्॥४५॥

नदी इंटिंग बने ही समेकि प्रापन १ सुरम्मन २॥ १५॥

स्यानियन्त्रिक्तं तु विक्रि पनी हे में। जो नाम २ ॥ विक्रि

विभिन्द ॥

—संस्रुष्टं शोधितं समे॥

विक्रितं एवं भागे वाम २॥ मण

निक्षणं मसृणं स्निग्धं-निक्तोतं नाम २ ॥ निक्रा मसृण २ किन २ ॥

-तुल्ये भावितवासिते॥ ४ छोप्तीर्व्ह तस्तुक नाम २॥ भावि वासित २॥ ४६॥ आपकं पोलिरभ्यूपो-धृत आदिमें भूनोर्ह्ड वस्तुके नाम आपक १ पीलि २ अन्यूप २॥

-लाजाः पुंभृम्नि चाक्षताः गीलोंके नाम १॥ लाज १॥ पृथुकः स्याचिपिटकः-परमलके नाम २॥ गृथुक १ वि

टक २ ॥ -धाना भ्रष्टयवे स्त्रियः॥ ४९॥ भुनेहुए जीके नाम २॥ धाना १ भर

यव २ ॥ ४७ ॥

पूपोऽपूपः पिष्टकः स्यातपुएके नाम ३॥ पूप १ अपूप २ पिष्टकः ३॥

करम्भो द्धिसक्तवः॥ । द्रश्टिन, मत्तुशोके नाम २॥ करम्भ अदिमनु २॥

िस्सा स्त्री भक्तमन्धोऽन्नमो नोऽस्त्री सदीदिविः॥ ४८॥ वं नतरे नम ६॥भस्ता १ भक्तर

भिन्द्रकत ४ ओदन ५ दीदिनि ॥ ४८॥

۹.

ि भिस्तटा दिग्धिका-टो अवके नाम २ ॥ भिस्तटा १ रोज्या २ ॥

ि भवरसाँचे सण्डमस्त्रियाम् ॥ - १८का नाम १॥ मण्ड १॥

भासराचामनिस्रावा मण्डे भ-ल कसमुद्रवे ॥ ४९ ॥

केन्द्र भावके माद्येत नामश् ॥ मासर १ विकास श्रीतनामश्री मासर १

ि उम् २ तिला २ ॥ ४९ ॥ र्न म्यान्सिणिका श्राणा विलेपी

तरहा च सा॥ यो नामे नाम ९॥ याग्र १

र्गान २ गाना २ सिमी १ तमा १॥ गामी निष्ठ गानी सर्वन

ाने इक्क्युक्तसम्भाषयाः चौदिद्रगोमयमस्यियाम्५०॥

12 5-45 tal 2 11 2 36 1

• न्दरी दशी

तत्तु शुष्कं करीषोऽस्त्री-स्खे हुये गोवरका नाम १॥ करीप १॥ -दुग्धं क्षीरं पयः समम्॥ दृश्के नाम २॥हुग्धरे क्षीर२पयम्३॥

प्यस्यसाज्यद्ध्यादि-घृत वहीं आदिका नाम १॥ पण्स्य १॥

घृत दहीं आदिका नाम १॥ पण्यः १॥ **-द्रप्सं दाधि घनेतरत् ॥५१॥** पतन्देदहीका नाम १॥ दल्त १॥०१॥

घृतसाज्यं हविः सर्पिः− घीके नान ४ ॥ घृत १ लाङ २

हिन् इ सर्वन् ४ ॥

-नवनीतं नवोज्ञतम् ॥ मक्वनके नाम २ ॥ नवनित्र १

_{नवीपृत} २ ॥ तज्ञ हेयड्नवीनं चड़चोगोदोतो द्भवं घृतम् ॥ ५२॥

नंतिर्यक्षासम्बद्धाः स्थान्य स्थान्यः । दण्हाहतं दालतेयनिष्टम्पि

भोरसः॥ - नोदेनगध्य ज्ञान

तज्ञं एप्रिक्षियतं पारागरः धीम्यु निर्वेटस् ॥ ५३ १

सत्तं वृद्धियां सर्ह-

क्तं के पानी का नाग १॥ गर्तु १॥
-पीरपोठिभिनवं पगः॥
गीसका नाग १॥ पीत्रा १॥
अशनाया तुभुक्षा छत्भूग के नाग २॥ अशनाया १ तुभु ॥ २ धुन् २॥

-प्रासस्तु कवलः पुमान् ॥५४॥ गसके नाग २॥ गाम १ कवड २॥ ५४॥

सपीतिः स्त्री तुल्यपानं – साथपीनेके नाम २॥ सपीति तुल्यपान २॥

–सिंग्धः छी सहभोजनम्॥

एकसाथ भोजन करनेक नाम २ ॥ सग्धि १ सहभोजन २॥

उदन्या तु पिपासा तृद तर्षः-ष्यासके नाम ४॥ उदन्या १ पिपासा २ तृप् ३ तर्प ४ ॥

-जिग्धिस्तु भोजनम् ॥ ५५ ॥ जेमनं लेह आहारो निघसो न्याद इत्यपि॥

भोजनके नाम ७॥ जिम्ध १ भोजन२ ॥ ९९॥ जेमन ३ छेह ४ अहार ९ निघस ६ न्याद ७॥

स्रोहित्यं तर्पणं नृतिः-तृप्तिके नाम २॥ सीहित्य १ तर्पण २ तृति २॥ नेतला भुतसम्जितम् । भोजन वागे जागी द्वे । नाग १॥ पेला १॥ ९६॥ नामं प्रकामं पर्यातं निका यथेप्सितम् ॥ उत्पाते नाग ६॥ ताग १ प्रका

पर्णात २ निकास ४ उष्ट ९ वर्गिन्ति १ गोपि गोपालगोसंख्यगोर्ड भीरबल्लवाः ॥ ५७॥

अहीरोत नाम ६॥ गोप १ गोपाट गोमम्प ६ गोदुत् ४ आर्थार बद्धत ६॥ ५७॥

गोमहिष्यादिकं पादवन्धनं यसे बाधने छायक गाय भेंस आहें

नाम १ ॥ पादबन्धन १ ॥

न्द्रो गवीश्वरे ॥ गोमानगोमी--

गायके माछिकके नाम २॥ ग^{ाक्षार} गोमत् २ गोमिन् २॥

-गोकुलं तु गोधनं स्थाद्गवी व्रजे ॥ ५८ ॥ गायोके समूहके नाम २॥ गोकुछ १

गोधन २॥ ५८॥
त्रिष्वाशितं गवीनं तहावी य

त्राशिताः पुरा ॥ जहां गैया आदिको पहिले खिलानं



(१७८)

जुयेके उठानेवालेका नाम १॥ युग्य १॥ जोडके उठानेवालेका नाम १॥ प्रास-इय १॥ छकडेके उठानेवाले वैलका नाम १॥ शाकट १॥

खनित तेन तद्वोढाऽस्येदं हालिकसौरिकौ॥ ६४॥

हलमे चलनेत्रालेके नाम२॥ हालिक १ सीर्रक २ ॥ ६४ ॥

धूर्वहे धुर्घधौरेयधुरीणाः सधुरंधराः ॥

बोझा ढोनेवाले बैलके नाम ९ । धूर्वह १ धुर्य्य २ धीरेय ३ धुरीण ४ धुरधर ९ ॥

डमावेकधुरीणैकधुरावेकधु-रावहे ॥ ६५॥

एक बोझेके ढोनेवालेके नाम ३ ॥ एकधुरीण १ एकधुर२एकधुरावह३॥६५॥

स तु सर्वधुरीणः स्याद्यो वै सर्वधुरावहः॥

जो सत्र बोझा ले चलै उसके नाम २ ॥ सर्वधुरीण १ सर्वधुरावह २ ॥

माहेयी सौरभेयी गौरुस्रा माता च शृङ्गिणी ॥ ६६ ॥ अर्ज्जन्यघ्न्या रोहिणी स्यात-

गायके नाम ९॥ माहेयी १ सीर-भेयी २ गो ३ उस्ता ४ मातृ ५ शृगिणी ६॥ ६६ ॥ अर्जुनी ७ अन्या रोहिणी ९॥

िवेश

-उत्तमा गोषु नैचिकी ॥ अन्छीगायका नाम १॥ नैचिकी वर्णादिभेदात्संज्ञाः स्युः

लीधवलाद्यः ॥ ६७ ॥ चितकवरीका नाम १ ॥ शवली !

सफेद्का नाम १॥ धगळा १॥ ६० द्विहायनी द्विवर्षा गौः-

दो वर्षकी गायके नाम २ ॥ ^{हिंग} यनी १ द्विवर्षा २ ॥

-एकाच्दा त्वेकहायनी एकवर्षकीके नाम २ ॥ एकाव

एक हायनी २ ॥ **चतुरव्दा चतुर्हायणी**-चार वर्पकीके नाम २ ॥ चतुर्जा

चतुर्हायणी २ ॥ **-एवं त्र्यट्दा त्रिहायणी** ॥^{६८} तीन वर्षकांके नाम २ ॥ त्र्यद्या ५

त्रिहायणी २॥ ६८॥

वशा वन्ध्या-वाझके नाम २॥ वशा १ वन्धारी -अवतोका तु स्रवद्गर्भा-

जिसका अकस्मात् गर्भ गिरगया है। उस गायके नाम २॥ अवनीका

स्रवद्गर्भा २ ॥

दिनीयका है।

अपूर्ण अपूर्ण हेरला --सः सित्ति ।

-वीता भी पीवश्यक्ती ॥ - / ॥

याः वेष्टा संग्याः निवर्तन इ नर्द्धना इसादा क्र

वेशाखमन्थमन्थानमन्थानो | मन्थद्रण्डके ॥

गर्भने हा देश अभीत् रीह साम ९॥ वैभाग्त १ मन्त्र २ मन्त्रान २ मन्त्र ४ मन्त्राण्टक ९॥

कुटरो दण्डविष्तम्मो-

जिसमें रई नां गि जाग उस काएके नाग २ ॥ कुठर १ ॥ ज्याजिकस्म २ ॥ —मन्थनी गर्भरी समे ॥७४॥ मथनेके पात्रके नाग २ ॥ मन्यनी १ गर्भग २ ॥ ७४ ॥

उद्दे क्रमेलकमयमहाङ्गाः-जटक नाम १ ॥ उप्र १ क्रमेलक २

मय ३ महाग ४ ॥

-करभः शिशुः॥

जटके बचेके नाम २॥ करम १ शिशु २॥

करभाः स्युः शृंखलका दारवैः पादबन्धनैः॥ ७५॥

काठसे पैर बर्चे हुए बचेका नाम १॥ श्रुग्वलक १॥ ७९॥

अजा छागी-

वकरीके नाम २ ॥ अजा १ छागी २ ॥
-शुभच्छागवस्तच्छगळका अजे
वकरेके नाम ९ ॥ शुभ १ छाग २
वस्त २ छगळक ४ अज ९ ॥

मिट्रीरश्रीरणीर्णापुनेपपुष्प उत्ते ॥ ७६ ॥

मेलेत नाम आ मेर १ उप उग्ण २ अगीपु ४ तेप १ हिंग एक्त ७॥ ७६॥ उष्ट्रीरभाजपुनदे स्मादीष्ट्रक

अका जकम ॥

उन्हों के समहका नाम १॥ औरक मेडोके नगहका नाम १॥ और १॥ अजे (यक्तोके, समहका नाम । आजक १॥

चक्रीवन्तस्तु बालेया सस गर्दभाः खराः॥ ७७॥

गवेके नाग ९॥ नकीवत् १ ब २ रासम ३ गर्टभ ४ गर ९॥७०। वेदेहकः सार्थवाहो नेगमो व णिजो वाणिक् ॥ पण्याजी ह्यापणिकः क्रयविक्रियेव श्च सः॥७८॥

व्यापारीके नाम ८ ॥ बेदेहक १ सा वाह २ नैगम (निगम) ३ वाणिज वणिज् ९॥ पण्याजीव ६ आपणिक ७ क विकायिक ८ ॥ ७८ ॥

विक्रेता स्याद्विक्रयिकःवेचनेवालेके नाम २॥ विकेत

विक्रयिक २ ॥

-क्रायिकक्रयिको समो II मोन हेनेशहें नाम २॥ ज्ञायिक १ क्रीनेक २ ॥ वाणिज्यं तु वणिज्या स्यात-

भिगेदम २॥ मृत्यं वस्त्रोऽप्यवक्रयः॥ ७९॥

त्यातान्त्रे नाम २ ॥ वागिच्य १

मोन्के नाम २ । मात्र १ वस २ विका ३॥ ५९

नीवी परिपणी सलधनं-मुरुक्तक सम्बद्धाः स्टब्स المتاسطة المرام

-लाबादीयक फलम्॥

परिदान परिवर्ग नेमेयनिम र याद्यवि ॥ ८० ॥

1 475-पुमानप्ति (कि.सं)

-प्रतिदान उप 🚉

क्रियं क्रेतव्यमात्रके ॥ ८१॥ दुकानपर रचने पोरंप वस्तुका नाम

शाचित्रशादशा वि. यं पणितव्यं च पण्यं-देवनेदेग्द यम्नुके नाम २ ॥ विकेय

-क्रयादयस्त्रिष् ॥ हार का अदि शास नीने निहोंसे

१ वित्तव २ प्रच २ ॥

-क्वींच नत्यापनं सत्यद्वारः म-त्याकृति भ्रियाम्॥ ८२॥

विषणी विकय'-

तरंपथ नाचन विषा

243 42

Į,

नेतार मिन हे जा हो भी है जारि

भवदिनन के सामग्री है। -तास्र नाननतेः सियः॥ किलि वादी महिला गाउ

महिणा होने हैं।। पंताः शतस्रकादि कमार-

श्युणीचरम् ॥८४ ॥ ध्य सम्भावा साने उनमेनम ध्य

गुरु रात सहस्र आदि संरवाएं तेती 311 58 11

यातवं हुवयं पाय्यमिति मानार्थकं त्रयम् ॥ नो उक्ते नाम ३ ॥ विलय १ द्वाय २ पारत ३॥

मानं तुलाऽतिलप्रस्यः-

८ नोल तीन प्रकारको 🐉 नलामान १ अगिरमान २ प्रस्थमान ३॥

-गुञ्जाः पञ्चाद्यमापकः॥४५॥ पाच रत्तीका शानोक मापा होता है।। ८५॥

ने पोडशाक्षः कर्पोऽस्त्री-माल्ट्मासेका एक अक्ष होना है उस-

काही कर्प कहते हैं ॥

-पलं कर्षचत्रप्टयम्॥ चार कर्पका एक पल होताहै ॥ सुवर्णविस्ती हेम्रोऽक्षे-

The HE S. M. & House

विमा र ॥

-क्मितिनान् नगरंगाः पुराम गराहा तात । । स

1125 11 5 141 नुला गियां पलगनं-मोल का नाम १ ॥ नृत्र १ ॥

-भागः स्याहिंशनिम्तुलाः [॥] सेंग न पका नाम १॥ नाम ११

आचिनो दश भागः स्यान ट्यभारका नाम १॥ जानिस १० −शाकटो भार आजिवश^{ा८औ}

अतिसम् भागता नाम ? ॥ अवित 2 日 く 2 日

कार्पापणः कार्पिकः स्याद-चाटा हे रुपये है नाम २ ॥ कार्मरगर क्रांपिक २०॥

-कार्पिके ताम्रिके पणः॥ नामेका कार्यापण अर्थात् पेनेका कर

१ ॥ पण १ ॥ अस्त्रियामाढकद्रोणी वारी वाहो निकुञ्चकः॥ ८८॥ कुडवः प्रस्थ इत्याद्याः परि माणार्थकाः पृथक् ॥

(चार सेरका नाम) आडक १॥ (आठ आडकका- नाम 🚶 द्रोण १ ॥



म्बूनद्सए।पदोऽस्त्रियाम्॥९५॥

सुत्रर्णके नाम १९॥ खर्ण १ सुत्रर्ण२ कनक ३ हिरण्य ४ हेमन् ९ हाटक ६ तप-नीय ७ शातकुम्भ ८ गागेय ९ भर्मन् १० कर्बुर ११॥ ९४॥ चामीकर १२ जातक्ष्प १३ महारजत १४ कांचन १९

रक्म १६ कार्त्तस्वर १७ जांबूनट १

अष्टापद १९॥ ९५॥ अळङ्कारस्रुवर्णे यच्छृङ्गीकनक-मित्यदः॥

सुत्रर्णके गहनेका नाम १॥ राङ्गीकनक १॥ दुर्वर्ण रजतं रूप्यं खर्जूरं श्वेतामि

त्यिषि ॥ ९६ ॥ चादिकि नाम ९ ॥ दुर्वर्ण १ रजन २ रूप्य ३ खर्ज्स ४ श्वेत ९ ॥ ९६ ॥

रीतिः श्चियामारक्टो न हि। याम्-

पीतळके नाम२॥ रीति १ आरक्ट २॥

−अथ ताम्रकम् ॥ शुरुवं म्लेच्छमुखंद्यष्टवरिष्टोदु-म्वराणि च ॥ ९७ ॥

तायेके नाम ६॥ताम्रक १ गुल्व २ म्छेच्छमुख ३ इयप्ट ४ वरिप्ट ५ उदुम्बर६ ॥ ९७॥

> लोहोऽस्त्री शस्त्रकं तीक्ष्णं पिण्डं कालायसायसी॥ अश्मसारः-

छोहेके नाम ७ ॥ छोह १ श**ल** तिञ्ज ३ पिण्ड ४ काळायस ५ ० अइमसार ७ ॥

> -अथ मण्डूरं िः । तन्मले ॥ ९८ ॥ लोहेके मल अर्थात् महरके नाम

मण्डूर १ सिहाण २ ॥ ९८ ॥ सर्वे च तेजसं लोहं-

चादी सोना छोहादि सर्ववातः नाम १॥ छोह १॥

-विकारस्त्वयसः कुशी लोहेके फालका नाम १॥ कुर्ण **कारः कान्यः**-

र्काचके नाम २॥ क्षार १ ^{काच} —अथ चपलो रसः सः पारदे॥ ९९॥

पारेके नाम ४ ॥ चपछ १ रह सूत ३ पारद ४ ॥ ९९ ॥

गवलं माहिषं शृङ्गं-भेसेके सीगका नाम १॥ गवल

-अभ्रकं गिरिजामले ॥ अवरखके नाम३॥ अम्रकश्मीरि

अमल ३॥

स्रोतोञ्जनं तु सोवीरं कार्य ताञ्जनयामुने ॥ १००॥ सुर्माके नाम १॥ स्रोतोजन १ गीर

२ कायोताजन ३ यामुन ४॥ १००

्रित्याञ्जनं शिखिशीवं वितु-रुक्तमयूरके ॥

र् ग्रीन्य (कीलायोधा के नाम ४ ॥ हिन्द र गिलियोब २ वितुसक ३ रिक्थ ॥

तिरी दाविका काथो झवं तुन्धं-ित्तके केद १ ॥ कार्यो / दाविका

द्भाः द्भाः समाञ्जनम् ॥ २०१ ॥

्रांसगर्भ तार्क्यगले-स्वेत्वर स्वारं स्वयंत्र

ान्धाः सनि तृ सन् एकः ॥ सामन्द्रिकश्च

्यनायाक्यास्या तक्त स्किम्॥ १८२॥

ilan massi

हिरालके॥ १०३ । हारनारके नाम ९ ॥ प्रिहर

> पीनन २ नाल ३ आल ४ हरिता लक्त २॥ १०३॥

> त्क १॥ १०३ ॥ गरेयमर्थ्यं गिरिजमश्मजं च शिलाजनु ॥

िर्जनिके समा १ ॥ स्पेता अर्थ्य २ जित्त ६ स्थासन ४ प्रेस्पेन रा ॥ वोल्यास्यसम्बद्धाणिष्ट्यो-

रिंगीर विस्कृत

परसा समाः॥ १०४॥

. 1 (44734)

ीतिषुर्य पुष्यक्षत्र राष्ट्रक याष्ट्रमा इत्स्मा म्हें नाम १॥ तिन १ तम १॥
-अथ कमलो नग्ग ॥
स्यात्रुग्ममं चिह्निभिनं मदाग जनमित्यपि॥ १०६॥
क्यमेंक नामशा वम नेनम १६गम्म १ विद्यात ६ मनम्बन ४॥ १०६॥ मेषन्त्रमाल कर्णायुः-उना क्या के नाम १॥ मेवकान १ १ अणीत २॥
-अभीत २॥

-शरोर्ण शशलामि ॥ गर्गामकी जनके नाम २॥ अशोर्ण १ अस्टोमस् २॥

मधु **क्षोद्धं माक्षिकादिन** अस्तरे नाग ३ ॥ गर्१ थोट २ गाक्षिक ३ ॥

मध्चिछ्प्टं तु सिक्थकम्॥१०७॥ मोमके नाम २॥ मब्ब्ल्छ्य्ट्रशास्यक २॥ १०७॥

मनःशिला मनोग्रता मनोहा नागजिहिका॥ नेपाली कुनटी गोला-

मैनशिलके नाम ७ ॥ मनिहेशला १ मनोगुना २ मनोहा २ नागजिहिका ४ नेपाला ५ कुनटी ६ गोला ७ ॥ -यवक्षारी यवाम्रजः॥ १०८॥ पान्यः-

्राप्ती जाका नाग १॥ मोस्ट १ म प्रित्यकं पिप्पलीमूलं चटन शिर इत्यपि॥ ११०॥ पोप्पलाम्ल हे नाम ६॥ मन्यक १ पिप्पलीम्ल २ चटकाशिरस् ३॥ ११०॥ गोलोमी भृतकेशो ना-जटामासी के नान २॥ गोलोमी १

भ्तकेज २ ॥ —पत्राङ्गं रक्तचन्दनम् ॥ पतगके नाम २ ॥ पत्राग^{्र स्तव}ः

न्दन २॥ ात्रिकटु त्र्यूषणं वसीषं-

-संहतेस्तेई्योः श्रेणिः सजा-तिभिः

कारीगरोके समृहका नान १ ॥ श्रेणि १॥ कुलकः स्यात्कुलश्रेष्टी-कारीगरोके अफसर अर्थात् मिस्तरीका

नाम २ ॥ कुलक १ कुल्छ्रेष्टी २ ॥

−मालाकारस्तु मालिकः॥५॥ मालीके नाम २ ॥ मालाकार १

मालिक २॥ ५॥

क्रम्भकार:कुलाल: स्यात्-कुम्हारके नाम २ ॥ कुम्भकार कुलाल २॥

-पलगण्डस्तु लेपकः॥ कमगरके नाम २ ॥ पत्रगण्ड लेपक २॥

तन्तुवायः क्वविन्दः स्यात्-जुलाहेके नाम २ ॥ तन्तुत्राय १ सीचिक २॥

तुन्नवायस्तु सौचिकः॥६॥ दरजीके नाम २ ॥ तुन्त्रवाय सौचिक २॥६॥

रङ्गाजीवश्चित्रकर:-

चित्रकारके नाम २॥ रगाजीव चित्रकर २॥

–शस्त्रमाजोंऽसिधावकः शिक्लिगरके नाम २ ॥ शस्त्रमार्ज १ असिधावक २॥

पादृकुञ्चर्मकारः स्यार् चमारके नाम २॥पाद्कृत्? 🏅

-च्योकारो लोहकारकः॥ होहारके नाम २ ॥ व्योकार १ कारक २ ॥ ७ ॥

नाडिन्धमः स्वर्णेकारः रुक्नकारकः॥

सुनारके नाम ४ ॥ नाडिन्ड-स्वर्णकार २ कलाद ३ रन्मकारक 🥫

स्याच्छाङ्खिकः काम्बकि मनिहारके नाम २ ॥ गाविक

काम्बदिक २ ॥ शोल्विकस्ताम्रकुट्टकः॥८।

ठटरेके नाम २ ॥ शौल्विक १ ती कुइक २॥८॥

तक्षा तु वर्धकिस्त्वष्टा ५ रस्त काष्ठतद्र॥

वढईके नाम ९॥ तक्षन् १ वर्भ त्वष्ट्र ३ स्थकार ४ काष्टतक् ९॥

श्रामाधीनो श्रानतक्षः-गावके वर्ड्के नाम २ ॥ प्रामार्थित है

ग्रामतक्ष २ ॥ -कोटत्कोऽनधीनकः॥१॥ स्वतन्त्रवढईका नाम १॥ कौडतम्

11911 क्षुरी मुण्डी दिवाकीर्तिना^{दि}

तान्तावसायिनः॥



मन्देत नाम ४ ॥ जुनक १ जिन-ज् २ कर्मकर २ जिनिक ४ ॥ वार्ताबही वैविधिकः— दुनंत नाम २ ॥ वार्ताक १ जिन् निक २ ॥

-भार्वाहस्तु भारिकः॥ १५॥ नोता उटाने॥पेके नाम २॥ भारता इ.१ भारिक २॥१५॥

विनर्णः पामरो नीचः प्राक्त-तश्च पृथग्जनः ॥ निहीनोऽ-पसदो जाल्मः शुल्लकश्चेनर-श्च सः ॥ १६॥

नीचके नाम १० ॥ विवर्ण १ पा-मर २ नीच २ प्राकृत ४ पृथ्यजन २ नि हीन ६ अपसद ७ जात्म ८ क्षुत्क २ इतर १०॥ १६ ॥

भृत्ये दासेरदासेयदासगा-प्यकचेटकाः ॥ नियोज्य-किंकरप्रेष्यभुजिष्यपरिचा-रकाः॥ १७॥

दास वा टह्छुवेके नाम ११॥ भृत्य १ दासर २ दासेय ३ दास ४ गोप्यक ९ चेटक ६ नियोज्य ७ किंकर ८ प्रेष्य ९ भुजिप्य १० पारंचारक ११॥ १७॥ पराचितपरिस्कन्दपरजात-परेधिताः॥ ो संग्ये पाराण उसके ग्राजोंक माम ४ ॥ प्राप्ति ३ ॥ नः २ प्रजात २ प्रीति ४ ॥ नमन्द्रस्तुन्द्रपरिमृज आक शीतकोऽलकोऽनुष्णः ॥ १४ जाल्योंके माम ६ ॥ मल ११ ग्राल्यांके माम ६ ॥ मल ११ ग्राल्यां ६ आल्या २ जीतक ४ म

दक्षे तु चतुर्पेशलपटा त्थान उप्पश्च ॥

त्थान उष्णश्च ॥

गतुग्के नाम ६ ॥ दश्व १ वर्ष
पेशार ३ पतु ४ स्थान ५ उष्ण ।

चण्डालस्रवमातद्गदिवाव
तिंजनंगमाः ॥ १९ ॥ ।

षादश्वपचावन्ते वासिन्
ण्डालपुद्धसाः ॥

चाण्डालके नाम १०॥ चण्डाः प्रय २ मातङ्ग ३ दियाकीर्ति ४ व ९ ॥ १९॥ निपाद ६ श्वपच ७ वासिन् ८ चाण्डाल ९ पुक्रम १० भदाः किरातशबरपुलिन्दा च्छजातयः ॥ २०॥

म्हेच्छजाति भेद जगली गोमात नेवाले हेबूडेआदिके नाम ३॥ किरात शवर २ पुलिन्द ३॥ २०॥ व्याप्यो मगवधाजीवो मृ

व्याधो मृगवधाजीवो मृग युर्लुव्धकोऽपि सः॥



स्माके नाम ९॥ शा ११ साइक २ रच २ वर्श ४ मुण ९॥ उ**द्धाटनं घटीयन्त्रं स**लिलो-

- इसाटन बटानन्य सालला - इसहनं महेः ॥ २७ ॥ - अस्टके नाम २ ॥ उद्गानन १५ छे-

मन २ ॥ २७ ॥

पुंसि वेमा वायदण्डः-अप्रकेषे कपटा सननेके आजारक

नाम २ ॥ नेमन् १ भागरणः २ ॥

-सूत्राणि नारे तन्तवः-गतेके नाग २॥ गत १ तन्तु २॥

-वाणिव्यूतिः स्त्रियो तुल्ये-कपटे आदिके बननेके नाम २॥

बाणि १ व्यूनि २॥

-पुस्तं लेप्यादिकर्मणि॥२८॥

मिट्टी आदिसे छिपत्राने पोतनेका नाम १॥ पुस्त १॥ २८॥

पाश्चालिका पुत्रिका स्याद्ध-स्त्रदन्तादिभिः कृता ॥

गुडियाँ भर्यात् बन्नको बनाई हुई पुतन्त्रीके नाम २॥ पाचाटिका १ पुत्रिका २॥

जतुत्रपुविकारे तु जातुषं त्रापुषं त्रिषु ॥

छाखके विकारका नाम १॥ जातुप १ वगके विकारका नाम १॥ त्रापुप १॥ गिटकः पटकः परा

शिश्वेत नाम ४ ॥ कि ?

मेटा २ म एग ४ ॥

−अय विहर्तिका ॥ २९ भारयधिः−

नत्यी (रंग्ली, तमाग २॥ तिमित्र

॥ २० ॥ भाग्यांच २ ॥

तदालिमा शिन्यं का

बारगी के छी के के नाम २॥ जिन

कान २॥ -अथ पाद्यकाू॥

पादूरुपानत्स्त्री-- ' ज्लेके नाम दे॥ पादुका । पहि

उपानत् ३॥

-स्वानुपदीना पदायता ।

मोजेके नाम १॥ अनुपदीना १॥३ नक्षी वक्षी वरत्रा स्यात-

चनडेकी रस्तीके नाम ३॥ नधी

वधी २ तस्त्रा ३॥

-अश्वादेस्ताडनी कशा॥ कोरडेका नाम १॥ कशा १॥

चाण्डालिका तुकण्डोलवी

णा चण्डालवहाकी॥ ३१।

किंगरीवाजोके नाम ३॥ चाण्डाटिक

१ कण्डोलवीणा २ चण्डालवहुकी ३॥

11 38 1



सदक्ष ३ सदश ४ सदश् ९ ॥ ३६ ॥ साधारण ६ समान ७॥

-स्युरुत्तरपदे त्वमी ॥ निभसंकाशनीकाशप्रतीका-शोपमादयः ॥३७॥

समानके नाम ।। निम १ सकाश २ नीकाश ३ प्रतीकाश ४ उपमा ९॥३७॥ कर्मण्या तु विधा भृत्या भृतयो भर्म वेतनम्॥भरण्यं भरणं मूल्यं निर्वेशः पण इत्यपि॥ ३८॥

मज्रीके नाम ११ ॥ कर्मण्या १ विधा २ मृन्या २ मृति ४ भर्मन् ९ वेतन ६ भरण्य ७ भरण ८ मृह्य ९ निर्वेश १० पण ११ ॥ ३८ ॥

सुरा हलिपिया हाला परिसु-द्वरुणात्मजा ॥ गन्धोत्तमाप्रस-न्नेराकादम्बर्यः परिसुता॥३९॥ मदिरा कश्यमद्ये च-

मदिरा अर्थात् शरावके नाम १२॥ सुरा १ हल्पिया २ हाला २ परिस्नुत् ४ वरुणात्मजा ९ गन्वोत्तमा ६ प्रसन्ता ७ इरा ८ काटम्बरी ९ परिस्नुता १०॥३९॥ मदिरा ११ कर्य १२ मद्य १२॥

–अवदंशस्तु भक्षणम्॥

मद्यानकी रुचि उत्पन्न करनेके छिये भूजा चना इत्यादिके खानेके नाम १॥ अवट्य १॥

शुण्डापानं मदस्थानं− मदिरा पानेके स्थानके नाम २ जुण्डापान १ मदस्थान २ II −मधुवारा मधुक्रमाः ॥४⊦ मदिग पीनेके समयके नाम २॥ वार १ मधुक्रम २ ॥ ४० ॥ मध्वासवी माधवको माध्वीकमद्रयोः॥ महुआसे उत्पन्न मदिराके नाम मवासव १ माववकरमबु १ मार्वीक मेरेयमासवः सीधुः-गुडसीराकी महिराके नाम ३ 🎚 १ आमत्र २ सीघु २ ॥ -मेद्को जगलः समी ॥ ^१ मदिराको फोकसके नान शान्ह जगल २ ॥ ४१ ॥ संधानं स्याद्भिषवः-मदिराकरनेके नाम २ ॥ सङ अभिपत्र २ ॥ -किण्वं पुंसि तु नमह तडुलादि द्रव्यसे वनाएहए नाम २ ॥ किण्य १ नप्रह २ ॥ कारोत्तरः सुरामण्डः-मदिराके मण्डके नाम २ ॥ र १ सुरामण्ड २ ॥ −आपानं पानगोष्टिका[॥] दारूपीनेकी सभाके नान २॥व

X.

हिनीगन।

उद्योक्त्री पानपान

)

11 It

1 .

श्रीः ।

अथ तृतीयः काण्डः।



अथविशेष्यनिघ्नवर्गः १. विशेष्यनिष्नेः संकीर्णेर्नाना-र्थेरव्ययेरपि॥ लिङ्गादिसंत्र-हैर्वर्गाः सामन्ये वर्गसंश्र-

भाषा-इस सामान्य तृतीयकाण्ड-मे स्वर्गादि वर्गांके आश्रित शब्द विशेष्य-निप्तवर्ग सकीणवर्ग नानार्थवर्ग अव्ययवर्ग और स्त्रीलिङ्गादिसप्रहवर्गके द्वारा कहेगे १॥

स्त्रीदारार्द्येयद्विशेष्यं यादः-शैः प्रस्तुतं पदैः ॥ ग्रुणद्र-व्यक्रियाशब्दास्तथा स्तस्य भेदकाः॥२॥

भाषा-स्त्री दार आदि विशेष्यभूत पदोमें जो लिङ्ग और सख्या हो वही लिंग और तख्या गुण और दव्य तथा कियावाच-कशब्दोमे होनेसे दार स्त्री आदि शब्दोके गुण द्रव्य किया वाचक शब्द विशेषण हो सक्ते हैं जैसे 'सुकृतिनी स्त्री, सुकृतिनो दाराः, सुकृति कलत्रम् । दण्डिनी स्त्री, द-ण्डिनो दाराः, दण्डि कलत्रम् । पाचिका स्त्री, पाचका दाराः, पाचक कल्त्रम्रगार॥

सुकृती पुण्यवान् धन्यः-भाग्यत्रान् पुरुपके नाम ३॥ सुकृति पुण्यवत् २ धन्य ३ ॥ -महेच्छस्तु महाशयः॥ उटारचित्तपुरुपके नाम २ ॥ के १ महाशय २ ॥ हदयाळुः सुहद्यः-शुद्धचित्तपुरुपके_नाम २ ॥ इद्योर् सुद्दय २॥ -महोत्साहो महोद्यमः ॥ ३**।** वहुत उद्यम करनेवाले पुरुपते 👫 २ ॥ महोत्साह १ महोद्यम २॥३॥ मवीणे निपुणाभिज्ञविज्ञा^{ति} प्णातशिक्षिताः॥ वैज्ञानि कः कृतमुखः कृती कुश्^त इत्यपि ॥ ४ ॥ चतुरपुरुपके नाम १०॥ प्रवाण (

निपुण २ अभिज्ञ ३ विज्ञ ४ निष्णातं ।

शिक्षित ६ वैज्ञानिक ७ इतमुरा ८

मान्यपुरुपके नाम२ ॥द्भय १प्रतीस्य १

कृतिन् ९ कुश्रल १० ॥ ४ ॥

पूज्यः प्रतीक्यः-



इभ्य आढचो धनी-

धनी पुरुप्के नाम ३ ॥ इम्य १ आढ्य २ धनिन् ३॥

-स्वामी त्वीश्वरः पतिरीशिता॥ १०॥

अधिभूनीयको नेता प्रभुः परि-चृढोऽधिपः॥

स्त्रामीके नाम १० ॥ स्त्रामिन् १ ईश्वर २ पति ३ ईशितः ४ ॥ १०॥ अधिभू ५ नायक ६ नेतः ७ प्रभु ८ परि वृद्ध ९ अधिप १०॥

अधिकर्द्धिः समृद्धः स्यात्-

सम्पत्तिमान् पुरुपके नाम २ ॥ अवि-कार्द्धे १ समृद्ध २ ॥

-कुटुम्बव्यापृतस्तु यः ॥ ११ ॥ स्यादभ्यागारिकस्तस्मित्रुपा-धिश्च पुमानयम् ॥

कुटुम्ब्रेके पाल्टनकरनेमे तत्परपुरुपके नाम २ ॥ कुटुम्बब्यापृत १ ॥ ११॥ अभ्यागारिक २ उपाधि ३ ॥

वराङ्गरूपोंपेतो यः सिंहसं-हननो हि सः॥ १२॥

अंग और रूपसे अतिश्रेष्ठ पुरुपका नाम १॥ सिहसहनन १॥ १२॥

निर्वार्यः कार्यकर्ता यः स-म्पन्नःसत्त्वसम्पदा ॥ जो दुःखमेंभी प्रसन्नताके साथ किया करताहै उस पुरुपका नाम १ निर्वार्य १॥

्आवाचि मूकः-

गूगे पुरुपके नाम २॥आवाच् १ मुक् -अथ मनोजवसः पितृस निमः ॥ १३ ॥

जो पुरुष पिताके समान माना ब उस पुरुषके नाम २॥मनोजवस १ सिनम २॥ १३॥

सत्कृत्यालंकृतां कन्यां **ग** ददाति स क्कुद्ध -||-----|

जो वरको आदरपूर्वक वस्त्री सहित कन्यादान दे उस पुरुपका नामी कुकुद १॥

लक्ष्मीवाँहक्ष्मणःश्रीलः गै मान्-

हो।भावान्के नाम ४॥ लक्षीत्र् 🕴 छक्षमण २ श्रील ३ श्रीमत् ४॥

-स्तिग्धस्तु वत्सलः॥ १४ औ स्तेही पुरुपके नाम २॥ मिन्य कि

वत्सल २ ॥ १४ ॥

स्यादयालुः कारुणिकः 🍍

पालुः स्रतः समाः॥

दयावान् पुरुपके नाम ४॥ दयाव ! कारुणिक २ ऋपाछ २ मान ४॥

बुभुक्षितःस्यात्श्विधितो जि-घत्सुरशना्यितः ॥

भूखे पुरुषके नाम ४ ॥ वुमुिक्त १ क्षुधित २ जिघत्सु ३ अशनायित ४ ॥ परान्नः परिषण्डादः-

जो पराये ही अन्नसे जीता हो उस पुरुपके नाम २ ॥ परान्त १ परिपण्डाद २॥

-अक्षको घरमरोऽझरः॥२०॥ खानेबालेके नाम ३॥ अक्षक १ वस्मर

२ अबर ३ || २० ||

आद्यूनः स्याद्दीद्दिको वि-जिगीषाविवर्जिते ॥

अस्यन्तही भूखे पुरुपके नाम २॥ आयुन १ औटारेक २॥

उमी त्वात्मंभरिः कुक्षिमरिः स्वोदरपुरके ॥ २१ ॥

पेटको ही भरनेवाळे पुरुपके नाम २ ॥ आत्मन्मार १ कुक्षिमार २॥ २१॥

सर्वोत्रीनस्तु सर्वात्रभोजी-जो सब वर्णोंका अन्न भोजन करलेता हो उस पुरुपके नाम २ ॥ सर्वान्नीन १

सर्वानभोजिन् २॥ -गृञ्जस्तु गर्धनः॥

छुट्धोऽभिलापुकस्तृष्णक्-लोभी परपके नाम ५ ॥ मध

छोभी पुरुपके नाम ५ ॥ गृप्त १ गर्वन २ ऌञ्च ३ अभिळापुक ४ तृष्णाज्५॥ -समो लोलुपलोलुमी॥२२ अतिलोमीके नाम २॥ लेलुप

छोलुम २॥२२॥

सोन्माद्स्तृन्मदिणुः स्याद् उन्मत्तपुरुपके नाम २ ॥ उन्मार

उन्मदिण्यु २ ॥

-अविनीतः समुद्धतः॥ अन्यायी पुरुपके नाम २ अविनीन।

समुद्रत २ ॥

अन्ते शौण्डोत्कटक्षीवाः
मतवालेके नाम ४ ॥ मत १ ग्रैं

२ उत्कट ३ क्षीव १ ॥ ~ नि -कामुके कमिताऽनुकः॥२३

कम्रःकामयिताऽभीकः कमनः कामनोऽभिकः ॥

कामीके नाम ९॥ कामुक १ किन् २ अनुक २॥ २३॥ कम्र ४ कामित ९ अमीक ६ कमन अकामन ८ अभिक्शी

विधेयो विनयप्राही वचने स्थित आश्रवः ॥ २४॥ वचनप्रहण करनेवाले पुरुपके नाम ४

वचनप्रहण करनेवाछ पुरुषक वान १ विवेय १ विनयप्राहिन् २ वचनेस्थित ३ आश्रव ४ ॥ २४ ॥

वश्यः प्रणेयः-वशीभूतके नाम २॥ वस्य १ प्रकेरः

-निभृतविनीतप्रश्रिताः समाः

र्क्ष १]

नत्रपुरपके नाम२॥निभृतः विनीत २ प्रथेत २॥

> **धृष्टे धृष्णग्वियातश्च-**र्वेड पुरस्के नाम ३ ॥ भृष्ट १

ागज् २ विवात २ ॥ -प्रगल्भः प्रतिसान्विते २५॥

अतिबीठ निर्भय पुरुषके नाम २॥

्रीयाभा १ प्रतिभान्तिन २ ॥ २२ ॥ स्याद्धृष्टे तु शालीनः-

स्याद्धृष्ट तु शालीनः-रुज्ञायन पुरुषके नाम २ । अपूर्व १ राजन २॥

-विरुष्टी विस्मयान्विते ॥ अवस्मेने पहेहुए पुरुष्टे नम न॥

स्त्र १ विस्मयन्तित २ । अधीरे कानरः

व्याकुरनुष पुरुषके सम्बन्धः । ३३ सन्दर्भाः

न्त्रस्तेभी रूभी हक भी छुकाः

स्थितिक सम्बद्धाः स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्था सिम्बन्दे स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन

आशंसुराशंतिनारे-१ इष्ट्रअदर्गाः । नाम २॥ मार्गाः

-गृह्यालुर्यहीतरि॥

श्रद्धालुःश्रद्धया युक्ते-ग्रद्धाता समाववाले पुरुषके नाम १॥

थराछ १ ॥ -पतयाङ्ख्त पातुके ॥२७॥ गिरनेका स्यभावताले पुरुपके नाम२॥

पनपाल १ पानुक २ ॥ २०॥ लज्जाशीलेऽपत्रपिष्णुः-

लजाशील पुरुपके नाम २ ॥ लजा-शील १ अपत्रपि-गु २ ॥ -वन्दारुरिसवादके ॥

प्रन्दना करनेक स्प्रभाग्यारे पुरुषके नाम २॥ बन्दारु १ अभियादक २॥ शरारुघीतुको हिस्रः-

शरास्था छना । एकः हिमा करनेने स्वताखाल पुरुषके नाम ३॥ द्यार १ घानुन २ हिमा ३॥

-स्याहद्धिण्युस्तु वर्धनः॥२८॥ बटनेके स्वस्वयाः पुरुषके राम २॥ २००१ वर्षने २॥२८॥ उत्पतिष्णुस्तृत्पतिना-

-अलकरिलास्तु मण्डनः।

मृष्णुर्भविष्णुर्भविना-

अमरकोश भाषाटीकासमेत। (२०२)

-वर्तिण्णुर्वर्तनःसमी ॥२९॥ यत्तीय करनेके स्वभावयालेके नामशा

यारिणा १ यत्तेन २ ॥ २९ ॥ निराकरिष्णुः क्षिप्तुः स्यात्

तिरस्कार करनेके स्वभाववालेके नाम ?

नियकरियु १ क्षिट्र॥ -सान्द्रस्निग्धस्तु मेहुर्ः॥

सबन और चिक्रनेक नान ॥ १॥

इर॥१॥ ज्ञाता छ विदुरो विन्दुः जातने हमार हें न शहर

र खिर ने ब्हिंगी

-विकासी हु विकस्वरः

विसृत्वरो विसृत्यरः अलारा

वितारिनि॥

क्रोचके स्वभावतालेके नामशा १ अमर्पण २ कोपिन् ३॥

[તિરો 🗥

しっせい असन्त त्रोधके स्वभागा है

चण्ड १ असन्तर्भोपन २॥

जागस्को जागरिता-

जागनेके स्वभावांके न जागह्क १ जागाति २॥

-यूणितः प्रवलावितः भ वृग्नेवालेने नाम

लियिन २॥ ३२॥

्त क्षेत्रांक स्व

पाइन्द्रमः वगर्नानः का

-अथ सम सबस् ॥ ६४ ॥ सालक त्वा त्रीषं कृतम् समस्तानि- नित्यापे ॥ वनाबिलानि निःशेषम् ॥ सम्मन्तं पूर्णमावण्डं स्याद् वित्त र कर्या नेका॥६५॥ वित्राहरू

राह्य सम्बद्धाः । सम्बद्धाः ११ वित्र प्रतियः । उत्त वि राह्य क्षेत्रितः । स्वितेराः

त्या १२ स्थानक १८ ११ देश । विकास

धर्न निरस्तरं सान्द्रेन ११० स्थापनश्चित्रश्चार

रममीप नियद्यासद्रस्टिक्ण्य रोट्यत् ॥ ६६ ॥ स्टेस्सर्या

नार्यन ॥ व्या ॥

्रपशाणित्ववान्यणीरणाः व परिवर्षेत्रचयम् ॥१९॥

-अथ ममं सर्वम् ॥ ६४ ॥ संमक्ते त्वच्यवहिनमपदान्तर-

विमेहीके समा ३ || संसम् े अस्य-

_{बहित} २ इन्जल्य ३ ५ नेदिष्टमन्तिकतमस्त

नाद्धभान्यसम्बन्धः इत्सिक्तिके सम्बन्धः हेरीयः

इन्टिन्स् र (−स्याद्रं विष्ठकृष्टकम्॥६८॥

त्वे नम् क्षित्वः ६८ द्वीयश्च द्विष्टं च नुद्धं-

-दीर्यमायतम् ॥ इस्ट २२ : इतुंत्रं निरम्प उतं-

-27

and the second second second

Same the same of the same

tulm extra mode defeat house to be a fine to be कार महिद्यम अवस्थापाः । वस्य मेर् प्राथनीयः · ः ः ः व्याप्तः ॥ •३ ॥ विशेषात्र स्वापि ॥ वशा

1 114 7 7 11

- a configuration from the characters 一种 人名英格兰人

9111,411 119 A HARRY MAR TO BE THE ं ेर पचांच होता माहा ું લુક્ષ વ્યાવસાય પ્રાથમિક mercule and and ्रम् हेस्स १३ माहरू

e state classes de 1,1 4 11 , 11

मग्द्रमाना पानी भयो अग म्या भवाति स्वाम

म, मुक्ति हम अ

नेदिष्ठमन्तिकतमम् न सर्व २ अतिसमीपके नाम २ ॥ नेदिष्ट १ इस ९ अन्तिकतम २ ॥ ति देग्य –स्याद्दं विप्रकृष्टकम् ॥ ६८ ॥

दूरके नाम२॥दूर१विप्रक्रप्ट२॥ ६८॥
दवीयश्च द्विष्ठं च सुदृरंअत्यन्तदृरिके नाम ३ ॥ दवीयस् १
दविष्ठं २ सद्दर ३॥

नदीर्घमायतम्॥ इस्टेकेतमः जीत्रातः वर्तुलं निस्तलं वृत्तन जोकेतमः। जन्म जिल्ला

्वार्थाः इब्रांश्वताद्योगि नाम्नुद्रेन

-बन्धुरं तृत्रताननम् ॥६५ ॥

-अध हामने ॥ त्यहनीचम्बद्दहम्बातस्युः

निनके ॥ ६५ ॥

स्कृति नाम १४ ॥ सम १ सर्व २

१९॥ दिय ३ सकोप ४ जन्म ९ निवित्र ७ असिन ८ नि कोप

त्री त्याप्त १० नकल ११ द्वी १२ भीन्य १२ व्यन्तक १४॥ ६४॥

ं वर्नेके नामः 'यन शनिकलक् व्याद्यः ।

् -पेलवं विरलं ततु ॥

हिने (नां के नम : के

्नेमीपे निकटासन्नमन्निकृष्टम-नीडवत् ॥ ६६ ॥ सदेशाभ्या-असविधसमयोदसंवशवत् ॥

रपकण्ठान्तिका स्यणी स्यम्रा अ-प्यमितोऽत्ययम् ॥ ६७॥

: To - 5 .

अवाग्नेऽवनतानतम्॥७०॥
नमेहुयेके नाम ३॥ अवाग्न १ अवनत २ आनत ३॥ ७०॥
अरालं चुजिनं जिह्ममूर्मिमत्कुश्चितं नतम्। आविद्धं कुटिलं
भुगं वेह्नितं वक्रमित्यापि ७१॥
टेढेके नाम ११॥ अराल १ चुजिन२
जिह्म ३ जर्मिन् ४ कुचित ९ नत ६

वक्त ११॥ ७१॥ ऋजावजिह्ममगुणी— सीनेके नाम १॥ऋग्र १ अजिह्म २ प्रमुण १॥ व्यस्ते त्यमगुणाकुळी॥

आनित ७ कुटिए ८ भुग्न ९ बेलित १०

व्यस्ते त्वप्रगुणाकुळा ॥ व्याकुलके नाम ३ ॥व्यस्त १ अप्र-गुण २ आकृत्र ३ ॥ शाश्वतस्तु धुवो नित्यसदा

तनसनातनाः ॥ ७२ ॥ नित्यके नाम ५॥ शाध्वत १ ध्वर नि-त्य ३ मदातन ४ सनातन ५॥ ७२॥ स्थास्तः स्थिर्तरः स्थेयान्-

अतिस्थिकं नाम ३ ॥ स्थाम्तु १ स्थिग्नर २ स्थेयस् ३॥

> -एकम्पनया तु यः ॥ काळव्यापी स कृटस्थः-(तब्द स्टेन्बाटंका नाम१॥कृटस्थ१॥

-स्थावरो जङ्गमेतरः॥७३।
वृक्षादिके नाम २॥ स्थानग १ जा
मेतर २॥ ७३॥
चरिष्णु जङ्गमचरं त्रसमि।
चराचरम्॥

चलनेत्रालेके नाम ६ ॥ चारेष्णु । जगम २ चर ३ त्रस ४ ईंग ५ वर्ग चर ६ ॥

चलनं कम्पनं कम्प्रं चलं लेखं चलाचलम् ॥७४॥ चअलं तरः चैव पारिष्ठवपरिष्ठवे ॥

कापनेके नाम १०॥ चेलेन किंग २ कम्प्र ३ चल ४ ठोत ९ चण चल ६॥०४॥ चचल ७ तरल ८ पार्व प्रव ९ पार्यव्र १०॥

अतिरिक्तः समधिकः-अविककं नाम २॥ अनिरिक्त १ मन

विक २ ॥ -हडसंधिरतु संहतः॥१५॥ मिलापके नाम २ ॥इटमी ४१मण

२॥ ७९॥ कर्कशं कठिनं कृगं कठोरं निष्टुं इडम ॥ जठरं मृतिमन्मर्त-कठिनके नाम ९॥ वर्तन १ मिन

२ कुर ३ कटार ४ नियु ० % १ ०० ४

म्निमन ८ ग्ले ९॥

भिन्नार्थका अन्यतर एकस्त्वोऽ-न्यतराविष ॥ ८२ ॥

अन्यके नाम ६॥ भिन्न १ अन्यतर २ एक ३ त्व ४ अन्य ९ इतर ६ ॥ ८२॥

उचावचं नैकभेदं-

अनेकप्रकारके नाम २ ॥ उचावच १ नैकमेद २ ॥

-उच्चण्डमविलम्बितम् ॥ शीव्रके नाम २॥ उच्चण्ड १ अवि-

लिम्बत २ ॥

अरुंतुदस्तु भर्मस्पृक्-मर्मभेदकके नाम २॥ अरुन्तुद १

मर्मस्पृश् २॥

-अवाधं तु निर्गलम्॥८३॥

पष्टु च ॥

विपरीतके नाम ४ ॥ प्रसब्य १ प्रति-कुळ २ अपसच्य २ अपष्टु ४ ॥

वामं शरीरं सन्यं स्यात्-

वाय अगका नाम १॥ सव्य १॥

-अपसन्यं तुद्क्षिणम्॥८४॥
दिहिने अगका नाम १॥ अपसन्य

\$ 11 < 8 11

संकटं ना तु संवाधः-

सकट (भीडे मार्गआदि) के नाम २। सकट १ सवाव २ ॥

-कालिलं गहनं समे **॥**

जो बडेही दुःखसे प्राप्तहोनेके हैं। हो उसके नाम २॥ कछिल १ गहनरी

संकीणें संक्रलाकीणें-

नाना जातिके छोगोके एकत्र वेठने नाम ३॥ सङ्गीर्ण १ सकुछ२ आकीर्णश

–मुण्डितं परिवापितम् ॥८५॥

मुंडेहुयेके नाम २ ॥ मुाण्डित १ पारि

वापित २॥८९॥

प्रन्थितं संदितं हट्धं क्रिं निर्मे क्रिंडिं स्थित है । अस्थित है

सदित २ दब्ब ३॥

−विसृतं विस्तृतं ततम् ॥

फैलेहुयेके नाम ३ ॥ विसृत १

विस्तृत २ तत ३॥

अन्तर्गतं विस्मृतं स्यात्-

भू छेहुएके नाम २ ॥ अन्तर्गत १

विस्मृत २ ॥

-प्राप्तप्रणिहिते समे ॥८६॥

स्वखेहुयेके नाम २॥ प्रान १ प्रणि-

हित २॥ ८६॥

वेछित्में खिनाधूतचितिवाक

म्पिताधुति ॥ थोडा कापने हुयेके नाम ६॥ बेट्रिन?

अवगीत १

रुग्णं भुग्ने-ट्रटेहुयेके नाम २॥ रुग्ण १ भुग्न२॥ -अथ निशितक्ष्णुतशातानिते-जिते॥

तेज किये हुयेके नाम ४ ॥ निशित १

दणुत २ शात २ तेजित ४॥

स्याद्धिनाशोन्सुखं पकं-

पकेहुये मरनेवा काटनेके योग्य वस्तु के नाम २ ॥ विनाशोत्सुख १ पक २ ॥

न्ह्रीणहीतों तु लज्जिते ॥९१॥ लजायुक्तके नाम ३॥ ह्वीण १ ह्वीत २

ळजित ३॥ ९१॥

वृत्ते तु वृतव्यावृत्ती-वरण क्रियेहुयेके नाम २॥ वृत्त १ वृत २

^{व्यादृत्त} ३॥ −संयोजित उपाहितः॥

मिलाये हुयेके नाम २ ॥ सयोाजित १ उपाहित २ ॥

भाष्यं गम्यं समासाद्यं-

प्राप्तकरनेके योग्यके नाम ३ ॥ प्राप्य १ गम्य २ समासाद्य ३ ॥

-स्यत्रं रीणं स्तुतं हुतम्॥९२॥

वहते हुयेके नाम ४॥ स्यन्न १ रीण

२ स्तृत ३ स्तृत ४ ॥ ९२ ॥

संगूढं स्यात्संकालितः-जोडेहुये अकादिके नान २॥ सगूढ

१ सकित २॥

-अवगीतः स्यातगर्हणः॥

' निन्दितके नाम २ ॥ ङ ख्यातगर्हण २ ॥

विविधः स्याद्वहुविधो नानाः रूपः पृथग्विधः॥ ९३॥

विविधप्रकारके नाम ४॥ विविध् (बहु-

विव २ नानारूप ३ पृथग्विव ४ ॥९३॥ अवरीणो धिक्कृतश्चापि-

विद्यारे हुयेके नाम २॥ अव^{रीण} विक्कत २॥

अवध्वस्तोऽवचूर्णितः॥ चूर्ण क्रियेगयेके नाम २०॥ स्वय

१ अवचूर्णित २ ॥

अनायासकृतं फाण्डं-अनयाससे किये काय का नाम रे

फाण्ट १ ॥ **-स** ^{तरा} **चं ध्वनितं समे॥**९४। जिस्**र्गत्**ं व्य किया हो उसके नामश

स्वनित १ व्यनित २ ॥ ९४ ॥

बद्धे संदानितं मूतसु^{द्धितं} संदितं सितम्॥

वंधेहुयेके नाम ६॥ वह १ मदानित

२ मृत ३ मुहित ४ महित ५ मिन ६॥

निष्पके कथितं अच्छी तरह पनायेहुयं काहे आदिके

नाम २ ॥ निष्पक १ कथिन २॥

73

के क्षीराज्यहविषां शृतम् ९५ ॥ परेंहुरे पृत दुग्यदिका नाम १ 7 8 11 8 9 11 निर्वाणो मुनिवह्वादी मने अपि आहिके मुक्त होनेका नाम भी निर्द्याग भी। -निर्वानस्तु गनेऽनिले॥

-मीरं तु म्चिते॥ ६॥

द्मनिकपे कृपम आद्दिन नाम २॥ दान्त १ दमित ॥ २ ॥

-शान्तः शमिते-राननको प्राप्त हुनेके नाम २ ॥ शान्त

१ शमिन २॥

-प्रार्थिनेऽदिंतः ॥ ९७ ॥

मने होके रम २ ॥ पार्थन TE = 11 8 = 11

–હન્ન»ફ્રાઉરને– -पजित्रेत्रिन्त्रनः॥

. - (뭐 ^

न्यवित्व हैं ।

11

सूक्ष कियेगयेके नाम ३ ॥ तष्ट १ त्वष्ट २ तन्कृत ३॥

वेधितच्छिद्रिता विद्धे-छेडेह्येके नाम २॥ येथित १ छिद्रित

२ विद्व २ ॥ -वित्रवित्तो विचारिते ॥ ९९॥

विचारेहुयेके नाम ३ ॥ विन्न १ वित्त २ विचारित ३ ॥ ९९ ॥

निष्प्रभे विगतारोकाँ-

तेजरिहतके नाम ३ ॥ निष्प्रभ विगत २ अरोक ३ ॥

-विलीने विद्युतहर्ती ॥

पिगल जानेके नाम २ ॥ विलीन १ विद्वत २ द्वत २ ॥

सिद्धे निर्वृत्तनिष्पत्नी-

सिद्धके नाम २॥ सिद्ध १ निर्वृत्त २ निप्यन्न २॥

दारिते भिन्नभेदिनौ॥१००॥

चीरहुएके नाम २ ॥ टारिन १ भिन्न

२ मेदित ३ ॥ १०० ॥

उनं स्यूनसुनं चेनि त्रितयं तन्तुसंत्रते॥

तंतुके विस्तारके नाम ३॥ ऊन १ स्यून २ उत ३॥

स्याद्दिते नमस्यितनम-सित मपचायितार्चिताप-चितम्॥ १०१॥ पूजिनके नाम ६॥ अर्हत १ नम स्थित २ नमस्ति ३ अपचायित ४ ९ अपचित ६॥ १०१॥ वरिवसिते वरि रि उ तं चोपचरितं च॥

सेवा कियेगयेके नाम ।। बरिवासिन रे बरिवास्थित २ डपासित ३ डपर्चारेत १ संतापिनसंततो धूपिनधूपाणि तो च दृनश्च ।। १०२ ॥

तपायेहुयेके नाम ५ ॥ सनापिन १ सन्तम २ बूपिन २ बूपायित ४ दून ५॥१०२। हृष्टे मत्तमतृतः प्रहृतः प्रमुद्धिन भीतः ॥

हिर्पिनके नाम ६ ॥ हप्ट १ मन २ तृप्त २ प्रह्लच ४ प्रमुदित ५ प्रीत ६ । छित्रं छातं छ्नं कृतं दातं दितं छितं कृक्णम ॥ १०३ ॥

काटेहुएके नाम ८॥ छिन १ छिन २ छून ३ इत्त ४ दात ९ दित ६ छिन ७ वृक्ग ८॥ १०३॥ स्नस्तं ध्यस्नं भ्रष्टं स्कन्नं पन्नं

स्रस्त ध्वस्त श्रष्ट रक्त क च्युतं गलितम्॥ चुयेहुएके नाम ७॥ सम्त १ व्यम

चुयहुएक नाम ७ ॥ स्वर्ण १ २ भ्रष्ट२ स्कल४ पन ९ च्युन६ गरित ॥ लब्धं प्राप्तं वित्रं भावितमा सादितं च भूतं च ॥ १०४॥ पानेहरेके नाम ६॥ त्य्य १ प्राप्त २ ने देशीरेन श्वामादित १ भूत ६॥१०४ नवेषिनं गवेषितमन्विष्टं मा-गनं मृगितम्॥ इटेहरूके नाम ९॥ अन्वेषित १ गवे-म २ अत्विष्ट ३ मार्गित ४ मृगित ९॥ साई साई क्रिनं तिमितं स्ति-मिनं ससुन्न सुत्तं च॥१०९॥ ने वे हण्के नाम ०॥ आहे १ साई वित्त ६ तिमित ४ मिनमित २ सम्ब

ति वाणं रक्षितमिवतं गा-गियिनं च ग्रमं च ॥

यके हीन विश्वन समुस्क्रिनं 'लम्स्हें।।

कि माणिनमृतिम चरित्रम

कहेहुएके नाम ७॥ उक्त १ भाषित २ उदिन २ जन्पित १ आग्न्यात ९ अभिहि त ६ छपित ७॥ १००॥ बुद्धं बुधितं मनितं विदितं भन निपन्नमवसितावगते ॥

जानेगयके नाम ७ ॥ बुद्ध १ वृधित२ मनित ३ विदित ४ प्रतिस्त्र ६ अवसित ६ अस्मात ७ ॥ ऊर्ककृतमुररीकृतमङ्गीकृतमा-

श्रुतं प्रतिज्ञातम् ॥ १०८॥ सगीर्णविदितसंश्रुतसमाहिता पश्रुतोपगतम्॥

ईस्तिशस्त्रपराधितपनाधित-प्रमुक्तपरित्रपतितानि । १ र॥ अवनीरकारतासिशंतिका निष्मुकाथानि ॥ मितिन्द्रितिकिष्णार्थितः गिरित्रगादितमान्य ११०॥ अभ्यत्रात्रामगणम्यम्

शिनं भन्ते ॥

कति के नाग १४ ॥ महित १ कति २ जार २ प्रतायक प्राणित त २ महित १ वहार १ वहार १ वहार ११ महित १२ जिल्ह १० महिशा क्षेपिष्ठको दिष्ट्रपष्ट्रच शिष्ट्रभाविक प्रचेतिष्टाः ॥१११॥ शिष्ट्रभुद्धा-शिष्टितपृथ्पी सम्बद्धान्यक्ति ।

भाषा - जीशपात्रके मान्ताता नाम) तेपिए १ ॥ १ जिलाप राज्या नाम , क्षोबिए १ ॥ , अतिशय ज जीणियका नाम । प्रेप्त १ ॥ जिलाय पृत्या नाम । स्वीय १ ॥ जिलाय स्थलका नाम) स्वीय १ ॥ अतिशय यहणका नाम । यहिए १ ॥ १११ ॥

साधिष्ठद्राधिष्ठस्प्रप्टगरिष्ट-द्वसिष्ठवृन्दिष्टाः ॥११२॥ बाढव्यायतबहुगुरुवामन वृन्दारकातिशय॥

भाषा-(अनिशय वाटका नाम) साविष्ट १॥ (अनिशय दीर्घका नाम)

अय संकीर्णनमेः ? श्रहतित्रत्यनार्थायेः सं

जित्तमुत्रयेत ॥ - मापा ॥ प्रभंदर पर पर्वि -चर्मा प्रभंग भीमे दि, पन ॥

कर्म किया- ----क्षिप्रके नाग २ ॥ कीन १ वि -तत्मानत्थे गम्ये स्युर

स्पर्गः ॥ १ ॥ ।पम्परोक्षे निम्लर चडनेका १ ॥ अपम्पर १ ॥ १ ॥

(॥ जपम्मार् (॥ (॥ साकल्यासंगत्रचने पारायणपः गायणे ॥ साकल्यके वचनका नाम १॥ पाग यण १॥ आसगके वचनका नाम १॥

पगपण १॥ **यहच्छा स्वेरिता**-स्वतन्त्रनाके नाम २॥ यहच्छा १

र्म्याग्ता २ ॥ —हेतुशुन्या त्वास्या विर्ल-क्षणम् ॥ २ ॥ पर्याप्तिः स्यात्परित्राणं हस्त धारणमिन्यपि॥ कोई किसीको गारता है। उनके रोक-

तेनेक अर्थ हाय पकड हेनेके नाम ३ ॥ प्रयामि १ पारिनाण २ हम्नियारण ३॥

सेवनं सीवनं स्यूति:-

मनिके नाम २॥ मेवन १ सीवन २

-विद्रः स्फुटनं भिदा ॥५॥ कुरुनेके नाम २ ॥ विद्या १ स्कुटन २

आक्रोशनमभीषद्गः-इन्द्रेंद्रेंद्र २ । अक्टेंब्स १

-चंददो वेदना न ना ॥

-याच्या भिलाज्येनार्दना ॥६॥

-=

–अ ३ हे आनत्द्रनम

तृतीयकाण्ड ।

भ्रम १॥२॥ शमयस्त शमः शान्तिः-

गातिके नाम २ ॥ गमथ १ गम २ चे हैं॥

-दान्तिस्त दमधो दमः ॥ रिटियोंने रोकनेके नाम ३ ॥ दानि

उन्च २ इम २ ॥ अवदानं कर्मवृत्तं-

अन्छेक्सके सम २ निवृत्त २ ॥

/कास्यदानं प्रवारणम् ॥ ३ ॥ बाह्यकाके इन इनके ना

वशक्तिया सवनन-

क्लाकराच्ये समार्थ -300 :

′ -मृलकर्म नु कार्मणम् ॥

विधृनन विधुवन-

उपस्य हर्ने १ विक्रम व

-नर्पणं प्रीणनावनम् ॥ ८॥ तुमिके समार्

अगण-गर्म-

क्षा अपने दूरियो । पत्र स्वे ग्रास हाते राष १ ॥ यस वस्त १ सम्मान २ FIT -- 7 7 11

-अगामागः संबद्याः-

गमी, उत्तम परमामा हमतेला सर-नेके साम २॥ आसाप १ सम्बद्धाप २॥

−भये क्षिया ॥ ७ ॥

नम सेनेके नाम २ ॥ नम १ रक्षिया २ ॥ ७ ॥

यहे याहः-

लेनेके नाम २ ॥ यह १ बाह २ ॥

-वशः कान्ती-

इन्छोके नाम २॥ वश १ कान्ति २॥

−र∻णस्त्राणे-

रक्षाके नाम २॥ रक्षण १ त्राण २॥ -रणः क्रणे॥

राज्यकानेके नाम२॥गण १ कण२॥

व्यधो वेधे-छेउनेके नाम २ ॥ व्यथ १ वेब २ ॥

-पचा पाके-अनादि पकानेके नाम २॥ पचा १

पाक २॥

–हवो हूती–

बुलानेके नाम २॥ हव १ हृति २॥

-वरो वृतौ ॥ ८॥

महान्त्र राग श्री भाग विकेश शापः ग्रोप-

तारों , नार भा रे, रिक्री

-नगी नाय-

नाति। भाग २ ॥ भग १ स्य

-ज्यानिर्जाणी-ने मेना है साम २ ॥ व्यक्ति

जीपि स्वा

-भ्रमी भ्रमी॥ भगते नाम २ ॥ भम १ निने र

स्फानिर्वृद्धी-नदगोर नाम २॥ म्मिटिस्टि

-प्रथा क्यानी-

प्रभिन्तराकि गाम २ ॥ हा म्यानि २॥

-स्ट्रिटि: पुर्की-

छ्नेके नाम २॥ सृष्टि १ पृ^{ति १} −स्नवः स्रवे ॥ ९॥

झरनाके नाम २॥क्वत्र १ स्रव २॥३

एधा समृद्धी-वृद्धिक नाम २ ॥ एवा १ समृदि २

-स्फुरणे स्फुरणा-फडकनेके नाम २॥ म्फुरण १ स्फुरणा२॥

-प्रमिती प्रमा॥ यथार्थज्ञानके नाम २॥ प्रमिति १

मु**िबन्धस्तु संत्राहः-**मृठीसे दढपकडनेके नाम २॥ मुिट्यन्य १ सम्राह २ ॥

-डिम्बे डमर्गविप्रवा ॥ मनुष्योके लूटनेके नाम २ ॥ डिम्ब १

डमर २ विष्ठव ३॥

बन्ध्नं प्रसितिश्चारः-

बावनेके नाम २ ॥ बन्धन १ प्रासिति २ चार ३ ॥

-स्पर्शः स्प्रष्टो पततारि॥ १४॥ सन्तापको प्राप्तहुये पुरुषके नाम ३॥

स्पर्ग १ स्प्रष्टृ २ उपतमृ ३ ॥ १४ ॥ निकारो विष्ठकारः स्यात्-

अपकारके नाम २॥ निकार १ विप्र-कार २॥

-आकारस्तिवङ्ग इङ्गितम् ॥ अभिप्रायमे अनुसार वेष्टाके नामश्र॥ आकार १ उग२ इभित श॥

परिणामो विकारो हे समेवि-कृतिविक्रिये॥ १५॥

प्रकृति वदल्यानेके नाम ४ ॥ पारी-णाम १ विकार २ विकृति ३ विकिय ४ ॥ १९॥

अपहार्रत्वपचयः--

अपहरणके नाम २ ॥ अपटार अपन्यय २ ॥ -समाहारः समुचयः॥ वटोरनेके नाम२॥समाहार१समुख्य प्रत्याहार उपादानं-इडियोके खींचनेके नाम २॥ प्र हार १ उपादान २॥

-विहारस्तु परिक्रमः १**९**

खेळनेमे पैद्छ चळनेके नाम १० विहार १ परिक्रम २॥ १६॥ - ४

अभिहारोऽभिश्रह्णं-चोरीकरनेके नाम २ ॥ अभिहार

अभिप्रहण २ ॥ -निर्हारोऽभ्यवकर्षणम्

युक्तिपूर्वक बाद्यादि विकालने हैं । २ ॥ निर्हार १ अभ्याकर्षण २॥

अनुहारोऽनुकारः स्यातः विद्याना अर्थात् नक्तरं गर्नकं

-अर्थस्यापगमं व्ययः॥१औ सर्वकरनेका नाग१॥ त्रग १॥१औ प्रवाहरतु प्रवृत्तिः रगात-

जलआदिके निरन्तर गतिके नाम २॥ प्रवाह १ प्रकृति २॥

-प्रवहो गमनं बिटः॥ बाटर जानेका नाग १॥ १११ ॥ वियामी वियमी यामी यमः संयामसंयमी ॥ १८॥

-प्रसरस्तु विसर्पणम् ॥ फ्लनेके नाम २॥ प्रसर १ विस-र्यण २॥

नीवाकस्तु प्रयामः स्यात्-धन धान्यादिके बटोरनेके नाम २ ॥ नीवाक १ प्रयाम २॥

—संनिधिः संनिक्तर्षणम् ॥ २३॥ पडोस (निकट)के नाम२॥सानिवि १

सानिकर्पण २॥२३॥

लवोऽभिलाबो लवने-

काटनेके नाम ३॥ छत्र १ अभि

लाव २ लवन३॥

-निष्पावः पवने पवः॥

अन्नादि पछोरने (वरसाने) आदिके नाम २ ॥ निष्पात्र १ पवन २ पव ३ ॥

प्रस्तावः स्यादवसरः-

प्रसगके नाम २॥ प्रस्ताव १ अवसर २॥

-त्रसर्ः स्त्रवेष्टनम् ॥२४॥

जुलाहे लोग जिस तरह सूत्रको लपे-टतेहैं उस क्रियाके नाम २ ॥ बसर १ सूत्रवेष्टन २॥ २४॥

प्रजनः स्यादुपसरः-

गार्भिणी होनेके नाम २ 🗎 प्रजन १ उपसर २ ॥

-प्रश्रयप्रणयी समी ॥ वेमके नाम २॥ व्रथ्नय १ प्रणय २॥ धीशक्तिनिष्क्रमः-

धी / बुद्धि / शक्तिके नाम २

धीशिक्ति १ निष्क्रम २॥ -अस्त्री तु संक्रमो दुर्ग

चरः ॥ २५॥ कठिन रस्तेके नाम २॥ सक्रम

दुर्गसचर २ ॥ २५ ॥ प्रत्युत्क्रमः प्रयोगार्थः-युद्धके अर्थ तैयारी करनेके नाम २

प्रत्युत्कम १ प्रयोगार्थ २ ॥

-प्रक्रमः स्यादुपक्रमः॥

स्याद्भ्यादानस्रद्वातर्ओरम्भ आरम्भमात्रके नाम ९॥ प्रक्रम

उपक्रम २ अभ्यादान ३ उद्दा^त आरम्भ ५ ॥

-संभ्रमस्त्वरा ॥ २६॥ वेगके नाम २ ॥ सम्भ्रम १ त

२॥२६॥

प्रतिवन्धः प्रतिष्टम्भः-कार्य रुक जानेके नाम २॥ प्रतिग

१ प्रतिष्टम्भ २ ॥

-अवनायस्तु निपातनम्।

गिरनेके नाम २॥ अवनाग १ निपातन २।

उपलम्भस्त्वतुभवः-साक्षात्करनेके नाम २॥ उपलम्म (

अनुभव २ ॥



अथ नानार्थवर्गः ३. नानार्थाः केऽपि कान्तादिवर्गे-प्वेवात्र कीर्तिताः। भूरिप्रयोगा ये येषु पर्यायप्वपि तेषु ते ॥१॥

भापा ॥ कोई ककारान्ताढि नानार्थक शब्द पूर्वोक्तवगोंमे कहचुके है, परन्तु उनका पृर्वोक्तवगोंमे जो प्रयोग किया है सो जिस अर्थमे जो शब्द अधिक आता है उस एकही अर्थमें कहा है, अब उनहीं पूर्वोक्त वगोंमे कहेंद्वये शब्दोंके यहा अनेक अर्थ वर्णन करते है ॥ १॥

आकाशे त्रिदिवे नाकः-नाक-आकाश तथा स्वर्ग ॥

—जाकार तथा स्वर्गा।

—लोकस्तु भुवने जने ॥

लोक-स्वर्गादि लोक तथा जन।।

पदो यशस्ति च श्लोक:—

श्लोक—अनुष्टुमादि पच तथा कीर्ति ॥

–शरे खद्गे च सायकः ॥२॥

सायक—तीर तथा तल्वार॥ २॥

जम्बुकौ को छुवरूणौ—

जम्बुक-श्वगाल तथा वरुण॥

—पृथुकौ चिपिटार्मकौ ॥

पृथुक—चुन्दा तथा वालक॥

आलोको दर्शनद्योती-

आलोक-दर्शन तथा प्रकाश ॥

–भेरीपटहमानकौ ॥ ३॥

आनक-भेरी तथा नगाडा ॥ ३॥ उत्सङ्गचिद्वयोरङ्कः, अह्र-गोदी तथा चिह्न ॥ –कलङ्कोऽङ्कापवादयोः ॥ कलङ्क-चिह्न तथा लाञ्छन ॥ तक्षको नागवर्धक्योः-तक्षक-सर्प तथा वर्डई ॥ –अर्कः स्फटिकसूर्ययोः॥४॥ अर्क-स्फटिक मणि तथा सृर्य॥ ४॥ मारुते वेथसि त्रध्ने पुंसिकः कं शिरोम्बुनोः॥ क-(पुॅळिङ ्र वायु, हहा; भ्यें॥ क–(नपुसक) शिर तथा जा। स्याखुलाकस्तुच्छधान्ये संक्षेपे भक्तसिक्थके ॥ ५॥ पुलाक-धानकी भूसी, सक्षेप तथा भातका सीत ॥ ५ ॥ उल्के करिणः पुच्छस्ली पान्ते च पेचकः॥ पेचक—उल्लूपक्षी तथा हार्योजे पुरीप-

द्वारका आच्छादक मास ॥

कमण्डलों च करकः
करक-वनीरी (ओला) जो कमी कमी
पानी के सग वरसतीहै तथा अनारफ ॥

-सुगते च विनायकः॥६॥

—सुगत च विमायकः विनायक—बुद्धं,गणेशं,तथागरुः॥६॥

किन्दुईस्ते वितस्ता च-निक्-हाय नथा विनस्ति ॥ - युक्कीटे च वृश्चिकः॥ हिंदेन-विच्छ् तथा आठवी राशि ॥ मतिकृले मतीकस्त्रिप्वेकदेशे ह पुंस्ययम् ॥ ७ ॥ भीत-प्रतिकृत्य ॥ ७ ॥ यार्निकं तु भृतिमेत्र कनृणे रक्तणेऽपि च॥

त्योन्त्रिक्षाणा न यापे च कोगानकी-

भूतिर-चिर प्रता

-अय कटकले ॥८॥

नितं च खदिं। सामवल्कः स्यान-

-अय सिट्के ।¹ निरुकः च पि वाक

न्या हिशासा विकास

महेन्द्रगुग्गुल्ल्कव्यालया-हिषु काशिकः॥ कौष्टिक-इन्द्रः सुगान्तः, उद्दाक्षी, तथा सापका पकडनेवाका ॥

रुक्तापशङ्कास्वातंकः-अनक-गेग. नार तथा शङ्गा ॥

-स्वल्पेऽपि श्रुल्लकन्त्रिषु ॥१०॥ अट्य-छोटा तथा बांच, बनिष्ठ ओर दोंद्र । 🗥 जैवानुकः शशांकेऽपि–

-खंगाप्यक्रम वर्तकः॥

व्यावेऽपि प्रदर्शको ना-

-ग्रवान्यामपि दीपके ॥ ११॥

इस्पियण दान -

इच्छा रेड रेपर इस ।

्म पाउँ नेर्म्स्स्मि विच्या नेर्माच्या विक्या

म्बर्गेर पश्चारणवाद्यनेतः गृणिभजले ॥ लक्ष्यत्या स्विगां पुरित्तमोः-

मी पॅडिंड स्कीन्त । सन्, गण, पर्स, माप केन्द्रकाणा, वन, देशा, नेव, किम्प, समि, त्या जन्या

लिजं निद्धशेकमोः॥ २५॥ जिन्तिः येगा निज्ञ कि ॥२५॥

रुद्धं प्राधान्यसान्तीका-गृह-प्रभुता अवीत् प्रतानता त्रवा केंग्रस्ता

-बराइं मर्धग्रह्मयोः॥ वगद्ग-गाया तया स्वीक्ष ग्वश्या। भगं श्रीकाममाद्यात्स्यवी-र्ययत्नार्ककीर्तिषु ॥२६॥ भग-ल-गो, इन्छा, ऐट्यं, विय,

पाय, मुर्थ, बडाई ॥ २६ ॥ ॥ इति गान्ता ॥

परिवः परिवानेऽहाऽपि-

पार्ख-चारा शेरसे मारना तथा म्ब्र ॥

-ओघो वृन्देऽम्भसां रये ॥ ओव-समृह तथा जलका वेग ॥ महोते चाता ति साम्पीः-वा स्व तवा को जाता। अंदी दश्यामानेकम्पमा ॥ मा चा चात्रस्य, विद्यार कृष्

निरित्रहेली छन्। ११ १७ मेर मेर ॥ ॥ मेर मला ॥

-काचाः शिक्यमुद्भेष्टपुतः॥ का अक्षा, काक्ष नेराज्यः नेनोग ॥

विषयोमे विस्तरे च प्रपत्रकः १ १प न विषयन तथा अस्ता विषयः भैग भगत तथा ठमना ॥

-पाबके शुचिः॥ २८॥ माम्यमात्ये चात्युपधे पुंसिः मध्ये मिते विषु ॥

श्री पुर अग्नि॥ २८॥ र आपाटमा , गाफा मत्रा, निक्तपट रि) पवित्र तथा तेन वस्तु॥ अभिष्वद्गे दृष्टहायां च गभस्ती च रुचिः स्टियाम्॥ २९॥

रुचि आल्गिन करना, इन्छा तथा किरण ॥ २९ ॥

॥ इति चान्ता ॥ केकिताक्ष्यांवहिभुजी- युग (पुॅल्डिङ्ग)-जुँआ, युग-नपुसक जोडा (ढो), सन्ययुगादि तथा चार हाथ ॥ २४॥

स्त्रगेंषु पशुवाग्वजादङ्नेत्र-घृणिभ्जले ॥ लक्ष्यदृष्ट्या स्त्रियां पुंसि गोः-

गी-(पुॅल्डिइ-म्बंखिइ) स्वर्ग, बाण, पशु, (गाय-बंट,) बाणी, बज्ज, दिशा, नेत्र, किरण, भूमि, तथा जट ॥

लिङ्गं चिह्नशेफसोः ॥ २५ ॥ टिङ्ग-चिह्न तथा शिक्षइदिय ॥२५॥

शृङ्गं प्राधान्यसान्वोश्च-

शृह्म-प्रभुता अर्थात् प्रवानता तथा कॅगूरा ॥

-वराङ्गं सूर्घग्रह्मयोः ॥ वराङ्ग-माथा तथा स्रोका मृतदार ॥

भगं श्रीकाममाहात्म्यवी-र्ययत्नार्ककीर्तिषु ॥२६॥

् भग—लक्ष्मी, इच्छा ऐश्वर्य, बीर्य, उपाय, सूर्य, बडाई ॥ २६ ॥

॥ इति गान्ता ॥

परिचः परिचातेऽस्त्रेऽपि-पार्य-चारा ओरसे मारना तथा

अस्त्र ॥
-ओघो वृन्देऽम्भसां रये ॥
ओघ—समृह तथा जलका वेग ॥

मृत्ये पृजाविधावर्धःअर्त-मृत्य तथा पृजाम जल देना॥
-अंदो दुःखट्यसनेष्वयम्॥२९॥
अव- पाप, दुःख, विकार. बुभ।
खेलना आदि॥२०॥

त्रिप्तिष्ठेऽल्पे लघु:-

लबु–इष्ट और थोडा ॥ ॥ इति चान्ताः ॥

-काचाः शिक्यमृद्भेदृदृष्ठुजः॥ काच-छीका, काचका भेट तम् नेत्ररोगः॥

विपर्यासे विस्तरे च प्रपञ्चः-प्रपञ्च-विपरीत तथा राज्यका विस्त

श्रीर जगत् तथा ठगना ।।

-पावके शुचिः॥ २८॥ मास्यमात्ये चात्युपधे पुरि मध्ये सिते त्रिषु॥

शुचि—, पु॰ , अग्नि ॥ २८। आपाडमारा, राजाका मत्री, निष्कपट वि, पवित्र तथा धेत वस्तु ॥

अभिष्वङ्गे ऱ्ष्टहायां च गभस्ती च रुचिः स्त्रियाम् ॥ २९ ॥

रुचि-आहिंगन करना, इच्छा तथ

किरण ॥ २९॥

॥ इति चान्ताः॥

केकितार्स्यावहिमुजी-

- ~ +

मायानिश्चलयन्त्रेषु कैतवानृत-राशिषु ॥३६॥ अयोघने शेल शृङ्ग सीराङ्गे क्टमिस्त्रयाम् ॥ क्ट-माया, निश्चल, यन्त्र, (मृगफॅ-सानेका जाल) कपट, झूँठ, राशि॥३६॥ लोहेका घन, पर्वतका कॅग्रा तथा हलका अप्रमाग॥ स्क्मेलायां द्वाटिः स्त्री स्या-त्कालेऽल्पे संशयेऽपि सा॥३०॥ त्रुटि-छोटी इलायची, काल, [अक्ष-रका रहजाना] अस्य तथा संशय॥३०॥

तथा करोडसंख्या ॥ **-मूले लग्नकचे जटा ॥** जटा–इक्षकी जडतथा केशोकी जटा॥

आर्त्युत्कर्षाश्रयः कोट्यः-

कोटि-धनुपकी टोक, प्रकर्प, कोना

व्युष्टिः फले समृद्धौ च-व्युष्टि-फल तथा सम्पदा ॥

-हष्टिर्ज्ञानेऽक्ष्णि दर्शने ॥३८॥ दृष्टि-ज्ञान नेत्र तथा देखना ॥३८॥ दृष्टिर्यागेच्छयोः-दृष्टि-यज्ञ तथा इच्छा ॥

-सृष्टं निश्चिते बहुनि त्रिषु॥ सृष्ट-बहुत तथा निश्चय कियागया॥ कष्टे तु कृच्छुगहने-

कष्ट तु कृत्ध्रगहन-कप्ट-दुःख तथा गहन॥ -द्क्षामन्द्रागदेषु च॥३९!
पटु:पटु-टक्ष तीत्रण तथा रेगर्हीन॥३९
द्वी वाच्यिलङ्गी चपटु और कष्ट शब्द वाच्यिलङ्ग है
इति टान्ता ॥
-तीलकण्ठः शिवेऽपि च ।
नीलकण्ठः-मयूर तथा विव ॥
धुंसि कोष्ठोऽन्तर्ज्ठरं कुस्ली
न्तर्गृहं तथा ॥ ४० ॥
कोष्ट-पेटका मध्य भाग. बार्या स्थान, गृहके भीतरका भाग ॥४० ॥।

निष्ठा-निष्पत्तिनाशान्ताः निष्टा-निष्पादन, नाग तथा अत्। -काछोत्कर्षे स्थितौ दिशि॥ काष्टा-उन्कर्षे, स्थिति, दिशा तद

काळविशेप ॥

त्रिषु ज्येष्ठोऽनिशस्तेऽपिज्येष्ट-अत्युत्तमः अतिष्टदः, वडा भाई
तथा वैशाखके ज़त्तरका मतः ॥
-किन्छोऽतियुवालपयोः॥४१॥
कानिष्ट-अतिछोटा तथा छोटा भाईष ।
डाने ठान्ताः ॥
दण्डोऽस्त्री लगुडेऽपि स्यात-

दंड-दडा तथा सजा आदि ॥

-गुडो गोलेश्चपाकयोः-

एउ-एड क्या निर्श आदिका गोला॥ सर्पमांसात्पश् व्याडी-

बाइ-र्क्त नथा सनारानेका पशु 7 873 11

गेम्बाचस्त्विडा इलाः ॥४२॥

द्य गैना नथा पृथ्वी वाणी और है।। हर ॥

भ्वेडा वंशशलाकाऽपि-नेत-रेत निहराद हारा दसकी

17 11

नाही नार्टेडिप षटक्षणे ॥ स्ट-सम्बद्धान च विस्

والالالا المراجة بوسع والمراج

काण्डोऽस्त्री दण्डवाणात्रेव-र्गावसरवारिषु ॥ ४३ ॥

स्याद्वाण्डमश्राभरणेऽमचे न्ल

वणिस्यन ॥

मृगदनिजगोप[ी]

-प्रगादं भृशकृच्छ्योः ॥ ४४ ॥ प्रगाड गजवृत तथा दुग ॥ ४४॥

शक्तस्थूलो त्रिषु दृढः-

दृढ-समर्थ तथा मोटा ॥ च्यूटौ विन्यस्तसंहनौ॥

ब्यूह--विन्यम्न तथा महन और

५थल ॥ इति टान्ना ॥

भूणोऽर्भके श्लेणगर्भे-इन ज्याक नदा संपन्ना गर्ने ॥

-पाणो पलिवृत्ते शरे॥४४॥ मान र जा मानिस । ४० ५ कगोनिए के धान्यांरी-

-संघाने प्रमुखे गणः॥

पणांत्रतादिपृष्टं भृतो मृल्ये धनेषिच॥ :०॥

मीव्यो र याचिते सखनाये-सध्यादिने गणः॥

नि योषार्गाभ्यनी सार्राइरेन त्सवया अण्या

मायानिश्रलयन्त्रेषु कैनवानृत-राशिषु ॥३६॥ अयोवने शैल शृङ्ग सीराङ्गे क्टमित्रयाम् ॥ क्ट-गणा, निश्च, गल, (मृगर्फ-मानेका जाड) कणट, ज्ंठ, गिजा।२६॥ लोहेका चन, पनिका क्यम तथा हर्णका अप्रभाग॥ सङ्मेलायां हुटिः स्त्री स्या-त्कालेऽस्पे संशयेऽपि सा॥३७॥

त्रात्मा अत्य सराय आप सा॥ ३७॥ त्रुटि—छोटी उत्ययची, काल, [अक्ष-रका रहजाना] अत्य नया सराय॥ ३०॥ आत्र्युत्कर्पाश्चयः कोट्यः—

कोटि-वनुपर्का टोक, प्रकर्प, कोना

तथा करोडमस्या॥

-मूले लग्नकचे जटा ॥ जटा-इक्षकी जट तथा केगोकी जटा॥ ट्युष्टिः फले समृद्धो च-ट्युष्टि-फल तथा सम्पदा॥

-दृष्टिर्जानेऽक्षिण दर्शने ॥३८॥ दृष्टि-ज्ञान नेत्र तथा देखना ॥३८॥ इष्टिर्यागेच्छयोः-

इप्टि-यज्ञ तथा इच्छा ॥

-सृष्टं निश्चिते बहुनि त्रिपु॥ सृष्ट-बहुत तथा निश्चय कियागया॥

कप्टे तु कृच्छ्रगहने-कप्ट-दुःख तथा गहन॥ -दक्षासन्द्रागदेषु च॥३९। पटु:-परु-दश तीम्ण तथा गेनरीन॥३९ हो बाच्यलिङ्गो च-पर् ओर कष्ट शन्द वास्परिक्ष है ॥

उति दानाः॥
-नीलकण्टः शिवंऽपि च ।
नीलकण्टः शिवंऽपि च ।
नीलकण्ट-मयूर तथा त्रित्र॥
पुंसि कोष्ठोऽन्तर्जटरं कुस्लो
नतर्गृहं तथा॥ ४०॥

कोष्ट-पेटका मय भाग, गलके स्थान, गृहके भीनग्का भाग॥ ४४॥ निष्ठा-निष्पत्तिनाशान्ताः निष्ठा-निषादन, नाग तथा अति॥

-काष्टोत्कर्षे स्थितौ दिशि । काष्टा-उन्कर्ष, स्थिति, दिशा ^{तथा},

कालविशेष ॥

निषु ज्येष्ठोऽनिशस्तेऽपि-ज्येष्ट—अत्युत्तमः अतिदृद्धः, वडा भार्दः तथा वैशाखके उत्तरका मास ॥ —किनिष्ठोऽतियुवालपयोः॥४१॥ किन्छ—अतिछोटा तथा छोटा भार्दे४ ।

इति ठान्ताः ॥

दण्डोऽस्त्री लगुडेऽपि स्यात्-दंड-दंडा तथा सजा आदि ॥

–गुडो गोलेक्षुपाकयोः-

. क्षेत्रक्षणा स्माद्यम् अस्य िं, ते, युव न्या सेवा ११ वृह् प्रमाणं हेतुमयांद्राशास्त्रय-नाममानृषु ॥ ्रान्ति संस्थाः साम्राम्बेद प्रतिस्था करणं साधकतमं क्षेत्रसात्रे-विकास द्वियेष्वपि॥ ५४॥ 74 545 - प्रायु पाढ़े संसर गमसवा-[।] धचमृगर्ना ॥ घटापँय--अथ दान्नांत्र स्टर्नहर णम त्रये ॥ - ५ ॥ अनिश्चिप

-विषाण स्था पराना स्था

न्नया

प्रंचगं क्रमनिन्हें व्या प्रदे ना तु चनुष्पये ॥ ५६॥ क्रात्म, स्ता, त्व र क्रांत् हेच स्टब्स का देशक १६॥ नंकीणों निविताशुद्धी-क्कारे-सरुद्ध तथ संसङ्ख्य -ईरिणं शस्यम्परम्॥ हरेट उस्य की हम ॥ देवस्याँ विवस्वन्ता -555 75 F - दरस्वन्ती नवार्ग । पश्चिताः यः। सम्मन्ती--रावस्ती जानवा 2 . 2 25 4 24 4

प राजिता जासरी

- भर्ता पात्रिए गेष्टर्गा५९॥ अस्ट इंट के गाच इनेना १॥

0.55.11

गानपांचे शिशों पांतः-पोर नीका सना एटका ॥ -भेतः प्राण्यन्तर् मृते ॥ प्रेरा पेरा तथा गर्वका। प्रदुसेदे ध्वजे केतुः-थेतु राजा तथा एकप्रतका नाम ॥ -पार्थिवे तनये खुतः ॥६०॥ सुन-सजा तथा पुत्र॥६०॥ स्थपतिः कारुसेटेऽपि-स्थपतिः कचुकी तथा कालभेद, काष्ट

चीरनेवाला ॥ —भभन्तरिक्षेत्रः

-भूभृद्ध्मिधरे नृपे ॥ भूभृत्-पर्वत और राजा॥ मूर्धाभिषिक्तो भूपेपि-मूर्धाभिषिक्त-राजा और मत्री

-ऋतुः स्त्रीकुसुमेऽपि च॥ , ऋतु-स्त्रीका मासिक धर्म और , न्तादि ऋतु ॥ ६१ ॥ - 4

विष्णावण्यजिताव्यक्ती-अजित-अव्यक्त, विष्णु और महादे

-सृतस्त्वष्टरि सार्थौ ॥

नी तथा पारा धातु, त्वष्टा ।

व्यक्तः प्रानेऽपि-नाम परित तथा गुरु॥ -इष्टान्नानुमा शास्त्र**नि** र्शने ॥ ६२ ॥ रणन्त-- नर्माः गान्त तथा उग ग्गा ६२॥ क्षता स्यात्सार्थी द्वाःस क्षत्रियायां च स्द्रजे॥ क्षत्र—साग्यि, शृज्ञ और क्षीरिकः उत्पन्न तथा द्वारपाल ॥ ब्रुतान्तः स्यात्प्रकर्णे प्रश् रे कात्स्न्यवार्तयोः ॥ ६३% रतान्त-प्रकरण, प्रकार, ममू^क् तथा वार्ता॥ ६३॥ आनर्तः समरे नृत्यस्था 🖰 ोषयोः॥ 一川 福

ब्तु-बत वित, कक्त, पेटमे अन-भ ने सत बनता है यह और रनः , भारे पत्रमहान्त ्पृथ्वी जर ज्ञा-ं प्रवेतहासूनके गुग. ् रूप स्त ^द हमादि ' इन्तिम, पत्थरका विकार, िजीत इत्यादि । वर्णात्मक राव्दीं-न्ए। (नू. इत्यादि ॥ ६९॥ कक्षान्तरेऽपि शुद्धान्तो तृप-स्यासर्वगोचरे ॥ गुड़ाल-राजधानी तथा राजाओका न्ता॥ ·शास्तामर्थयोः शक्तिः-गिक-वरही तथा साम र्भ॥ ग्रेतः काठित्यकाययोः॥६६॥ मृर्ते-कठिनता तथा गरीर ॥ ६६ ॥ विलारवल्लचार्वतिः-न्नाति-विस्तार तथा वर्ही II -वसती रात्रिवेश्मनोः॥ व्सिति-सित्र तथा घर ॥ क्षयार्चयोरपचिति:-भगिचिति-क्षय तथा पूजा ॥ सातिद्गीनावसानयोः ॥६०॥ सानि-दान तथा अन्न ॥ ६७॥ अतिः पीडाधतुष्कोट्योः-पर्नि-पोडा नथा धनुपर्का कोडि ॥ -जानिः सामान्यजन्मनोः॥

जाति-मामायजानि नया प्रचारस्यन्द्यो रीतिः-रानि-छोराचार नथा पाना और लोहेका मङ ॥ –ईतिर्डिम्बन्रवासयोः ॥६८॥ ईति—, ईनि सान प्रकारको होनी है अतिवृष्टि, सूखापडना, खेनोमे मूसोका लगना, टीडियोका उपद्रव, सुग्गोसे हानि, और राजाओंसे वेर) इन ७ को ईतिकहने है, तथा परदेशमें वास॥ ६८॥ डदयेऽधिगमे **प्रा**प्तिः~ प्राप्ति—लाभ तथा उत्पत्ति ॥ -नेता त्वन्नित्रये युगे ॥ त्रेना-एकयुग तथा अप्नित्रम ॥ वीणाभेदेऽपिमहती-महती-नारदकी वीणा तथा महत्त्व करके युक्त भार्यादि ॥ -भूतिर्भस्मनि संदद्गि।६९॥ मूति-अणिमा महिमादि आठ ऐस्बर्भ, भस्न नथा सम्पत्ति॥ ६९॥ नदीनगर्योनीगानां भोगवती-भोगवती-सर्पोक्ती नदी तथा नग्मी॥ -अध संगरे॥ सङ्गे सभायां समितिः-स्मिति-सङ्ग तम सभा तम समा। –क्षयवासावपि क्षिनी॥७०॥

भिनि- निनास, क्षय नथा पृष्पी। १०॥ रवेर्गचिश्च शस्त्रं च विहि-ज्वाला च हेत्यः ॥ हेति—पर्यक्षी प्रभा नथा शन्त और भागकी जाणा॥

जगती जगित च्छन्दोविशेन पेऽपि क्षितावपि॥ ७१॥ जगनी-लोक, एकप्रकारका छन्द तथा पृट्यी॥ ७१॥

पंक्तिश्छन्दोऽपि दशमं-पंक्ति-पॉती तथा दशअक्षरके पादका

छन्द ॥

-स्यात्प्रभावेऽपि चायतिः॥ आयति-आनेवाला समय. प्रभाव तथा लम्बाई॥

पत्तिर्गतो च--पत्ति-पैदल तथा चलना॥

−म्ले तु पक्षतिः पक्षमे दयोः॥७२॥

पक्षति—प्रतिपदा तिथि तथा पखकी जड ॥ ७२ ॥

प्रकृतियों निलिङ्गे च− प्रकृति—स्वभाव तथा यानिलिङ्ग ॥

-केशिक्याद्याश्च वृत्तयः ॥ वृत्ति--जीविका, स्त्रोका अर्थ तथा

कैशिकी ॥

सिकताः रयुर्गालुकािसिन्ता-नार् थोर सिकटी॥
-वेदे श्रवसि च श्रुतिः॥औ
श्रुति-वेद,कान तथा मुनना॥ ७१
विन्ता जिततात्यर्थातुरा
गायां च योषिति॥
विनता-स्रो तथा अयल पागे वी।
ग्रुतिः क्षितिव्युदासेऽपिगुपि-नक्षा, भ्षिका गइटा तथ

धृतिर्धारणधैर्ययोः॥०४॥

गृति--धारण और वैर्य ॥ ५४ ॥०४॥

गृति--धारण और वैर्य ॥ ५४ ॥०४॥

गृति--धारण और वेर्य ॥ ५४ ॥

गृति--धारण और वेर्य ॥

गृति--धारण और वेर्य ॥

गृति--धारण और वेर्य ॥

गृति--धारण भीरण भीरण ॥

गृति--धारण भीरण भीरण ॥

गृति गृति गृत्या जनश्रती॥ ७५॥

गृति गृत्या जनश्रती॥ ७५॥

वार्ती—जीविका, समाचार ॥ ७९ ॥ वार्ती फलगुन्यरोगे च निष्-वार्त-नीरोग, समाचार, जनश्रुनि, जीव

नापाय तथा कुशल ॥

-अप्सु च घृतामृते॥ घृत-घी, जल॥

अमृत-जल, मोक्ष तथा विना मागी

भीख 🛮



–अनन्तोऽनवधावपि॥८१॥

अनन्त—अनययि, (जिसकी मर्यादा न हो) विष्यु तथा शेप नाग ॥ ८१॥

ख्याते इष्टे प्रतीतः-

प्रतीत प्रसिद्ध तथा हार्पत ॥ अभिजातस्तु कुलजे द्वधे ॥

अभिजात—कुर्छान और पण्डित ॥ विविक्तौ पुतविजनौ-

विविक्त-पवित्र और विजन,

^{एकान्त} ॥ **−मू**च्छितौ सृहसोच्छ्**यौ** ८२॥

म् चिंठत—मोहित तथा वढा ॥ ८२ ॥ द्वौ चाम्लपरुषौ शुक्तौ—

शुक्त-पवित्र तथा कटार ॥

-शिती धवलमेचकौ ॥ शिति-धवल (शुक्र) मेचक तथा

कृष्णवर्ण ॥ सत्ये साधी विद्यमाने प्रश-ऽश्यिहिते च सत्॥ ८३॥

सत्–सत्य, साबु, विद्यमान, प्रशस्त, तथा अभ्यार्हत ॥ ८३ ॥

पुरस्कृतः पूजितेऽरात्यभि-युक्तऽप्रतः कृते ॥ पुरस्कृत-पूजिन शत्रुसे पांडित, और

आगे किये हुये ॥ निवातावाश्रयावातौ शस्त्रा-भेद्यं च वर्म यत् ॥ ८४ ॥ निवात—निवास, वायुरहितस्थान तम् राखोसे अभेद्य कवच ॥ ८४ ॥ जातोन्नद्धप्रवृद्धाः स्पृरुच्छिताः

जातोत्रद्धप्रवृद्धाः स्युरुच्छिताः उन्द्रित—उत्पन, जचा, उन्हिन् अहकारयुक्त तथा अत्यन्त वडा॥

-डिंग्स्यतास्त्वमी ॥ द्याद्धिमत्मीखतोत्पन्नाः-द्याद्यत-दृद्धिको प्राप्त होनेनान्।

तथा उदयको प्रात होनेत्राटा और उन होनेत्राटा ॥ -आहतो साद्राचितौ॥८५

निवृत्तिषु ॥ अर्थ-शब्दका अर्थ, धन, य्यार्थ, निवृत्ति ॥ निपानागमयोस्तीर्थमृषि

जुष्टे जले गुरी ॥ ८६॥ तीर्थ—निपान अर्थात् कूपने पासन होट वा जलाशय, शाल, ऋपिसीय जल तथा गुरु ॥ ८६॥

समर्थास्त्रिषु शक्तिस्थे संब द्धार्थे हितेऽपिच ॥ समर्थ-समर्थ वा वहवान् तथा सम्बन्ध्युक्त पदार्थ तथा हित ॥

श्यातः भवनार

पसनता) और

मार सम दीर दीनर ॥

जान जीता

प्रमार-अहुना.

नथा गुणा ६०॥

काव्यके सुग ॥

आरावे रुद्धि बातर्या-

इन्दो दारुण रणे॥ ९०॥

रपात्पसादोऽनुरागेऽपि-

-सूदःस्याद्यक्रेनेजपि च॥

दु:चील्या श्रीणरागयुक्ती-इसंध र्यान नंत का।। र्चावी पद्द्यपि ॥ ८७ ॥ र्टन-नर्ग तम मन्त्रा (७॥ अरुअनीयवयोरास्था-क्य-नान्या उपान II -प्रहोऽद्यी सातुमानयाः॥ स्य-प्रीनक्षे चेही तथा ती--िस्त्_{या}

॥ इनि धालाः ॥ अभिनायवशो छन्दी-हरू-अभिगान तथा अधीन II अन्दों जीमृतवत्सरों॥ ८८॥ स्द्र-मेच तथा वर्ष ॥ ८८ ॥ अपवादौ तु निन्दाज्ञे-थ्यवद-निन्दा तथा आहा ॥ –दायादेश सुनवान्धवेश ॥ इपाद-पुत्र नया हानि वाविरादरी ॥ पादा रश्म्यंघ्रितुर्योशाः-पार-किरण, चरण तथा चीर्थाई ॥ चन्द्राग्न्यकीस्तमोत्तदः॥८९॥

सूद-यजन और स्मोईवरदारका नाम ॥ गोविन्दः-गोष्टाध्यक्षेऽपि विश्यु और गोविन्द्-रूपा तथा र्गेडका सामी ॥ -हर्वेऽप्यामोद्वन्मदः ॥ २१॥ आमोद-हर्षतया निहीरिगन्य ॥२१॥ प्राधान्येराजलिङ्गे चबृषाङ्गे क्रुदोऽश्चियाम्॥ ककुर-प्रश्नत, राजविष्ठ तथा बैडका ह्या संविज्ज्ञानसंभाषात्रिः कंग ॥ याकाराजिनामसु ॥९२॥ त्तंदिः ्नतं, सन्भारतं, कर्तः, तथा नने हुद्-चन्द्र. सूर्य नथा अति॥८९॥ नितन. युद्द होर् नन ॥ ६२ ॥ निर्वादो जनवादेऽपि-धमें रहस्युपनिषत्-निर्वत-लेकानवद् कीर निश्चित डातिस्-सं एक्क की 35 11 −शादो जन्वालशप्योः ॥







आत्मा यनो धृतिर्द्धाः .े ब्रह्मवर्फा च ॥ १०९॥ हानत्-आत्मा, वह, त्याः इनान तथा धीरता ना पर्य ॥१०९॥ शको यातुकमसेभो वर्षका

नी यनायनः॥ उनायन-बरसने बाला मेध इन्द्र तथा

नि स्तवाटा हाथी ॥

अभिमानोऽर्थादिद्धें ज्ञाने हं भणयहिंसयोः ॥ ११० ॥ अभिमान-धनादिका घमड.

्रित. ननतो तथा हिसा ॥ ११० ॥ घनो नेघे मूर्तिगुणे त्रिषु मूर्ते

निरन्तरे ॥

वन-कठोरवस्तु. मेघ, मृर्तिका गुण ट्रेर. कॉसीका बनाहुआ घटा इत्यादि.

बजामध्यनृत्य गीतवाद्य ॥

इनः सूर्ये, प्रमी-इन-मूर्न, प्रभु॥

-राजा मृगांके क्षत्रिये नृषे^{१११} राजन्-चन्द्रमा, क्षत्रिय तथा नृप॥

11 777 11

वाणिन्यों नर्तकी दृत्यों-वाणिनी—माचनेवाली स्वीतथा दूरी ना कुडनी ॥

-स्रवत्त्यामपि वाहिनी॥

वाहिनी -सेना, नदी. याहिनीपति, समुद्र नथा सेनापित ॥

ह्नादिन्यों वजतिहती-हादिनी-बज और दिजली ॥

−बन्दायामपि कामिनी ॥११२ कामिनो-बहुत कामगार्टी वाकामकी इच्छा करनेवाली स्त्री, वन्दा. एक उक्षका रोग तया स्त्री ॥ ११२ ॥

त्वग्देहयोरि ततुः-तनु—खाल, शरीर. थोडा और दुर्वला -स्नाऽधोजिह्निकारि च ॥

सूना-जिहाके तडेका स्थान और

मारनेका स्थान ॥

ऋतुविस्तारयोरस्त्री वितानं त्रिषु तुच्छके॥११३॥मन्दे-वितान-ऋतु. विम्तार.तुन्छ॥११२॥

तया नन्द्र॥

-अय केतनं कृत्ये केतावुपनि-मन्त्रणे ॥

केतन-जजा.घर.कार्य तथा उपम्बग वेदस्तन्वं तपो नहा बहा विप्रः प्रजापनिः॥ ११४॥ हम्म नेह, चेत्य, त्य हम तर

जन्म छोर प्रस्कति॥ ११३ ॥

उत्साहने च हिंसाणां ५ चापि गन्धनन्॥



(252)

सीम के वीष मा मा करता भारता माप्तामा ग्रीमान ।

-सर्गिर्गवि च म्यान ॥ रमीम अन्दर पामनीहर परनापाइ,

प्रसित्त नामा पुष्पाक्त । स्वताका जापक, कामान सर्वति । भाग ग सोना तता समल प्राप्त ।

> सभा संमदि मभा न-स्मा नना तना ।

-त्रिप्तध्यक्षेपि बहुषः ॥ /३ ॥। बार भाग में स्तर बार्मा र स्टान रेट

> JA 41-11 किन लामप्रही गर्भा-

र्वान गास्यकार क कपिभेकी प्रवद्गमा ॥

हराम असर है । में कि । इच्छाननाभवी कामी-

काम । य ओर काम ॥

~शोर्योद्योगी पराऋनो १३८॥ पराक्रम अर्ता तथा उ तेरा। १३८॥

धर्माः पुण्ययमन्यायस्वभा-वाचारसोयपाः॥

र्म पुण्य रमराज न्यार स्वभात,

आनार तथा सामयन करके सामब्हीका रस पानेबण्या ॥

न्यामणं साम्बर्ग स वाजित्यस्य ।। उत्ता

ज्याम जात्वान सम्बद्ध ग. १६३ ॥ सम्मान

नणित्ययः पुरं वेदीतिण किता भाषा अस्य सर्वे विकास

-नागरा विणिक्॥ नगरो दी-

१६ । १ । हतुः नगरनारे , । वा अतिव्

-वर प्यां नीलचारुति F1911/1011

. . . . नरी म् र उपर म सम्बद्ध

शब्दाविश्वों वृत्देऽपि प्रामः ा । अ लग इस गर्ने

भी भारताल हो म प्यानी सन्दे तसा हार

। स्थान - ान सही स्वर्धाः चानी है।

-क्रान्ती च विक्रमः॥ विक्रम विक्रमण तथा पराक्रम ॥

स्तोमः स्तोबेऽध्वरे वृत्दे-

म्नाम -नमह नथा म्नोत्र ॥

-जिह्मस्तु क्वटिलेलसे ॥ १४१॥

-ही म्या रामी कीर 5 2 11 ला स्वस्तम्बसेना अ-प-तिन्ही गेग. जिना टालेका अग्राज्यको सेना ॥ गिमः स्वतृङ्खलिख्योः ॥ को-बहेन न्या करकी ॥ निधानयोः स्ना युक्ते क्षमं हिते त्रिषु ॥ १४२ ॥ न-विन्धा क्या न सहसा ॥ 泛 क्ष भ्यामी हरित्कृष्णौ मा स्याच्छारिका निशा ॥ - स्म-हरा. उपा शनावरी और क्लानं पुन्छपुंड्राश्वभ्वाप्रा-धान्यहे,तुषु॥ १४३ ॥

Lit 11:8511

एक्नमध्यात्ममपि-र-ए तम महारा -शद्में प्रधाने प्रथमः-

बिष् ॥ द्याने हेकरान्तर्यन सम्दर्भ राज्य नीनो िज्ञांन रोने हैं॥ दामी वल्गुत्रतीपी हो-नाम जोभित. उत्तरा तथा देहा॥ अधमो न्दूनङ्घत्तितो॥१४४॥ क्ष्यक्र-स्तुन, तथा निन्डिन ॥१९४॥ जीर्णे च परिभुक्तं च चात-पाप्तिदं ह्यम्॥ जनजन-पुराना-नी. वासी (सन इत्यादि ' और भोजन करके न्याग किया इ्नि मान्ता । तुरंगगङ्डी ताक्ष्यीं-ताके बोडा तथा गरड ।। -निल्टापचर्यो क्षर्यो ॥१४५॥ क्ष्य करा प्राय श्रयुर्वी देवर याली-ान-हा, बोटा बोटेंने हारेना कि वेदेश गाना, स्थान व स्वत -स्राह्ट्यो सार्यहिया ॥ निकार पुरा तम स्वा वेर

ي سې پر سې गय, सर्ग, राष्ट्र, (वे प्रत्येक - करलाते हैं 🕽 देश, स्थान और

न्या १५२॥ निर्यासेऽपि कषायोऽस्त्री-

-ाग-कतेला रंगवाला-ली.कतेला कटा, विलेयन तथा नया अगराग

. त् टटका चन्दनादिक ॥

-सभायां च प्रतिश्रयः ॥ वा अवल-प्रतिष्ठन-सभा, बाध्रन

न नथा अङ्गीकार ॥

शायो भूग्न्यन्तगमने-प्राय-संन्यासपूर्वक भोजनका त्याग.

त्य व मरण सीर तुल्य ॥

-मन्युँदेन्ये ऋतौ क्विधि॥१५३॥ म्प्यू-गोध दीनता वा गरीवी तथा

विना बा शोक ॥ १९२॥ रहस्योपस्थयोर्ग्रह्मं-

गुद-ष्टिमानेके योग्य तथा स्त्री वा

एएका म्हेन्द्रिम ॥ -सत्यं शपथतथ्ययोः॥

ल्य-संग्र-ची. सत्यमामा, मत्यता.

' रमम् नदा सत्युग ॥

वीर्य बले प्रभावे च-र्री-वर और प्रमार ॥

-द्रव्यं भव्ये गुणाश्रये॥१५४॥

न्य-वन, भव्य अर्थात् सन्दर्शीर न्त्र ॥ १५४ ॥

धिण्यं स्थाने गृहे भेग्नी-धित्य-स्थान. गृह. नक्षत्र तथा

समि ॥

-भाग्यंकर्ने ग्रुभाशुभम् ॥ भाग्य-भाग्य वा पूर्वजन्मके कियेहुये

अच्छे त्रा तुरेकर्म॥

कशरुहिद्रोगोङ्गियं-

गागेय-गगासम्बन्धी वस्तु. भीष्म

कौरज्के पितामह. सुवर्ण वा सोना. करे रुफल वा कन्द ॥

द्दितकाऽपि –विशल्या

च ॥ १५५ ॥

विशल्या-गृहची आपन्नी. इन्द्रपुत्ती शिखा वा आगकी औपनी अप्रिकी

लपट तथा दन्तिका ओपवी ॥ १९९ ॥

बुषाकपायी श्रीगायाः-बुत्रकरायी रुक्ती स्पन्न परिती ॥

–असिख्या नामशोनयोः॥ भीतन्या समात्रा रोगा॥

आरम्भो निष्ज्ञतिः शिक्षा

पृजनं संप्रधारणम् ॥ १५६॥ रपायः कर्न देष्टा च चिकि-

त्सा चनः क्रियाः॥



-संतारोपनाराज्यसी ॥१६१॥ गन्त-राका विद्याना. विद्याना त्याच्या १६६॥

गुरू गोप्पतिपित्राद्यां-२८-गरी, बृहस्यति, बडे होग (पि-

ता त्यादि । ॥

दापरी युगसंशया ॥

हानर-सहाम (नन्देह) हानर '

उप ॥

भकारी भेदसाहश्ये-भनाग-भेद (नरह , नथा तुल्पना ॥

^{-आकाराविङ्गिताकृती१६२}

धाकार-चेष्टा तथा सूरत ॥ १६२॥ किंशास सस्यश्केषु-

निगार-नव इत्यादिका टूडा सूईके নৈ अत्रभाग) तथा वाण और কব্ধ

रक्षी ॥

-मरू धन्वधराधरा ॥

मर-निर्जलदेश. और पर्वन ॥

अद्रयो इमशेलाकाः-अडि-इस. पर्वन. तथा सूर्य ॥

े श्रीस्तनाच्दी पयोधरी १६३॥

पेगेवर-स्तन, और मेव ॥ १६३ ॥

ध्वान्तारिदानवा वृत्राः-

अन्बकार **१**त-बृत्रासुर. एक देन्य

निया रात्रु ॥

-चलिहस्तांशवः कराः॥

कर हाउ, हाथीकी सड, किरण तथा

महसर य कर ॥

प्रदरा भट्टनारीहम्बाणाः-

प्रदर-ित्रपोका एकरोग्।जिसके होने-से मृत्रद्वारसे छोह वहा जाता है) भद्ग

्भप्तना) तथा वाण ॥

–अस्ताः कचा अपि ॥१६४॥

अस्र-केश. कोना. ऑस्. तथा

छोहू ॥ १**६**४ ॥

गौः कालेऽ अजातशृङ्गो

प्यव्मश्चर्ना च त्वरौ ॥

त्वर-समयपर जिसके सीग न जमेही ऐसा बैट, समय पर जिसके मछै न जमी

है। ऐसा पुरुप ॥

स्वर्णेऽपि राः-

र्र -धन. तथा मुवर्ग / मोना ॥

पर्यंकपरिवारयोः –परिकरः

॥ १६५ ॥

परिकर -पल्य और कुरुम्व ॥ १६९ ॥

मुक्ताशुद्धौ चतारः स्यात्-

तार-ऊचा गण्ड नज्ञ आएकी

पुनली, मोनी सफाई, गोलमोनी, गोल

ओर निर्मेष्ठ मोर्नाने बना हार. जण्ने पार

उतरना एक बानरका नाम तथा चडी

वातु ॥



होत्र-ह्याने, बाद ् जो द्रव्य छए न्त्य जता है ' जुझा ॥ १७१ ॥

महारण्ये दुर्गपथे कान्तारं पुंनपुंसकम् ॥

हन्द-दुरोन व टेटामर्ग, वडा क्ष इकरका जख ॥

मत्तरोऽन्यशुभद्वेषे तद्वत्कृ-पणयोस्त्रिषु ॥ १७२॥

म्मा-दर्जा, व ताह करनेवाल-नी

हरा दासम ना होती न हाह।। १ ५२॥

देवाद्देत वरः श्रेष्ठे विष् क्री-

वं मनाक्त्रिये॥

झाऊंग व गार्न

वंशाकुरे करीरोखी तहभेदे घंटच ना॥ १३॥

8"3; "

ना चमुजयन हर्द स्य प्रित

तरं म्याम्॥

शुकाहिकपिभेकेषु हरिर्ना कपिले त्रिषु ॥ हारे-यन, वायु, इन्ट्र. चन्द्र, सूर्य.

पिन्यु. सिंह. किरण. घोडा II १**७४ II**

तोना. साप. बन्डर, मेहक, और हरा रंग न्या कपि इस्त और कुछ पीली यस्तु ॥

शर्करा कर्परांशेऽपि-तक्त दिकड़ी क्कड़ी खड़, रेना

नय बहुन क्षेत्रीको उसेत्॥

-यात्रा स्याद्यापने गर्नो॥१७५॥

इग म्वाक्सुराप्सु स्यात--- =- ==

-तर्ही निर्हाप्रमील्योः॥

धात्री स्याज्यमानाःपि लिनि रत्यामलक्यपि॥ १५६॥

यमानिलेल्ड बड़ा श्रीवर

किरागुर्वाच्या

रहः प्रकाशों बीकाशों—
केत्रव-एकान्त तथा प्रकाश ॥
—ितंत्रेशों भृतिभोगयोः ॥
केत्रव-कीकतों. भोग तथा कुर्छा ॥
इतान्ते पुंसि कीनाशः
ध्रुकर्षकयोस्त्रिषु ॥२१५॥
कीनाश-यमराजतथा किसान २६९
पदे लक्ष्ये निसिन्तेऽपदेशः
स्यात—

लगरेश-बहाना. निशाना वा सदय था निमित्त वा हेतु ॥

-इशमप्तु च॥

हुस हुदाएकतरहकी घास तथा जह।। दशाऽवस्थानेकविधापि— दशा—अवस्था , लडकई जवानी गिर्दे)।।

ताशा तृष्णापि चायता२१६ जन्म-वर्डा तृष्णा तथा दिशा॥ १६॥

रशा स्त्री करिणी च स्थात् सा-स्त्री. दाल. गाय तथा हिस्ती वेत्री ॥

-हग्ज्ञाने ज्ञातिर त्रिष्ठ ॥ स्यात्कर्कशः साहसिकः कठोरामसृणाविष ॥२१७॥ कर्कत-कठोर, दुस्तर्म, नाहमी सन

झगडालू स्त्री और क्लोल शीक्यी ॥ २१७॥

मकाशोऽतिमासिद्धेपि-प्रकाश-अतिप्रसिद्ध, धूप. उजाल॥

-शिशावज्ञे च वालिशः ॥ वालिश-वालक तथा मूर्ज ॥ इति गान्ताः॥

-सुरमत्स्यावनिमिषी-अनिमिप-देवता तथा नन्स्य वा महन्त्री ॥

-पुरुषाचात्ममानवी २१८॥ पुरुप-पुरुप वा नर. आत्मा. नागके-जर इक्ष तथा मनुष्य ॥ २१८॥

-काकमत्स्यात्वगो ध्वांक्षो ध्वाइक्ष-कीवा तथा मत्स्य पकडने-वाला पक्षी वगुला े इत्यादि॥

-कक्षो तु तृणवीरुधौ ॥ कभ्र-काल वा वगल तथा तृण ग

वात की गजी और लता ॥ अभीयः प्रमहे रश्मी-

अभीय किल्प, टोर्स नाम प्रसात. हमाम स्पादि ॥

-प्रेषः प्रेषणमद्भि ॥ २१९॥ प्रेषः केन्या स्वत्यस्य स्वराहः देना ॥ २१६॥

पक्षः सहायेपि-

्र इतिया, इत् वा कठोर तथा रिक्ताम्॥ -अतिराग्ने त्वमी ॥ २३४॥

इडमरास्पयोज्यीयान्-ज्ल-बङ्ग बुङ्टा-इढी तथा अल्य

करते येर्टा-इंडा तथा उ

न्त्रनीयांस्तु युवालपयोः न्त्रोतम्-अन्यन जन्नान अन्यना रोजन्या दोटामार्ड ॥

वरीयांस्त्रुवरयोः-

भीत्-सन्यन **व**हा तथा अन्यन्त रहश

त्तिधीयान्साधुवाहयोः २३५ माधावस अवस्य

निक्ष स्वापना सहस्य 🔠 🕻 १ ५

्रिसन् क्लेजि बई-इस्टेश

्रता संशेष्ट्रणा परश्चन

निर्वन्थापरामाकांत्रया पहाः

F-7 7

क्षायोषीट राधसम्ब वि प्रता नागप्रस्तवे ॥ २००॥ सिर्पेच इत्यादि ` तथा दार शीर काला ॥ ॥ २३६ ॥

्तुलासूत्रेऽश्वादिरङ्मो प्रप्राहः प्रप्रहोऽपि च ॥

प्रगाह-प्रगह-कैदी जो चोर इत्यादि-अपराधीका दण्ड है, पगहा ना पशु बांधने जो डोगे, नराज् तथा छोडा इत्यादिकी द्याम ॥

पत्नीपरिजनादानमूलशापाः परिग्रहाः॥ २३७॥

परिप्रह पती वा स्त्री, परित्रार, अगा क्षाप तथा ब्रह्मिद्रकी सर और हाथ १२३७॥

दरिषु च गृहाः-

श्रीक्यामप्यारोती पर विषया ॥

न्तर परादि-

44 4 4 24 6

mande in that me a home of



ः कंकाल, क्र्रम कठोर तथा होचास॥

-अतिशये त्वसी ॥ २३४ ॥ १३परास्ययोर्ज्यायान्-

े नहुन दुइहा – इही तथा अत्य हिना जरेनेके योग्य ॥ २३४ ॥ -कनीयांस्तु युवालपयोः

वरीयांस्तृहवरयोः-

्रभीगा-अन्यन्त बहा तथा अन्यन्त रहा।

भाषीयान्साधुवाहयोः २३५

स्थितिस जाउन्हर । १ जन्म जा या स्थान बहुत (१ २६ ०) ्रिस्तर

दलेऽपि वई-

कि में के ना. प्रकार

-निर्वन्धापरामाकांद्रमा प्रहाः

कार्यापीत तापरव विजेता सगदन्तवे.॥ २२८॥ निर्पेच इत्यादि े नथा द्वार और काढा ॥ ॥ २३६॥

तुलासूत्रेश्वादिरश्मो प्रप्राहः प्रप्रहोऽपि च॥

प्रगह-प्रप्रह-केंद्री जो चोर इत्यादि-अपराधीका दण्ड है, पगहा वा पशु वाधने की डोगी, नगज् तथा घोडा इत्यादिकी लगाम ॥

पत्नीपरिजनादानमूलशापाः परियहाः॥ २३७॥

परिम्न पत्नी वास्त्री, परश्य असा क्षेत्र तथा बक्षादिकी जर और श्या १,२२७॥

द्रारेषु च गृहाः-

श्रोण्यामप्यागेती दर-तिपा'॥

न्यूता नराईर-

लाह गर्नंद

Their in rather has there of 2

व्यतीतदिनका वाचक अन्यय शब्द १॥

द्यस् १॥

-अनागतेऽहि थः-कलिंदनका १॥ श्रम् १॥

-परश्वस्तु परेऽहाने॥

आनेवाले परसोदिनका वाचक १

परइवः १॥

तदा तदानीं-

तिसकालके वाचक अन्यय

तदा १ तदानीम् २॥

-एगपदेकदा-

एकसमयके वाचक अन्यय २॥ युग-

पत् १ एकडा २ ॥

-सर्वदा सदा ॥ २२ ॥

सदाकालवाचक अव्यय २ ॥ मर्वदा १

सदा २ ॥ २२ ॥

एतर्हि संप्रतीदानीमधुना सांप्रतं तथा ॥

'इसी समय' इस अर्थके वाचक

अव्यय शब्द ९ ॥ एताई १ सम्प्रति नीम् ३ अधुना ४ साम्प्रतम् ५ ॥

दिग्देशकालेपूर्वादौ प्राग्र-द्यप्रत्यगादयः॥ २३॥

पूर्विदेशा पूर्वदेश और पूर्वकालमें 'प्राक्'

शर्व्दह । उत्तर दिशा उत्तरदेश और

परकालवाचक अन्ययशब्द्'' 'उदक्'

पश्चिमदिया पश्चिम देश और पश्चिमका-रुका वाचक अन्यय शब्द 'प्रयक्¹ राया• हि ॥ २३ ॥

इन्यव्ययवर्गः ॥ ४ ॥

लिङ्गादिसंग्रहवर्गः ५.

सलिङ्गशास्त्रेः सन्नादिकृत्तिः तसमासजैः॥अनुक्तैःसंप्रहे लि-

क्रसङ्कीर्णवदिहोत्रयेत्॥ १॥ पाणिनि के कहेहर लिङ्गानुगामन-सहित (अर्थात् उनके अनुसार मन आदि प्रन्ययोंसे उत्पन्न चिकीर्पा आदि--

शब्दोसे कुटन्तसे उत्पन्न श्वपाक आदिकामे नद्भिन प्रत्यय अण् आदिसे उत्पन्न,' समा-

सजै 11 अटन्तोत्तर पदो हिंगु इस आदिसे और वाहुल्यमे पहिले अनुक्त शल्डोमे

संब्रह किये जाते हैं. यहा वर्गसंब्रहम लिगका जान किस प्रकार करें इस पर

कहते हैं, 'सकीर्णवत्' यह जैसे सकी-

र्णवर्गमे प्रऋति आदिसे जाने जाते हैं, इसी प्रकार यहा भी जानने, तिनमे प्रकृत्यर्थने

जैसे अर्द्धर्चा पुसि च' यहा प्रत्ययार्थमे

जैसे ' स्त्रिया किन्' 'प्रकृतिप्रत्ययार्थार्थ ' इस आद्यशब्दसे क्रियाविशेषणोको नपुम-

कत्व और एकवचनत्व होता है, जैने,

शोभन पचित इत्यादि ॥ १ ॥

लिद्गशेषविधिर्व्यापी विशेष रंग्रवाधितः॥

ननाई-इन्-तदित-समास सं २० विस झांकशब्दके विससे अन्य-े हेन दिंगरोप है. उसका विधि उत्सर्ग ें के करें जनका न्यापक है. जो पूर्वोक्त ं राके कहे विशेषविधियोसे बाधित न ें ननीं व्यापक होना है क्योंकि अप-रोग होटकर उन्सर्ग सर्वत्र प्रवृत्त निहें इन कहनेसे लिगविशेषविधिका ि उन्तर्भन्तका स्वर्ग आदि वर्ग अपवाड िनने पहिलेक कहिंदुर विशेषाको ल रानेके दोप और विम्तारके इस्म नि मा विभान नहीं है. स्वर्गपर्याय यहा हैं रेग महेंगे, इसका 'घोदिनी है म्बिया, ें निविष्टाम्" यह पूर्वोक्त अपवाद हे 'र नामभूतिकोके तो 'कुन कतीर ' स्यापिन करेंगे, प्रश्वि पहिले निग करा नवावि व्याप्तके प्रावणावकताने ' गान्साचन बहादी प्रवान ही । ॥ स्त्रियामीइद्विरामेकाच स-

योनिप्राणिनाम च ॥ = ॥

और एकाच् ये दोनो ईदृद्धिरामकाच् हे, ईदन्त ऊदन्त वा जो एकस्वर शब्द-स्वरूप है वे स्नीटिंग है यह अर्थ है, जैसे, घोः, श्रीः, सूः, भूः, नयती-ति नी , इन आदिमे 'कृतः कत्तीरे 'इसके वाध होनेसे वाच्यक्रिगत्व है, मगहे इसके सहित प्राणियोंके नाम 'हिया' स्त्रोलिंग है जैसे माता—दुहिता— घेनु-आदि दार शब्द आदिमे तौ 'दाराः पुभुक्तीते' यह बाधक पहिले कहचुकेहैं. कलत्रं और गृह शब्दको 'कलत्रं श्रोणि-भार्यपो 'यहाका गीव पाठ बाधक है, इसी प्रकार अन्यत्र भी विचार करलेना चाहिये ॥ २ ॥

नाम विरान्निशावलीवीणा-दिग्भृनदीहियाम्॥

दियन् आदि हीशब्द पर्यन्त ८ आठ राज्योंके जो नाम अर्थात् महा ह, वे सीक्षित , जेमे, - दिशुन्,-नाडेन. निना सिन, रजनि, वर्षा, -इनिन, र्तर -, प्राण्या,-पिनम्बो इपादि॥

अदन्तदिशुरेकार्थः-क्रियान एक्ट्रिक्ट हो हो हो है ।

अत्र ङ्गात्रूटन्त इत्यादिसे कहे लिंग-वालोमेंसे किसी शब्दके सुखसे लिगजानके हतु, भिन्न कान्तादि क्रमसे कहते हैं १ एंका राक्षसपुरी, २ शेफालिका क्रलका भेट वा वृक्षभेट—(निर्गुडी—निरमा यह प्रसिद्ध) है २ टीका—कठिन पटकी व्याएया— ४ धातकी—वृक्षभेट—(आवरा यह प्रसिद्ध है,) ९ पज्जिका (निःशेप-पटकी व्याख्या) ६ आढकी—तुर्ह प्रसिद्ध है ॥ ७॥

सिश्रका सारिका हिक्का प्राचिकोल्कापिपीलिका॥ तिन्दुकी कणिका भङ्गिः सुरुङ्गासुचिमाढयः॥८॥

१ सिध्रका द्रक्षभेट, २ सारिका पर्क्षाभेट—वा मयना, ३ हिका स्वरभेट वा हिचकी, ४ प्राचिका पाचिका भी वनकी मक्खी वा 'पिक्षभेट' इति स्वामी ५ उत्का तेजका समृह, ६ पिपीलिका कींडेका भेट—(चीटी—वा चीटा भी), 'शनैर्यान्तीति पिपीलिक ' यह स्वामीके मतसे पुलिगभी है, ७ तिन्दुकी द्रक्षभेद वा (तेन्दुआ यह प्रसिद्ध है), ८ 'किणका' परमाणु, ९ 'भिक्कि' कुटिलताका भेद वा टेडाई, १० 'सुरगा' विल वा 'सुरग' यह प्रसिद्ध है, ११ सूचि., सूई—वा ल्यावनी—१२'माडिः.'पत्तेकी सिरा,॥८॥

पिच्छावितण्डाकाकि**ण्य** श्चिंगः शाणीहुणीद्रत्त ॥ सातिः कत्था तथाऽऽसन्दीः नाभी राजसभाषिच॥ ९॥ १ 'पिन्छा,' रामर यह प्रसिद्ध हे १ 'वितण्डा' वाडभेड, ३ 'काकिण्य, वा काकिणीं' पणका चौथा भाग वा कीडीं 8 'चूर्णिः, वा चूर्णी, चूर्णिका, शाणी 'राण'-पटविशेप है 'द्रुणी' कर्णजलीका वा कछही दरन् म्लेच्छजातिः ॥१ साति टान और अवसानको कहते हैं **२** कत्या प्रावरणान्तर-वा दूसरा विद्यीना द^{ें}वा• सन्दी १-आसनका भेड-त्रा वेतका आसन-वा कुर्मी, ४ 'नाभी वा-नाभि ' शरी-रका अगविशेप-वा टोडी. ५ राजसमा' राजां सभा राजोकी सभा, वा कचहरी यह प्रसिद्ध है॥ ९॥

झिंछरी चर्चरी पारी होरा लट्टाच सिध्मला ॥ लाक्षा लिक्षा च गण्डूषा गृधसी चमसी मसी ॥ १० ॥

१ 'झल्लुरी' बाजाका भेद—वा झालर यह प्रसिद्ध है २ 'चर्चगी' करशब्द— वा हाथका शब्द—वा हर्षक्रीडा, कर्डिंग्क बाजे पटने हे. 'कर्कटी' छोटा घटा, ३ 'पारी वा बारी' हार्यीके पावकी 'रस्सी'

🗥 एक साब वा छप्त. ९ खट्टा च्छा विद्या विद्यों वागवीया) ं मार्गिकार ५ लाला - ान-नाह प्रामिद् ह. ८

पुरुष समदान चरा सपया या' सराभरा ॥ श्वरंगा गाड़िम ग्रा बहुका जामि भारतारम्य ॥ ११ ॥

चर, नन्दिकेश्वर आदि, इनी प्रकार-असु-रार्पाप देन्यदानव इत्यादि- इनके भेद-विल -नम्चि आदि. अमुरके अनुचर कृष्माण्ड--मुण्ड-आदि, इस मानि सत्र स्थानमें रिया अर्थात् लान्य प्रसिद्ध जानना. इनकेभी 'दैवनानि पुनि वा 'र करकेर ६ गहुल जर आहिमे देवना म्त्रियाम्' आदि बाधकको स्मरण ं राज्य र १ गुज्य करायेंग अवाधिता इस वस्प्रमाणसे ्रिक राज्य सम्बद्धाः हेलाल । स्वरा अर्गत १९ अपने भेट और पर्यापके स्विच प्रियातः १ स्वर्गपर्याप जैसे संक्षेत्र का का का का किया है जा किया है जा किया है जा किया है जा किया है जा किया है जा किया है जा किया है जा क

The state of the state of

गुन्य वा तराज़ू, ११ आदि-वा कफ-वा

्रहाश्च पिण्डगी-वित् ॥ गड्डः कर-ो वरण्डश्च किणी १८॥

. दुर्ग-पुर-किला-गढ वा अरबह कामेद महाकृष 'पर वें या जर के निकारनेवा 'एट-पुरस्ट निकार पानाः 'हे. ६ हह अधारत प्रश् दिया-बाजार यह प्रसिद्ध है 'पा समूह, ६ गोड ६ पिनार 'रे. किनार

हाथ आदिमे (घटा) स्पष्ट है, मण ओर चिह्नों भी ''किण'' कहते हैं, १२ घुणः, काठका कीडा वा घुन यह प्रसिद्ध है ॥ १८॥

हतिसीमन्तहरितो रोम-न्थोद्गीथबुद्धाः ॥ कासम-दाऽर्बदः कुन्दः फेनस्तूपी सयुपको ॥ १९॥

तित्व १ दिनिः चामका दोना वा मसक निवा (सिम्ताका २ सीमन्त केशवेश वालाई वा चटा गेथाहुआ, ३ हरित पत्न-प्रका स्वार स्वार्थ्य प्रीमिद्ध है ४ सेमस्थ, सि है प्रका ता तथ्य प्रीमिद्ध है ४ सेमस्थ, सि है प्रका ता तथ्य प्रीमिद्ध है ४ सेमस्थ, सि है प्रका ता प्रका चल्ला करते हैं स्वार विकास स्वार के स्वार्थ के स्वार्थ स्वार्थ क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य के स्वार्थ के स्वार्थ स्वार्थ क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य के स्वार्थ क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य के स्वार्थ क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य के स्वार्थ क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य के स्वार्थ क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण्य क्षाण क्षाण्य क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षाण क्षा

> ं नासिः हण्यतु-व्यक्तम्य गी-

वञन्न जैसे, 'प्रासीदन्ति मनांस्यस्मिन् प्रासादः,प्रास्यते इति प्रासः, विदति अने-न वेद:, प्रपत्ति अस्मादिति प्रपातः' भावमे जैसे, 'पाकः त्यागः' अच् जैसे 'जनः,चय ,नयः'अष् जैसे, कर,ः, गरः, ल्मः, प्रवः, नड् जैसे 'यज्ञः, प्रश्न , या-च्ञा' यहां पुँस्त्य वाधित है, नड़ उपल-क्षण है, 'स्वपो नन्'स्वप्तः, णप्रन्यय जैसे 'न्यादः' घप्रत्यय जैसे, 'उरच्छदः अथुच् जैसे 'वेपथु. त्यु प्रत्यय कर्नामे नह्यादित्वसे पुॅंछिगमें होता है, जैसे नन्टन.. रमणः, मधुसूदनः; भावमें पृथु, आदिसे जो इमनिच् है, सो पुॅलिङ्ग है, जैसे 'पृथोर्भात्र प्रथिमा, मदिमा,' भात्रे ऐसा क्यो कहा, वृणोतीति वरिमा पृथ्वी यहा का भावे यह शब्द देहली दीपकन्यायस र्पूर्व और परमे सम्बन्ध होता है, भावमे क प्रत्यय जैसे' आखूत्थ , प्रस्थ , प्रादित ः और अन्यतः' से पर जो घुसज्ञक वातु है उससे विहित जो कि प्रत्यय है सो पुँहिंग है 'दाप्दैपों विना' दारूप और घारूपमी

'इपुधिस्तु इयोरिति वावितत्व है' ॥१५॥ इन्द्रेऽश्ववडवावश्ववडवा न समाहते॥ कान्तः सुयेन्ड

धातु घुसज्ञक हैं, प्रादितः, जैसे 'प्रधिः

निधिः आदि 'अन्यतः, जैसे 'जलिंगः'

पर्यायपूर्वोऽयः पूर्वको पि च

द्दन्डे समाहारसंज्ञक्ते अन्यत्र समास द्दन्द्रसज्जकमे 'अश्ववडवी' पुसि हे, आप उदाहरण देते हैं, अश्वाश्च वडवाश्व अश्वर-डवा. 'इसी रीतिसे,अश्ववडवान्,अश्वरतै' इत्यादि प्रयोगसे, 'समाहारे तु अधादः वम,' यह झीत्र है, सूर्य, चन्द्रके पर्याय-पूर्वक कान्तराब्ट पुंसि है, जैसे सूर्यकाना ' अर्ककान्त ' चन्द्रकान्तः, इन्दुकान्तः, सोमकान्त , अयस् वा अयोवाचक अर्थात्√ लोहवाचक पूर्वक भी कान्तराब्द पुरि है जैसे 'अयस्कान्त छोहाकान्त.'॥ १६॥ वटकश्चातुवाकश्च रह्नकश्च सुडः ङ्गकः ॥पुंखो न्यूंखः समुद्रश्र विटपट्टघटाः खटाः ॥१७॥ अत्र पुॅल्लिंग विशेष पर्यन्त अनुक्त और अकरान्तादि ऋमसे कहा है, १ वटकः पिष्टकभेद वा (वरा), २ अनुवाक -वेदका अवयन वा भाग, ३ रहाक कम्मल वा कमरा प्रासिद्ध है, ४ कुडङ्गकः वा कुट-ङ्गक , वृक्षलताका समृह, ९ पुख: वाण का अवयव, ६ पुखः, न्यूख, वेदमे धरा ओकार, ७ समुद्र:-सम्पुट वा डिब्बा, ८ विटः धूर्त्त वा ठग, ९ ^{पृ} काष्ट्र आदिका बना आसनविशेष वा पाटा--

पींडा, १० घटः तृता वा तराजू, ११ खटः सन्यक्ष साडि-वा कफ-वा सणा (७॥

कोद्वारघट्टहटाश्च पिण्डगो-ण्डपिचण्डवत् ॥ गडुः कर-ण्डो लगुडो वरण्डश्च किणो घणः ॥ १८॥

ह कोड हुगे-पुर-किला-गट वा कोड्स ह अस्प्रेड - कप्रमेड महाज्य वा उसके क्यर जा जार्ड निजाकेका प्राट प्रभाव नायह प्रमान प्रमान कर है के उसकी काला स्थान कर है के उसकी काला स्थान कर है के उसकी काला स्थान कर है के प्रमान कर है स्थान कर है के प्रमान कर है स्थान कर है के प्रमान कर है स्थान कर है के प्रमान कर है स्थान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान स्थान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर है के प्रमान कर ह

कि म

जो र 🌝

हाथ आदिमे (घरा) स्पष्ट है, नग और चिह्नों भी "किण" कहते हैं, १२ घुग. काठका कीडा वा घुन यह प्रसिद्ध है ॥ १८॥

हितसीमन्तहरितो रोम-न्थोद्गीथबुद्धाः॥ कासम-दोऽर्बुदः कुन्दः फेनस्तूपी सयुपको॥ १९॥

१ इति चामका दोना वा मसक (भिम्ताका १ मोमन्त केशवेश व चट रश्चहुआ १ हरेन एला-प्रश्न व एक्स प्रमान है ४ रोमन्य, वशु के एक्स व च्या अने हैं प्रशास व एक्स सम्बद्ध १ उपार के स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वा

आतपः क्षीययं नाभिः कुणपश्च-रक्षेद्रराः॥पृरक्षुरश्चकाश्च गी-लहिह्लपुहलाः ॥ २० ॥

مري لد لكالاله الارسة * شيسة في े स्ट्रीके या अधेरी के वर वेट के भागत The Top show the thread of the the way an THE THE STEEL Line have the ten free free hand The state West of the state of ं संपानि, इ 1. 人名西特克斯

करण के विकास कर के किए के मार्थ के मार्थ के H rayman

18. No. 1 18. 18. 18.

B. Bus an after the . The المرا والمراك والأرا

दिहितिस्थात मारायक अपतिमादकम् ॥ शीनै

रणमीगर, चिरम्पानिक ियणं प्रत्य ॥ ३१ ॥ friden fit teterte de

क्षा विकास से मान्य पह The Property of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract of the Contract o a. . . In Thun All Co.

topp of property and a specific of TO A GETTER & FOR LIGHT COMMENTS OF \$

for the first of the state of the second

इत्यादि, १० रुदिरं, शोगित रस, ११ सुरु, बदन बन्नं, १२ अक्षि-नर्जनं नेत, १२ इरिंग, धन, इस इत्यादि, बट शांकि सियआदि, शक्तिमें जैसे बट्टं सुमाने-स्थादि सैन्य चन्नमित्यादि॥ २२॥

फलहेमशुल्वलोहसुखदुःख-शुभाशुभम् ॥ जलपुप्पाणि लवणंष्यश्रनान्यनुलेपनम्॥ ॥ २३ ॥

(पार-पामात्र करिय, उस हाय हि, गिर्मा, अतेम, स्वाप्त कर्मण, हम १ जि. गुळा म्स. स्वाप्त अ लेख, कार्यस्था स्वाप्त अव्याप्त अ लेख, कार्यस्था स्वाप्त अव्याप्त अ हम १ जर्मण अप्त अस्य अव्याप्त हम १ जर्मण अस्य अस्य स्वाप्त अस्य अस्य हमारित अस्य अस्य हमारित अस्य हमारित अस्य

(27 - J-

शस्त्रकार हरा । संदिक्ताः कोट्याः शतादिसंख्याऽन्या दा लक्षा नियुतं च नत् ॥ द्यक्तमसिसुसन्नन्नं यद्ना-न्नमकर्तरि॥ २४॥

कोट्या कोटिसक के बिना लो शत आदि संख्या है वह डोडमें होती है. लक्षणक का विकासने कियमें हैं पार्ट्स क्लिंग हा तत्वादाने तत्त्रशा पार्ट्स नियुत्त पर अधार्ष, उद्यावका नोर्ट्स नियुत्त पर अधार्ष, उद्यावका संस्था नियुत्त पर अधार्ष, उद्यावका संस्था नियुत्त पर संस्था को को संस्था नियुत्त पर संस्था को को संस्था नियुत्त को संस्था वानं गलेएवं शिष्टं गवं भागसंण्यमन्वितम् ॥ पा-वावार्नेऐकार्थो विस्तर्ठ-ध्यानुसारतः॥ २५॥

ज्ञान हो में है जैने पार्च-विभ मित-वर्षे- गाते- पन्य से इत्यारि,सकार भीर दक्षर उपना अन्तामे पूरिण है जिनके ने हीनमें है, सोपां जैसे, बुस, निस, अन्ततमस, टोपन जैसे, कुल,मूल, इस इत्यादि शिष्ट यह जो। प्रामुक्तरे भित्र है वह और यह प्रामुक्तभी जा। अवादित है सो भी बान्तादिक हीवमे है, शिष्ट क्यो कहा,पुत्र -यूत्र ट्म करा -पनम -शाल:-काल -गल:-सस्यापूर्वक रात्र-शब्द हीर्बर्ह '(रात्राह्महा पुसि)' इस-सूत्रसे पुरत्व प्राप्त था उसका यह अप-वादहे, त्रिरात्र, पचरात्र, सल्यया यह क्ये। कहा. अर्द्धरात्र मध्यरात्रः पात्र आदि अदन्तराच्दोसे जो एकार्थ द्विगु समास है वह फ़ींब है, पचरात्र आदि पदसे चतुर्युग, लदयानुसारत:—अर्थात् शिष्टप्रयो गके, अनुसार, इससे पचमूली, त्रिलोकी इत्यादि अपवाद है, एकार्थ क्यो कहा, पंच. कपालः पुरोडाशः द्विगु यह तद्वितार्थहै२५

हर्नेत्तराण्यंभावी प्यः गंग्याच्यमात्यमः ॥ पष्ट्या-श्रामानदनां नेहिन्छांप संतती सभा ॥ २६॥

१ अन्तरामायका एवा अर्थेर अय-यीभा गगाम हो में है, कीरा जैने पाणिपाट, निर्मेशी, मादीत्रायनिर्क ात्रायोभाग भिमे, अनिश्रि, यथागति. उपगत्त, संल्या और अल्लामें परे जैसे, निपथ, कापभ, सम्यात्र्ययादिनि र्कि. भर्मपथ योगपथ यह समामान्तका अनु-) करण है, मगासम पष्टी निभक्त्यन्तसे परे जो छायाञ्च्य है सो छीव है. बरुतोकी सवन्विनी होय ती जैसे, वीनी पिक्षणा द्वाया विन्छायम्, इक्ष्णा छाना इक्षुच्छाय,' बहुना, ऐसा क्यों कहा कुडयस्य छाया कुडयछाया, वा स्त्रिया यह ती कहेंगे, सहती समूहविषयमे सब शब्द क्रींय हैं, यहाभी पष्टयाः, इसका अनुवर्तन करते हैं, जैसे दासीना सभा दासीसमं, नृपसमं, रक्षःसम, स्त्रीसमीमत्यादि, सहती ऐसा क्यों कहा, दासीना सभा दासीसभा, दसीगृह, यह अर्थ है ॥ २६ ॥

शालार्थापि परा राजामह प्यार्थाद्राजकीत्॥ दासी

समं नृपसभं रक्षःसमिमा दिशः॥ २७॥

शालार्थ अर्थात् गृहार्थ-अपिशन्दसे समुदानार्थ भी जो सभाशव्य है वे। अरा-जकात् राजशब्दसे वर्जित और राजा मनुष्य अर्थात् राजार्थक राजपर्याप और अमनुष्यार्थक रक्षः आहि शब्दसे और पष्टयन्तले परे होन तो क्रीवमें है ' शाला-गृहं अथोंऽभिषेयो दस्या सा शालार्था, राजपर्शियसे जैसे. इनसमं, प्रमुसमं, अम-ु नुष्यार्थसे जैसे, रक्ष सम. पिशाचसम, अराजकात क्यो कहा, राजसभा, 'राज-पर्यायके ग्रहणसे यहा नहीं हुआ. चन्द्र-गुप्तसभा, राजविशेष यह हैं पष्ट्या क्यों कहा, नृपतिवियय सभा संभा 'तृणां पतिर्यस्या सा चासी सभा-चेति' वा नृपतिसभा, अमनुष्यार्थात् यह क्यो कहा दासीसभा, दासीना शाला र्न्यर्थः इमा दिदा . यह दासीसम इस आदि त्रमसे उदाहरणहै. तिनमे दासीसभ यह समुदाय ही अर्थमे हैं, रोप दो साला र्भार सहित सर्थमे है॥ २०॥ रपज्ञोपऋमान्तश्च तदादित्वप्र-काराने ॥ कोपज्ञकोपक्रमादि कन्थोशीनरनामसु ॥ २८॥

१ उपज्ञा और उपक्रमान्तके आदि-त्वके प्रकाशनमें उपज्ञान्त और उपक्रमान्त यह समास क्षेत्रमें होता है, '(उपज्ञयते इति उपज्ञा ॥ को ब्रह्मा तस्य उपना कोपज्ञ प्रजा ॥ कस्योपक्रमः कोपक्रम लोक)' प्रजापतिने प्रथम बनाया था इससे उसीने आदिमे प्रजाको जाना था, यह अर्थ है, उन्हीं नरोके मध्यमे पर्यंगतसे पर कन्या क्षेत्रमें है, जैसे सीशमीना कन्या सीशमिकन्यं, उशीनरदेशवाचीसे अन्यत्र दाक्षिकन्यानामसु यह क्यो कहा, वीरण कथा ॥ २८॥

भावे नणकिन्द्रिशोन्ये समृहे भावकर्मणोः ॥अद्गतप्रत्ययाः पुण्यसुदिनाभ्यां त्वहःपरः॥२९ चकार इत्सहक है जिनका वह चिन्



लोकायतं हारिनालं विदलं स्थालवाहिकम्॥

स्यालना हिन्दम् ॥ १ गोनापना चार्यक्रवालः २ हार्य-तालः, धातुभेदः, २ प्रिटः, क्षमका वसा पात्रभेदः, १ स्थातः पात्रभेदः वा धार वा हाडी अन्तपात्र पात्रपत्र, प्राटिः, ९ बाहिः प. लुकुम वा देशभेद उप देशका उपन

कुक्तम बाह्याचा री "वहदेशे सन बाह्यव" इति स्थमकीचार स्वतः "

पुत्रपुंतकयाः शेषोऽधर्चपि-

प्याककण्टकाः॥३२॥

disperimental and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second and a second a second and a second and a second and a second and a second and

in e

मीरकामण्डकण्डलाहरू पेटोऽहोरः ॥ पानस्थापन

ष्टाऽहाः ॥ पानकाराः च रबनमालामकाः नः । १ मोदक . सस्यमेद वा 'हह्ह \, २ नज्डक उपनाप्तिकोण वा रेगविदेश.

६ टका बन्द्र , कानदारंग र च प्रधर गढनेको टामी, ४ शाउन्हें पदभेड वा गडनेको हम्मित्र हैं, ५ कवेट वा कार्येटा

ं वाने पहने हे सबीत '' स्थानमेत वा वन्तेमत, ६ पहुँद , सालाभेत वा दश-केति, १ पत्क वस्तापति, ८ उद्येग

प्रकार र्भासक प्राचाक विद्याल • प्रकार प्रतास प्राचा के इसर सामक्रम

त्रम् सात् शिल्यस्य जेव तित्रभ्यस्य प्रतिस्था १ स्थास जनसम्बद्धाः स्थान

कुरिम गनाका भेड, सममं संपोम, ९ जान. मान मानभेद, १० वर्म अक्षिरोम, ११ शम्मक वा सम्बर्ज-वर्णका भेद, १२ अत्रय-स्वरादिनिपात वा कित्तररहिनं, १३ ताण्डव वा ताण्डल, नानका भेड,॥२॥।

> कवियं कन्द्रकार्पासं पारा-वारं युगंधरम् ॥ यूपं प्रय्रीव-पात्रीवे यूपं चमसचिक्कसौ ॥ ३५॥

१ कविय-तोवडा लगाम वा वागडोर २ कन्द, कमिलनीकी जड वा मूल कहीं किमी यह पाठ है, ३ कार्पास. 'कार्पास वा कपास वा रूई वस्त्रका कारण आदि,' ४ "पाराबार," बार नदी आदिके दोनो पारको क्रमसे पार और अवार कहते है, युगन्धर-कूबर वा स्थके ज्ञाके काठको पुष्ट करनेवाला काष्ठ वा पर्वत भेद—आदि यूप, वा पूप यज्ञाङ्गभेद,-अथवा यज्ञ-पशु वाधनेका काष्टमेद, ७ प्रग्रीव- दुमशी-र्पकम् वा झरोखा-मुखशाला खिडकी 🔑 🔍 ८ यात्रीव वा 'पात्रीव वा'यज्ञ भेद, ९यूप वा जूप--माण यह है. '(मुद्गामलक्यूपस्तु प्राही पि-े. हित इति उक्त वैद्यके) १० चमस ि.ी. ये २ दो पात्रभेद हैं॥ ३५॥

अर्थनादी घृतादीना पुंस्वायं वदिकं ध्वम् ॥ तत्रोक्तमिह हो केऽपि त्चेदस्त्यस्तृशेषकत्र्ध्॥

अर्भचादी इस पुनाप्रकाविकार कार्में गृनादिकोको पाणिनि आदिकाने पुन्न आदि कहा है, वे तो बेटमे प्रसिद्ध बेदिक है, इस हेनु उन्हें यहा नहीं कहा और छो-कमें हैं ती वे शेपवत् अर्थात् उन्तरें भिन्न शेप हैं उनके समान शिष्टप्रयोगके अनुसार प्राह्म है, ॥ ३६॥

इति पुन्नपुसकसप्रह ॥

अथ स्त्रीपुंशेषसंग्रहः॥ स्त्रीपुंसयोरपत्यान्ता द्विचतुः षट्रपदोरगाः॥जातिभेदाः पुमा ख्याश्रस्त्रीयोगैःसह महुक३७॥

अपत्यप्रत्यय अन्तमें है जिनके वे शब्द स्त्री और पुंछिंगमें होते हैं, जैसे 'उपगो अपत्य पुनान् शीपगवः उपगो अपत्य स्त्री औपगवीं, वैदेहः, वैदेहीं, गार्ग्य, गार्गीं,' ' दिचतु पट्पदोरगा ' दिपद—चतुष्पद—और पट्पदवाची शीर भुजगवाची जाति भेद स्त्रीपुंस हैं, तिनमे दिपदजातिभेद जैसे, 'मानुपः पुमान मानुपी स्त्री गोप पुमान् स्त्री गोपी, ज्ञाह्मण बाह्मणी, शूद्ध शूद्धा, अजादि मानकर टाप् है,' चतुष्पदभेद जेसे, 'मृगः मृगी, ह्यः ह्यों, पट्पट भेट जैसे, 'भूगः भूगी, मक्षिका, मन्खी, शिवा, सिआरी, लूता म-करी,पिपीटिका चिरंटी, उरग जैसे,डरग. उरगी. नाग, नागी, 'श्लीवेगीः सह पुनाल्याः, ' अर्थात् स्त्रीवाचकराव्दके योग से पुजनक शब्द स्त्री और पुल्लिमे होते है, जैमे इन्द्र इन्द्राणी. 'मातुर्भाता मानुङ . तस्य स्त्री मानुली. पुसिमे वर्न-मान मातुल स्त्रीयोगने स्त्रीत्रमे भी हैं 'शृदस्य स्त्रों शृद्धों.' मलुका. आदिसी स्त्री पुनमें है महक स्त्रीमें नी मिट्का प्राप-वहिका भेद है ॥ ३७॥ र्जीमर्वराटकः स्वानिर्व-णेको झाटलिर्मनुः॥ सृषा-सुपाटी कर्कन्थ्यंष्टिः शाटी कटी कुटी ॥ ३८॥ मुनि यनी इहुइ इद् रिया व

अभिवेराटकः स्वानिर्व णेको झाटलिर्मनुः॥ सृषाः सृपाटी कर्कस्धृयेष्टिः शाटी कटी छटी ॥ ३८॥ सृनि यती दहुः वृद्ध रिवार्व भेद, पत्राश आदि रिवार्ग पार्व हैं । बराइक् वर्षाटिया ३ स्थानि न्या है । वर्षाटिया ३ स्थानि न्या है । वर्षाटिया ३ स्थानि न्या है । वर्षाटिया ३ स्थानि न्या है । वर्षाटिया ३ स्थानि न्या है । वर्षाटिया ३ स्थानि न्या है । वर्षा पार्शिक का स्थानि । वर्षा ६ ६ पन् स्थानि । वर्षा ६ स्थानि ।

रिविर्को नई १३३

यष्टि . लाठी. ११ शाटि . पटमेद—वा शाडी. १२ कटि. और कट .खी कटि., वा कटी. देहका अग्रय वा कमर १२ पु॰ कुटि . खी कुटि. वा कुटी, गृह-विशेष वा पत्तीका घर. यहा मृग न-कारान्त है॥ २८॥ इति र्झापुशेपसप्रहः॥

अथ स्त्रीनपुंसकशेषः ॥
स्त्रीनपुंसकयोभीवक्रिययोः
प्यञ्कचित्र वुञ् ॥ ऑचित्यमीचिनी मन्नी मन्यं वुञ प्रागुदाहनः॥ ३९॥
निकार स्त्री स्त्री

षष्ट्रक्तमा स्पदा सिनाहा योग्यानास्पानिगाः ॥ स्यादा सस्त प्रतिग गाः शालामिनरं चे दिल् (८००)। तन्तुरुपसमासमे पष्टयन्त पष्टी विभ-नत्यन्त प्राक्पद हैं जिनके ऐसे पष्टयन्त प्राक्पद सेना आदि शब्द न्त्री और नपु-सकमें होंगें, उदाहरण, जैसे नृणां सेना रुसेन. वेति विकल्पसं रुसेना भी, इनरे भिन्न पदभी इसी प्रकार उदाहरण, कर-ना चाहिये, श्वनिश, गोशाल, यवसुर यवसुराः, कुडयस्य छाया कुट्यन्छाय, कुडयन्छाया वा पष्टीबहुवचनान्तसे पूर्व पदकी छाया हो तो क्वीवहीमे होवे ऐसा पहिले दिखाया है ॥ ४०॥

आवन्नन्तोत्तरपदो द्विग्रश्चा-पुंसि नश्च छुप ॥ त्रिखद्वं च त्रिखद्वी च त्रितक्षं च त्रित-क्ष्यीप ॥ ४१ ॥

आवन्त उत्तरपद और अन्नन्त उत्तर-पद द्विगुसमास पुल्लिगमे नहीं है, किन्तु स्त्रीनपुसकमे होते हैं, अन्नन्त उत्तरपदका जो अन्त नकार है उसका छुन् अर्थात् लोपमी होता है, (आप्—आ—अन्) आवन्तात्यपदका उदाहरण कैसे, त्रिखट्ट यह तिस्र खट्टः समाहता त्रिखट्ट त्रिख-ट्वी भी अनन्तोत्तरपद, जैसे त्रयस्तक्षाणः समाहतास्त्रितक्षं, त्रितक्षी च तक्षन् शब्दका अंत्य नकार छप्त है, ॥ ४१॥ ॥ इति स्त्रीनपुंसकरोपः॥

अथ निलिंगशेषसंग्रहः॥ निषु पात्री पुटी वाटी पेटी कुवलदाडिमौ॥ पात्र आदि और टाउम जनात तिलिंग हैं. पात्रः, पात्रे पात्रं आदि. प्रती, पुटः. टीट, वा पटः—टी-ट, पुटः महीना वना डच्चा वा औपच प्रतानका पात्रमेद, द्व आदिके पीनेका पात्र टांना आदिः वाटी, 'वाटः—टी-ट'राम्ना-वामार्ग, पेटः, टी वाटा-ट, पेटा—डा. पेटी-डी. वह पेटारा वा पेटारीका नाम है, ड्रब्ब-डी-व उत्पल कमल मोती—आदि, टाडिमः-नी-म, दाडिम्ब ब्रक्ष वा अनार ॥

इति त्रिष्टिङ्गरोपसप्रहः॥

परं लिङ्गे स्वप्रधाने द्रन्दे

तत्पुरुषेऽपि तत्॥ ४२॥

द्वन्द्वेकत्वका और अव्ययीभाव समा-सका लिंग पहिले कह चुके हें, स्वप्रधाने अर्थात् उभयपट प्रधान इतरेतराख्य इन्द्र-समासमें और त्पुरुप समातमें भी जो (पर) परपटस्थालिंग हैं वहीं लिंग होता है, तहा इन्द्रसमासमें जैसे कुकुटमयूर्ण्वाविमे, मयूरीकुकुटाविमी, तत्पुरुपसमासमें जैसे, धान्येनार्थों धान्या-र्थः, सर्पाद्वीति. सर्पभीतिः सर्पभय, याप्य-धः, कुलविप्र. कुलीनविप्रः प्रज्यकुल, विप्र-कुल, ब्राह्मणका कुल, इत्यादि ॥ ४२॥ अर्थाताः प्राद्यलेशासाद्वप्नपूर्वाः

परोपगाः ॥तद्धितार्थो हिग्रः

संख्यासर्वनामतदन्तकाः ४३॥

उक्त तत्पुरपके छिगका अपवाद कहा है. अर्थ इस पदसे, अर्थान्ताः अर्थात् अर्थशब्द है अन्तमे जिसके और एरो-पगाः. परगानी बाच्याङंग है. अर्थ जैसे द्विजायाय द्विजार्थः सूपः, द्विजार्था यनागूः हिलाधे पन , 'ब्राह्मणार्थ-र्था-धे' 'अर्थेन नित्यसमासो विशेष्याङगताचेति वक्तव्यम्. यह वार्त्तिक भी है '(प्रायलंप्राप्तापक्यूर्वाः परोपना.. 'पर विशेष्यको जाते हें यह अर्थ है,प्रादिपूर्व जैसे. अतिकान्तो मालामिन-मालो हार अतिकान्ता मालामतिमालेयम अतिमालीमदं,अवकुष्ट कोकिल्या अवको-🐧 किल अलपूर्वपद जैसे अल कुमार्पे इन्यन-कुमारिस्य, अल कुमागिरेयम् अत्र कुमारि इदं, अलब्बजीविक -का-क प्रमानिबने हिन प्रमर्जावेका स्त्री प्रमत् किनेट इसी प्रकार आपनार्जाविक र्राडन हिंगु 'अर्थान् नदिन अर्थमे जिल्ला समान बार्यारग है। पचलपार -पुरोडांग सम्बाहायः मर्जनम् -- -तदलमं सहित्सक है । । एक पुमान् एक का व विशेष्ट्रेच हर हर त्रीनि ज्ञानी ए -चनार्ष ' कार्य-के के का भादिकोसा कि का कि है, और रात जांचे र सप्रहमें करचके हार हार देश सर्ग 🖅 🕛

प्रकार पर पुनान् 'सस्यान्तक कैसे जन-त्रमः । उनतित जनमीणि' सर्वनामान्त कैसे परमसर्वे परमत्तर्वा परमसर्वन्॥४२॥ बहुब्रीहिरदिङ्नास्नामुन्नेयंतदु-दाहृतम्॥ग्रुणद्रन्याक्रियायोगी-पाधयः पर्गामिनः॥ ४४॥ अदिङ्नाम्ना अर्थात् दिमानाचक सन्द

ने भिन्न नामवालोका बहुवीहि समासने अन्यत्विग होताहै इस के उठाहरण आपने आप विचारना चाहिये जैसे 'हुडा मार्था प्रस्य स बुडमार्थ 'बहुयन बहुयना यहु-यस अदिङ्नाचा ऐसा क्यों पहा दक्षि-प्रस्य पर्वस्थान्त्र दिल्लान्य प्रदेश प्रस्य पर्वस्थान्त्र दिल्लान्य प्रदेश प्रस्य पर्वस्थान्त्र दिल्लान्य प्रदेश प्रस्य पर्वस्थान्त्र दिल्लान्य प्रदेश प्रस्य पर्वस्थान्त्र दिल्लान्य प्रदेश

कतःवर्नयंत्रलायः तया हत रिज्ञाणि अल्लास्त्राप्तर कार्यकार क्षेत्रर १०००

(३००) अमरकोश भाषाटीकासमेत । [हिगादिसप्र

अथमे और कर्ता अर्थमे वर्तमान कृत्य प्रत्यय परगामी होते हैं कर्ममे जैसे भन्य: (तरुः)-व्या-व्यः; गन्तव्यः (ग्रामः)-व्या-च्यः; कर्त्तव्या भक्तिः कर्त्तामे जैसे वसत्तीति वास्तव्योऽय वास्तव्या सा वास्त-व्य तत् कत्तीरे कमीण क्यो कहा भाव अर्थमें तो एधितन्य त्यया तेन रक्त इस इत्यादि अर्थमे अण् आदि तद्भितप्रत्ययान्त और नाना अर्थके कहनेत्राले वा अनेका-र्थके विशेपभूत विशिष्ट होनेसे वाच्यिलग हैं जैसे कुसुम्भेन रक्ता शाटी कीसुभी कीसुम्भः पटः कीसुम्भ वास , ईम-ईमी-म ऐन्द्र:-न्द्री-न्द्र 'तेन रक्त रागात्' सङ् से अण् होताही और रक्ताद्यर्थ इसके आदि शब्द्से मथुराया आगनो मायुरोऽय वा माथु-रीय आदि अणाद्यन्ता इम इत्यादि पदम ग्रामे भव. प्राम्य पुमान्,ग्रामे भवा प्राम्वा स्त्री आदि,यहा यन् प्रन्यय होना है॥ ४९॥ षट्संज्ञकास्त्रिषु समा स्मत्तिडव्ययम्॥ परं विरोधे शेषं त ज्ञेयं शिष्ट्रप्रयोगतः॥ ४६ ॥ पर्मजका अर्थात् पान्त आर नान्त सम्ब्या तथा किनशब्द मी त्रियु समा वा त्रींनो जिनमे तुल्य होते हे आर नित्यही-न्व अर्थमे वर्तमान ह इस कारणसे नान्त ह, जैसे पडिमे, पडिमा , ानि, पर्वाभिरताभि , कति पुमाम न्त्रिय , कति कुरानि युष्पर् और ब्द तथा निडन्तपद-और अन्य-

यत्राचक शब्द-ये सव त्रिछि. समान हैं, युष्मद् शब्द जैसे, खं पुमान्—त्व कलत्रं, अस्मद् _{शब्} आवा पुमांसी-आवा न्त्रियी; आवां तिङ् जैसे, स्थाली भवति, घटो भ पात्र भवति इसी प्रकार दाराः भः त्यादि, अन्यय जैसे, उन्नै. दारा: उन्नै: उर्चे कलत्र.उर्चे प्रासादः इत्यादि परं [रोधे विप्रिनिनेधे वा विवियोके परस्पर विरोध में पराटिगानुशासन हाता है, जैसे मानुप श गन्द क-प-ण भ-म-र इस प्रागुक्तविधिसे पुम्त्व ही प्राप्त था, द्वि चतु , पट्पद इस उत्तरोक्त स्त्रीपुमिविविका निश्चय कियाहै. जैसे मानुयोडम, मानुयीय, शेप जो नहीं कटा गर्ना नाम आदि वह टीप्ट महाक-निप्रयोग और भाष्यकप आदिके प्रयोग में जानना चाहिये, यद्या अनुस्तराब्दोंके िया शिष्ट्रप्रयोगने जानने योग्य है, लिङ्ग विश्रायक शास्त्र न करना चाष्ट्रिय क्योकि िङ्गजान रोक वा समयमे जान पडता है यह भाष्यकारका मन है ॥ ४६॥ इति टिङ्गादिसप्रदर्भ ॥ २ ॥ इत्यमरसिंहकुनौ नामलिङ्गा-सामान्यकाण्डस्तु-

ति इस कारणंत तीयः साङ्ग एव समिथितः ४९॥ इस्प्रकार अन्यासेन त्रायः साङ्ग एव समिथितः ४९॥ इस्प्रकार अन्यासेन्द्र ज्ञत नामि द्वानुज्ञासने सामान्य तृतीयकाण्डमाङ्गनिर प्रण करा ४९ शित श्रामुगदाबाद्यास्त्र याण्डत्यास्त्र स्वाम् । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको शासपूर्णः ॥ विद्वान्य समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यमरको समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम । इत्यम समाम

ŕ